द मॉन्क हू सोल्ड हिज़ फेरारी

अंतरराष्ट्रीय स्तर बिक्री में नंबर १ पर पहुंची किताब के लेखक द्वारा

विश्व के एक सबसे सफल
शिक्षक निजी और व्यावसायिक
रहस्यों का भेद करने के लिए
बता रहे हैं अपने रहस्य

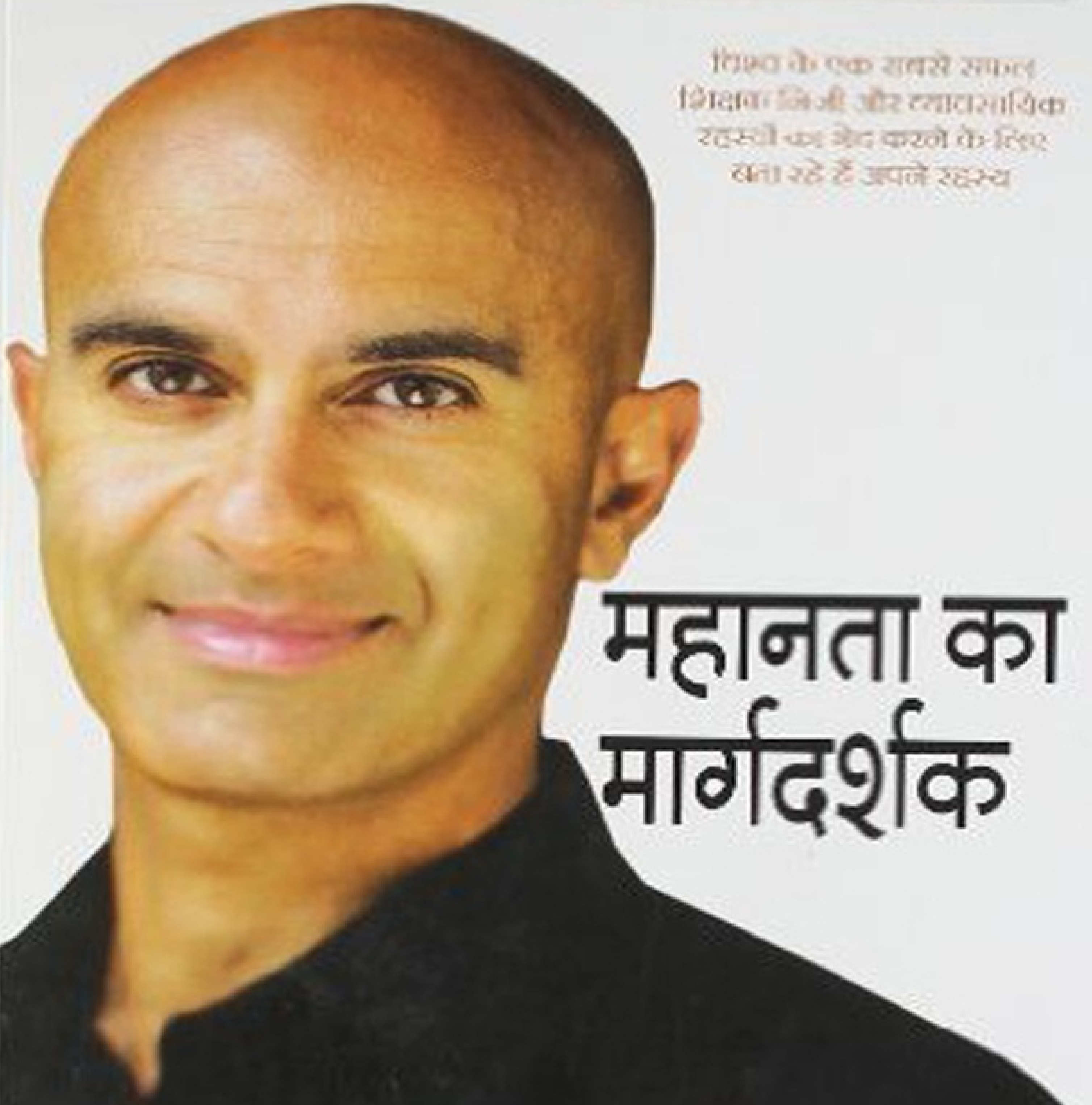

महानता का मार्गदर्शक

रॉबिन शर्मा

THE GREATNESS GUIDE NOW IN HINDI

JAICO

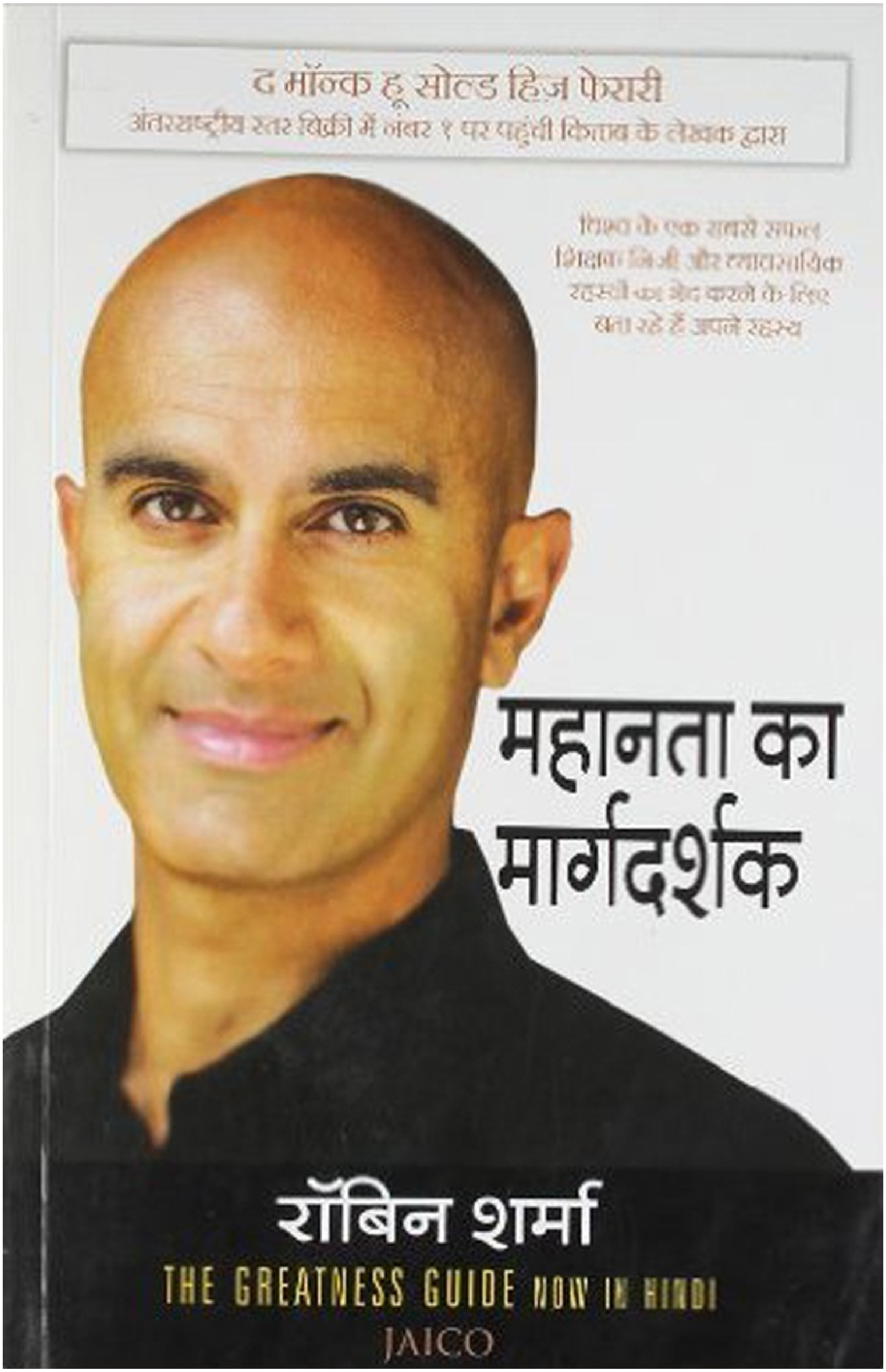
द मॉन्क हू सोल्ड हिज फेरारी
अंतरराष्ट्रीय स्तर बिक्री में नंबर १ पर पहुंची किताब के लेखक द्वारा
विश्व के एक सबसे सफल
शिक्षक निजी और व्यावसायिक
रहस्यों का भेद करने के लिए
बता रहे हैं अपने रहस्य
महानता का
मार्गदर्शक
रॉबिन शर्मा
THE GREATNESS GUIDE NOW IN HINDI
JAICO

महानता का मार्गदर्शक

रॉबिन शर्मा द्वारा लिखी अन्य किताबें

मेगालिविंग

द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज फेरारी

लीडरशीप विसडम फ्रॉम द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज़ फेरारी

व्हू विल क्राय व्हेन यू डाई

फॅमिली विसडम फ्रॉम द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज़ फेरारी

डिस्कवर यूअर डेस्टिनी विद द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज़ फेरारी

महानता का मार्गदर्शक

विश्व के एक सबसे सफल शिक्षक निजी और व्यावसायिक रहस्यों का भेद
करने के लिए बता रहे हैं अपने रहस्य

रॉबिन शर्मा

जयको पब्लिशिंग हाऊस
अहमदाबाद • बेंगलोर • भोपाल • चेन्नई
दिल्ली • हैदराबाद • कोलकाता • लखनऊ • मुंबई

प्रकाशक- जयको पब्लिशिंग हाऊस
ए-२, जश चेंबर्स, ७-ए सर फिरोजशाह मेहता रोड,
फोर्ट, मुंबई-४००००१
jaicopub@jaicobooks.com
www.jaicobooks.com

© रॉबिन शर्मा

हार्पर कोलिन्स पब्लिशर्स लि.,
टोरंटो, कैनडा के सहकार्य से प्रकाशित

महानता का मार्गदर्शक
आईएसबीएन ८१-७९९२-५७६-५

पहली जयको प्रति- २००६
पंधरावा जयको प्रति- २००९

इस किताब का किसी भी तरह का कोई भी अंश किसी भी रूप में, चाहे वह इलेक्ट्रॉनिक, फोटोकॉपी या रिकॉर्डिंग प्रकाशक की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता ।

यह किताब मैं आदर और प्यार के साथ अपने माता-पिता को समर्पित करता हूं । आपने मुझे सिर्फ जीवन का उपहार ही नहीं दिया बल्कि इसे पूरी तरह जीने का उत्साह भी दिया । उसके लिए मैं आपका बेहद आभारी हूं ।

सूची

१. मै गुरू नहीं हूं
२. हार्वे केइटल और आशाओं की खिड़कियां
३. सफलता जैसी विफलता नहीं
४. काम में बने एक रॉक स्टार
५. आपका दिन बनाता है आपका जीवन
६. गांधीजी के साथ कॉफी पी
७. खेल में जान झोंक दे
८. खुली हवा में सास लें
९. सोचने के लिए वक्त निकालें
१०. अतिरिक्त मेहनत से होती है नेतृत्व की शुरुआत
११. माइक जैगर और संदर्भ सूत्र
१२. व्यापार मतलब रिश्ता
१३. स्पाँजबॉब स्क्वेअरपैंट्स से सीखे जीवन का सबक
१४. खुशमिजाज इंसान कैसे बने
१५. मेहनत करे, भाग्यशाली बनें
१६. अपनी प्रतिभा को पहचानें
१७. जितना बोलोगे उससे दुगना सुनिए
१८. अपने ग्राहकों का दिल जीतें
१९. ना कहने के लिए सीखना
२०. अपनी ही नाव को आग लगाए
२१. नेता तेजी से बढते हैं

२२. चार मिनट में चलें एक मील
२३. लिफाफे को आगे बड़ाए मतलब निरंतर काम करते रह
२४. श्रद्धांजलि और जीवन का मतलब
२५. नेतृत्व लोकप्रियता की प्रतियोगिता नहीं है
२६. किस तरह के सुसमाचार का प्रसार कर रहे हो
२७. किमोनो के तहत: मेरा उत्तम आचरण
२८. संस्कृति ही राजा है
२९. आपका कार्यक्रम झूठ साबित न हो
३०. एक अभिभावक के रूप में चमके
३१. वाहवाही के व्यापारी बने
३२. जो है उसे प्यार करने के बजाय वह पाने की कोशिश करें जो पाना चाहते हैं
३३. एक सीईओ की तरह सोचो
३४. खिलाड़ी की तरह कार्य करें
३५. बेतहाशा उत्साही बने
३६. सफलता सेक्सी नहीं है
३७. विरव का उदासी राज्य और गले लगने का समारोह
३८. अच्छे की कीमत
३९. दबाव में भी प्राविण्य दिखाएं
४०. अधिक रचनात्मक बन कर, आराम करें और जीवन का पूरा मजा लें।
४१. दो जादुई शब्द
४२. प्रति दिन मरने की कीमत
४३. ग्राहक-केंद्रित बनाम से दोपहर के भोजन से बाहर
४४. बिना पद के नेतृत्व करें
४५. अपने जिम्मेदारी निभाएं
४६. क्या आप खेलते है?
४७. एफ के चार लक्षणों से बचे
४८. समस्याएं से बुद्धिमत्ता उजागर होती है

४९. अपने क्षोभ से प्यार करें
५०. एक सुपर स्टार की तरह बात करें
५१. सीखते रहना या खस्ताहाल होना है
५२. संबंध बेहतर बनाने के आसान तरीके
५३. कवि के रूप में रॉक स्टार
५४. प्रर्वतक का मंत्र
५५. आनंद बनाम खुशियाँ
५६. ६०० डॉलर का सैंडविच
५७. अच्छा व्यवहार ही व्यापार के लिए अच्छा है
५८. सफलता का ढांचा बनाए
६०. ज्यादा अनुभवी इंसान ही जीतते रहता है
६१. आशीर्वाद लेकर बड़े बजे
६२. आशीर्वाद लेकर बड़े बने
६३. सफलता शब्द को मटमैला किसने बनाया?
६४. जीवन में महानता पाएं
६५. स्टीव जॉब्स के प्र२न
६६. आपके धैर्य में कौन सी कमी है?
६७. बिना पूछे कुछ नहीं मिलता
६८. अपनी मेड छोड़ कर काम करें
६९. नेतृत्व के लायक बने
७०. अतिवादी नेतृत्व और बच्चों के कपड़े
७१. संपत्ति के सात रूप
७२. यू२ मानकों को लागू करें
७३. अधिक कमाने के लिए अधिक सीखें
७४. समझदारी की अँखों से देखे
७५. आपके घर का दिल
७६. प्रेरणादायक इंसान बनें

७७. ब्रह्मांड में सेंध लगाएं
७८. सभी नेता एक जैसे नहीं होते
७९. लक्षय निर्धारित करने के छह वजहें
८०. बूमरैंग के प्रभाव को याद रखें
८२. लोगों को अच्छा महसूस करने दें
८२. प्रथम श्रेणी का काम करे
८३. अच्छी तरह सफाई करें
८४. मिलियन डॉलर बेबी के नियम पर चले
८५. पृथ्वी छोटी है
८६. मेहमान भगवान होते है
८७. खूबसूरत है वक्त
८८. पहाड़ी पर और बदलले में उस्ताद
८९. कृपया शब्द के साथ क्या हो सकता है?
९०. बॉन जोवी और लूक्षय के प्रति केंद्रित होने की ताकत
९१. मरले के घहले किए जाले वाले 909 कामों की सूचि बजाएं
९२. बच्चों के साथ समय बिताएं
९३. शूकी की तरह काम करें
९४. बेहतर डिजाइन का आदर करें
९५. एवियन पानी और आप एक बहुत बड़ा स्वपना देखने वाले
९६. गार्थ जैसा बने
९७. आसानी से छोड़ न दें
९८. बड़े पैमाने पर खुद की ढेरवभाल करें
९९. सोचिए, मुझे कौन प्रेरित करता होगा?
१००. हमेशा के लिए कैसे जिएं
१०१. महानता के हिस्से पर दावा करना

“जीवन शुद्ध रूप से एक साहस हैं जितनी जल्दी हम उसे पहचानेंगे, उतनी ही जल्दी ही हम जीवन को कला के रूप में जी सकेंगे ।”

माया एंजेलो

“मैं ऐसे सोचता था कि मैं अलग दिशाओं में जो अलग प्रयास कर रहा हूं, विभिन्न लोगों के साथ मेरी जो चिंताएं हें उन्हें एक दिन हल कर पाने में सफल हो जाऊंगा । अब मुझे पता चला हैं कि में कौन हूं मुझे महसूस हो रहा हैं कि मेरे दिमाग में जो गीत बज रहा था उसके निकट में पहुंच रहा हूं । में कृपा नहीं चाहता था, लेकिन सौभाग्य से कृपा मुझे देख रही थी ।”

बोनो यू२ के मुख्य गायक के रोलिंग स्टोन से उद्धृत.

१

में सुरू नहीं हूं

कभी कभी मीडिया मुझे नेतृत्व करने वाले (या स्व-सहायता) “गुरू” के रूप में पुकारता है, लेकिन मैं गुरू नहीं हूं । मैं एक साधारण सा इंसान हूं जिसने विद्वानों से उन विचार और औजारों की जानकारी प्राप्त की है । जिनकी मदद से मैंने कई लोगों का जीवन सुधारने के साथ ही कई संगठनों को विश्व स्तर का बनाने में मदद की है ।

लेकिन मैं आपसे यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि वास्तव में मैं आप से अलग नहीं हूं । मेरा अपना संघर्ष है, मेरी हताश है और मेरा डर–साथ ही मेरी आशा, लक्षय और सपने भी हैं । मेरे पास कुछ अच्छे पल भी हैं और दुखद प्रसंग भी । (मैंने कुछ बेहद खराब गलतियां की हैं और कई अच्छे निर्णय भी लिए हैं।) मैं एक ऐसा इंसान हूं जो हमेशा प्रयासरत रहा हूं । मेरे पास जो विचार हैं जिसे आप उपयुक्त मानते हैं, कृपया उसे अच्छी तरह जान लें क्योंकि उसके लिए मैंने अपने जीवन के कई दिन, उसकी जानकारी इकट्टा करने के लिए बिताएं हैं । सोच विचार और व्यावहारिक तौर–तरीके के बारे में आपकी मदद करने के लिए और एक इंसान का जीवनरूपी खेल खेल कर चोटी पर पहुंचने के लिए मैं प्रयासरत हूं । कंपनियों को असाधारण स्थान पर पहुंचाने के लिए क्या किया जा सकता है इस बारे में मैं सोचता रहता हूं । लंबे समय तक कार्य करने पर आपको उसकी अंतदृष्टी और समझ की गहराई पता चलती है । उसके बाद ही आपको गुरू कहा जा सकेगा ।

भारत के बेंगलोर शहर के एक बुकस्टोर में हस्ताक्षर देते वक्त एक व्यक्ति ने मुझसे सुना कि “मैं गुरू नहीं हूं ।” वह मेरे पास आया और उसने मुझसे कहा, आप खुद को गुरू कहलवाने में इतना असहज क्यों महसूस करते हैं । ‘गु’ का संस्कृत में सीधा मतलब होता है ‘अंधेरा’ और ‘रू’ का सीधा मतलब है दूर करने वाला । इससे साफ होता है कि ‘गुरु’ का मतलब वह व्यक्ति जो अंधेरा दूर करता है और ऊजाले का महत्व समझाता हैं।’ उनका मुद्दा बेहद उचित था जिसने मुझे सोचने पर मजबूर किया ।

मेरे पास कुछ अच्छे पल भी हैं और दुखद प्रसंग भी । मौंन

कुछ बेहद खराब जलतियां की हैं और कई अच्छे निर्णय भी लिए हैं । मौं एक ऐसा इंसाज हूं जो हमेशा प्रयासरत रहा हूं ।

अगर आप सोचते हैं कि मैं आपसे अलग हूं, तो आप यह कहिए कि रॉबिन जिस तरह की बातें कर सकता हैं उस तरह की बातें मैं नहीं कर सकता “क्योंकि रॉबिन में जो प्रतिभा और काबिलियत है वह मुझमें नहीं है । वह जो कहता है वह उसके लिए बेहद आसान है इसलिए वह गुरू हैं।” नहीं । बड़े खेद के साथ मुझे कहना पड़ रहा है कि मैं भी आपके जैसा ही मेहनत करने वाला आम इंसान हूं जो दो बेहद खूबसूरत बच्चों का पिता है और उसे अकेला ही संभाल रहा है और जो सोचता है कि लोगों के जीवन में बदलाव लाया जा सकता हैं । यहां कोई गुरू नहीं है । लेकिन मुझे “अंधेरा दूर करने वाला” मुद्दा बेहद पसंद आया । उसके बारे में मैं और जानना चाहता हूं । शायद कोई गुरू इसमें मेरी मदद करें ।

२

हार्वे केइटल और आशाओं की खिड़कियां

मैं हमेशा सही नहीं हो सकता (मैंने पहले ही कहा है कि मैं कोई गुरू नहीं हूं) लेकिन मुझे पता है कि मैं इतनी कोशिश, इतनी मेहनत अवश्य करता हूं कि मेरे आचार मेरे विचारों से मेल खाएं । फिर भी मैं एक इंसान हूं और इसका सीधा मतलब है मैं भी कभी-कभी गलत हो सकता हूं । (मैं आज तक किसी परिपूर्ण इंसान से नहीं मिल पाया हूं) । मेरे कहने का क्या मतलब है यह मैं यहां बता रहा हूं ।

व्यक्तिगत और संगठनात्मक नेतृत्व पर मेरी कार्यशालाओं में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों और मेरे पाठकों को प्रोत्साहित करने के लिए मैं बहुत समय व्यतीत करता हूँ । उनके डर को दूर भगाने की मैं कोशिश करता हूं । और उनके डर को निकालकर उस अवसर को प्राप्त करने में मदद करता हूं जो बहुत ही छोटा अवसर होता है । अंग्रेजी में इसे “क्युबिक सेंटीमीटर ऑफ चांस’ कहा जाता हैं । मैं अपने ग्राहकों को सपना देखने, चुनौतियां स्वीकार करने और चमकते रहने के लिए उत्साहित करता हूँ क्योकि मेरा मानना है कि अच्छा जीवन जीने के लिए अच्छा प्रदर्शन देकर ऊंचाई पर पहुंचना जरूरी होता हैं । मेरे हिसाब से जो ज्यादा अनुभव लेता हैं वहीं हमेशा जीत हासिल करता हैं । जिन स्थानों से मुझे डर लगता था या जो चीजें करने में मुझे असुविधा होती थी वह मैं नहीं करता था क्योंकि मैं खुद को पोस्टर बॉय मानता था । लेकिन माफ करें, मैं अब खुद को वैसा नहीं मानता ।

टोरंटो शहर के फोर सीजन होटल की लॉबी में मैं एडवांस मेडिकल ऑप्टिक्स नाम की एक कंपनी के लिए भाषण देने के लिए तैयार हो रहा था । यह कंपनी लंबे समय से हमारी ग्राहक हैं जो एक प्रभावशाली संगठन भी हैं । मैंने सहज ही ऊपर देखा और मैंने किसे देखा ? हार्वे केइटल को । हां यह वहीं हार्वे केइटल थे फिल्म “रिजरवियर डॉग्स” से मशहूर हुए फिल्म अभिनेता । और मैं क्या एक ऐसा आम आदमी जिसने केवल एक उपन्यास “एक सन्यासी जिसने अपनी संपत्ती बेच दी” लिखा था । उनकी महानता के सामने मैं सिकुड़ता जा रहा था ।

हर दिन जीवन में आशाओं की एक नई खिड़की खोल देता है । यह आप पर निर्भर होता है की आप उसे किस तरह लेते हैं और उस पर ही आपका भविष्य निर्भर होता है ।

मैं नहीं जानता कि मैं खड़ा क्यों नहीं हुआ और क्यो उनके पास जाकर दोस्ती का हाथ नहीं बढ़ाया । शायद यह मेरा दोष ही होगा क्योंकि इसके पहले भी कई बार इस तरह के मौके मैंने गंवाए हैं । बेसबॉल के महान खिलाड़ी मशहूर पीट रोज के साथ शिकागर एअरपोर्ट पर मैंने इसी तरह का बताव किया था । (फिनिक्स जाते हुए हम दोनों अगल-बगल की सीट पर ही बैठे थे ।) पिछले गर्मियों के मौसम में रोम के एक होटल की लॉबी में हेनरी केविस के साथ भी ऐसा ही हुआ । हेनरी इस विश्व के सबसे बड़े फायनांसर है । (मेरे साथ उस समय मेरा qq वर्षीय बेटा कोल्बी था जो खुद को बहुत ही शांत समझता है) । सिनेटर एडवर्ड केनेडी के साथ भी बोस्टन में भी मेरा बर्ताव ऐसा ही रहा । इतना ही नहीं मशहूर गिटारिस्ट वर्तुंसो एडी वैन हेलेन के साथ भी मेरा यही रवैया था जब मैं नोवा स्कोटिया के हालीफैक्स में पल-बढ़ रहा था और अब हार्वे काइटल के साथ दोस्ती करने का मौका भी मैंने गंवाया ।

हर दिन जीवन में आशाओं की एक नई खिड़की खोल देता है । यह आप पर निर्भर होता है कि आप उसे किस तरह लेते हैं और उस पर ही आपका भविष्य निर्भर होता है । आप उससे सिकुड़ते हैं और आपका जीवन छोटा हो जाता हैं । डर को महसूस करो और उसे भगाओ ताकि आपका जीवन बड़ा हो । जीने के लिए जीवन बहुत छोटा है । आपके अपने बच्चों का जीवन संवारने और उनका भविष्य बनाने के साथ ही उनके प्रति प्यार जताने के लिए भी आपके पास एक छोटी सी खिड़की की ही हैं । जब यह खिड़की बंद हो जाती हैं तो इसे दुबारा खोलना बेहद कठिन होता है ।

अगर फिर से हार्वे काइटल से मेरी मुलाकात होती हैं तो मैं वादा करता हूं कि उनके पास दौड़ कर जाऊंगा । जब तक हम बातचीत शुरू नहीं करेंगे तब तक वह शायद यही सोचेंगे कि मैं एक मशहूर दार्शनिक २हूं । जब वह बातचीत करेंगे तब उन्हें सच्चाई का पता चलेगा कि मैं एक बहुत ही सीधा सादा आदमी हूं जिसने जिंदगी द्वारा दिए गए तोहफों को अख्तियार कर लिया हैं ।

३

सफलता जैसी विफलता नहीं

विश्व की मशहूर बैंक पुर्टो रिको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड कैरेन ने एक बार मुझसे एक पंक्ति कही जिसे मैं कभी भुल नहीं सकता । उन्होंने कहा था, “रॉबिन सफलता जैसी दूसरी विफलता नहीं ।” बहुत ही शक्तिशाली सोच थी यह । आप और आपका संगठन उस वक्त सबसे असुरक्षित है जब आप बहुत सफल हैं । सफलता वास्तव में ढिलाई बरतने, अक्षमता और सबसे बुरे, घमंड को जन्म देती हैं । जब लोगो और कारोबारियों को सचमुच में सफलता मिलती हैं तो अक्सर वह खुद से बेतहाशा प्यार करने लगते हैं । वह कुछ नया सोचना तो बंद कर ही देते हैं साथ ही मेहनत करना भी भूल जाते हैं और अपनी प्रतिष्ठा पर निर्भर हो जाते हैं । वह बचाव की मुद्रा में आ जाते हैं और अपनी सफलता को बरकरार रखने की कोशिश करते हैं और उस सच्चाई से मुंह मोड़ लेते हैं जिसकी वजह से वह सफलता हासिल कर चुके हैं । जब भी मैं यह बात सीईओ से भरे कमरे में कहता हूं तो इसकी स्वीकारोक्ती में सभी सिर हिलाते हैं । इस बात पर मैं अपने निजी जीवन का उदाहरण देना चाहूंगा ।

पिछले हफ्ते मैं अपने दोनों बच्चों को लेकर उनके पसंदीदा इटालियन रेस्तरां में गया था । उस रेस्तरां में खाना बहुत ही स्वादिष्ट मिलता हैं । इटली के बाहर सर्वश्रेष्ठ बेसाओला (गोमांस की एक मशहूर इटालियन डिश), मुंह में पानी लाने वाला पास्ता और झागदार लेटैस कॉफी देख कर मुझे लगता है कि सर्विस बहुत ही खराब, खराब, खराब (जैसा कि अधिक स्थानों पर होता है) थी । क्यों? क्योंकि यह स्थान हमेशा भीड़ से भरा रहता हैं । सफलता मिलने की वजह से वह ग्राहकों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहे हैं । वह सिर्फ पैसा ही देख रहे हैं और मुझे लगता है कि कहीं यह रेस्तरां के अंत की शुरुआत तो नहीं।

मुझे तसवीरें खिंचना बहुत अच्छा लगता हैं क्योंकि मेरे पिताजी ने कहा था कि अपने जीवन की यात्रा मैं तसवीरों के रूप में रिकार्ड करके रख दूं । इसलिए आमतौर पर मैं एक छोटा कैमरा अपने साथ हर जगह लेकर घूमता हूं । बच्चों के साथ स्पैघेटी खाते हुए मैं अपनी एक तसवीर लेना चाहता था इसलिए मैंने खाना परोसने वाली लड़की से कहा कि क्या वह हमारी एक फोटो खिचेंगी तो उसने मना करते हुए कहा कि उसके पास वक्त नहीं

है । उसके जवाब पर मुझे यकीन ही नहीं हुआ क्योंकि एक ग्राहक का फोटो खींच कर उसे संतुष्ट करने के लिए उसके पास पांच सेकेंड का समय नहीं था । छोटी सी मदद करने के लिए वह बहुत ही व्यस्त थी । मानवता दिखाने के लिए भी उसके पास वक्त नहीं था।

आप और आपका संगठव सफल होने के बाद ग्राहकों के प्रति और भी अधिक विनम्र और समर्पित होने की जरूरत हैं

रिचर्ड कैरेन ने इसे सही रूप से समझा लिया है कि सफलता जैसी दूसरी विफलता नहीं । जेटब्ल्यू के सीईओ डेविड नीलमैन ने भी इसे भलीभांति समझ लिया है । उनका अवलोकन हैं कि जब आप पैसा कमाना लगते हैं और अच्छा खासा मुनाफा हो रहा है तो आप आलस्य की ओर बढ़ते जाते हैं । कई सीईओ इस बात को नहीं समझते । आप और आपका संगठन सफल होने के बाद ग्राहकों के प्रति और भी अधिक विनम्र और समर्पित होने की जरूरत है । साथ ही अधिक कुशलता और सतत सुधार के लिए आपको प्रतिबद्ध होना पड़ेगा । तेजी से आपको अपना बर्ताव बदलते हुए ग्राहकों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जोड़नी होगी । जिस समय आप खुद को ग्राहकों के प्रति सुविधाएं देने से रोकेंगे उसी समय आप जो पर्वत की चोटी पर पहुंचे हैं नीचे की ओर आपका ढलना शुरू हो जाएगा ।

४

काम में बने एक रॉक स्टार

फॉर्च्यून पत्रिका में गुगल के लोगों की आर्थिक सफलता पर लिखा लेख पढ़ कर खत्म किया । इस लेख ने कई तरह के विचारों को दिमाग में जन्म दिया । (इस तरह के लेख पढ़ कर ऐसा होता ही है। है ना?) इस लेख ने मुझे काम के प्रति पूरी समर्पितता दिखाने के बारे में सोचने पर बाध्य किया–किस तरह पूरी क्षमता से, लगन के साथ अपना काम लगन के साथ पूरा करना हैं । अपनी बड़ी परियोजनाओं और अच्छे अवसरों के प्रति समर्पित होकर काम करते रहना चाहिऐ । हर दिन दो जून की रोटी पाने के लिए एक रॉक स्टार की तरह आपको काम करना जरूरी है ।

काम हमारे जीवन को अर्थ देता है. काम की वजह से आत्मसम्मान बढ़ता है और धरती पर हमारे होने का महत्व और बढ़ जाता है । आप जिस सगंठन के लिए काम करते हों वह काम आपने खुद को एक तरह से तोहफे के रूप में दिया होता है । काम में महान होने के नाते आपका व्यक्तिगत सम्मान तो बढ़ता ही है साथ ही आपका जीवन भी रोचक बन जाता हैं । जो अच्छा काम करते हैं उनके साथ हमेशा अच्छा ही होता है । जब आप अपनी सर्वोच्च प्रतिभा के साथ ही गहराई से काम करते हो तब आप खुद को अमीर, खुशगवार और जीवन जीने के अनुभव से समृद्ध करते हों।

जिस दिन आप बहुत अच्छा और कारगर काम करते हो तो आपको कैसा लगता है? जब आप बेहतरीन से बेहतरीन काम करते हो, अपने सहयोगियों के साथ मजे करते हो और अपने ग्राहकों के लिए क्षमता से ज्यादा मेहनत करते हो तब कैसा लगता है? जीवन जीने के लिए जब आप दिल खोल देते हैं तो कैसा लगता है? जब आप अपने सबसे कठिन लक्षय तक पहुंच कर उसे पा लेते हो तो आपको कैसा लगता है? बहुत अच्छा लगता है, है ना? अच्छा काम करने के लिए सबसे बड़े खिताब की जरूरत नहीं होती । डॉ. मार्टिन लूथर किंग ज्यूनियर जो मेरे आदर्श नायकों में से एक है, के एक वक्तव्य ने मुझे इस मुद्दे पर सोचने के लिए बाध्य किया । उन्होंने अवलोकित किया था कि अगर इंसान कूड़ा साफ करने वाला हो तो उसने माइकेलो एंजेल की पेंटिंग की तरह रास्ता साफ करना चाहिए । या फिर जिस तरह बिथोवन संगीत तैयार करता है उस तरह या फिर उस तरह जिस तरह शेक्सपीयर रचनाएं करता हैं । जब वह सड़क साफ करेगा तो स्वर्ग और

पृथ्वी पर रहने वाले एक पल के लिए ठहरे और उनके मुंह से निकले की, यहां कचरा साफ करने वाला एक महान इंसान रहता हैं जिसने अपना काम बखूबी निभाया है।

सबसे बड़ा काम करने के लिए आपको बड़े खिताब की जरूरत नहीं हैं

इसीलिए एक रॉक स्टार बन कर काम करना चाहिए । जीवन के इस दिन के मंच पर चलते हुए दिल खोल कर काम करें । जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रर्दशन करो ताकि आपको देखने वाले आपकी तारीफ करें और आपको प्रोत्साहित करें । फिर आप सेटपलर बेचने वाले बोनो रहो, अकाउंटिंग करने वाले कीथ रिचर्ड्स रहो या मानव संसाधन के जिमी हेंड्रिक्स रहो । और जब आप सफल हो जाओगे और लोग आपका हस्ताक्षर मांगने लगे उस समय आप मुझे एक पत्र लिखे । आपसे यह सुनते हुए मुझे खुशी होगी कि आप सफल हो चुके हो ।

५

आपका दिन बनाता है आपका जीवन

बड़ा विचार–आपके जीवन में दिन बहुत छोटे होते हैं । जब आप एक घंटा बिताते हैं तो आप वर्ष बनाते हैं, जब आप दिन जीते हैं तो आप अपना जीवन बनाते हैं, जब आप आज के दिन काम करते हैं तो वास्तव में आप अपना भविष्य तैयार करते रहते हैं । जो शब्द आप बोलते हैं, जो आप सोचते हैं, जो खाना आप खाते हैं और जो काम आप करते हैं वह आपका भविष्य होता है–जो यह तय करता है कि आप कौन हो और जीवन में आप कहां खड़े रह सकते हो । छोटे विकल्प आने वाले समय में विशाल परिणाम दिखाते हैं इसलिए जीवन में ऐसा एक भी दिन नहीं होता जिसका कोई महत्व न हो ।

जिस तरह आप अपना जीवन बजाते हों उसी तरह आप जीवन जीते हो

हम में से हर एक महान है, हर एक के अंदर एक शक्ति हैं, हर एक का जीवन में महत्व है जो हमारे आसपास के जीवन पर प्रभाव बनाता है । हम में एक आंतरिक शक्ति होती है जो बढ़ती रहती हैं, उसका इस्तेमाल करना बेहद जरूरी होता है । आप इस शक्ति का जितना ज्यादा इस्तेमाल करोगे उतनी ज्यादा वह मजबूत हो जाती हैं । इस शक्ति का हम जितना ज्यादा इस्तेमाल करेंगे उतना ही ज्यादा आत्मविश्वास हम में बढ़ेगा । हेनरी डेविड थोरे ने इस बात को बहुत ही अच्छी तरह लिखा है- एक इंसान अपने सचेत प्रयास से अपने जीवन में तरक्की करता है और मुझे लगता है कि उससे ज्यादा उत्साहवर्धक दूसरी कोई चीज नहीं हो सकती । विज्ञापन गुरु डोनी डोईश ने भी अपनी किताब ऑफन रौ- नेवर इन डाउटमें इस मुद्दे का एक और पहलू जोड़ा है । उन्होंने लिखा है- हर इंसान में कुछ न कुछ अवश्य होता है । सौ में से जब एक व्यक्ति किसी अनोखे क्षेत्र में जाता है तो वह सोचता है कि मैं यह क्यों नहीं कर सकता? और वह उसे करने लगता है ।

जो ऊंचे और चोटी के स्थान पर पहुंचे हैं उन्हें भगवान ने हमसे ज्यादा कुछ नहीं दिया

है । वह हर दिन सिर्फ एक छोटा कदम उठाते हैं और जीवन में सबसे बड़े स्थान तक पहुंच जाते हैं । उसमें दिन हफ्तो में, हफ्ते महीने में बदल जाते हैं और वह कुछ सोचे इसके पहले ही वह उस स्थान पर पहुंच जाते हैं जिसे असाधारण स्थान कहा जाता हैं ।

६

गांधीजी के साथ कॉफी पी

मेरी राय में किताबें पढ़ने से ही इंसान अपने चुने हुए क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता हैं । एक अच्छी किताब पढ़ना एक बड़े लेखक के साथ संवाद करने जैसा होता है। उसे पढ़ने के बाद हम भी उनके जैसा ही सोचने लगते हैं । जरा सोचिए रात को कॉफी पीते वक्त आप महात्मा गांधी द्वारा लिखी गईं उनकी जीवनी- सत्य के साथ मेरे प्रयोग पढ़ रहे हैं । उसे पढ़ते हुए आप उनकी आंखों से देख सकते हैं कि क्यों वह कुछ अपराध करने के लिए तैयार हो गए । क्या कल आप मैडोना के साथ बाहर घूमना चाहते हो? तो उसकी किताब ले लो । इसी तरह जैक वेल्च, मदर टेरेसा, बिल गेट्स, साल्वादोर दाली और दलाई लामा के साथ भी आप घूम सकते हैं । जिनका आप सम्मान करते हो उनकी किताब पढ़ कर आप भी उनकी प्रतिभा के साथ जुड़ जाते हो । जो हाथ एक महान किताब नीचे रखता है वह पहले जैसा नहीं रहता । "ओलिवर वेंडेल होम्स के मुताबिक एक इंसान जो नए विचार के प्रति आकर्षित हो जाता हैं वह फिर अपने पुराने ढर्रे पर नहीं लौटता ।"

जब मैं छोटा था तब मेरे पिताजी ने मुझसे एक बार कहा था- अपने किराए में कटौती करो, अपने खाने के खर्च में कटौती करो, लेकिन एक अच्छी किताब खरीदते वक्त यह मत सोचो कि खर्च हो रहा है, क्योंकि यह तो तुम्हारा निवेश है । उनकी इस शक्तिशाली सोच ने मुझे जीवनभर साथ दिया है । उनकी दार्शनिकता (फिलॉसॉफी) यह थी कि किताब से लिया हुआ एक अच्छा विचार एक नए स्तर पर ले जाता हैं और विश्व को एक क्रांतिकारी रूप में देखा जा सकता हैं । यही वजह है कि हमारा घर किताबों से भरा हुआ है । मैं हर दिन लगभग एक घंटे तो अवश्य पढ़ता हूं । इस पढ़ने की आदत ने मुझे पूरी तरह बदल दिया है और इसके लिए मैं अपने पिताजी को धन्यवाद देना चाहूंगा ।

जब मैं मर जाऊंगा तो मेरे बच्चों के लिए मेरा सबसे बड़ा उपहार मेरी लाइब्रेरी होगा । मेरे पास नेतृत्व, रिश्ते, व्यवसाय, दार्शनिक, स्वास्थ्य, अध्यात्म, अच्छा रहन सहन और मेरे पसंदीदा अन्य विषयों पर ढेर सारी किताबें हैं । जब मैं व्यवसाय के लिए देश-विदेश घूमता हूं उस समय मैंने कुछ किताबें किताबों की दुकानों से खरीदी हैं । इन किताबों ने मेरी सोच बदलने में काफी मदद की है । मेरी निजी दार्शनिकता बनाने में किताबों ने मेरी मदद की हैं और साथ ही आज जो मैं एक इंसान हूं उसे भी बनाया है । मेरे

लिए किताबें अनमोल हैं ।

जिनका आप सम्मान करते हो उसकी किताब पढ़ कर आप भी उनकी प्रतिभा के साथ जुड़ जाते हो ।

एक पुरानी अभिव्यक्ति हैं जो बिलकुल सच है- पढ़ना जानने के बावजूद न पढ़ना, अनपढ़ जैसा ही है । प्रति दिन कुछ न कुछ अच्छा पढ़ने के लिए वक्त निकालना जरूरी है । किताबों का इस्तेमाल कर मन को बड़ी सोच और अच्छे विचारों से भरा जा सकता हैं । किताबों की मदद से आत्मा को आशा और प्रेरणाओं से भरा जा सकता हैं । अगर आपको नेतृत्व करना है, तो आपको पढ़ना पड़ेगा । हां, और अगर आपको मेरी तरह किताबें खरीदने का शौक हैं, लेकिन पढ़ने का वक्त नहीं है तो खुद को दोष मत दीजिए क्योंकि आप एक बहुत अच्छी लाइब्रेरी बना रहे हैं और यह सबसे सुंदर बात है।

७

खेल में जान झोंक दे

कई लोगों से मैं ज्यादातर असफल हूं । हर वक्त मैं असफल होते रहता हूं । व्यापार में असफल, रिश्तों में असफल । जीवन में मैं असफल ही हुआ हूं। मैं ताज्जुब करता था कि मैं असफल क्यों हो रहा हूं। जीवन के साथ खेलने की मुझे आदत सी हो गई थी । मैं खतरनाक बीमारी और असीम उत्पीड़न से ग्रस्त था । लेकिन अब मैं उसमें से बाहर निकल चुका हूं । अच्छे जीवन की ओर चलते हुए मुझे कई ठोकरे खानी पड़ी। असफ़लता ही महानता की कीमत है । उच्च उपलब्धि पाने के लिए असफलता जीवन का एक अनिवार्य अंग हैं। परिवर्तन गुरु के रूप में लोकप्रिय डेविड केली ने लिखा है- तेज असफलता ही जल्द सफलता का रास्ता है । जब तक आप अपना सुरक्षित क्षेत्र छोड़ कर जोखिम नहीं उठाते आप जीत हासिल नहीं कर सकते । जोखिम नहीं तो पुरस्कार भी नहीं । अपने सपनों को पूरा करने के लिए आप जितना ज्यादा जोखिम उठाओगे उतनी ही ज्यादा असफलता पाओगे ।

हमारे बीच कई ऐसे लोग हैं जो एक सुरक्षितता भरे कवच में रहते हैं । २० वर्ष तक वहीं नाश्ता, २० वर्ष तक उसी रास्ते से दफ्तर जाना, २० वर्ष तक एक ही तरह की बातचीत, २० वर्ष तक एक ही सोच । इस तरह के जीवन जीने वालों पर प्रतिक्रिया देने वाला मैं कोई नहीं हूं । अगर आप इस तरह के जीवन में खुश हैं तो अच्छी बात है । लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस तरह जीवन जीने वाला खुश होगा । अगर आप वहीं कर रहे हैं जो आप करते आ रहे हैं, वहीं पा रहे हैं जो पाते रहे हैं । आइनस्टाइन ने पागलपन की व्याख्या करते हुए कहा है कि पागलपन वह है जो एक ही काम एक ही तरीके से करते रहना, लेकिन हर बार उसका नतीजा अलग-अलग लाने की कोशिश करें । अभी तक ज्यादातर लोग अपना जीवन इसी तरह जीते हैं । जीवन में आनंद तभी आता हैं जब आप काम में जी जान लगा देते हैं और संभावनाओं का फायदा उठाते हैं । आप असफलता के अनुभव से शुरू कर सकते हैं, लेकिन जरा सोचिए । सफलता पाने के लिए कई बार कोशिशें करनी पड़ती हैं ।

विश्व स्तर पर पहुंचने के लिए असफलता प्रक्रिया का सिर्फ एक हिस्सा है । प्रबंधन सलाहकार टॉम पीटर्स ने कहा है, कड़ी मेहनत ही उत्कृष्टता की निशानी है ।

विरव की सबसे सफल कंपनियों को अन्य के मुकाबले असफलता का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ा है । विरव के सबसे सफल इंसानों को भी आम आदमी के मुकाबले ज्यादा नाकामियों से जूझना पड़ा हैं । मेरे हिसाब से विफलता वह है जो आप अपने सपने को साकार करने के लिए मेहनत और हिम्मत नहीं करते । वास्तविक जोखिम वहीं है जो बिना जोखिम जिंदगी जीते हैं । मार्क ट्रेन ने अपने निरीक्षण में लिखा है- आज से बीस वर्ष बाद आप किए हुए काम को लेकर निराश होने के बजाय उन कामों को लेकर निराश हो जाइए जो आपने नहीं किए ।

वास्तविक जोरिवम वहीं है जो बिना जोखिम जिंदगी जीते हैं ।

तो चलो अब आज के दौर में आगे बढ़ते हैं । अपने पसंदीदा रेस्तरां में एक अच्छा टेबल बुक कर लें । अपनी अगली उड़ान के लिए अपना टिकट प्रथम श्रेणी में तब्दील करवा लें (गुड लक), अपने सहयोगियों से कहें कि मिल कर सोच समझ कर काम करें, घर पर अपनी प्रियतमा से अधिक प्यार देने के लिए कहें, मैं आपको हिम्मत देता हूं आप यह करें । आप यह याद रखिए कि अगर आप खेल नहीं खेलेंगे तो उसमें जीतेंगे कैसे ।

८

खुली हवा में सास लें

मैं अपने बच्चों के साथ टेनिस कोर्ट पर था । मेरे बच्चे बहुत अच्छा टेनिस खेलते हैं, लेकिन मैं एक बॉल ब्वॉय (टेनिस कोर्ट पर गेंद लाकर देने वाला) से ज्यादा अच्छा नहीं हूं । एक अधेड़ उम्र का इंसान जो शायद उम्र के सत्तरवें बसंत में पहुंचा था, मेरे पास आया और बातचीत करने लगा । उसे देख कर लगता था कि वह काफी अमीर हैं और उसी तरह उसने अपना जीवन जिया है । थोड़ी देर बाद उसने अपनी आंखें बंद कर ली और मंद मुस्कराने लगा । मैंने उनसे पूछा, क्या चल रहा है? उन्होंने जो उत्तर दिया उसे मैं कभी नहीं भूल सकता । उन्होंने कहा, ओह, कुछ नहीं । मैं सिर्फ खुली हवा में सास ले रहा हूं ।

जीवन में जो कुछ बेहतरीन सुख होते हैं वह बेहद सरल होते हैं । इन सुखों से अपना जीवन समृद्ध करने पर दिल और खुशहाल हो जाता है ।

अधिक से अधिक चाहने के इस युग में ज्यादा पाने और ज्यादा हासिल करने करने की दौड़ में जब कोई इस तरह जीवन के साधारण सुख की बात करता हैं तो बहुत अच्छा और खुशगवार लगता है । मैं जीवन के लिए भौतिक सामग्री जुटाने के खिलाफ नहीं हूं । एक सन्यासी जिसने अपनी संपति बेच दी कोई ऐसा घोषणापत्र नहीं है कि जिस पर चलते हुए आप पैसा न कमाए और अच्छा जीवन न जीएँ । मैं सिर्फ इतना ही संदेश देना चाहता था कि अच्छा जीवन जीने के लिए क्या जरूरी है यह याद रखें । बीएमडब्ल्यू चलाना, प्राडा के कपड़े पहनना, फोर सीजन होटल में रहना और ढेर सारा पैसा कमाना आदि चीजें अगर आपको खुश रखती हैं तो इसका मतलब सिर्फ इतना ही है आपका जीवन भौतिक सुखों से भरा है । और मैं यह भी नहीं कहता कि इसमें कुछ गलत हैं जिसके लिए आप खुद को दोषी करार दें । लेकिन आपसी संबंध, काम को अच्छी तरह साकार करना, विश्व की सैर करना, प्रकृति की महिमा का आनंद लेना- जैसे कि सुंदर सूर्यास्त या

सितारों से सजे आसमान में पूनम का चांद देखना, कृपया इन बुनियादी लेकिन सुंदर खजाने को भी न भूलें ।

जीवन के कुछ सबसे अच्छे सुख इतने सरल भी होते हैं । जीवन में जो कुछ बेहतरीन सुख होते हैं वह बेहद सरल होते हैं । इन सुखों से अपना जीवन समृद्ध करने पर दिल और खुशहाल हो जाता है और आप मीठी हवाओं के झोके को महसूस कर सकते हैं ।

१

सोचने के लिए वक्त निकालें

मैं जो काम कर रहा हूं उसकी वजह से मुझे जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों से जुड़े दिलचस्प लोगों से नियमित रूप से मिलने का मौका मिलता हैं । मैं फिल्म निर्माताओं, कवियों, प्रतिभाशाली कॉलेज के छात्रों, बुद्धिमान शिक्षकों और दूरदर्शी उद्यमियों से मिला हूं। इनके साथ हुई मुलाकातों ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है जिसकी वजह से मेरे दृष्टिकोण को एक आकार प्राप्त हुआ है। हाल ही में मैं एशिया के शीर्ष सीईओ के साथ रात का खाना खा रहा था । मैंने उससे उसकी अलौकिक सफ़लता का राज पूछा तो वह मुस्कुराया और कहा, मैं सोचने के लिए वक्त निकालता हूं । आंखें बंद कर वह कम से कम ४५ मिनट तक गहराई से सोचता हैं । वह न तो ध्यान करता हैं, न ही प्रार्थना करता है, वह सिर्फ सोचता हैं ।

कभी कभी वह व्यापार की चुनौतियों का विश्लेषण करता है, कई बार वह नए बाजारों के बारे में सोचता है तो कभी कभी वह अपने जीवन का आत्मविश्लेषण करता है और सोचता है कि उसे जीवन में कुछ हासिल करने के लिए क्या करना चाहिए । वह निजी और व्यावसायिक तरक्की के सपने देखते रहता है। कभी कभी तो वह छह से आठ घंटे सोचने के लिए बिताता हैं । आंखें बंद कर शांत, स्थिर बैठ कर वह सोचते रहता हैं ।

नेतृत्व के साथ ही जीवन में सफल होने के लिए सोचने के लिए समय निकालना सबसे बेहतरीन तरीका है । बहुत सारे लोग अपने दिन का ज्यादातर अच्छा समय कार्य के निष्पादन पहलू पर खर्च करते हैं । हाल ही में मेरे एक ग्राहक ने मुझसे कहा- “रॉबिन कभी कभी मैं इतना व्यस्त होता हूं कि मुझे पता ही नहीं चलता कि इतना व्यस्त होकर मैं क्या कर रहा हूं।” लेकिन अगर वह गलत चीजों के साथ व्यस्त हुआ तो क्या होगा? कुछ बातें निराशाजनक होती हैं जैसे कि पहाड़ी की चोटी पर पहुंचने के लिए समय बिताना, अपनी शक्ती खर्च करनाऔर चोटी पर पहुंचने के बाद पता चलना कि आप गलत पहाड़ी पर पहुंचे हैं । सही पहाड़ी पर पहुंचने के लिए सोचना और उस पर अमल करना जरूरी होता है । प्रबंधन विशेषज्ञ पीटर ड्रकर ने सही कहा है- जो काम आपको नहीं करना है और अगर वहीं आप बड़ी कुशलता और मेहनत से करते हैं, तो उसके जैसा निकम्मा काम दूसरा कुछ भी नहीं है ।

प्रबंधन विशेषज्ञ पीटर ड्रकर ले सही कहा है- जो काम आपको जहीं करना हैं और अगर वहीं आप बड़ी कुशलता और मेहनत से करते हैं, तो उसके जैसा जिकमा काम दूसरा कुछ भी नहीं है ।

महानता की तरफ चलने के लिए पहला कदम है रणनीतिक सोच । इसके बाद सफलता आती हैं । अच्छी तरह सोचने से ही आप अपनी प्राथमिकताओं को अच्छी तरह समझ पाएंगे और जान जाएंगे किस चीज पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है जान पाएंगे । इसके बाद आप सही और ठोस कदम उठाएंगे । ज्यादा सोचने पर आपकी प्रतिक्रियाशीलता कम होगी । अपने समय का सही उपयोग करना आप शुरू कर देंगे (इससे आपका समय बचेगा) । आपका सोचने का समय आपको नए विचारों से प्रेरित करेगा जिससे आप अपना बड़ा सपना पूरा कर पाएंगो । लुईस कैरोल ने एलिस इन वंडरलैंड में इस मुद्दे को बहुत ही अच्छी तरह उजागर किया है :

एलिस ने कहा- "कोशिश करने का कोई फायदा नहीं है । असंभव बातों पर कोई विश्वास नहीं कर सकता ।" इस पर रानी ने कहा, "मैं साहस के साथ यह कहूंगी कि तुमने ज्यादा अभ्यास नहीं किया ।" रानी ने आगे कहा- "जब मैं तुम्हारी उम्र की थी, मैं हमेशा आधे घंटे तक यह करती थी । मेरा मानना है कि सुबह के नाश्ते के पहले मैं छह असंभव चीजें पूरी कर लेती थी ।"

१०

अतिरिक्त मेहनत से होती है नेतृत्व की शुरुआत

कोल्बी और बियांसा को स्कूल छोड़ कर मैं दफ्तर की ओर जा रहा था कि मेरे मन में कुछ विचार आया और मैंने गाड़ी रोक दी । आपसे कुछ बातें बांटने के लिए मैं यहां सड़क के किनारे बैठ कर अपना चष्मा आंखों पर लगा कर अपने ब्लैकबेरी में टाइप करने लगा। यह विचार था- नेतृत्व और सफलताजो अतिरिक्त मेहनत से शुरु होती है।

साधारण आदमी अतिरिक्त मेहनत करने के बारे में ज्यादा सोचता नहीं, लेकिन किसने कहा कि आप साधारण हो?

नेतृत्व उस समय नजर आता हैं जब एक विक्रेता एक थकान भरे दिन के अंत में भी अतिरिक्त लोगों से मिलता है, यह इसलिए नहीं कि वह बेहद आसान काम है, बल्कि इसलिए क्योंकि यह सही काम है । एक प्रबंधक का नेतृत्व उस समय नजर आता है जब वह पूरी मेहनत और लगन से एक रिपोर्ट तैयार करता हैं और बाद में फिर उसमें सुधार लाकर उसे बेहतरीन बनाने की कोशिश करता है। एक टीम का नेतृत्व उस समय नजर आता है जो ग्राहकों से एक वादा कर उसे पूरी तरह जानकारी देती है और फिर उस वादे को पूरा करने के लिए और मेहनत करती है। एक साधारण इंसान में नेतृत्व उस समय नजर आता है जब वह ठंड के दिन में घर की गर्मी में रहने के बजाय जूते पहन कर बाहर सड़क पर दौड़ना शुरू कर देता है। यह इसलिए नहीं कि सुबह दौड़ना मजेदार है, बल्कि इसलिए कि उसमें समझदारी है ।

कृपया इस विचार पर अच्छी तरह सोचे । मुझे लगता है यह बहुत ही महत्वपूर्ण विचार है । हमारे बीच जो असाधारण कैरियर कर शानदार जीवन जी रहे हैं वह अपना काम और श्रेष्ठ करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करते हैं । साधारण आदमी ज्यादा मेहनत नहीं करता, लेकिन आपसे किसने कहा कि आप साधारण हो?

११

माइक जैगर और संदर्भ सूत्र

पिछले सोमवार की रात मैंने देखा कि ६२ वर्षीय वृद्ध व्यक्ति ३०,००० प्रशंसकों के सामने दो घंटे तक अपना प्रदर्शन दे रहा है और उन्हें मोहित कर रहा है । ६२ वर्षीय माइक एक ऐसा युवा है जिसकी उम्र ढ़लती जा रही है. बावजूद इसके उसका करिश्मा आज भी हैं जो युवाओं पर छाया हुआ हैं और वह आज भी युवा हैं ।

जब मैं माइक को देख रहा था उस वक्त संगोष्ठी में लोगों के साथ मैं संदर्भ के सूत्रों पर जो चर्चा करता था, उसके बारे में सोचने लगा । पिछले हफ्ते किसी से मैंने सुना था- मैं अब साठ वर्ष का हो गया हूं और जीवन के अंत के निकट पहुंचा हूं । इसका साफ मतलब था कि उसकी नजर के सामने माइक संदर्भ सूत्र के रूप में नहीं था ।

सकारात्मक संदर्भ सूत्रों की वजह से आप नए तरीके से सोचना शुरू कर देते हैं जिससे आपको जीवन में नई संभावनाएं नजर आती हैं । ऐसे दरवाजे खुल जाते हैं जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होती है । डटे रहने के लिए लान्स आर्मस्ट्राँग को संदर्भ के रूप में देखा जा सकता है, संपूर्णता के रूप में मेरे पिताजी, दया के रूप में मेरी मां, बिना शर्त के असीम प्यार करने और जिज्ञासा से दुनिया देखने के संदर्भ के रूप में मेरे बच्चे सबसे बड़ा उदाहरण है । जीवन को पूरी तरह शानदार तरीके से जीने के लिए रिचर्ड ब्रॉन्सन का संदर्भ लिया जा सकता है । नए सिरे से जीवन शुरू करने के लिए मैडोना का तो आजीवन सीखते रहने के लिए सबसे अच्छा संदर्भ पीटर ड्रकर का लिया जा सकता है । साहस और मानवीयता के लिए सबसे अच्छा संदर्भ नेल्सन मंडेला हैं ।

हम अक्सर संभावनाओं को देखने के बजाय परिदृश्य की कमियों के कमजोर संदर्भ सूत्रों को देखते हैं । विश्वस्तरीय संदर्भ सूत्रों के साथ आप अपनी क्षमता को पूरी तरह पहचान पाएंगे और जीवन को आश्चर्यकारक तरीके से जी पाएंगे । अगर आप सही व्यक्ति को अपने आदर्श के रूप में चुनेंगे तो आप एक इंसान के रूप में अच्छा जीवन जी पाएंगे । हम सभी एक ही तरह के इंसान है । हम सभी में मांस और हड्डियां हैं । अगर वह महान हो सकते हैं तो आप भी हो सकते हैं । आपके आदर्श या संदर्भ सूत्र ने जीवन में महानता हासिल करने के लिए जो बातें की थी आपको सिर्फ उसी पर अमल करने की जरूरत है ।

सकारात्मक संदर्भ सूत्रों की वजह से आप जए तरीके से शोचना शुरू कर देते हैं जिससे आपको जीवज में जई संभावनाएं जजर आती हैं । ऐसे दरवाजे खुल जाते हैं जिसकी आपने कभी कल्पना भी जहीं की होती है।

और एक बात मैं आपको बताना चाहता हूं, जब मैं ६२ वर्ष का हो जाऊंगा, मैं माइक जैसा बनना चाहूंगा क्योंकि उसने जीवन जीना अभी शुरु किया है ।

१२

व्यापार मतलब रिश्ता

इस प्रकरण को लिखते समय मैं फ्रैंकफर्ट में एक हवाई जहाज में बैठा हूं । कल मैंने मेरी किताब द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज़ फेरारी को विश्व भर में वितरित करने वाले प्रकाशक के साथ मुलाकात की थी । प्रत्येक शरद ऋतु में फ्रैंकफर्ट में आयोजित विश्व बुक मेले में लगभग २,५०,००० प्रकाशक हिस्सा लेते हैं । आज मेरा उस यात्रा का २० वां दिन था जिसके तहत मैं अपनी किताब के प्रचार के लिए और उस पर व्याख्यान देने के लिए भारत (भारत मेरा सबसे पसंदीदा देश है जहां मैं जाना चाहता हूं ।) से इस्तंबुल (जो एक शानदार जगह हैं) और वहां से जर्मनी के इस छोटे शहर में पहुंचा था । इन तीन सप्ताह के सफर में मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला । कई दयालु लोगों से मिला जिन्होंने मुझे आर्शीवाद दिया । उन लोगों से मिल कर प्रभावित हुआ जो एक मुकाम पर पहुंचे हैं और बेहतरीन जीवन जी रहे हैं और उन्होंने खुद का एक उदाहरण स्थापित कर दिया हैं । मोटे तौर पर कहूं तो कुछ बातें संबंधों के निर्माण से भी ज्यादा महत्वपूर्ण होने की बात भी मुझे याद आ गई ।

हम कितनी आसानी से भूल जाते हैं कि व्यापार और जीवन में मानवीय रिश्ता भी होता है । मेरी इस यात्रा के दौरान किताबों की दुकान पर किताब खरीदने वाले पाठक के किताब पर मैं हंसते हुए हस्ताक्षर करता था । नेतृत्व विकास पर काम करते वक्त मैंने अपने ग्राहकों के साथ खाना खाया है । मेरे प्रकाशकों के साथ मैंने कॉफी पी हैं । मुझे पता है कि इस क्षेत्र के यह लोग मेरा संदेश चारों तरफ फैला रहे हैं जिससे लोग मेरे बारे में जानने लगे हैं ।

बड़ा विचार- लोग जानना चाहते हैं कि आप असली हैं, आप दयालु, सभ्य और भरोसेमंद है । वह आपकी आंखों में आखें डाल कर यह देखना चाहते हैं कि आप किस चीज से बने हो । वह यह जानना चाहते हैं कि आप किस जुनून के तहत उस स्थान पर पहुंचे हैं । और जब उन्हें भरोसा होता है कि आप वाकई सच्चे हो तो वह दिल की किताब आपके सामने खोल देते हैं । जब वह देखते हैं कि आपके दिल में उनके लिए रुचि तो वह आप पर भरोसा करने लगते हैं- और आपकी रुचि को अपने दिल में जगह देते हैं । जब उन्हें पता चलता है कि आप बहुत ही अच्छे हो तो वह भी आपके प्रति अच्छे बन जाते

हैं । इसी भरोसे की वजह से आपका कैरिअर (आपके जीवन के साथ ही) उस जगह पहुंच जाता हैं जिसे विश्वस्तरीय उपलब्धि माना जाता हैं । यह आसानी से भूला जाता है कि लोग सिर्फ उन्हीं लोगों के साथ संबंध बनाते हैं जिन्हें वह चाहते हैं और जो उन्हें अच्छे लगते हैं । मुझे पता है, यह बहुत ही सरल बात है । बावजूद इसके हममें से बहुत सारे लोग इस प्राथमिक महत्व की बात पर गौर नहीं करते । सफलता मूलभूत सिद्धांतों के आसपास स्थिरता पर निर्भर रहती हैं । केवल एक ही चीज ऐसी है जो रॉकेट विज्ञान ही रॉकेट विज्ञान है ।

> आसानी से यह भुला जाता है कि लोश सिर्फ उन्हीं लोगों के साथ संबंध बजाते हैं जिन्हें वह चाहते हैं और जो उन्हें अच्छे लगते हैं।

इसलिए मैं आपको आमंत्रित करता हूं कि दफ्तर छोड़ कर लोगों से रिश्ता बनाना शुरू करें । इससे अच्छी बातें ही होंगी । जब तक आप जगह से हिलेंगे नहीं कुछ नहीं होगा । हाथ मिलाओ, लंच करें, वास्तविक रुचि दिखाएं, अपनी सद्भावना बिखेरें, अपनी बातों का प्रचार करें । याद रखें अगर आप चाहते हैं कि कोई आपका हाथ थामे, इसके लिए सबसे पहले आपको उसके दिल को छूना होगा । और यह व्यवसाय पूरी तरह रिश्तों पर आधारित है।

१३

स्पाँजबॉब स्क्वेअरपैंट्स से सीरव जीवन का सबक

स्पाँजबॉब स्क्लेअरपैंट्स मेरा हीरो हैं । सुबह जब मैं अपने बच्चों के साथ ब्रेकफास्ट कर रहा था उस समय मेरी नौ वर्षीय बेटी बियांसा ने मुझे इस छोटे प्यारे कार्टून किरदार का ध्यान दिलाया। उसने कहा- पिताजी क्या स्पाँजबॉब असली है? बेटी के इस सवाल से पहले तो मुझे हंसी आई, लेकिन बाद में सोचने पर भी मजबूर किया। अगर स्पाँजबॉब इंसान होता तो यह दुनिया और बेहतरीन होती । गंभीरता से देखे तो स्पाँजबॉब ने जीवन में खुशियां पाने के लिए.चार नुस्खे दिए हुए हैं ।

शाश्वत आशावादी बने – इंसान (मैं कहना चाहूंगा स्पॉज) हमेशा हर तरफ अच्छाइूं ही देखता हैं । आप जो सोचते हैं वास्तव में वहीं आप करते हैं । ऑर स्पाँजबॉब अच्छाइ्‌ देखता हें इसलिए वह अच्छा ही पाता हैं ।

लोगों की कदर करें – सयॉजबॉब दोस्ती का मतलब जानता हैं । ब्रिकिनी बॉटम पहने अपने दोस्तों से वह प्यार करता हैं । स्क्वीडवर्ड को भी वह चाहता हें जो मेरे बेटे की नजर में पागलों की तरह बर्ताँव करने वाला हैं । स्पॉजबॉब्ल को अच्छी तरह पता हैं कि गहरे संबंध बनाने के लिए जो महत्वपूर्ण दो तत्व हैं उनमें से पहला तत्व हें लोगों को सम्मान देना ।

असली बने रहें – स्पाँजबॉब इसी तरह का किरदार हैं । हम में से बहुत सारे लोग खुद से डरते हैं । इसी वजह से वह अपने सपनों को भूल कर भीड़ का अनुसरण करने में लग जाते हैं जो बेहद दुखद हैं । शेक्सपियर ने लिखा हैंअपने आप के साथ सच रहे । सच के साथ रहने का साहस करें- ऑर महान बने । (बर्कशायर हॅथवे के अध्यक्ष वॉरेन बफेट ने कहा हैं- आप अपने आप में दो नहीं हो सकते ।)

हम में से बहुत सारे लोग खुद से डरते हैं। इसी वजह से वह अपने सपनों को भूल कर भीड़ का अनुसरण करने में लग जाते हैं

हसें और मजा करें - उदास होकर सफ़लता पाने में कोइ मतलब नहीं हैं । पहाड़ की चोटी पर पहुंचे, लेकिन पहाड़ चढ़ने का भी मजा लॅ । जीवन का मतलब कठिन परीक्षा नहीं हैं, उसे उत्सव की तरह मनाना चाहिए । इसीलिए मृजे लेकर अपने सबसे मधुर सपने का पीछा करें और उसे हासिल करें ।

१४

खुशमिजाज इंसाज केसे बने?

मेरा यह विचार जिन अधिकारी और उद्यमियों को मैं सिखाता हूं उन पर काफी कारगर साबित हुआ है । मैंने उन्हें सिखाया – अगर आप जीवन में खुश रहना चाहते हैं तो वह काम ज्यादा से ज्यादा करें जिसे करने में उन्हें खुशी मिलती हैं । मुझे पता है यह सीधा सरल नजर आ रहा हैं – लेकिन ऐसा नहीं हैं । बचपन में हमारा दिल कई तरह के काम करना चाहता हैं, लेकिन उन्हें करने से हमें रोका जाता है । मेरे एक सीईओ ग्राहक ने एक बार मुझसे कहा था कि जब वह छोटा था तब वह साइकिल लेकर दूर तक अकेले सवारी करना चाहता था । बचपन में मैंने इसे छोड़ दिया क्योंकि काम करने की सबसे ज्यादा जरूरत थी, लेकिन आज भी साइकिल पर घूमने जाने का वह दिन मैं भुला नहीं पाता । वह मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन था । मेरे एक उद्यमी ग्राहक ने मुझे बताया कि बचपन में वह एक रॉक बैंड में ड्रम बजाने का काम करता था । वह जीवन के बेहतरीन पल थे । अपना कारोबार शुरू करने के बाद व्यस्तता की वजह से उन्होंने ड्रम बजाना बंद कर दिया । वह कहते हैं ड्रम बजाना मैं भूल चुका हूं । मैंने उसे खो दिया हैं ।

आप यह करें- जीवन में आनंद देने वाली और दिल को पसंद आने वाली १० महत्वपूर्ण भावनाओं और १० गतिविधियों की एक सूची तैयार करें । इसके बाद आने वाले दस सप्ताह के कार्यक्रम में इनमें से एक गतिविधी को शामिल करें शक्तिशाली सोच- आपने सूची में जो काम लिख रखें हैं उसे आपको करना ही है जब तक कि आप अपना कार्यक्रम बदलते नहीं । सूची में लिखे कार्यक्रम सिर्फ एक परिकल्पना होते हैं, और असाधारण इंसान कल्पनाओं पर उल्लेखनीय जीवन की रचना नहीं करते । वह बिना गलती किए अपने काम को पूरा करने की कोशिश कर अपनी महत्ता साबित करते हैं, और अपना काम पूरा करते हैं ।

यह दस हफ्ते का कार्यक्रम कारगर साबित होगा । जब आप उन कामों को कर रहे होते हैं जो आपके दिल से जुड़ा था, लेकिन जिसे आप भुला चुके हैं, जिसे करते हुए आपको खुशी होती थी । दुबारा जब आप उन कामों को करते हो तो आपका जीवन खुशियों से भर जाता हैं और आप खुशहाल हो । जाते हैं ।

जब उज कामों को कर रहे होते हैं जो आप भुला चुके हैं जो आपके दिल से जुड़ा था और उर्ते करते हुए आपको खुशी होती थी । दुबारा जब आप उज कामों को करते हो तो आपका जीवन खुशियों से भर जाता हैं।

१५

मेहजत करे, भाव्यशाली बनें

एक पुरानी बात है जो बिलकुल सच है- जितनी ज्यादा मेहनत करूंगा उतना ही मैं भाग्यशाली बनूंगा। जो खुद की मदद करते हैं जीवन भी उसी की मदद करता हैं । यह बात मैंने अपने निजी जीवन से सीखी हैं । मैं उन नए जमाने के इंसानों में से नहीं हूं जो कहते हैं कि यह तो होना ही है। अपना जीवन अदृश्य शक्ति के हाथों में है और वह जैसा चाहेगा वैसा ही होगा । इस तरह के वक्तव्य को पीड़ित के कहने की गंध आती है और एक डर भी नजर आता हैं । असफलता का डर, अस्वीकृति का डर, अच्छा काम न होने का डर, सफलता का डर । इस तरह की भाषा का इस्तेमाल सिर्फ वहीं करते हैं जो काम के प्रति गैरजिम्मेदाराना होते हैं और काम करने से डरते हैं । मुझे पूरा यकीन है कि एक ऐसी अदृश्य शक्ति है जो हमें उस वक्त मदद करती हैं जब हमें बेहद जरूरत होती हैं और हम किसी से अपेक्षा नहीं कर रहे होते । मुझे इस बात का भी पूरा यकीन हैं कि अपने जीवन में जो जो घटनाएं घटती हैं उसे बहुत ही बुद्धिमानी से रचा गया है जिसमें एक सुसंगति होती हैं । लेकिन मैं इस बात पर भी गहनता से यकीन करता हूं कि हमें निर्णय लेने की जो ताकत और स्वतंत्रता मिली हैं वह सिर्फ एक ही कारण के लिए– और वह है उन पर अमल करने के लिए । मुझे विश्वास है कि हम जीवन से जो लेते हैं वहीं जीवन के लिए देते भी हैं । मैं मानता हूं कि अच्छी बातें सिर्फ उन्हीं के साथ होती है जो प्रयास करते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं और निजी और पेशेवर महानता की जरूरत के लिए त्याग नहीं करते बल्कि उसकी मांग करते हैं । मैंने यह देखा है कि जो परिणामों के लिए कार्य करते हैं- और अच्छी बात यह है कि अच्छे मेहनती काम के माध्यम से अधिक सफ़लता पाते हैं । जीवन के प्रति समर्पित होने पर ही उससे समर्थन मिलता है ।

जिन सफल और महान लोगों के साथ मैंने एक नेतृत्व कोच के रूप में काम किया है उनमें से एक भी ऐसा नहीं है जो अपने प्रतिस्पर्धी से बेहतर काम कर आगे न आया हो । जब अन्य लोग घर पर बैठ कर टीवी देखते या सोते रहते हैं, उस वक्त यह महान लोग जिन्होंने विश्व के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया है, जल्दी उठते हैं, काम शुरू करते हैं और जीवन में सपना पूरा करने के लिए कितने समर्पित है यह दिखा देते हैं । मैं एक पल

भी काम और परिवार के बीच संतुलन बनाने की बात को नकारना नहीं चाहता । काम करने के साथ ही अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना अपनी आत्मा के लिए जरूरी है । इस मूल्य को स्वीकारने के लिए उठ कर सबसे पहले मैं खड़ा होना चाहूंगा । बेहतरीन स्थान पाने के लिए बेहतरीन काम करना जरूरी है । यह प्रकृति का नियम है जो सदियों से चला आ रहा है ।

एक नेतृत्व कोच के रूप में मैंने जिन महान सफल लोगों के साथ काम किया हैं वह उनमें से एक भी ऐसा नहीं है जिसने अपने प्रतिस्पर्धी से बेहतर काम करके न दिखाया हो।

वेरिजॉन कंपनी के सीईओ इवान सेडनबर्ग ने एक कहानी बताई है जो इस तरह है- मेरा पहला बॉस बिल्डिंग सुपरिंटेंडेट था और मैं बाहर खड़ा रहने वाला लड़का । उसने मुझे लगभग एक वर्ष तक फर्श और दीवारें साफ करते हुए देखा था । उसने मुझसे कहा कि अगर मुझे फोन कंपनी में काम करना है तो मुझे शिक्षा लेनी होगी । जब मैंने उनसे पूछा कि इसके लिए आपने इतनी देरी क्यों की तो उन्होंने कहा, मैं यह देखना चाहता था कि तुम इसके लायक हो या नहीं ।

और टाइम वार्नर के सीईओ डिक पार्सन्स ने एक बार कहा था कि सबसे अच्छी सलाह उसे अपनी दादी से मिली थी । दादी ने उससे कहा था आदमी जो बोता है उसी को पाता हैं । इसलिए अपना बीज खुद ही बोएं । आप जो करेंगे उसे शानदार तरीके से करें । अपने जुनून को दिल में रखे और अपना दिल हाथ में लेकर कड़ी मेहनत करो । सिर्फ कड़ी मेहनत । कड़ी मेहनत की वजह से दरवाजा खुलता है और लोगों को बता देता है कि आप बेहद दुर्लभ और विशेष है, जो अपने काम के प्रति गंभीर है और अपनी प्रतिभा का पूर्ण और बेहतर उपयोग करते हैं ।

१६

अपनी प्रतिभा को पहचानें

बुद्धिमान व्यक्ति किसी दुर्लभ प्रजाति का नहीं होता । मैं और आप भी इस खिताब के हकदार हो सकते हैं और विश्व में अपना स्थान बना सकते हैंअगर हम उसे चुनें । बड़ा विचार- किसी भी एक क्षेत्र या प्रतिभा पर केंद्रित हो जाए और उसे बेहतर बनाने के लिए पूरी निष्ठा लगाएंगे तो तीन या पांच वर्ष के भीतर पूरी क्षमता के साथ (गहराई से) आप उसे कर पाएंगे और उस समय लोग आपको प्रतिभाशाली कहेंगे। केंद्रित लक्ष्य जमा दैनिक सुधार जमा समय महानता के बराबर है । इस सूत्र को गंभीरता से समझ ले तो आपकी जिंदगी एक सरीकी नहीं होगी ।

माइकल जॉर्डन बास्केटबॉल के महान खिलाड़ी थे । कोर्ट पर उनकी शानदार सफ़लता क्या विशुद्ध रूप से प्राकृतिक उपहार का नतीजा थी ? बिल्कुल नहीं । प्रकृति ने उन्हें जो दिया वह उन्होंने लिया और अपने सूत्र के मुताबिक उस पर चलें । केंद्रित लक्ष्य जमा दैनिक सुधार जमा समय महानता के बराबर होता हैं । उन्होंने पांच विभिन्न खेल खेलने की कोशिश नहीं की । उन्होंने अपना ध्यान तितर-बितर होने नहीं दिया । वह बास्केटबॉल में श्रेष्ठ होना चाहते थे इसलिए उन्होंने सिर्फ बास्केटबॉल के प्रति ही अपना जीवन केंद्रित किया और वह श्रेष्ठ बने ।

थॉमस एडीसन ने अपने जीवनकाल में आश्चर्यजनक १०९३ पेटेंट पंजीकृत किए साथ ही बल्ब और फोनोग्राफ का भी आविष्कार किया । (जब वह स्कूल में था तब उसकी शिक्षिका ने उसे धीमी गति से सीखने वाला बच्चा करार दिया था । उसने वह बात नहीं सुनी और वह सफल हो गया ।) उन्होंने कभी एक महान व्यापारी, एक महान कवि और एक महान संगीतकार बनने की कोशिश नहीं की । उन्होंने सिर्फ अपने आविष्कारों पर ही जोर दिया । हर दिन वह बेहतर करने की कोशिश करते गए और उन्होंने समय को अपना जादू चलाने का मौका दिया । प्रतिभा उनके पास दस्तक देते आई ।

पाब्लो पिकासो की कहानी ने मुझे सोचने के लिए बाध्य किया । एक दिन एक महिला ने उन्हें बाजार में देखा और एक कागज का टुकड़ा निकाल कर वह उत्साहित होकर चिल्लाई श्री. पिकासो, "मैं आपकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं । क्या आप मेरे लिए एक छोटा ड्राइंग बना सकते हैं?" पिकासो ने खुशी से उसकी मांग पूरी करते हुए उसके द्वारा

दिए कागज पर एक ड्राइंग बनाया । उसे कागज वापस देते हुए मंद मुस्कुराते हुए पिकासो ने कहा "इसकी कीमत लाखों डॉलर हैं।" इस पर उस महिला ने कहा, "इस छोटे से ड्राइंग के लिए आपको सिर्फ ३० सेकेंड लगे हैं।" पिकासो हंसा और उसने कहा "इस ३० सेकेंद की महान कृति को बनाने के लिए मुझे ३० वर्ष लगे हैं ।"

केंद्रित लक्षय जमा दैनिक सुधार जमा समय महाजता के बराबर है । इस सूत्र को शंभीरता से समझ ले तो आपकी जिंदगी एक शरीकी जहीं होगी ।

आइए जानते हैं अपनी प्रतिभा को और श्रेष्ठ बनने के लिए क्या किया जा सकता हैं । अपनी प्रतिभा को पहचानिए और पागलों की तरह उसके लिए काम कीजिए । निजी नेतृत्व कौशल का सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं आत्म जागरुकता । पहचानिए कि आपमें कौन सी महान प्रतिभा है? उस क्षमता को दूसरों पर प्रतिबिंबित करें ताकि वह आपकी प्रशंसा करने लगे । उन क्षमताओं को पहचानिए जो आप में आसानी से हैं और जो आसानी से आप से प्रवाहित हो रही हो । शायद आप बहुत अच्छे लोगों के साथ संवादक बन सकते हो या आप में लोगों से जुड़ने की कला हो । या हो सकता है आपमें ऐसी विशेष प्रतिभा हो जो काम को कार्यान्वित कर उसे पूरा कर सके । आपमें ऐसी विशेष प्रतिभा है जो रचनात्मकता और नवीनता लिए हुए है जिसके चलते अन्य लोग जो देख रहे हैं या जो कर रहे हैं आप सोच समझ कर उससे अलग नजरिए से करने की कोशिश करते हैं । खुद की प्रतिभा को पहचानें और उसका विकास करें । अपनी प्रतिभा पर केंद्रित होकर प्रति दिन उसमें सुधार लाने की कोशिश करें और उसे वक्त दें । आज ही इस पर अमल करना शुरू करें और देखिए तीन से पांच वर्ष में लोग आपके बारे में लिखना शुरू करेंगे और आपको प्रतिभाशाली कहेंगे और आपकी प्रशंसा करना शुरू कर देंगे- और चिंता मत कीजिए- मैं भी उनमें से एक रहूंगा ।

१७

जितना बोलोगे उससे दुबाजा सुनिए

मेरी माँ एक बहुत समझदार औरत है । जब मैं बच्चा था, बातें करना मुझे बहुत पसंद था (वैसे आज भी पसंद है) । पढ़ाई में मैं अच्छा था, लेकिन मेरी रिपोर्ट कार्ड में हमेशा शिकायत रहती थी कि मैं ज्यादा बातें करता हूं । एक दिन मां ने मुझे पास में बिठाया और कहा- "रॉबिन तुम्हें दो कान और एक मुंह किसी खास कारणवश मिला हुआ है । और कारण यह है कि एक मुंह से जितना बोलोगे दो कानों से उससे दुगुना सुनना चाहिए ।" बहुत ही अच्छा सूत्र था । (मैं आज भी इस सूत्र पर अमल कर रहा हूं)।

किसी इंसान के साथ संबंध बनाने के लिए उसकी बातें बेहद ध्यान से सुनना सबसे अच्छा सर्वोत्तम उपाय है । जब आप किसी इंसान की बातें सुनते हो- सिर्फ सुनते नहीं बल्कि उसे महसूस भी कराते हो तो उसे एक संदेशा जाता हैं- मैं आपके बातों की कद्र कर रहा हूं और आपकी बातें विनम्र होकर सुन रहा हूं । शायद यही वजह है कि हम में कुछ लोग बहुत अच्छे सुनने वाले होते हैं । विमान में मैं किसी की बगल वाली सीट पर बैठा था । छह घंटे की उड़ान थी और जब तक विमान उतरने लगा था तब तक हम बातें कर रहे थे, लेकिन इस पूरी बातचीत के दौरान उसने न तो मुझसे मेरा नाम पूछा, न ही पूछा कि मैं कहां से आया हूं और न ही मेरे काम के बारे में । उसने तो मुझे यह भी नहीं पूछा कि मैंने कौन सी किताबें पढ़ी हैं । इससे मुझे पता चला कि उनमें उस बात की कमी है जिसे वैज्ञानिक ‘संवेदी तीक्ष्णता (सेंसरी एक्यूट) (अपने आसपास के लोगों के प्रति ध्यान देने की क्षमता) कहते हैं । पर मुझे लगता है कि जब वह बच्चे थे तब उन्होंने अधिक सुना नहीं होगा । कई लोगों का मानना है कि सुनना मतलब बोलने की बात खत्म होने तक इंतजार करना और फिर उसका जवाब देना । और दुखद तथ्य यह है कि जब सामने वाला बोल रहा होता है उस वक्त हम उसकी बात का जवाब देने के बारे में सोच रहे होते हैं ।

किसी इंसान के साथ संबंध बनाने के लिए उसकी बातें बेहद ध्यान से सुजना सबसे अच्छा सर्वोत्तम उपाय हैं ।

न्यूयॉर्क के अॅटर्नी जनरल इलियट स्पिटजर की एक पंक्ति है जो मुझे बहुत ही पसंद है- "जब आप हामी भर रहे हैं तो बात मत कीजिए ।" आप एक व्यावसायिक, एक पारिवारिक सदस्य और एक इंसान के रूप में उस समय प्रभावशाली बन सकते हैं जब आप इस बात को ऊंचे दर्जे से स्वीकार करेंगे । जितना बोलोगे उससे दुगना सुनना चाहिए । विश्वस्तरीय श्रोता बनें । और देखिए की लोग आपको किस तरह प्रतिक्रिया देते हैं । वह तुरंत ही आपसे प्यार करना शुरू कर देंगे ।

१८

अपने ग्राहकों का दिल जीतें

स्टारबक की कतार में मैं खड़ा था । पृष्ठभूमि में डेव मैथ्यू का संगीत बज रहा था । कॉफी की गंध हवा में भरी हुई थी । एस्प्रेसो मशीन से कॉफी बनने की आवाजें आ रही थी । लोग पढ़ रहे थे, आराम कर रहे थे और बातें कर रहे थे । मुझे वहां बहुत खुशी हो रही थी । लग रहा था जैसे मैं घर पर ही हूं । अगर आप व्यावसायिक हैं तो मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूं- आप इस बात पर गौर करें कि ग्राहक दिमाग से नहीं बल्कि दिल से खरीदारी करता है । बाजार में आज ग्राहकों से पैसा निकालने की स्पर्धा नहीं है, बिलकुल नहीं है । एक ही स्पर्धा है ग्राहकों के भावनाओं को जीतने की । ग्राहकों का दिल जीतो और देखो वह आपके पास ही बार-बार आएगा । उनकी भावनाओं को पकड़ कर रखिए और देखिए वह आपका प्रशंसक बन जाएगा । अगर आप इस अंतदृष्टि को भूलते हैं तो आप अपना व्यवसाय खो देंगे ।

हो सकता है कि जावा कॉफी के एक कप पर मैं कम खर्च करूं, क्योंकि मै जहां काम करता हूं वहां पर भी कॉफी शॉप हैं, लेकिन स्टारबक में आना मुझे पसंद है क्योंकि यहां आने के बाद मैं खुद को खुश और आरामदायी महसूस करता हूं । अच्छी बात हैं । और हम में से हर कोई इस तरह अनुभव हर बार अपने जीवन में लेना चाहता है । कई मायनों में वयस्क, बच्चों से अलग नहीं होते- वह सिर्फ बढ़े हुए शरीर के बच्चे ही होते हैं । बच्चे हमेशा खुद के लिए अच्छी बातें चाहते हैं । ग्राहकों की भावनाओं को जान कर उस पर अमल करने के इस मुद्दे पर साच्ची एंड साच्ची के सीईओ केविन रॉबट्र्स ने उनकी चर्चित किताब लवमाक्स- द फ्यूचर बियाँड बॅन्ड्स में लिखा है- "मेरे ३५ वर्ष के कारोबार में मैंने हमेशा अपनी भावनाओं पर भरोसा किया है । मैंने हमेशा माना है कि आप लोगों की भावनाओं को छू लो तो अच्छे लोग आपके साथ जुड़ जाते हैं । अच्छे ग्राहकों को आप प्रेरित कर सकते हैं । सबसे अच्छे साथी और समर्पित ग्राहक मिल जाते है । इसके बाद रॉबर्ट ने मशहूर न्यूरोलॉजिस्ट डोनाल्ड केल्न का उद्धरण दिया है-"किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने के पहले भावना और तर्क के बीच फर्क जानना आवश्यक है ।" बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है । मनुष्य की भावनाएं जब जागती हैं तो वह भी जागता है ।

मनुष्य की भावनाएं जब जागती हैं तो वह भी जागता है ।

जब हर समय आप अपने साथ आईपॉड लेकर चलते हैं तो आपको कैसा महसूस होता है? जब आप एक अंतवस्त्रों की दुकान में खरीदारी करते हैं तो कैसा लगता है? आप आपके पसंदीदा रेस्तरां में गए और वहां पर डिडी, मैडोना या बिल क्लिंटन अगर आपका स्वागत करें तो कैसा महसूस करोगे? आप मेरी बात समझ रहे हो । लोग वहीं जाते हैं जहां वह खुद को अच्छा महसूस करते है और उन्हें लगता है कि वहां उनका विशेष ध्यान रखा जा रहा है । जहां ग्राहकों का दिल जुड़ा होता हैं वहीं पर वह खरीदारी करते हैं । यह बहुत ही स्पष्ट बात है, लेकिन कई व्यावसायिकों को यह समझ में नहीं आता ।

आज यहां मैं यह बेहद साहसिक बयान दे रहा हूं- कारोबार कई तरह के प्यार से जुड़ा हुआ है । इस बारे में सोचिए । ग्राहकों को प्यार देने पर सफलता हासिल होती है । प्यार से काम करने पर ही जयघोष होता है । बाजार में नेतृत्व प्यार से उत्पाद बेचने पर ही प्राप्त होता है । अगर आपके ग्राहक आपको पसंद करते हैं, लेकिन उन्हें खोने का डर आपको उस समय होता है जब आपका प्रतिस्पर्धों एक सस्ता उत्पाद या अधिक किफायती सेवा लेकर बाजार में उतरता है । क्यों? क्योंकि भावनात्मक रूप से आप उससे जुड़ने में नाकामयाब साबित होते हो । लेकिन आपके ग्राहक आपसे प्यार करते हैं- क्योंकि आपने उनके जीवन में आकर उनका का दिल जीत लिया है- तो आप उनके बड़े परिवार का हिस्सा बन जाते हो । आप उनके समुदाय का हिस्सा बन जाते हो जो आपके प्रति वफादार रहते हैं । वह अपने परिवार के अन्य सदस्यों को आपके बारे में बताते हैं । जब आप पर कठिन समय आता है उस वक्त यह आपके साथ ही रहते हैं और आपकी देखभाल करते हैं ।

इसीलिए मैं स्टारबक में जाता रहता हूं । इस जगह से मैं प्यार करता हूं । मैं शांत कोना पकड़ कर वहां बैठ जाता हूं । ग्रॅंड सोय लैट्टे की चुस्की लेते हुए मेरे चेहरे पर हंसी और दिल में आनंद रहता है- और मैं प्यार महसूस करता हूं ।

१९

ना कहने के लिए सीखजा

हर बार जब आप कुछ बातों के लिए हां कहते हैं वह महत्वहीन होता है, आप किसी चीज के लिए ना कहे तो वह महत्वपूर्ण होता है । येस सर, येस मैडम कहने से कुछ महान काम नहीं होता । ना कहना भी बहुत अच्छा और मूल्यवान है ।

उस दोस्त को ना कहें जो सिर्फ गपशप करने के लिए कॉफी पर मिलना चाहता है, या अपने उस सहकर्मी को ना कहें जो अपनी नकारात्मता का प्रसार करना या दूसरों में दोष दिखाना चाहता है, या फिर अपने उन रिश्तेदारों को भी ना कहें जो आपके सपनों पर हंसते हैं और आपको खुद पर शक करने के लिए बाध्य करते हैं । जीवन के उस सामाजिक दायित्व को भी ना कहना सीखें जो जीवन का समय बरबाद कर रहा हो ।

हर बार जब आप कुछ बातों के लिए हां कहते हैं वह महत्वहीन होता है, आप किसी चाज के लिए ना कहे तो वह महत्वपूर्ण होता है ।

सभी लोगों के लिए आप सब कुछ नहीं कर सकते । हम में जो अच्छा है उसे ही लें । अपनी प्राथमिकताओं को समझे, अपने लक्षयों को समझे और एक अच्छे इंसान के रूप में कार्य करने के लिए आनेवाले सप्ताह, महीनों और वर्षों में क्या करना है इसे भी जान लें और अन्य सभी बातों को ना कहना कहे । हो सकता है आपके आसपास के लोग इससे खुश न हो, लेकिन दूसरों के कहने के अनुसार जीवन जीने के बजाय अपने सत्य और सपनों के साथ जीवन जीना उचित होगा ।

२०

अपनी ही नाव की आग लगाए

शक्तिशाली सोच: महान उपलब्धि अक्सर उस समय प्राप्त होती है जब हमारी पीठ दीवार से टिकी होती है, दबाव वास्तव में अपने प्रदर्शन को बढ़ा देता है । आपके शरीर की ताकत उस समय काम में आती हैं जब आप पूरी तरह से गर्म हुए होते हैं । आप वास्तव में जब तकलीफ की स्थिति में होते हैं, संकरे रास्ते से खुद को बाहर आते हुए महसूस करते हैं । चुनौतियां बहुत खूबसूरती से और सबसे प्रतिभाशाली स्वरूप में आपका परिचय देने का काम करती है । कृपया दो विचारों पर सोचना बंद करें । आसान वक्त आपको बेहतर नहीं बनाएगा । वह आपकी गति धीमी कर देगा और आपको आत्मसंतुष्ट और उनिंदा बनाएगा- एक सुरक्षा कवच में रह कर- और जीवन से किनारे करने से कोई बड़ा नहीं बन सकता । और मैं मानता हूं कि जीवन सुंदर करने के लिए आप खुद को चुनौतीपूर्ण चमक से चमकाने के लिए तीव्र तनाव से बचे । लेकिन महानता सहज रूप से नहीं मिलती । (महात्मा गांधी, बिल गेट्स, ओप्रा विंफ्रे, मदर टेरेसा, अल्बर्ट स्वित्जर, एंडी ग्रोव और थॉमस एडीसन निश्चित रूप से अलग रास्ते पर चलें- इसके लिए भगवान का शुक्र है)

मशहूर खोजी हर्नांडो कोर्टस की एक कहानी मैं कभी नहीं भूल सकता । मेक्सिको के वेराक्रुज तट पर वह १५१९ में उतरा । वह वहां अपनी सेना के माध्यम से इस भूमि को अपने देश स्पेन के लिए जीतना चाहता था । उसे आक्रामक दुश्मन, क्रूर रोग और दुर्लभ संसाधनों का सामना करना पड़ा । जब वह लड़ाई करते हुए अंदर की तरफ गए, उस वक्त उसने अपने एक लैफ्टनैंट को समुद्र तट की ओर भेजा और सिर्फ एक ही आदेश दिया कि अपनी सभी नावें जला दें । बिलकुल मेरी जाती का था वह ।

चुनौतियां बहुत खूबसूरती से और सबसे प्रतिभाशाली स्वरूप में आपका परिचय देने का काम करती हैं ।

प्रति दिन आप काम और जीवन दोनों में पूरी क्षमता के साथ कैसे नजर आ सकते हैं- जहां सिर्फ पीछे जाने का ही विकल्प है- आप कितने उच्च स्तर पर पहुंच सकते हैं, कितनी कड़ी मेहनत से आप काम कर सकते हैं, और कैसे उच्च स्तरीय जीवन जी सकते हैं- अगर आपको पता है कि आपकी नावें जला दी गई हैं, जिस वक्त सिर्फ नाकामी की ही संभावना रहती हैं । हीरे तीव्र दबाव के माध्यम से ही बनाए जाते हैं और उल्लेखनीय मनुष्य बस जीतने के उद्देशय से ही अपने जीवन की रचना करता है ।

२१

नेता तेजी से बढ़ते हैं

हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम में नेता को बढ़ाए (ग्रो द लीडर) नाम से एक कार्यक्रम है जो कंपनियों को बाजार में विश्वस्तरीय जगह प्राप्त करने के लिए आयोजित किया जाता हैं । नासा से लेकर मशहूर दवा कंपनी वेथ तक दुनिया भर के संगठन हमारी इस अनोखी प्रकिया का उपयोग करते है जिसमें कर्मचारियों काम के प्रति लगाव बढ़ाना, संस्कृति को बढ़ाना, प्रदर्शन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाना और बेहतर व्यावसायिक परिणाम लाना सिखाया जाता है । नेता को बढ़ाए बहुत ही आसान और शक्तिशाली अवधारणा है जो परम प्रतिस्पर्धात्मक लाभ पर आधारित है और आपके बढ़ने की क्षमता और आपके नेताओं की तरक्की, आपके व्यावसायिक प्रतिस्पर्धीं से भी आपकी कंपनी तेज होनी चाहिए । आप जितनी जल्दी कंपनी के हर कर्मचारी की नेतृत्व क्षमता बढ़ाएंगेउतनी ही जल्दी आप आपके क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंच जाएंगे । नेताओं को बढ़ाने के साथ ही नेतृत्व की संस्कृति विकसित करना आपकी सबसे जरूरी स्पर्धा है जो आपके प्रतियोगी के पहले आपको पूरी करनी है ।

नेतृत्व एक ऐसी संस्कृति है जिसमें हर एक खुद को मालिक समझता है, जैसे एक सीईओ या प्रबंध निदेशक समझता है । यह एक ऐसा विचार है जहां हर कोई उद्यमशीलता के लिए सक्रिय है । इसका मतलब यह है कि वह समस्या के बदले समाधान निकालने पर ध्यान केंद्रित करते हैं । इसका मतलब यह है कि वह ग्राहक को खुश रखने के लिए कोई भी कदम उठा सकते हैं । इसका मतलब यह भी है कि वह बिक्री के बारे में चिंता करते हैं उसकी लागत कम करने की कोशिश करते हैं । इसका मतलब यह भी है कि व्यापार आगे बढ़ाने, परिणाम प्राप्त करने कि वह व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेते हैं (फिर चाहे वह डाक विभाग संभालते हों या बोर्डरूम में बैठते हो) । इसका मतलब वह संस्कृति को आकार देते हैं, सकारात्मक सोचते हैं और नेतृत्व करने का उदाहरण पेश करते हैं । हम हमारे ग्राहकों को नेतृत्व, संस्कृती और उल्लेखनीय परिणाम लाने में मदद करते हैं ।

आपकी कंपनी परम प्रतिस्पर्धात्मक लाभ पर आधारित हैं और आपके बढ़ने की क्षमता और आपके नेताओं की तरक्की आपकी व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा से भी तेज होनी चाहिए ।

मुझे लगता है कि मेरी बातें स्पष्ट रूप से आपको समझ में आई होगी । मैं यह नहीं कहता कि सभी को सीईओ या प्रबंध निदेशक के रूप में ही काम करने की जरूरत है । नेतृत्व करने का मतलब यह भी नहीं कि हर कर्मचारी खुद को संगठन चलाने वाला समझे । इससे अराजकता फैलेगी । कारोबार की जरूरत है कोई एक लक्षय तय करे और फिर उसे पूरा करने के लिए टीम का नेतृत्व भी करें । मैं यह सुझाव दे रहा हूं कि आपकी टीम के सभी सदस्य अपनी भूमिका को अच्छी तरह जान लें- और उस भूमिका को पूरी तरह से निभाने की कोशिश करे- जैसे एक नेता करता है । और जब वह यह करेंगे- जब वह नेता की तरह ही सोचेंगे, समझेंगे और उस पर अमल करेंगे- काम अच्छा ही होगा और जल्द ही आपका संगठन महानता हासिल कर लेगा ।

२२

चार मिनट में चलें एक मील

दार्शनिक आर्थर शोपेनहावर का एक अवलोकन है–अधिकांश लोग अपनी दृष्टी की सीमा विश्व की सीमा तक ले जाते हैं । कुछ लोग ऐसा नहीं करते-उनसे आप जुड़ जाए । गहरा मुद्दा है । आज आप जो जीवन जी रहे हैं जरूरी नहीं कि भविष्य का जीवन भी वैसा ही होगा । आप शायद आपकी आंखों से डर, सीमाएं और झूठो मान्यताओं से चीजों को देखते हैं । जब आप खिड़की का शीशा साफ करते हैं और उसमें से दुनिया को देखते हैं– तब क्या होता है? संभावनाओं का एक नया ढांचा । याद रखिए- हम दुनिया को वह जैसी है वैसा नहीं देखते बल्कि वैसे देखते हैं जैसा हम चाहते हैं । इस विचार ने मेरा जीवन बदल दिया । एक दशक पहले मैं एक असफल वकील था जो अच्छा जीवन जीने की खोज में था ।

१९५४ से पहले, यह माना जाता था कि कोई भी धावक कभी भी चार मिनट में एक मील नहीं दौड़ सकता, लेकिन बाद में रोजर बेनिस्टर ने इस रिकार्ड को तोड़ दिया । एक सप्ताह के भीतर रोजर ने अपने इस प्रदर्शन को कई बार दोहराया, क्यों? क्योंकि वह लोगों को दिखाना चाहता था कि यह भी हो सकता है । उन्हें एक नया संदर्भ बिंदु मिला और वह एक विश्वास भी कि लोग असंभव को संभव कर सकते हैं ।

आपका चार मिनट मील दौड़ना क्या है? असंभव लक्ष्य में से आपने कितना लक्ष्य पूरा किया ? आप इस गलत धारणा के साथ क्यों चल रहे हो कि आप में कुछ नहीं है । आपकी सोच आपकी सच्चाई बनाती है, आप अपने विश्वास में सच रहे और भविष्यवाणी को पूरा करें (क्योंकि आप विश्वास के साथ आगे बढ़े - और आप अपनी सोच के खिलाफ जाकर कभी भी काम न करें, आपके जीवन का आकार ही आपकी सोच का आकार होगा) । अगर आपको लगता है कि आपके जीवन में कुछ घटित नहीं हो रहा है तो आपके सामने लक्षय को वास्तविकता बनाने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं है । आपकी असंभव सोच ही अपने आप प्रकट होती है । हम महसूस करते हैं कि जहां हम पहुंचना चाहते थे वहां जाने से हमारी मर्यादाओं की श्रृंखलाएं ही हमें रोक रही है । और आप जितने हो उससे भी बेहतर बन सकते हो । मशहूर न्यूरोसर्जन बेन कार्सन ने एक बार बात करते हुए इसे बहुत ही अच्छी तरह व्यक्त किया- "एक औसत इंसान जैसी कोई चीज नहीं है, यदि

आपके पास एक सामान्य मस्तिष्क है, तो आप श्रेष्ठ हैं ।"

अगर आपको लगता है कि आपके जीवज में कुछ घटित नहीं हो रहा है तो आपके सामने लक्षय को वास्तविकता बजाने के अलावा दूसरा कोई शस्ता जहीं हैं । आपकी असंभव सोच ही अपने आप प्रकट होती है।

२३

लिफाफे को आगे बढ़ाए मतलब निरंतर काम करते रहे

आपके सपने कितने बड़े है? आप कितनी तेजी से आगे बढ़ सकते हैं? लगातार आप नया क्या सोचते हो? मैं सोचता हूं कि नवीनता लाने और उसे दुनिया को समर्पित कर दुनिया को उसकी गंभीर आदत लगाने के मामले में एप्पल का नाम लिया जा सकता हैं । हाल ही में मैंने अपनी बेटी के लिए एक आईपॉड खरीदा। वह लगातार मुझे उसके बारे में पूछ रही थी । होशियार बच्ची जिसने आईपॉड की श्रेणी में से एक को जो अविश्वसनीय रूप से पतला नैनो शफल आईपॉड चुना- जो आईपॉड के यू२ संस्करण का था । इस अनोखे उत्पाद की भारी सफलता के बाद उसी स्थान पर रुकने के बजाय एप्पल लगातार नए और पहले से बेहतर उत्पादों की खोज में लगा हुआ है ।

एक रात मैं यंग प्रेसिडेंट आर्गनाइजेशन में भाषण दे रहा था । मैं नेतृत्व बेहतर और बेहतर कैसे हो सकता है पर बात कर रहा था । मैं बता रहा था कि किस तरह कंपनियां अपने उत्पाद में सरल परिवर्तन कर आश्चर्यजनक सफलता हासिल कर रही है । एक युवा उद्यमी मेरे पास आया और बात करने लगा । मैंने उससे पूछा कि जीतने के लिए सबसे अच्छी सोच क्या है, तो उसने जवाब दिया मैं हमेशा अपने लिफाफे को आगे धकेलता रहता हूं ।

यकीन से एक नेता के रूप में (काम, घर या अपने समुदाय में) अकेले ही काम करना पड़ता है । एक नेता होने का मतलब है कि आप सबसे आगे हो- और आपके साथ कोई नहीं है । नए रास्ते पर चलना, ऐसी दुनिया में काम करना जो जिम्मेदारी से इंकार करती हैं और दूसरों पर आरोप करने में धन्यता मानती है । ऐसी संभावनाएं देखना जिसका किसी ने सपना भी न देखा हो । चुनौतियां स्वीकार करें । अगर आप झुंड में हैं और उनकी तरह ही सोच रहे हो और उनकी तरह ही बर्ताव कर रहे हो तो, तो आप नेता नहीं- एक अनुयायी हो, और उसमें मजा नहीं है ।

याद रखें हर महाज जेता (फिर वह भविष्यदृष्टा हो या बहादुर

विचारक) शुरू में सब उन पर हंसे लेकिज आज वह श्रद्धेय बजे हैं ।

इसलिए लिफाफे को धक्का दे । मतलब निरंतर काम करते रहे । और औसत दर्जे के आसपास जाने वाली चीजों से इंकार करें । उस श्रृंखला को तोड़ दो जो आपको आम बनाने के लिए बाध्य कर रही है । और निश्चित रूप से भीड़ का हिस्सा बनना छोड़ दो । अगर भीड़ में से बाहर जाने का रास्ता अपनाओगे तो ही आप अपना स्थान पा सकते हो । अच्छा करने की कोशिश करें । उत्कृष्टता का संकल्प लें और अपने जुनून को हाथ में लेकर चले । लोग शायद आपको अलग, अजीब या पागल कहे, लेकिन एक बात अवश्य ध्यान में रखे कि हर महान नेता (फिर वह भविष्यदृष्टा हो या बहादुर विचारक) शुरू में सब उन पर हंसे थे, लेकिन आज वह श्रद्धेय बने हैं ।

२४

श्रद्धांजलि और जीवन का मतलब

मैं ४१ वर्ष का हूं । मतलब मेरा आधा जीवन खत्म हुआ है । मान लीजिए कि मैं ८० वर्ष तक जिंदा रहूं (और यह सबसे बड़ी धारणा है क्योंकि मैंने सीखा है कि आप उसी चीज की अपेक्षा करते हैं जो अप्रत्याशित है) मैं घर जाने के आधे रास्ते पर हूं- आधे रास्ते पर उस साहस के जिसे मैं जिंदगी कहता हूं पहुंचा हूं । इन दिनों मैं अधिक दार्शनिक हुआ हूं । मैं अपना समय कम बर्बाद करना चाहता हूं, मैं नकारात्मक सोच वाले लोगों की बातें सुनना नहीं चाहता, दूसरे सफल इंसान से प्यार करने के पल मैं गंवाना नहीं चाहता । मैं अपने सपने के ज्यादा नजदीक जाना चाहता हूं, या फिर कुछ वास्तविक मजा लेना चाहता हूं । साथ ही मैंने श्रद्धांजलियां पढ़ना भी शुरू कर दिया है ।

जब मैं दूसरों की जीवनियां पढ़ता हूं, तब मैं खुद से पूछता हूं कि मैंने जीवन में महत्वपूर्ण क्या किया । मैंने पाया कि, अच्छी तरह जीवन जीने वाले लोगों की जीवनियां उनकी जीवनी के पहलु को हमसे अवगत कराती है जो परिवार, दोस्त, समुदाय के लिए योगदान से जुड़े हैं । जोखिम लेने की जरूरत, छोटी छोटी बातों से प्यार करना और दया दिखाना और प्यार करना । मैंने अभी तक वह श्रद्धांजलि नहीं पढ़ी है जिसमें यह लिखा हो कि वह नींद में शांति से मर गया । मौत के समय उसके इर्दगिर्द वकील, शेयर दलाल और उसका अकाउंटेंट था । नहीं सभी महानुभावों ने लिखा है कि मौत के समय उनके सभी प्रियजन उनके पास थे । एक तरह से उनकी दुनिया की उनके पास थी ।

सुंदर जीवन जीने के लिए मैं एक सुझाव देना चाहूंगा । आप हमेशा खुद से ऐसे सवाल करें जो आपको दिल से सोचने पर मजबूर करें और प्रेरित करें । जिन लोगों के साथ मैंने एक सफल कोच के रूप में काम किया मैंने पाया कि वह हम से ज्यादा बेहद अनुशासित और चिंतनशील थे । इसलिए गहरे सवाल पूछे । अच्छा सवाल पूछने पर बेहतरीन और अधिक स्पष्टता भरा जवाब मिलता है । अधिक दृष्टता प्रामाणिक सफलता और व्यक्तिगत महानता का डीएनए होता है ।

मैंने अभी तक वहं श्रद्धांजलि नहीं पढ़ी है जिसमें यह लिखवा

हो कि वह जींद में शांति से मर गया । मौत के समय उसके इर्दगिर्द वकील, शेयर दलाल और उसका अकाउंटेंट था ।

यहां मैं आपसे पांच ऐसे सवाल पूछने जा रहा हूं जो आपको जीवन के बारे में गहराई से सोचने के साथ ही दार्शनिक बनाएंगे । बहुत सारे लोग जीवन जीने के बारे में जानते ही नहीं, और जब वह जानते हैं तब तक मौत का बुलावा आता है, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है । आज ही आप खुद से यह पांच सवाल पूछे और उसके जवाब अपनी डायरी में लिखे । उसके बारे में बातें करे, उसके बारे में सोचे । सोचे कि आज आपका आखरी दिन है और आप मृत्युशय्या पर पड़े हो और फिर खुद से पूछिए–

क्या मेंने बड़ा सपना देखा?
क्या मैंने जीवन पूरी तरह जिया?
क्या मेंने चलते रहना सीखा?
क्या मेंने अच्छी तरह से प्यार किया?

क्या में पृथ्वी पर साधारण जिंदगी जीने के लिए आया था और अब इसे बेहतर तरीके से छोड़ रहा हूं?

मुझे आशा है कि इन सवालों के जवाबों से आपको अधिक प्रामाणिकता, जुनून और खुशी से रहने में मदद मिलेगी । जब तक लक्षय आपके सामने नहीं होगा, आप उसे पूरा नहीं कर पाएंगे । जब आप किसी चीज के बारे में सोचते हैं तो वास्तव में हम उससे दूर नहीं रह सकते, और शायद यह जानने के पहले ही हम धूल भी बन जाएं । इसलिए अपनी अंत:शक्ति को जिंदा रखे । चीनी लोगों ने इसे अच्छी तरह कहा है- "पेड़ लगाने के लिए सही समय २० साल पहले का था, लेकिन दूसरा सबसे अच्छा समय आज है ।"

२५

जेतृत्व लोकप्रियता की प्रतियोगिता नहीं है

यह एक ऐसा विचार है जो आपका पूरा कैरिअर बदल सकता है (और आपका जीवन भी): एक नेता होने के नाते (मेरे हिसाब से हम में से हर एक को प्रतिदिन स्वामित्व या स्थिति की परवाह किए बिना नेतृत्व दिखाना जरूरी हैं) बिना यह देखें कि आपको पसंद किया जा रहा है या नहीं । जो सही है वह काम करना ही नेतृत्व है । कई नेता जो लोकप्रिय होते है, लोगों के दिलों पर राज करते हैं, वह कुछ नया करने से डरते हैं क्योंकि उन्हें संघर्ष का डर सताता है । वह नया कुछ करने, खुद का स्थान बनाने से डरते है । वह खुद को असुरक्षित मानते हैं और अपने ही स्थान पर आरामदायक स्थिति में नहीं रह पाते । लेकिन महान नेता अलग ही होते हैं । वह निडर होकर कठिन काम स्वीकार करते हैं । वह अपना सच बोलते हैं । वह अपनी दौड़ खुद दौड़ते हैं । वह सही निर्णय लेते हैं और लोग क्या सोचेंगे इसकी चिंता वह नहीं करते । वह अपने व्यवहार में हिम्मत दिखाते हैं ।

मैंने सम्माननीय लोगों के बारे में बहुत कुछ लिखा और कहा हैं । आप अपने लोगों का खयाल रखें तो वह आपके ग्राहकों से अच्छा व्यवहार करेंगे । इसमें दिमाग चलाने की बात नहीं है । लोगों को उनका लक्षय प्राप्त करने में मदद करें तो वह आपका लक्षय पूरा करेंगे । यह विचार मैं अपने कब्र तक ले जाऊंगा । लोगों में सबसे अच्छी बात देखिए और उनकी नजर में आप एक बेहद दयालु इंसान बन जाएंगे । लेकिन दयालु होने का मतलब यह नहीं कि आप कमजोर बने । अच्छा इंसान बनने का मतलब यह नहीं है हालातों से लड़ने के लिए मजबत और साहसी होने की जरूरत नहीं । मैंने कभी भी इस तरह का सुझाव नहीं दिया । असाधारण लघूाेग कीमलता और कठारता का ब्स्क्षेचूत्ट मिलन होता है । दयालु लेकिन साहसी, थोड़ा सा साधु और थोड़ा सा योद्धा, मित्र लेकिन दृढ़ । (वैसे, आपको पेशेवर और व्यक्तिगत रूप में विश्वस्तरीय बनने के लिए मदद करने के लिए मैंने एक विचार संपन्न और असाधारण व्यावहारिक ऑडियो कार्यक्रम रिकार्ड किया है जो है 'असाधारण नेतृत्व । इसमें विषयों पर आधारित मेरे सबसे अच्छे विचार है । यह मेरा आपके लिए एक उपहार है । आप इसे मुफ्त में robinsharma.com से आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं ।)

सभी अच्छे नेता वास्तव में अपनी साफ छवि की चिंता करते हुए, जो सही है वह कर

नतीजा निकालते हैं । और मेरा यह आपसे विनम्र सुझाव है कि - लोकप्रिय काम करने के बजाय सही काम करें । सबसे अच्छी बात वह है कि सबसे मुश्किल काम सबसे पहले करना । इस याद रखें । कठोर निर्णय लें, स्पष्टवादिता के साथ बात करें । खराब प्रदर्शन करने वालों को बता दो कि वह खराब काम कर रहे हैं । बेहतर काम करने वाले लोगों से कहे कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं । असली बने रहे ।

नेता वह नहीं है जिसे पसंद किया जाता है, बल्कि नेता वह होता है जो सही काम करता है।

जब आप सत्य, न्याय, निष्पक्षता और उत्कृष्टता की स्थिति से नेतृत्व करते हैं तो याद रखें आपके आलोचक भी अवश्य होंगे । लेकिन उनकी परवाह कौन करता है? मैंने कभी किसी आलोचक को शोकसभा में नहीं देखा । मेरा दोस्त डैन शिहान जो लॉस एंजिलिस के बाहर एक महान कंपनी विनप्लस चलाते हैं- जिसके साथ मैंने नेतृत्व विकास का काम किया है- एक बार मुझसे कहा- "महान लोग वह होते हैं जो आलोचकों द्वारा फेंके गए पत्थरों से स्मारकों का निर्माण करते हैं ।" बहुत ही अच्छी बात बहुत ही होशियार इंसान । अगर मैं मेरे आलोचकों की बात सुनता तो मैं भी आज एक दुखी वकील के रूप में काम कर रहा होता, लेकिन भगवान का शुक्र है कि मैंने वह नहीं किया।

२६

किस तरह के सुसमाचार का प्रसार कर रहे ही

सुसमाचार का प्रचार करने वाले एक इवेंजलिस्ट को इस दुनिया में नकारात्मक नजर से देखा जाता है, लेकिन एक इवेंजलिस्ट की परिभाषा के मुताबिक एक ऐसा साधारण इंसान जो अच्छी खबरें फैलाता है । यह ऐसा इंसान होता है जो किसी अच्छे और महान विचार या आवेशपूर्ण कारणों की वजह से अटक जाता है, लेकिन जब वह इस बात से बाहर निकलता है तो अपने विचार को एक किटाणु की तरह लोगों में फैलाता है । यह ऐसा इंसान होता है जो महत्वपूर्ण काम करने में व्यस्त होता है, उसके बारे में ही सोचता है, उसका ही सपना देखता है और उसके बारे में ही सोचता है और उसके बारे में ही बातें करता रहता है । यह एक ऐसा इंसान है जो एक स्तर पर, डॉ. मार्टिन ल्यूथर किंग ज्यूनियर ने जो कहा उसका मतलब अच्छी तरह समझ में आता है । मार्टिन ल्यूथर किंग ने कहा था- "अगर आप किसी अच्छी खोज के लिए मरमिटने के लिए तैयार नहीं तो आप जीने के लायक नहीं है।" परेशान और अनिश्चित दुनिया में इवेंजलिस्ट की बेहद जरूरत है- इंसान बहुत महान काम कर रहा है, उनके कार्य में उन्हें आशीर्वाद मिलता है और वह परिवर्तन लाते हैं ।

ज्यादातर लोगों का महान बनने के प्रति का जुनून कहा जाता है? बचपन में ही हममें से प्रत्येक में यह होता है । हम चाहते हैं कि हम सुपरहीरो बने, अंतरिक्ष की खोज करने वाले बनें, कवी बनें पेंटर बने । हम दुनिया बदल देना चाहते हैं, पहाड़ी की चोटी पर खड़े होकर ढेर सारा आइसक्रीम खाना चाहते हैं । उसके बाद जब हम बड़े होने लगते हैं जीवन हम पर काम करना शुरू कर देते है । भयभीत लोग धीरे-धीरे अपने सपने को छोड़ देते हैं । यहीं से निराशा दिखनी शुरू हो जाती है । जीवन हमें चोट लगाना शुरु कर देता है और हम प्रचार करते हैं कि हमें बहुत बड़ा नहीं सोचना चाहिए, न ही ऊंची पहुंच चाहिए और न ही ढेर सारा प्यार । यह सोचते ही मेरे दिल को ठेस लगती है । लेकिन बिलकुल यही होता है ।

मुझे पूरा विश्वास है कि सितारे की तरह चमकने के लिए ही आपने जन्म लिया है । आप यहां उन कारणों का पता लगाने आए हैं जो आपका मकसद है, जो आपकी अत्यावश्यक नियति है जो आपको आपको गहराई के स्तर तक ले जाकर आगे बढ़ने के

लिए प्रेरित करती है और जो आपको सुबह की पहली किरण के साथ पेट में आग लेकर जगाती हैं । आप यहां जीवन के उस स्थान को पाने के लिए आए हो जहां आप पहुंचना चाहते हो और जिसका उपभोग लेना चाहते हो, कुछ ऐसा खूबसूरत और सार्थक जिसके लिए आप कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं । इसका मतलब लोगों का काम के प्रति विकास करते हुए उनके अंदर की प्रतिभा को जागृत करना । इसका मतलब यह भी कि एक प्रवर्तक के नाते अपने ग्राहकों को सफल उत्पाद बाजार में लाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करना । आपके होने का मतलब समुदाय के लोगों को मदद कर उन्हें ऊचाई पर ले जाना या फिर जिन्हें बेहद जरूरत है उन्हें मदद करना । हाल ही में मैंने एक वकील के बारे में पढ़ा जिसमें लिखा था- वह अपने ग्राहकों को अधर में नहीं छोड़ता था, बल्कि इस कदर सेवा देता था कि उसकी आंखों से खून तक बहने लगे । अति लगता है? हो सकता है । एक इवेंजलिस्ट? निश्चित रूप से ।

> आप यहां उन कारणों का पता लगाजे आए हैं जो आपका मकसद हैं, जो आपकी अत्यावश्यक नियति हैं जो आपको आपको गहराई के स्तर तक ले जाकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है और जो आपको सुबह की पहली किरण के साथ पेट में आग लेकर उठाती हैं ।

मैं एक इवेंजिलिस्ट हूं । आप जब उनसे बात करेंगे जो मुझे जानते हैं, वह मेरे बारे में बताएंगे कि मेरा प्राणवायु लोगों की मदद कर उन्हें चोटी पर पहुंचाना और उन संगठनों को विश्वस्तरीय बनाना ही है । लोगों को पता नहीं है कि मैंने भी जीवन में उतार-चढाव देखे हैं, लेकिन ज्यादातर आप मुझे उत्साह से भर कर, उच्च ऊर्जा और खुशी से संदेश फैलाते हुए देख पाएंगे । क्या मैं आपसे अलग और खास हूं? बिलकुल नहीं । मुझे तो सिर्फ जीवन जीने की वजह मिल गई है ।

मुझे पता नहीं कि आपके जीवन में आपके लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण क्या है । वह आपको ढूंढ़ना है । (कुछ गहरे प्रतिबिंब, आत्मनिरीक्षण और आत्मा के माध्यम से आप इसे खोज सकते हैं जो एक बहुत ही बुद्धिमान विचार है), लेकिन मैं जानता हूं- जब आप अपने जीवन का लक्षय पाते हैं तो उसे पूरा करने के लिए आप जीवन तक समर्पित कर देते हैं, आप हर दिन उस आग को पेट में लिए ही जागते हैं जो मैंने बताई है । आप सोना नहीं चाहते । आप उसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं । आप जीवन से खो चुकी आंतरिक पूर्ति को ढूंढ निकालते हैं और उस संदेश को उन सभी तक पहुंचाते हैं जो यह सुनना चाहते हैं । आप भी एक इवेंजलिस्ट बन जाते हैं ।

२७

किमीनो के तहत: मेरा उत्तम आचरण

मैं आपको सिर्फ चमकने में मदद करना चाहता हूं । मैं बहुत ध्यान से आपको श्रेष्ठतम बनाने के लिए अपना काम कर रहा हूं । आपको आपके काम में सर्वश्रेष्ठ बनाने में मदद कर रहा हूं । आपके घर में खुशिया लाने के लिए मदद कर रहा हूं । आप अपना एक स्थान बनाए इसलिए भी मैं आपकी मदद कर रहा हूं । इसमें मुझे क्या मिल रहा है? खैर, जब मैं आपको बेहतरीन जिंदगी जीने के लिए मदद करता हूं, मुझे उसमें जीवन की सार्थकता नजर आती हैं । मुझे ऐसा महसूस होता है कि मैं दुनिया में कुछ अच्छा कर रहा हूं । यह मेरे लिए महत्व का है कि, मैं धरती पर बेकार नहीं हूं । और यही मुझे सबसे ज्यादा खुशी दे रहा है । सच में ।

इसलिए आज सुबह जब मैं नहा रहा था मैं सोच रहा था कि क्या मेरा आचरण उत्तम है? दूसरे शब्दों में कहा जाए तो क्या मैंने कोई ऐसा अच्छा काम किया है जो कहा जाए कि मेरा सबसे बेहतरीन काम है- जीवन के खेल में और मेरी क्षमता का? यहां मैं इस नतीजे पर पहुंचा–

- सप्ताह में पांच दिन में नींद में से तड़के पांच बजे उठता हूं और सप्ताहांत में दोपहर को थोड़ी देर सोता हूं ।
- उठने के बाद में खुद के विकास और व्यक्तिगत प्रतिबिंब के लिए एक घंटा प्रार्थना करता हूं ।
- सप्ताह में पांच दिन काफी देर वर्जिस करता हूं ।
- हर सात दिन के बाद ९० मिनट तक मालिश करवाता हूं ।
- विश्वस्तरीय आहार (लेकिन हर हफ्ते में एक या दो मिठी चीजें खाता थाजीवन में इतना भी कड़ा नहीं रहना चाहिए- जब मैं मैंन्यू कार्ड में फ्लोअरलेस चॉकलेट केक देखता था, में आर्डर कर देता था)
- दिन भर में कुछ न कुछ लिखता रहता था । लिखने से जागरुकता आ जाती हैं । डायरी में में दिन के लक्ष्य, योजना और जिसके प्रति मैं आभारी हूं, नङ योजनाओं को सोच कर उस पर

विचार के साथ ही जो सीख मेंने पाइँ उसे भी लिख कर रखता था ।

- प्रति दिन में पढ़ता था (जिसमें हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू से लेकर फुरसत के पल और यात्रा से लेकर निवास तक और अच्छी किताबें शामिल हैं)
- दिन भर दृढ़ता से भरी बातें कहता रहता हूं या फिर सफलता के वक्तव्य को याद करता रहता हूं- खास कर नहाते वक्त । इससे बेहद महत्वपूर्ण विचार मेरे दिल में कायम रहते हैं- यह विचार कार्रवाई के स्रोत हैं- सही सोच ही सही दिशा में ले जाती हैं ।
- एक साप्ताहिक योजना का सत्र । में यह अपने लक्ष्यों की समीक्षा करता हूं । ज्यादातर रविवार की सुबह में यह काम करता हूं ।
- मेरा जुनून ऊंचा रखने और मेरे इदगिर्द बड़े विचार मंडराते रहे इसलिए सप्ताह में कम से कम एक तो ऐसे दिलचस्प व्यक्ति से मैं संवाद करता हूं । एक एकल वातालाप आपका जीवन बदल सकता हैं । बिजनेस २.० के एक अंक में प्रबंधन सलाहकार जिम कॉलेन्स ने एक बड़ी योजना को व्यक्त किया है- एक संरक्षक द्वारा एक **बड़ी योजना सिर्फ ३० सेकैंड में बांटी गई जिसने मुझे पूरी तरह बदल दिया ।**

जिस दिन आप यह शुरू करेंगे वह आपके नए जीवन का पहला दिन हो सकता है । यह आपकी पसंद हैं ।

इससे ज्यादा मैं करता हूं, लेकिन यह मेरे सबसे अच्छे निजी आचरण है जो मुझमें से श्रेष्ठ बाहर निकालते हैं । इसमें से कोई भी एक आप उठा लीजिए । जिससे आप असहमत है उसे त्याग दें । आपको अपना जीवन जीते वक्त इसमें से कौन सा फायदेमंद है वह चुन लीजिए । और उस पर आज से ही अमल करना शुरू कर दें । जिस दिन आप इसे शुरू करेंगे वह आपके नए जीवन का पहला दिन हो सकता है । यह सब आपकी पसंद है ।

२८

संस्कृति ही राजा है

हाल ही में मैं उच्च तकनीकी प्रबंधकों के एक समूह के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण दे रहा था । विश्राम के समय एक अच्छा दिखने वाला व्यक्ति मेरे पास आया और अपनी बातें मुझसे कहने लगा- आपने जो संगठन में सभी में नेतृत्व संस्कृति बढ़ाने की बात कही वह मुझे बहुत ही अच्छी लगी । हमारी कंपनी में हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता हमारी संस्कृति के हिसाब से काम करने की है । हम उसके बारे में लगातार बात करते रहते हैं । पिछले साल हमारी कंपनी ने ६०० फीसदी की तरक्की की । संस्कृति बढ़ाने पर केंद्रित हमारी योजना ने वैभवशाली काम किया है- शानदार ।

जैसा कि मैंने पहले भी सुझाव दिया था, आपकी सबसे स्थायी प्रतिस्पर्धा है, आपको लाभ दिलाने वाली नेतृत्व की संस्कृति को विकसित करना । संगठनात्मक विकास और कर्मचारी प्रशिक्षण के लिए जब कोई कंपनी शर्मा लीडरशिप इंटरनेशनल को काम देती हैं, तब हम सबसे पहले कंपनी की काम करने की संस्कृति को विकसित करने का काम करते हैं- क्योंकि काम करने की संस्कृति पर ही आपका कार्य का प्रदर्शन निर्भर हैं । अगर आपका उत्पाद अच्छा है तो आपके प्रतिस्पर्धी उसकी नकल करेंगे, वह आपकी सेवा की नकल करेंगे, वह आपके ब्रांड की नकल करेंगे, लेकिन वह आपकी संस्कृति की कभी नकल नहीं कर पाएंगे । और आपकी संस्कृति ही एक ऐसी चीज है जो आपके संगठन को विशेष बनाती है । संगठन की काम करने की जो संस्कृति है उससे आपके अचरण का स्तर पता चलता है और वह अगर अच्छा है तोx वह और आगे बढ़ते जाता है । आपकी संस्कृति ग्राहकों को बताती है कि महत्वपूर्ण क्या है और क्या स्वीकारना चाहिए । आपकी संस्कृति की वजह से ग्राहकों को पता चलता है कि आपके संगठन के मूल्य क्या है (जैसे ईमानदारी, नए की खोज, अंत तक सुधार करने का प्रयत्न, ग्राहकों को संतुष्ट करना, सहयोग, स्पष्टवादिता और ढेर सारे) आपके संगठन की संस्कृति आपकी दार्शनिकता तय करती है, आपकी पौराणिकता और आपका धर्म तय करती है । और मेरे लिए संस्कृति ही राजा है ।

आपकी सबसे स्थायी प्रतिस्पर्धा है, आपको लाभ दिलाने वाली नेतृत्व की संस्कृति को विकसित करना ।

कंपनी में संस्कृति निर्माण के पांच बेहतरीन तरीके इस प्रकार है:

अनुष्ठान- संस्कृति में मैं पूजापद्धति पसंद करता हूं । अच्छी कंपनियां जैसे डेल, गूगल, साउथवेस्ट एअरलाइंस, एप्पल ऑर वॉलमार्ट की काम करने की शैली समान हैं, यानी उनकी पूजापद्धति एक जेंसी ही हैं । ७ बजे टीम के सदस्यों का मिलना, शुक्रवार की दोपहर टीम के सदस्यों के संबंधों में बढ़ावा आने के लिए पिज्जा पार्टी का आयोजन करना अनूठे रिवाज हैं । इन रस्सों की वजह से संस्कृति को रूप मिलता हैं और वह खास भी बनती हैं ।

समारोह- बोस्टन साइंटिफिक जेंसी कई अरब डॉलर की कंपनी की स्थापना करने वाले वैज्ञानिक जॉन एबल ने एक बार रात का खाना खाते वक्त मुझसे कहा था- जिसका आप समारोह मनाना चाहते हैं वह आपको मिल जाता हैं । बहुत ही शक्तिशाली सोच थी । जब आप किसी को अपनी संस्कृति के मूल्यों की रक्षा करने के लिए खड़ा हुआ देखते हैं उसे जनता का हीरो बनाए । व्यवहार को पुरस्कृत किए जाने से व्यवहार दोहराया जाता हैं । इसलिए अच्छा काम करने वाले लोगों को ढूंढ़े ।

वातालाप- आएका नेता जो कहता हैं वहीं आपके कर्मचारी करते रहते हैं और वैसे ही बनते हैं । आपके कर्मचारियों के दिलों तक आपकी दूरदृष्टी और आपके मूल्यों को पहुंचाने वाले कर्मचारियों के बारे में जब आप इकट्ठा होते हैं- साप्ताहिक बॅठक, या दिन में जब भी आप इकट्ठा होते हैं या फिर जब आप वॉटर कूलर के पास पानी पीते होते रहते हैं- तो आपको सतत बातें करते रहना चाहिए । निरंतर खड़े रहने के लिए आपको सुसमाचार (इवेंजलाइज्ड) प्रसारत करने की जरूरत हैं । जेंक विच ने अपनी उत्कृष्ट पुस्तक विनिंग में लिखा हैं कि वह बहुत सारा समय जीड़ के लक्ष्य को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए व्यतीत करते थे । वह सुबह तीन बजे बातें करने के लिए अपने लोगों को बुला लेते थे जब वह आधी नींद में रहते थे- इस बात को वह अच्छी तरह याद रखते थे और दुबारा बता भी सकते थे (जो मुझे याद नहीं रहता था)

प्रशिक्षण- कर्मचारी के विकास पर ध्यान देने की संस्कृति को बढ़ावा देना ही एक महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं । अगर आप इस बात से सहमत हैं कि आपकी कंपनी की सबसे बड़ी पूंजी आपके कर्मचारी हैं, तो ही उनके विकास की कोशिश करने में समझदारी हैं, नेतृत्व की संस्कृति का निर्माण कर्मचारियों के दिल ऑर दिमाग में अच्छी तरह पोषित करने के लिए परिसंवाद और नेतृत्व कायशाला का आयोजन करें । जब आपके कर्मचारी बेहतर बनेंगे, आपकी कंपनी भी बेहतर बनेगी ।

कहानी सुनाना- श्रेष्ठ कंपनियों में पीढ़ी दर पीढ़ी अच्छी कहानियां सुनाने की संस्कृति हैं । कहानी जैसे किस तरह कंपनी की स्थापना एक तहखाने में हुई या किस तरह टीम के सदस्यों ने ग्राहकों तक उत्पाद पहुंचाने के लिए किस तरह अतिरिक्त मेहनत की या कंपनी को कॅसे आपदा की कगार

से वापस लाने का काम किया । कर्मचारियों के दिलों में कंपनी के प्रति आत्मीयता बढ़ाने के लिए कहानियां बताना सबसे बेहतर तरीका हैं । जो सीमेंट की तरह कंपनी से कर्मचारियों को जोड़ देता हैं ।

प्रति दिन काम पर जाने वाले लोग एक समुदाय का हिस्सा बनना चाहते हैं । इंसान की गहरी मनौवैज्ञानिक जरूरत लोगों के साथ रहने की होती है । हम उस संगठन के लिए काम करना चाहते हैं जो हमारी कद्र करना जानता हो, हमारे व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता हो और हमे यह महसूस कराता हो कि हम एक सपने को पूरा करने में योगदान दे रहे हैं । इन बातों पर सही तरह से अमल कर नेतृत्व की संस्कृति तैयार की जाए और अपने बेहतरीन कर्मचारियों को साथ में रखते हुए अन्य अच्छे कर्मचारियों को भी अपनी ओर आकर्षित करें । क्या यह सही नहीं होगा?

२९

आपका कायक्रम झूठ साबित न हो

एक पुरानी कहावत है- आपने जो किया उसे ऊंची आवाज में बताएं, क्योंकि मैंने उसे सुना नहीं। आप कह सकते हैं कि आपका परिवार ही आपकी प्राथमिकता है, लेकिन परिवार के लिए समय देना आपके कार्यक्रम में शामिल नहीं है, तो इसमें सच्चाई यह है कि आपका परिवार आपके जीवन की प्राथमिकता नहीं है। आप यह भी कह सकते हैं कि सशक्त शरीर आपका सबसे बड़ी प्राथमिकता हैं, और मैं देख रहा हूं कि आप सप्ताह के कार्यक्रम में पांच छह बार भी जिम में जाना शामिल नहीं है। इसका मतलब असलियत यह है कि आप जो सशक्त शरीर की बात कर रहे हैं वह एक ढोंग है और वह आपके लिए महत्वपूर्ण नहीं है। आप यह बहस भी कर सकते हैं कि स्वयं विकास आपके लिए अनिवार्य है और आप प्रभावी हैं। आप आपका कार्यक्रम मुझे बताइए और मैं आपको सच बताऊंगा, क्योंकि आपका कार्यक्रम झूठ नहीं बोलेगा।

प्रामाणिक सफलता और स्थाई खुशी आपके जीवन में नहीं है, क्योंकि आपके दैनिक कार्यक्रम, उच्च विचारों से मेल नहीं खा रहे हैं। यह बहुत ही बड़ी सोच है जो उन कयिकारी ग्राहकों के ए उपयोगी साबित हुई है जिन्हें मैंने सिखाया है। आप जो कर रहे हैं और आप जो है अगर उसमें अंतर है तो आप ईमानदार नहीं है। मैं उसे ईमानदारी में अंतर कहूंगा। अपने दैनिक प्रतिबद्धताओं और गहरे मूल्यों के बीच की खाई की वजह से आपका जीवन पूरी क्षमता से कार्यरत नहीं है (और साथ ही खुशी भी कम मिल रही है) क्यों? क्योंकि आप जो बोल रहे हो वह नहीं कर रहे हो। आपका काम आपके बातों से मेल नहीं खा रहा है। आप खुद से विश्वासघात करने का अपराध कर रहे हो। सबसे बड़ा अपराध। और इसका गवाह आपके अंदर ही गहराई से रह रहा है- आपका विवेक-उसे देखिए।

आपका कार्यक्रम ही आपके वास्तव मूल्य और विश्वास का सबसे बड़ा पैमाजा हैं और जो आपके लिए महत्वपूर्ण भी है।

आपका कार्यक्रम ही आपके वास्तव मूल्य और विश्वास का सबसे बड़ा पैमाना है और जो आपके लिए महत्वपूर्ण भी है । बहुत सारे लोग अच्छी-अच्छी बातें करते हैं, लेकिन बातें करना आसान है । बातें कम करें और काम ज्यादा करें । आप आपका कार्यक्रम मुझे बताइए और मैं आपको बताऊंगा कि आपकी प्राथमिकता क्या है । मैं एक मुकदमे लड़ने वाला वकील हूं । अदालत में गवाह उन्हें जो चाहे कह सकते हैं, लेकिन सबूत कभी झूठ नहीं बोलते ।

३०

एक अभिभावक के रूप में चमके

मैंने जिन ग्राहकों को सिखाया है, उनमें से कुछ ऐसे ग्राहक है अपने निजी हवाई जहाज से टोरंटो के पास वाले एक छोटे से हवाई अड्डे पर उतर कर मेरे पास आते थे और हमारी पहली ही मुलाकात में कहते थे- रॉबिन, मेरे पास बहुत सारा पैसा है, दुनिया भर में फैले हुए लोगों का मेरे घर में तांता लगा रहता है, मेरी सार्वजनिक प्रशंसा भी होती है, बावजूद इसके मैं बेहद दुखी हूं। मैंने पूछा क्यों, तो उसने कहा, क्योंकि व्यवसाय बढ़ाने के चक्कर में मैंने अपना परिवार खो दिया, मेरी पत्नी ने मुझे छोड़ दिया और मेरे बच्चे तो मुझे जानते ही नहीं । तब मेरा दिल टूट जाता है । इस तरह का ही उत्तर आम तौर पर मिलता है ।

आपके प्राथमिकता की सूची में शीर्ष पर अपने स्वास्थ्य के साथ ही अपने परिवार को भी रखें । उसका क्या मतलब है जब आप अपना सपना तो पूरा कर रहे हैं लेकिन अकेले ही । एक असाधारण माता-पिता के लिए और भी कुछ बातें हैं जो बेहद महत्वपूर्ण है । बच्चे अविश्वसनीय रूप से जल्दी बड़े हो जाते हैं । पलक झपकी और वह चले गए- अपना जीवन जीने के लिए । मुझे लगता है कि मेरी बेटी का जन्म अभी एक-दो वर्ष पहले ही हुआ है, लेकिन आज वग नौ वर्ष की है और वह अपना ज्यादातर समय अपने सबसे अच्छे दोस्त मैक्स के साथ खेलने में बिताती है । (मैक्स लाड़ प्यार से बिगड़ा लड़का है जिसे प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है) ऐसा लगता है कि कल ही मेरे मांसल गालों वाला, शिशु की तरह आवाजें निकालने वाला बेटा बाबागाड़ी में घूम रहा था, जो अब ११ वर्ष का है । वह मुझसे भी तेज गति से पढ़ता है और अपने भविष्य की योजनाओं को मेरे साथ बांटता है (वह एक उद्यमशील पूंजीपति बनना चाहता है) । इतनी जल्दी बच्चों को बड़े होते देखना वाकई बहुत ही दुख की बात है । मुझे लगता है कि उदारता के साथ अपने समय का कुछ हिस्सा मैं उन्हें समर्पित करूं (मेरे बच्चे मेरे लिए हमेशा मेरी पहली प्राथमिकता रहे है) एक अभिभावक के रूप में चमकते रहने के लिए मैं कुछ विचार आपको दे रहा हूं

अपने डर से बच्चों को दूर रखे, उन्हें यह शिखाए कि क्या संभव है

उदाहरण से अगुआई करे- अपने बच्चों को प्रभावित करने का सबसे अच्छा तरीका हें उनके साथ बातचीत जारी रखं । बच्चों से जो व्यवहार देखना चाहते हो उसे एक नमूने के रूप में पेश करो । बच्चों को किताबों की महत्ता समझा कर अपने कमरे में जाकर तीन घंटे तक एमटीवी देखते न बैंठे । वह दो नन्हीं आखें आप जो कर रहे हैं वह सब कुछ देखती हैं । यह बात मैंने **द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज फेरारी के एक प्रकरण पारिवारिक विवेक** में लिखी हुई हैं । यह एक ऐसी किताब हैं जो आपको आपके घर में युवा नेतृत्व का विकास करने में उपयोगी साबित होगी ।

अपने बच्चों को विकसित करना- खुद को अपने बच्चों के माता-पिता की तरह नहीं बल्कि उनका विकास करने वाले के रूप में देखे । यह बहुत ही जरूरी हैं कि उनके दिमाग, दिल ऑर आत्मा का विकास हो । यह आपका काम हैं । उन्हें महान कलाओं से उजागर करें । उन्हें अच्छे दिलचस्प रेस्तरां में ले जाए, उन्हें अद्वितीय विचारों वाले लोगों से मिलवाएं । जॉन केनेडी (जेएफको) के पिता हमेशा घर में खाने पर अद्विवतीय विचारों वाले लोगों को आमंत्रित करते थे खाना खाते समय बच्चे मेहमानों से सीखते थे ऑर मेहमानों से सवाल भी करते थे ताकि वह और सीख सकें- बहुत ही अच्छी प्रथा हैं यह ।
बच्चों को प्रेरित करें- बड़े विचारः माता-पिता अपने बच्चों को सिखाएं कि किस तरह दुनिया को देखें । माता-पिता बच्चों को दिखाए कि किस तरह दुनिया काम करती हैं । ऑर अगर आप दुनिया में सीमारेखा देखते हैं तो बढ़ने वाले बच्चे भी वही देखते हैं । अपने डर से बच्चों को दूर रखें, उन्हें सिखाए कि क्या संभव हैं । उन्हें अपने ही रास्ते पर चलते हुए दुनिया की तरक्की करने वाले महान इंसान बनने के लिए प्रेरित करें । उन्हें समर्थं करें ।

यह ऐसा हथियार है जो सीधे मेरे घर से आया है । प्रति दिन सोने के पहले मैं अपने बच्चों से चार बातें कहता हूं- बड़े होने पर आपको जो करना है वह आप करें, कभी भी हार न माने, जो भी करना चाहें वह अच्छी तरह करें और यह याद रखें कि आपके पिता आपसे कितना प्यार करते हैं । लगातार चार वर्ष तक प्रति दिन मैं यह कहता आ रहा था । वे अकसर कहते थे- पिताजी, हम यह सब बातें जानते हैं कि कभी भी हार न मानें और आप हमसे बेहद प्यार करते हैं । यह ऊबाऊ हो रहा है । लेकिन मुझे पता है एक दिन. शायद जब मैं बेहद बूढ़ा हो जाऊं, मेरे चेहरे पर झुर्रियां आई हो विश्व में मेरे सबसे पसंदीदा दो लोगों बियांका या कोल्बी की ओर से एक पत्र आएगा । कागज के इस साधारण टुकड़े पर लिखा होगा, पिताजी, मैं बहुत बढिया जिंदगी जी रहा हूं । पिता के रूप में हमारे साथ रहने के लिए आपका धन्यवाद । साथ ही उन चार बातों के लिए भी धन्यवाद जो हर रात को सोने के पहले आप हमसे कहते थे । उन्हीं बातों ने मेरे जीवन में बदलाव आया ।

३१

वाहवाही के व्यापारी बने

दक्षिण समुद्र तट के होटल विक्टर के कमरे में दाखिल होने के बाद मैंने इस प्रकरण को लिखा है । कुछ महीने पहले इस होटल का नवीनीकरण होते हुए मैंने देखा था और उसी वक्त तय किया था कि फिर कभी जब मियामी आउंगा इसी होटल में आऊंगा । इसलिए मैं इस होटल में हूं । जहां विश्व में बहुत सारे व्यवसाय ऊबाऊ और पुराने हो गए हैं, धीमे हो गए हैं, वहीं मैं इस स्थल के बारे में आपको जानकारी देना चाहता हूं क्योंकि मैं इससे बहुत ही प्रभावी हुआ हूं ।

जब भी मैं सफर करता हूं, हमेशा नए अलग-अलग होटलों में रुकता हूं । मैं निरीक्षण करता हूं कि ग्राहक के साथ यह होटल वाले किस तरह से पेश आते है (और ज्यादातर किस तरह की सेवा नहीं देते है) । सुकून देने वाला डिजाइन (जो बड़े विचारों को प्रेरित करता है और वह विचार मैं अपने टीम के सदस्यों को उत्पाद बनाने के लिए सौंपता हूं । यह उत्पाद सीडी कवर से लेकर कपड़ों तक होते हैं ।) मैं यह भी देखता हूं कि क्या होटल ने इस बात को समझ लिया है कि आज हम जिस अनुभव की अर्थव्यवस्था के दौर में जी रहे हैं उसमें ग्राहक को शुरु से लेकर अंत तक पूरी तरह संतुष्ट कर उससे वाहवाही हासिल की जाए ।

अच्छी खबर यह है कि यह होटल अद्भुत है । जब मैं होटल के मुख्य दरवाजे से आ रहा था तो दरबान ने एक बड़ी मुस्कान से मेरा स्वागत किया । बहुत ही खूबसूरत और आंखों को सुकून देने वाला डिजाइन (ज्यादातर होटल में नजर आने वाले आंखों में चुभने वाला सफेद रंग दिवारों पर नहीं था । लगभग सभी होटल वाले सफेद रंग की नकल करते हैं- और उसे छुपाने की भी कोशिश करते हैं ।) । ज्यादातर हरा और नए रंग का इस्तेमाल किया गया था, माहौल में धीमे स्वर में अच्छा संगीत बज रहा था । स्वागत कक्ष के कर्मचारी भी बहुत अच्छे थे, उन्होंने हंसी के साथ मेरा स्वागत किया और जब तक मैं अपना नाम दर्ज कर रहा था तब तक एवियन के पानी में नींबू डालकर मुझे दिया । पूलसाइड में रात को एमटीवी म्यूजिक वीडियो पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था जहां पर तेज संगीत बजने वाला था । कैरिन ने मुझे पूछा कि क्या मैं ऐसा कमरा चाहूंगा जहां से पुरस्कार समारोह साफ साफ नजर आ जाए- मैं ऐसा ही कमरा चाहता था

क्योंकि मुझे ज्यादा नींद की जरूरत नहीं थी ।

बेलमैन एरिक ने मुझे जिम और स्पा दिखाया । लंदन के सैंडरसन होटल के बाद मैंने इतना अच्छा जिम किसी होटल में देखा था । कमरा तो बहुत ही शानदार था- कलात्मक रूप से सजाया, साफ सुथरा और बेहतरीन तरीके से संवारा गया था । सब कुछ बहुत ही प्रभावशाली था-असल में बिलकुल उन्हीं मानकों पर खरा ठहर रहा था जो मैं आपको प्रोत्साहित करने के लिए कहता हूं ।

आज हम जिस अनुभव की अर्थव्यवस्था के दौर में जी रहे हैं उसमें ग्राहक को शुरुअ से लेकर अंत तक पूरी तरह संतुष्ट कर उसके मुंह से वाहवाही हासिल की जाए ।

होटल विक्टर जे कम दावे के साथ बेहतरीन सुविधाएं दी थी । जिसकी वजह से होटल ने मेरा दिल जीत लिया । पूरी तरह प्रशिक्षित कर्मचारी, बेहतरीन सुविधाएं, उत्कृष्ट शिष्टाचार ने मेरा दिल जीत लिया । अब मैं नीचे की ओर होटल के खाने का स्वाद लेने जा रहा हूं (सभी इस रेस्तरां के बारे में बात कर रहे थे, क्योंकि यहां के मुख्य खानमामे का वह १००० विभिन्न तरीकों वाले मसाले से सजा कोना जिसका इस्तेमाल वह खाना बनाने में करता था) । मैं दावे के साथ कहता हूं कि मुझे वह खाना पसंद आएगा।

३२

जो है उसे प्यार करने के बजाय वह पाने की कोशिश करें जो पाना चाहते हैं

कुछ जानकार हमें प्रोत्साहित करते हैं कि आज आपके पास जो है उसका आनंद ले और उसकी सराहना करें । वह कहते हैं कि ज्यादा पाना हमारे असंतोषी होने का प्राथमिक स्रोत है । और दूसरे लोग कहते हैं कि एक इंसान होने के नाते प्रति दिन हम कड़ी मेहनत कर चोटी पर पहुंचने की कोशिश करेंमहान बने । इस मुद्दे पर मैंने बहुत संघर्ष किया । मैंन अपना निजी दार्शनिक बनाया है कि मैं अपने जीवन के अधीन रहूंगा । मुझे लगता है कि मुझे जवाब मिल गया है । एक ऐसा समाधान जो मुझे सही लगता है- मुझे महसूस हुआ कि वह है संतुलन । मैं उसे मंडेला संतुलन कहता हूं ।

नेल्सन मंडेला एक ऐसे इंसान हैं जिनका मैं बेहद सम्मान करता हूं । उन्होंने एक बार कहा था, एक ऊंची पहाड़ी की चोटी पर पहुंचने पर जब कोई यह सोचता है कि चढ़ने के लिए और भी कई पहाड़ियां हैं । मैं यहां एक पल विश्राम करने के लिए बैठा हूं और खूबसूरत प्रकृति का आनंद ले रहा हूं । साथ ही पीछे मुड़ कर मैं यह भी देखना चाहता हूं कि कितनी कठिनता से मैं यहां पहुंचा हूं । लेकिन मैं सिर्फ यहां पल भर आराम कर रहा हूं । स्वतंत्रता मिलने के बाद जिम्मेदारियां भी आती हैं, मैं यहां रुक नहीं सकता क्योंकि मेरा सफर खत्म नहीं हुआ है मुझे लंबा सफर तय करना है ।

मेरे हिसाब से नेल्सन मंडेला का यह सुझाव वास्तव में एक सही संतुलन के बारे में हैं । आप जहां है वहां का आनंद लीजिए, जो सफर तय करके आए हैं उसका मजा लीजिए । अपने जीवन के सफर में आप जहां पहुंचे हैं उसके प्रति आभार प्रकट कीजिए । आज का पल जीएं।, लेकिन यह भी याद रखें कि इसके साथ ही आपकी जिम्मेदारियां भी बढ़ी है । मुझे पूरा विश्वास है कि हर इंसान में कर्तव्य की चमक होती है । हमें अपने अतीत की जीत पर संतुष्ट होकर आराम नही करना चाहिए । हमें आगे बढ़ना चाहिए- प्रति दिनऔर लोगों की अच्छी सेवा करने का कड़ा प्रयास करना चाहिए । अपनी क्षमता को पहचानते हुए धरती के बेहतर नागरिक बनना चाहिए । हमें लगातार अपने डर के साथ चलते हुए जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए । हमें अपनी रचनात्मक प्रतिभा का

इस्तेमाल करते, देखते हुए लगातार बड़ा कार्य करते रहना चाहिए । इस अभियान में हमें खुद की ताकत को महसूस करना चाहिए । मुझे विश्वास है कि यह हमारे डीएनए में हैं और इससे इनकार करना मानव धर्म से इंकार करने जैसा है ।

इस विश्व को ऐसे लोगों द्वारा बजाया गया है जो कुछ बातों में असंतोष महसूस करते थे और उन्हें पता था कि वह इसे बेहतर बजा सकते हैं,

और हां, जब हम व्यक्तिगत स्तर पर ऊचे सपने देखते हैं, तो हममें असंतुष्टता निर्माण होती है । लेकिन इस विश्व को ऐसे लोगों द्वारा बनाया गया है जो कुछ बातों में असंतोष महसूस करते थे और उन्हें पता था कि वह इसे बेहतर बना सकते हैं. थॉमस एडिसन का अवलोकन है- आप मुझे पूरी तरह संतुष्ट इंसान दिखाओं मैं आपको उसकी विफलता दिखाऊंगा । मुझे पता है कि आज के जमाने में यह राजनीतिक तौर पर गलत है । लेकिन मेरे विचार से वह बिलकुल सच बोल रहे थे । हममें से जो महान है वह जो चीजें चल रही थी उससे संतुष्ट नहीं थे । गांधीजी के बारे में सोचिए, मदर टेरेसा के बारे में सोचिए, आर्चबिशप डेसमैंड टुटु के बारे में सोचिए, बिल गेट्स के बारे में सोचिए, आइनस्टाइन के बारे में सोचिए और मंडेला के बारे में भी सोचिए ।

इसलिए आपके पास जो है उससे प्यार करें और उसके बाद वहां के लिए निकले जहां आप पहुंचना चाहते हैं। पहाड़ी चढ़ने का आनंद लो, लेकिन चोटी पर पहुंचने के बाद अपनी आंखें बंद नहीं करना ।

३३

सोचे एक सीईओ की तरह

कुछ महीने पहले मैंने एशिया की सबसे तेज गति से तरक्की करने वाली आईटी कंपनी के नेतृत्व टीम से बात की थी। अद्भुत कंपनी । सिर्फ दस वर्ष में जीरो से लेकर १ अरब डॉलर तक पहुंची कंपनी । २३,००० कर्मचारी । दूरदर्शी अध्यक्ष । उनके एक शक्तीशाली विचार को मैं आपके साथ बांटना चाहता हूं। कंपनी में १५०० वरिष्ठ मैनेजर है जो १५०० विभिन्न विभाग और काम संभालते हैं । कंपनी के अध्यक्ष ने इन प्रबंधकों से कहा है कि वह कंपनी के प्रबंधक नहीं है बल्कि सीईओ हैं जो अपना छोटा कारोबार कर रहे हैं । एक बड़ी कंपनी एक निवेशक की तरह होती है जो उनकी जरूरतों को पूरा करती है। वह उन्हें संसाधनों, संरचनाओं के साथ अवसर प्रदान करती है । वह इसके बदले सिर्फ नतीजे चाहती हैं। अपने कार्य का स्वामित्व बनने की अवधारणा ही उन्हें प्रेरणा देती है और वह एक उद्यमी की तरह काम करना शुरू कर देते हैं । यह उन्हें एक नेता की तरह काम करने के लिए प्रेरित करता है। यह उन्हें समस्या का जिक्र करने के बजाय उसका समाधान निकालने के लिए प्रेरित करता है । बहुत ही अच्छा विचार ।

> अपने व्यवसाय की सफलता के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी ले । एक उद्यमी की तरह काम कर दिखाए । अपने व्यापार को बढ़ाए, खर्च में कटौती करे और अच्छा काम करें ।

आप अपने क्षेत्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं । क्या आपकी कंपनी में वित्तीय विभाग है? आप इस विभाग के सीईओ हैं, इस छोटे उद्यम के सीईओ हैं । मानव संसाधन विभाग में काम कर रहे हैं? यह आपका छोटा उद्यम है । दिन के अंत में आप सफाई करते हैं? यह आपका उद्यम है । जो एक बड़ी कंपनी की सेवा कर रहा है । अपने व्यवसाय की सफलता के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी ले और एक उद्यमी की तरह अपने व्यापार को बढ़ाए, खर्च में कटौती करे और अच्छा काम करें । आप अपने कैरिअर

में छा जाएंगे और सीईओ आपसे प्यार करेगा ।

३४

खिलाड़ी की तरह कार्य करें

अपने जीवन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बेहतरीन परिणाम लाने के लिए मेरे हिसाब से सबसे अच्छा रास्ता प्रति दिन अभ्यास करने का है । शीर्ष के खिलाड़ी जानते हैं कि प्रति दिन अभ्यास करने पर ही वह महानता हासिल कर सकते हैं । कुछ समय पहले मैं भाषण और कार्यशालाओं की श्रृंखला के लिए मास्को गया था । एक दिन सुबह मैं होटल की जीम में कसरत करने गया । सुबह छह बजे का समय था । क्या आप सोच सकते हैं, वहां पर कौन था ? मैरी पियर्स । एक टेनिस स्टार । दो घंटे तक वह दौड़ रही थी, वजन उठा रही थी, उठा-बैठक कर रही थी और अनगिनत पुश अप्स लगा रही थी । वह अपने सफलता की कीमत चुका रही थी ।

महान बनने के लिए अभ्यास करने की जरूरत है । खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह जानते हैं । हमें वह इतना अलग क्यों लगता है? यकीनन अभ्यास से ही अनुशासन आता है । लेकिन मेरा दोस्त निडो क्यूबेन (जो एक व्यावसायिक सलाहकार और प्रेरक वक्ता है) अक्सर कहता हैं- "अनुशासन की कीमत हमेशा अफसोस के दर्द से कम होती है ।" बुद्धिमान व्यक्ति ।

मैं आपको यह सुझाव देना चाहता हूं कि निजी और पेशेवर महानता ही काम आती हैं । मैं आपको यह सुझाव कभी नहीं दूंगा कि आपका सपना बिना कुछ त्याग किए और समर्पण, स्व-नियंत्रण की कीमत चुकाए बगैर पूरा हो सकता है । कीमत चुकाएं ऐसा शब्द हैं जो सच्चाई से युक्त हैं । हम में से कुछ श्रेष्ठ लोगों यह शब्द बेहद आसान लग रहा है । मैं इसे हंस जैसा असर कहता हूं- विशिष्ट कलाकारों की निजी और व्यावसायिक सफलता हमें आसान लगती हैं और वह पानी में जिस तरह एक हंस चलता है वैसे ही शानदार रूप से चलते नजर आते हैं । लेकिन, हमें पानी की सतह के नीचे उनकी योजना, अनुशासन, कड़ी मेहनत और निकट निर्दोष निष्पादन नजर नहीं आता जैसा पानी में हंस के तैरने वाले पैर नजर नहीं आते ।

शीर्ष खिलाड़ी अच्छी तरह जानते हैं कि अभ्यास ही उन्हें चोटी

पर पहुंचा सकता है ।

मेरे जीवन में, लगातार अभ्यास की श्रृंखलाओं की वजह से ही मैं आज का यह महान दिन देख रहा हूं । यह मैं आपके साथ बांटना चाहता हूं । कभी कभी जीवन में अप्रत्याशित चुनौतियां आ जाती हैं और आप अपनी राह से भटक जाते हो- जीवन में यह होता ही है । लेकिन लगातार अभ्यास करने की वजह से आप चोटी पर रहते हैं और आप हमेशा सकारात्मक सोचते रहते हैं । यह बहुत ही साधारण विचार है जिसने मेरे कई ग्राहकों को मदद की है । प्रति दिन के अभ्यास से ही आप अच्छा जीवन जीते हो इसमें सुबह डायरी लिखने का समय जिसमें आप अपनी भावनाओं को, विचारों को और उन सभी के प्रति आभारा हो शामिल करते हो । या फिर आप वर्जिश करने के साथ अपना दिन शुरू करते हो और उच्च दर्जे का खाने के साथ । मैं आम तौर पर पंद्रह मिनट तक अच्छा संगीत सुनता हूं, इससे मुझे ऊर्जा मिलती हैं और मैं खुद को खुश देखता हूं । अपने लक्षय को केंद्रित करने के लिए मैं सफलता के या दृढ़ता से कहे वक्तव्य का इस्तेमाल करता हूं । सफलता, खुशी और मन की शांति सिर्फ दिखावे के लिए नहीं होती, उसे बनाने की जरूरत होती है । आप अपने अभ्यास को अच्छी तरह जान लें और अविरोध रूप से उसका प्रदर्शन करते रहे । और उसके बाद आप हमारी इस दुनिया में चमक जाओगे ।

३५

बेतहाशा उत्साही बने

उत्साही रहे- आज आसानी से बोला जाता है- ऊर्जावान रहे- घिसा पीटा शब्द बना है, आवेशपूर्ण रहो- उबाऊ लगता है । बावजूद इसके उत्साह, ऊर्जा और आवेश के बिना आप अपने क्षेत्र में या आपका संगठन विश्व स्तर पर नहीं पहुंच सकता । (हां, लेकिन मैं यह भी सुझाव नहीं देना चाहता कि नेतृत्व का यह कोई रॉकेट विज्ञान है ।) राल्फ वाल्डो इमर्सन ने एक बार कहा था-"दुनिया के इतिहास में जितने भी महान और प्रभावशाली आंदोलन हुए वह उत्साह की उपलब्धि की वजह से हुए है।" सैमुअल उलमन का अवलोकन है कि- हम सिर्फ कई वर्षों तक जीवित रहने से बूढ़े नहीं होते, बल्कि जब हम अपने आदर्शों को छोड़ने लगते हैं उस वक्त बूढ़े हो जाते हैं । वर्षों की वजह से त्वचा पर झुर्रियां आ जाती हैं, लेकिन जब हम अपना उत्साह छोड़ देते हैं तो अपने आत्मा पर झुर्रियां पड़ने लगती हैं । उत्साह ही मायने रखता है ।

मुझे मेरे इर्द-गिर्द ऐसे लोग पसंद है जो एक साधारण हो और दिल को छूने वाले : यानी जो उत्साही हैं । बेतहाशा उत्साही । वे जीवन को खुले रूप से जीते हैं । वह जिज्ञासु हैं । उन्हें सीखने की चाह है । जब वह मुझे देखते हैं तो मुस्कुराते हैं, और बेहद मजे करते हैं । यदि काम करना है तो पूरी मेहनत लगन से करें या न करें ।

आज, काम करते वक्त वास्तव में जितना उत्साह जुटा सकते हो उतना जुटा कर काम करें । सारी हदें पार कर ऊर्जावान बने और उत्तेजित होकर जीवन जीएं । लोगों में सबसे अच्छी बात देखें । अपने ग्राहकों को खुश करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करें । जब जीवन में कभी गहरा झटका लगता है तो उसमें से सीख लेकर खुद का व्यक्तिगत विकास करें और अवसर ढूंढे । एक बढ़ने के मौके के रूप में उसे गला लगा लें । अपने टीम के सदस्यों के साथ हंसीमजाक करें । अपने प्रियजनों से कहे कि आप उनसे बेहद प्यार करते हैं । अपना उत्साह फैलाएं । मैं सबसे पहले इस बात से सहमत हूँ कि आप दिन भर में होने वाली घटनाओं पर नियंत्रण नहीं रख सकते, लेकिन मुझे संदेह नहीं कि उत्साह से भरे होने के कारण आप आने वाले समय में जो भी आपके सामने आएगा उसे अनुग्रह, शक्ति और एक मुस्कान के साथ संभाल लेंगे ।

सारी हदें पार कर ऊर्जावान बने और उतेजित होकर जीवन जीएं
।

३६

सफलता सेक्सी नहीं हैं

बहुत सारे नेतृत्व विशेषज्ञ सफलता और इच्छाएं पूरी होना जटिल मानते है । वह नवीनतम तकनीक से सिखाते हुए और नवीनतम साधनों की मदद से आपको जीवन में महान बनने की तरफ आगे बढ़ाते हैं । एक जादुई गोली ले लो या नई क्रेज को स्वीकार करो सब ठीक हो जाएगा । जीवन बिल्कुल सही होगा ।

कोरी बकवास है । हां, यह सही है कि एक असाधारण अस्तित्व और कौशलता काम करती है । बेशक, महानता पाने के लिए- व्यक्तिगत और पेशेवर- त्याग की आवश्यकता है । परिपक्वता का पहला लक्षण यह है कि छोटी छोटी खुशियों को छोड़ कर आगे मिलने वाली बड़ी खुशी के लिए काम करे । सही बात है । सही काम करने का मतलब कठिन काम पूरा करना है । लेकिन यहां एक अच्छी खबर भी है : प्रति दिन लगातार अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में प्रयास करें जो सफलता के मूल सिद्धांतों में से एक है और उस समय आप अपनी सही जगह पहुंच जाओगे जिसका आपने सपना देखा है ।

सफलता मादक नहीं है । यह उत्कृष्टता से आवेशपूर्ण अविरोध के साथ काम करने की मूल बात है । मुझे इस शब्द से प्यार है । अविरोध । यह अद्‌भुत है कि लंबी दूरी तक किसी के साथ रहने से आप कुछ प्राप्त कर पाएंगे । ज्यादातर लोग जल्दी हार मान जाते हैं । मुझे लगता है कि उनका डर उनके विश्वास से बड़ा होता है ।

आपका दिल जिन बातों को सच मानता है और आप जिसे करना सही मानते हो उन्हीं बातों के सिद्धांतों से आपको चिपके रहना है । यह सिद्धांत क्या है? जैसे सकारात्मक चीजे, जो काम जीवन में होते ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी भी स्वीकार करें, लोगों के साथ अच्छी तरह पेश आएं, कड़ी मेहनत करें, किसी के पीछे जाने के बजाय खुद कुछ नया ढूंढने की कोशिश करें, जल्दी उठे, अपना लक्षय निर्धारित करें, सच बोले, अनुशासित बने, पैसे की बचत करें, अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें और अपने परिवार को भी महत्व दें । मैंने पहले ही कहा है कि यह सारी बातें आपको पता है । नाइके कंपनी हमारी ग्राहक है । और उन्होंने इस बात को अपनी जेडीआई टीम के साथ सही तरीके से अमल में लाया है : जेडीआई मतलब जस्ट डू इट (बस करते रहो) । जैसा कि मैंने अपनी किताब व्हू विल क्राई व्हेन यू

डाई में लिखा है. छोटी से छोटी कार्रवाई भी उच्च इरादों से बेहतर है ।

चीजों को मुश्किल मत बनाओ । अच्छा जीवन प्राप्त करना आसान नही, लेकिन बेहद सरल है । सर्फ उस ध्यान देना और उसके लिए प्रयास करना जरूरी है । दार्शनिक सच यह है कि हजार मील की दूरी तय करने के लिए एक साधारण कदम उठाना बेहद जरूरी है । लक्षय को पाने के लिए प्रति दिन थोड़ा थोड़ा काम करे और आप वहां कब पहुंच जाएंगे पता ही नहीं चलेगा । प्रति दिन थोड़ा काम आपको जीवन भर के अधिक बड़े परिणाम तक ले जाएगा ।

यह अद्भुत है कि लंबी दूरी तक किसी के साथ रहने से आपका कुछ प्राप्त कर पाएंगे । ज्यादातर लोग जल्दी हार मान जाते हैं । मुझे लगता है कि उनका डर उनके विश्वास से बड़ा होता हैं।

महान विचार : निजी और संगठनात्मक महानता क्रांति पर नहीं बल्कि विकास पर आधारित होती है, जो छोटी होती है, लेकिन लगातार जीत दिलवाती है । सैम वॉल्टन ने एक दुकान के साथ शुरुआत की थी, रिचर्ड ब्रॉन्सन ने एक छोटे से रेकार्ड की दुकान से शुरुआत की थी । स्टीव जॉब्स ने एप्पल की शुरुआत अपने गैरेज में की थी । और मैंने भी खुद की शुरुआत स्वयं के कुछ मामलों की किताबें खुद ही किंकोज कॉपी शॉप में छाप कर की थी । और मेरी पहली कार्यशाला में सिर्फ २३ लोग आए थे- जिनमें से २१ तो मेरे पारिवारिक सदस्य थे । हर सपना शुरुआत में छोटा ही होता है, लेकिन उसे शुरु करने की जरूरत होती है- आज से ही ।

३७

विरव का उदासी राज्य और वाले लगने का समारोह

इसे जानिए: अभी अभी मैंने सुना कि उत्तर अमेरिका के लोग एक निर्दिष्ट स्थान पर जमा हो जाते है और कडल पार्टीज (गले लगने का समारोह) मनाते हैं । इसमें अजनबी लोग इकट्ठा होते हैं, एक-दूसरे को परिचय देते हैं और गले लगाने में समय बीताते हैं । ज्यादा कुछ नहीं- वह सिर्फ इंसान से इंसान को जुड़ते हुए महसूस करते हैं । हां ।

हमारे अजीब दुनिया की यह विडंबना ही है कि हम जितनी तेजी से एक-दूसरे के साथ आण्विक रूप से जुड़ते जा रहे हैं उतनी ही तेजी से हम एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं।

हमारे अजीब दुनिया की यह विडंबना ही है कि हम जितनी तेजी से एक-दूसरे के साथ आण्विक रूप से जुड़ते जा रहे हैं उतनी ही तेजी से हम एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं । लोग हर रात ब्लॉग पढ़ने में, इंटरनेट पर सर्फिग करने और पॉडकास्ट डाऊनलोड करने में घंटों समय बिताते हैं । लेकिन वह पुराने जमाने की बातचीत करने की महत्वपूर्ण कला को भूल गए हैं । परिवार या दोस्तों के साथ मिल कर खाना खाने की शक्ति की वह उपेक्षा कर रहे हैं । और वह इंसान के साथ जुड़ने की महत्वपूर्ण दृष्टी खो चुके हैं।

आपको जो पसंद है वह करें । मैं कोई जज नहीं हू, लेकिन आने वाले समय में कडल पार्टी में जाने की मेरी कोई योजना भी नहीं है । इसके बदले मैं मानवता के बंधन को बढ़ावा देने की कोशिश करना चाहता हूं ,उन लोगों के साथ जो पहले से ही मेरे आसपास है जैसे मेरे बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य जिनसे मैं प्यार करता हूं, अपने दोस्तों के साथ दयालु रहना और मेरी टीम के साथियों और मेरे ग्राहकों की मदद करना । सिर्फ इसे करते रहने से ही मुझे वह सब मिल रहा है जो लोगों से गले मिलने से प्राप्त होता है ।

३८

अच्छे की कीमत

एक दूरसंचार कंपनी में भाषण देने के बाद एक महिला अपनी आंखों में आंसू लेकर मेरे पास आई और कहने लगी, "रॉबिन, मैंने आपकी सभी किताबें पढ़ी हैं और आपने किताबों में जो लिखा है उसके मुताबिक जीवन जीने की पूरी कोशिश की है। लेकिन वहां एक ऐसा आदमी था जो वाकई आपके विचारों को जी रहा था । कुछ महीने पहले ही उसकी मौत हो गई। वह मेरे पिता थे।" वह थोड़ी देर रुकी, और फिर जमीन की ओर देखते हुए बोली- "मेरे पिता के अंतिम संस्कार में ५ हजार से ज्यादा लोग आए थे, लगभग पूरा शहर ही आया था जिसे देख कर मैंने खुद को सम्मानित महसूस किया ।"

“मैंने पूछा, क्या तुम्हारे पिताजी एक अच्छे व्यावसायिक थे?’ उसने उत्तर दिया "नहीं।" फिर मैने चकित होकर उंचे स्वर पूछा कि "क्या वह एक लोकप्रिय नेता थे?" तो वह फुसफुसाई "नहीं " "तो क्या तुम्हारे पिता स्थानीय सेलेब्रिटी थे?" "नहीं, रॉबिन, वह बिल्कुल नहीं।" मैंने पूछा- "तो फिर ५००० लोग तुम्हारे पिता के अंतिम संस्कार में क्यों आए थे?"

फिर एक बार थोड़ी देर रुक कर उसने कहा- "वह इसलिए आए थे क्योंकि मेरे पिता हमेशा मुस्कुराते थे। वह एक ऐसे इंसान थे जो जरूरतमंद को मदद करने में सबसे आगे रहते थे । वह लोगों के साथ बेहद अच्छी तरह पेश आते और विनम्रता से बात करते थे। वह इस दुनिया में बेहद सादगी से रहे। उनके अंतिम संस्कार में पांच हजार लोग आए क्योंकि मेरे पिताजी बेहद अच्छे थे ।"

अच्छे होने की कीमत क्या हो सकती है? रियालिटी टीवी मानव व्यवहार का सबसे खराब प्रदर्शन दिखाता है । हम देखते हैं संगीत के सुपरस्टार हर पांच सेकेंड में कसम खाते हैं । हम पढ़ते हैं कंपनियों के मालिक अपनी जेब भरते हुए बड़ी नाव खरीदते हैं वहीं शेयरधारक अपने जीवन की पूंजी गंवाते हैं। वॉल स्ट्रीट फिल्म मुझे बहुत ही पसंद है। लेकिन गार्डन गेक्को ने उसमें गलत बात कही है लालच अच्छी नहीं है। अच्छा काम ही सबसे अच्छा है ।

इस धारणा पर कुछ लोग हँसते हैं तो कुछ लोग इसे अच्छा, सभ्य और महान मानते हैं। मैंने सुना, "यह कमजोरी की निशानी है।" नहीं। यह ताकत की निशानी है। कोमल ही

कठिन होता है। खुद को आगे रखना बहुत ही आसान है । जब आपकी बात से कोई असहमत होता है तो उस पर गुस्सा करना भी आसान है । शिकायत करना, दोषी ठहराना या कम प्रतिरोध का रास्ता चुनना आसान है। सबसे बड़ी हिम्मत ऊंची सोच के लिए, अच्छा बर्ताव करने और दूसरों की सेवा करने में लगती है। जैसे मंडेला, जैसे गांधीजी, जैसे राजा । मेरे हीरो । काश मैं एक-तिमाही भी उनके जैसा अच्छा होता ।

गार्डज शेक्को ने उसे गलत कहा है। लालच अच्छी नहीं है। अच्छा ही सबसे अच्छा है।

अनापशनाप बातें करने के लिए मैं खेद जताता हूं, लेकिन मेरे लिए यह एक बहुत बड़ा विषय है। मैं पहला इंसान हूं जिसने आपसे कहा था कि मैं संपूर्ण नहीं हूं। मैं तो सिर्फ एक दूत हूं- एक साधारण इंसान । लेकिन एक बात मैं आपको बताना चाहता हूं- मैं बेहतरीन और अच्छा काम करता हूं। अच्छा काम करने की तलाश मुझे रात भर सोने नहीं देती । और मैं अपने मानक को हमेशा ऊंचाई पर ले जाना चाहता हूं जिसकी कोई उम्मीद भी न करता हो । क्या मैं हमेशा सही होता हूं? नहीं, क्या मैं हमेशा शांत रहता हूं और मुझे गुस्सा नहीं आता? नहीं। क्या मैं हमेशा अपने आदर्श का संदेश सुनता हूं।

नहीं मैं हर दिन इसकी कोशिश करता हूं, लेकिन कभी कभी मेरे हाथों से यह निकल जाता है।

मेरे कहने का मतलब यह नहीं है कि लोगों को सम्मान देने का मतलब आप उन्हें उच्च स्तरीय नहीं मानते और उनसे उत्कृष्टता की उम्मीद नहीं करते । इसका मतलब यह भी नहीं कि आप सीमा निर्धारित नहीं करते और जब जरूरत हो तब आप कठिन नहीं होते। नेतृत्व दिखाने का मतलब यह नहीं कि सभी आपसे प्यार करें, बल्कि वह यह है कि आप कितना सही कर रहे हैं और कितना अच्छा कर रहे हैं ।

३९

दबाव में भी प्राविण्य दिखवाएं

डॉ. मार्टिन ल्यूथर किंग ज्यूनियर ने एक बार अपने भाषण में कहा था- "एक इंसान के जीवन की निर्णायक मात्रा यह नहीं कि वह आराम और सुविधाओं के पलों में कहां खड़ा है, बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि चुनौती और विवाद के समय वह खड़ा रहता है। बिलकुल सही । हम मनुष्य के रूप में आपदा की स्थिति में किस तरह खड़े रहते हैं यह ज्यादा महत्वपूर्ण है न कि सुविधाजनक स्थिति में । जब चीजें अच्छी होती है उस समय कोई भी सकारात्मक, विनम्र और दयालु हो सकता है। एक असाधारण चरित्र दूसरों से अलग उस समय बनाता है जब वह अपने जीवन में आए कठिन दौर का सामना कर बाहर निकलते हैं । वह न ही उद्धवस्त हो जाते हैं और न ही आत्मसमर्पण करते है। वह स्वयं की गहराई तक पहुंचते हैं और दुनिया में सर्वोच्च स्थान पर पहुंच जाते हैं ।'

कुछ घंटे पहले ही लंदन से उड़ान भरने वाली उड़ान में मैं था । उड़ान में विलंब हुआ तो मुझे खुशी हुई क्योंकि अब उड़ान देरी से होगी । मेरा आईपॉड अपनी जगह पर था, एक नई किताब पढ़ने के लिए मेरे पास थी और मेरी डायरी भी। उसी समय, पायलट ने यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा, विमान के एक टायर के नीचे धातु की चीज ग्राउंड स्टाफ को मिली है । इसलिए बड़े खेद के साथ उड़ान रद्द करने की घोषणा करनी पड़ रही है। इस उद्घोषणा पर यात्रियों की प्रतिक्रियाएं बेहद लुभावनी थी ।

मेरे पास बैठा एक व्यक्ति विमान परिचायक (फ्लाइट अटेंडेंट) के साथ लगभग लड़ाई ही करने लगा था। कुछ दूरी की सीटों की कतार में बैठा व्यक्ति जोर जोर से बड़बड़ा रहा था । काला सूट पहने एक व्यावसायिक ने अपने सामने की कुर्सी पर जोर से लाथ मारी । तो कुछ यात्री अलग तरह से मानवीय रूप की प्रतिक्रियाएं दे रहे थे। एक बुजुर्ग व्यक्ति मुस्कुरा कर अन्य लोगों को ऊपर से उनकी बैग निकालने के लिए मदद कर रहे थे । एक किशोरी अन्य यात्रियों की तरह विमान से बाहर निकलने की कवायद करने के बजाय रुक कर एक विकलांग महिला की मदद कर रही थी । मेरी बगल में बैठी महिला ने अपने बच्चों को अपने पास बुलाते हुए अपने साहस की जानकारी देते हुए कहा, "हे, यह दुनिया का अंत तो नहीं है।" हम में से जो बुद्धिमान थे उनकी असाधारण क्षमता इसी में नजर आ रही थी कि वह खुद कठिन समय में भी शांत रख पा रहे थे ।

किसी का भी जीवन परिपूर्ण नहीं होता। मेरा तो निश्चित रूप से नहीं है। हम सभी को छोटी-बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह तो बहुत ही छोटी समस्या थी, दुनिया में इसी समय कहीं कोई माता-पिता अपने बच्चे की मौत के दुख से जूझ रहे होंगे। इसी समय कहीं किसी की दुर्घटना हुई हो और वह अपने प्रियजनों से दूर जा चुका होगा । इसी समय अस्पताल के बिस्तर पर कोई अपनी लंबी बीमारी से जूझ रहा होगा । बीमारी, हानि, हानि, निराशा । दुनिया में कोई भी इन अनुभवों के बिना जीवन जी ही नहीं सकता। लेकिन आप और मैं इन बाह्य परिस्थितियों से जूझ कर उससे उबरने की ताकत रखते हैं। जब चीजें अलग हो जाती हैं हम मजबूत और सकारात्मक होकर उससे टकराना पसंद करते हैं। हमें पूरा अधिकार है कि हम हमारे जीवन में ठोकर खाते हुए उसी पत्थर को अपने बड़े कदम के रूप में देख कर आगे बढ़े। यह सिर्फ एक प्रेरणात्मक नारेबाजी नहीं है। मुझे विश्वास है कि यही सही है ।

एक असाधारण चरित्र दूसरों से अलग उस समय बजाता है जब वह अपने जीवन में आए कठिज दौर का सामना कर बाहर निकलते हैं।

दबाव में भी अपना प्राविण्य दिखाएं । यही वह वजह है जो नेताओं को अपने अनुयायियों से अलग रखती है। यही वह एक बेहतरीन गुणवत्ता है जिससे दूसरों को प्रेरणा मिलती है और उन्हें अच्छी तरह विकसित होने में मदद करती है। यह एक विशेषता है जो आपके जीवन को शानदार बनाती है- अंत में जिस पर आपको गर्व होगा । मेरे बगल में बैठी औरत सही कह रही थी- इससे भी भयंकर घटना घट सकती थी । मैं सुरक्षित हूं। मेरा स्वास्थ्य अच्छा है। मेरे दो अच्छे बच्चे हैं। मेरे पास काम है जिससे मैं बेहद प्यार करता हूं और उस काम के लिए मैं बेहद आभारी भी हूं। निश्चय ही मैं कुछ घंटे रूक कर घर जाने के लिए दूसरी उड़ान ले सकता हूं । शायद तब तक मैं उस किताब पर काम करना शुरू करूं जिसके बारे में मेरे संपादक मुझे बार-बार पूछते रहते है।

४०

अधिक रचनात्मक बन कव्र, आराम करें और जीवन का पूरा मजा लें।

हमेशा काम करते रहने से आपके हाथों से रचनात्मक कार्य नहीं होगा । पिछ्ले दस वर्षों से मैं यह काम कर रहा हूं और मेरे अनुभव के मुताबिक, बहुत कम लोगों को काम करते रहने से श्रेष्ठ विचार आए हों। मैं आपको इस बारे में एक पल के लिए सोचने के लिए आमंत्रित करता हूं। आपके ब्लैकबेरी पर प्रत्येक ६० सेकेंड के बाद ईमेल चेक करते रहने से आप प्रभावी नहीं बन सकते। दोनों सिरों पर जलती मोमबती रखने से रचनात्मकता नहीं आती । छुट्टी लेने से मना कर पर आप महान कर्मचारी नहीं बनते। यहां मैंने एक बहुत बड़ा सबक सीखा है- जब मैं आराम करता हूं और जीवन का मजा लेता हूं- मुझे अच्छे विचार भी आएं-जो विचार मुझे आए उससे मेरा व्यवसाय तो बढ़ ही गया और मेरे जीवन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आ गया ।

वह वक्त कीमती होता है जिस समय आप अपने दिल को खुशी से भर देने वाली चीजें करने के लिए व्यतीत करते है। न्यूटन को भौतिक विज्ञान के नियमों के आविष्कारी विचार मेट्रो ट्रेन पकड़ने के लिए भागते वक्त नहीं आए। आइनस्टाइन ने अपने अंदर छुपे बचपने के साथ जुड़ने के लिए बेहद समय व्यतीत किया। सिलाई मशीन के निर्माता के मन में यह विचार उस समय आया जब उन्होंने सपना देखा कि एक देशी दीप समूह के स्थानीय लोगों ने नोंक पर छेद किया भाला लिया हुआ है। जब मैं देश में अकेले ही दूर तक गाड़ी चलाते जा रहा था उस समय मुझे लीडरशिप विजडम फ्रॉम द मॉन्कव्हू सोल्ड हिज फेरारी- द ८ रिच्युअल्स ऑफ विजनरी लीडर्स के लिखने की कल्पना आई । और जैसे ही मेरे दिमाग में यह कल्पना आई मैंने मिट्टी की सड़क पर गाड़ी रोक दी और अपनी डायरी में दो घंटे तक इसे लिखता रहा । मेरे लिए यह बेहद अविस्मरणीय अनुभव था ।

जब मैं आराम करता हूं और जीवन का मजा लेता हूं- मुझे अच्छे विचार भी आएं-जो विचार मुझे आए उससे मेरा

व्यवसाय तो बढ़ ही गया और मेरे जीवन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आ गया।

मैं अपने दर्शकों के साथ अक्सर मजाक में कहता हूं कि मेरी सबसे ज्यादा आय बर्फ की पहाड़ी पर चढ़ने की वजह से प्राप्त हुई है। लोग हंसते है, लेकिन वह मेरी बात भी समझ जाते हैं । आपको अपनी प्रतिभा के लिए जगह बनाने की जरूरत है । हमें अपना रचनात्मकता को आगे लाना है, उन विचारों की बौछार करनी है जिससे आपका व्यापार और निजी जीवन दोनों आगे बढ़े। जब हम स्कोईंग कर रहे हैं या स्टारबक में कॉफी पी रहे हैं या जंगल में चल रहे हैं या फिर सूर्योदय के समय ध्यान कर रहे हैं, यह ध्यान रखें कि इसके पीछे हम समय बर्बाद नहीं कर रहे हैं। किसी भी सूरत में नहीं। इन बातों का पीछा करते हुए हम समय का सबसे अच्छा शानदार इस्तेमाल कर रहे हैं। रचनात्मकता उसी समय आती हैं जब आप आराम कर रहे होते हैं, खुश रहते हैं और जीवन को जीते रहते हैं । और उस समय जो विचार आते हैं वह दुनिया में छा जाते हैं। एक अच्छा विचार ही आपको आपकेअप्रत्याशित परिणामों की ओर ले जाता है। आराम, छूट्टी का मजा लेने और मनोरंजन के लिए वक्त निकालने से ही वास्तव में आप सफल बन जाते हैं ।

और यह पीछेलगने की आदत ही पैसे कमा कर देती है । क्लिककोट के सीईओ मिरेली गुलियानो ने अच्छी बात कही है- "हमें प्रति दिन अपने लिए 'बीच टाइम' लेना ही चाहिए क्योंकि हम जलनभरी दुनिया में जी रहे हैं। अगर आप खुद के लिए २० से ३० मिनट भी निकाल पाते है, आप अच्छे कर्मचारी, अच्छे सहयोगी और अच्छे इंसान बन सकते हो । यह जितना आपको लाभ देगा उतना ही आपके आसपास के लोगों को भी लाभदाई होगा ।"

यह जानिए- हैवलेट-पैकार्ड ने हाल ही में कहा है कि प्रौद्योगिकी में निरंतर रुकावट वास्तव में एक औसत कर्मचारी की बुद्धि के दस अंक ही लेता है। अमरिकी सॉफ्टवेर कंपनी वेरिटास ने उस समय कमाल का चित्र देखा जब उन्होंने शुक्रवार को ईमेल-फ्री फ्रायडे की शुरुआत की । शुक्रवार कंपनी का सबसे उत्पादक और रचनात्मक दिन बन गया ।

इसलिए थोड़ा मजा करें । अपने सहकर्मियों के साथ हंसी मजाक करें। खाना खाने के बाद थोड़ी देर घूमने जाए। सप्ताहांत में मछली पकड़ने या स्वीमिंग करने या फिर गोल्फ खेलने जाए। कैरेबियन के समुद्र तट पर थोड़ी देर जाकर बैठे या फिर फ्रांस और इटाली जाकर महान संग्रहालय देखें । या सिर्फ एक झपकी ले और आराम करें । और अगर कोई आपसे कहता है कि आप वक्त र्बबाद कर रहे हो तो आपको मैं इजाजत देता हूं कि आप यह कहें- "रॉबिन ने मुझे कहा है कि मैं रचनाशील हूं।" और फिर जाकर सो जाइएं ।

४१

दी जादुई शब्द

कभी कभी मैं कृतघ्नता से परेशान होता हूं। मैं लोगों के साथ अच्छी तरह पेश आता हूं, उन्हें मदद करता हूं उन्हें मनाने की कोशिश करता हूं ताकि वह अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ स्थान पर पहुंच जाए। कभी कभी मैं सिर्फ एक जादुई शब्द सुनने के लिए बेताब रहता हूं । वह शब्द हैं "धन्यवाद ।"

हां । मुझे पता है कि जब आप किसी के लिए कोई अच्छा काम करते हैं तो आप उससे इनाम की अपेक्षा रखते हैं जो उपहार नहीं बल्कि एक व्यवहार है। और मुझे पता है कि अच्छा काम करने वाले लोगों के साथ अच्छा ही होता है। और मै यह भी जानता हूं कि जीवन में एक बहुत ही उचित लेखा प्रणाली है जिसकी वजह से जो जो बोता है वहीं पाता है। बावजूद इसके मैं आज भी वह एक शब्द सुनने के लिए बेताब रहता हूं ।

एक दिन मैं अपने दोस्त के साथ नाश्ता कर रहा था । उसने अपने संगठन के कई लोगों की उच्चतम क्षमता तक पहुंचने और इंसान, नेता के रूप में पहुंचने की क्षमता को पहचान कर उन्हें मदद की थी। उसने मेरी ओर देखा और कहा- "रॉबिन, इतने वर्षों के व्यवसाय के बाद मैं उंगलियों पर गिन कर बता सकता हूं कि किन लोगों ने मुझे उनकी मदद करने के लिए धन्यवाद दिया हो ।"

मुझे विश्वास है कि मैं आपको एक सही मुद्दा दे रहा हूं। गैलप रिसर्च के मुताबिक संगठन से काम छोड़ कर जाने वाले कर्मचारियों की सबसे पहली वजह यह नहीं होती कि उन्हें कम तनख्वाह दी जा रही है, बल्कि वजह यह होती है कि उनकी सराहना नहीं की जाती । आपके कंपनी की प्रतिभा आपके प्रतिस्पर्धी के हाथ में जाती है क्योंकि आप उसे धन्यवाद नहीं कहते । हर्मन मिलर के पूर्व सीईओ मैक्स डे प्री का निरीक्षण है- "एक नेता की पहली जिम्मेदारी होती है कि वह सच्चाई को परिभाषित करें और अंत की जिम्मेदारी होती है धन्यवाद कहना ।"

इसलिए आज, एक पल रुक कर आपके जीवन में आए ऐसे लोगों की सूचि बनाए जिन्हें आप दिल में बिठाना चाहते हैं- जिन्होंने आपको प्रोत्साहित किया और जिनकी मदद से आप आगे बढ़े। उन्हें तहे दिल से धन्यवाद दें । इस एक जादुई शब्द के लिए आपको मोटी कीमत अदा नहीं करनी है, लेकिन यहशब्द आपकी दुनिया बदल देगा ।

इसलिए आज, एक पल रुक कर आपके जीवज में आए ऐसे लोगों की सूचे बजाए जिन्हें आप दिल में बिठाजा चाहते हैं- जिन्होंने आपको प्रोत्साहित किया और जिनकी मदद से आप आगे बढ़े ।

४२

प्रति दिन मरने की कीमत

एक अमीर व्यक्ति के रूप में मरने की मेरी कोई इच्छा नहीं है। मेरे लिए अच्छा जीवन वह है कि मेरे आसपास वह लोग रहे जिनसे मैं प्यार करता हूं, स्वस्थ रहूं और खुश रहूं (फिल्मों के अलावा वास्तव जीवन में हर समय हर कोई खुश नहीं रह सकता)। प्रति दिन मैं अपनी अधिक संभावना की ओर कदम बढ़ाऊं, जो काम मुझे पसंद है वह करता रहूं और मेरे आसपास की दुनिया को प्रभावित करूं । जीवन में आने वाले दैनिक दबाव के चलते आप कैसे अपने अधिक महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सकते है? प्रति दिन मरते हुए।

इस बारे में मैंने द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज़ फेरारी में लिखा है, लेकिन ज्ञान की यह बात दोहराते हुए, इस तथ्य को भी समझना चाहिए कि जीवन बेहद छोटा है और कोई नहीं जानता कि यह कब खत्म होगा । इसलिए एक अच्छी आदत यह है कि अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करें। हर दिन सुबह उठने पर खुद से पूछे की, अगर आज मेरा यह आखरी दिन है तो मैं इसे किस तरह बीता सकता हूं? यह ऐसी ही प्रेरक बात नहीं है जिसका आसानी से पालन हो । आपके दिन में कुछ तात्कालिकता और प्रतिबद्धता को गहन रूप से लाने का प्रयास है यह । एप्पल के सीईओ स्टीव जॉब्स ने इसे मुझसे बहुत ही अच्छी तरह और सशक्तता से इसका अवलोकन करवाया- "कोई भी मरना नहीं चाहता, जो स्वर्ग में जाना चाहते हैं, वह भी वहां जाने के लिए मरना नहीं चाहते । मौत हर एक के गंतव्य का हिस्सा है और कोई इससे बच नहीं पाया है। और मौत जीवन का ऐसा सबसे अच्छा आविष्कार है जो जिस रूप में होना चाहिए उसी रूप में है।"

हम में से ज्यादातर जीवन को उन पर हावी होने देते हैं- हम पूरी जिंदगी सोते ही रहते हैं। और हमें पता चले इसके पहले ही दिन सप्ताह में, सप्ताह महीनों और महीने वर्ष में तब्दील होकर चले जाते हैं । और जब हम मृत्युशय्या पर पड़े होते हैं तब हमें आश्चर्य होता है कि दिन कैसे चले गए। मैंने कई बुजुर्गों से बातें की, जिन्होंने आंखों में आंसू लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त किया । हाल ही में आयोजित एक गोष्ठी में एक सहभागी ने अपने परिवार के एक सदस्य के वक्तव्य के साथ इस मुद्दे को मेरे साथ बहुत ही अच्छी तरह व्यक्त किया- "जब सूरज उगा था और दुकानें खुली थी, उस वक्त मैंने खरीदारी नहीं

की और अब रात हो चुकी हैं और मैं खरीदारी करने की चीजें याद कर रहा हूं ।"

हर दिन सुबह उठने पर खुद से पूछे की, अगर आज मेरा यह आखरी दिन है तो मैं इसे किस तरह बीता सकता हूं? यह ऐसी प्रेरक बात नहीं है जिसका आसानी से पालन हो। आपके दिल में कुछ तात्कालिकता और प्रतिबद्धता को सहज रूप से लाने का प्रयास हैं यह ।

मैं आपको एक आसान चुनौती देता हूं- प्रति दिन मरते रहिए। हर दिन सुबह अपने शरीर की नश्वरता से जुड़ जाइए। और फिर अपने आपको जीवन दीजिए। ऐसे जिएं कि कल नहीं आएगा । जोखिम लें । जीवन जीने का जो उपहार मिला है उसके प्रति आदर दिखाएं । आज के दिन में चमकने की कोशिश करें। सपनों का पीछा करें। यह बहुत ही दुखद बात है कि ज्यादातर लोग ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बजाय सुरक्षितता से जुड़े रहना चाहते हैं। और फिर दुसरे दिन उठो और ऊंचाई पर पहुंचो। अंत में लोग आपको एक महान व्यक्ति के रूप में याद रखेंगे और आपका अंतिम संस्कार एक समारोह साबित होगा ।

४३

ग्राहक-केंवित बनाम से दोपहर के भोजन से बाहर

यह शनिवार की सुबह है जब मैं इस प्रकरण को लिख रहा हूं । नए दिन के उपहार की बेहतर शुरुआत करने के लिए मैं हमेशा की तरह जल्दी उठा । मैंने अपनी डायरी लिखने, पढ़ने और बच्चों के साथ बातचीत करने में एक घंटा बिताया । इसके बाद ८ बजे खुलने वाले हेल्थ क्लब में जाने के लिए निकला जहां मैं प्रति दिन वर्जिश करने जाता हूं । जब मैं वहां पहुंचा तब देखा कि ज्यादातर लोग पार्किंग स्थान में इकट्ठा हुए है। नदी पर बनाए गए पुल को पार करने के बाद ही क्लब की मुख्य इमारत और टेनिस कोर्ट जाया जा सकता था। कल बरसात के मौसम में होने वाली बारिश की तरह बारिश हुई और पुल गिर गया था । कुछ कर्मचारी पुल के गिरने से हुई क्षति को जांच रहे थे ।

मैं चल कर वहां गया । उस समय सुबह के ७.५० बजे थे । मैं अच्छी और ज्यादा देर वर्जिश कर दिन की बेहतर शुरुआत करना चाहता था। मैं एक ऐसा ग्राहक था जो क्लब को व्यापार देता था। लेकिन वह इस बात को महसूस नहीं कर रहे थे । न अभिवादन, न कोई मुस्कान और न ही कोई गर्मजोशी । बस सिर्फ नष्ट हुए पुल के बारे में वार्तालाप जारी रखा ।

मैंने पूछा कि क्या क्लब अभी भी खुला है । वह हंसने लगे । एक कर्मचारी ने कहा- "कुछ समय के लिए हम उसे नहीं खोल सकते " ठीक है । थोड़ी और अधिक जानकारी सहायक साबित हो सकती थी, लेकिन उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी । क्लब फिर कब शुरू होगा या फिर वर्जिश करने के लिए वैकल्पिक जगह जो ज्यादातर क्लब ऐसे समय में मुहैया कराते हैं के बारे में कुछ पता नहीं चला । इस सबूत के साथ मैं मुड़ा कि अब इस संगठन को और अधिक कुछ नहीं चाहिए। और यही वजह है कि वह ग्राहकों की परवाह नहीं कर रहा है जो पहले कभी वह करते थे ।

अतीत में, यह क्लब बेहतरीन सेवा, बेहतरीन सुविधाएं और बेहतरीन शिष्टाचार से युक्त था । क्लब की ओर से वर्ष में मुझे मेरे जन्मदिन पर ग्रीटिंग कार्ड दिया जाता था जिस पर सभी कर्मचारी हस्ताक्षर करते थे और जब मैं क्लब में आता था वह मुझे नाम से पुकारते थे (यह मुझे बहुत अच्छा लगता था, हालांकि मुझे पता था कि जब मैं क्लब में प्रवेश करता था उस समय मेरा कार्ड स्वाइप करते हुए वह मेरा नाम देख लेते थे)।

लेकिन बाद में चीजें बदलने लगी । क्लब को सफलता हासिल हुई । सफलता से दूसरी असफलता नहीं। रिचर्ड कैरियन बिलकुल सही है। उन्होंने इस टीम को प्रशिक्षण देना बंद कर दिया । उन्होंने क्लब के यंत्रों को पुराना होने दिया- और फिर उन्होंने हमारी ओर देखा- ग्राहक- जिन्हें कोई कीमत नहीं। यहां पर सिर्फ पुल ही नहीं टूटा था ।

व्यापार वह है जिसमें आप उन लोगों के प्रति प्यार जताते हो जो आपको व्यापार करने में मदद करते हैं और उन्हें अधिक महत्व दें जिसकी अपेक्षा करना उनका अधिकार भी नहीं है।

और क्या लगता है? अगर कोई नया क्लब खुल जाता है तो वह इस बात को समझ कर यह जताने की कोशिश करता है और मूल्यों के साथ ग्राहकों की सेवा कर उन्हें प्रसन्न करना चाहता है। मै पहला हूं जो यह जता सकता हूं। मेरे हिसाब से व्यापार वह है जिसमें आप उन लोगों के प्रति प्यार जताते हो जो आपको व्यापार करने में मदद करते हैं और उन्हें अधिक महत्व दें जिसकी अपेक्षा करना उनका अधिकार भी नहीं है। अपने ग्राहकों की देखभाल करें, नहीं- उन्हें चकित करें और फिर देखिए आपकी सफ़लता और स्थिरता किस तरह गारंटी के साथ कायम रहती है। बहुत ही आसान विचार। इसलिए बहुत कम लोग इसे स्वीकार पाते है।

४४

बिजा पद के नेतृत्व करें

जब मैं किसी संगठन में नेता तैयार करने और उसका विकास करने के लिए जाता हूं, मेरे ग्राहक मुझे अकसर कहते हैं कि मैं उनके कर्मचारियों को नेतृत्व के बारे में जानकारी दूं। नेतृत्व आपके व्यावसायिक कार्ड पर लिखे पद पर या आपकी कंपनी के आकार पर आधारित नहीं होता। नेतृत्व यह भी नहीं है कि आप कितना पैसा कमा रहे हो और आप किस तरह के कपड़े पहन रहे हो । नेतृत्व एक दर्शन है। वह एक दृष्टिकोण है। वह मन की एक अवस्था है। वह काम करने का एक तरीका है। और यह हम में से हर एक में है। आप संगठन में क्या काम कर रहे हैं इस पर यह निर्भर नहीं है। स्टैनफ़ोर्ड ग्रेज्युएट स्कूल ऑफ बिजनेस के डीन रॉबर्ट जोस ने इस मुद्दे को बहुत शानदार तरीके से पेश किया है- "नेतृत्व का मतलब मेरे हिसाब से संगठन का कार्य सुचारू रूप से चले, तरक्की हो और उसमें बदलाव लाने के लिए पूरी तरह से ली गई जिम्मेदारी है । असली नेतृत्व प्रतिष्ठा. ताकत और महत्व पाने के लिए नहीं है। यह जिम्मेदारी के बारे में है।" काम करने वाले कर्मचारियों के हर समूह को मैं निमंत्रण देता हूं कि वह पद के बिना नेतृत्व करें।

यहां मैं आपको एक उदाहरण देता हूं। जीवन का ज्यादातर हिस्सा मैंने हवाई सफर करते हुए बिताया है इसलिए मैं अपने सामान पर अच्छा खासा ध्यान देता हूं । एक बार रुस के सफर पर जाते हुए मेरे बैग का हैंडल टूट गया । (मरने के पहले एक बार तो सेंट पीटसबर्ग को अवश्य भेंट दें ।) खैर, टोरंटो की एक दुकान से मैंने इवेक्स का टुकड़ा खरीदा । काउंटर पर जो युवा था उसने मेरे बैग का हैंडल बिठाने में मेरी बेहद मदद की और कुछ ही दिनों में बैग का हैंडल ठीकठाक हुआ । एकदम ठीक ।

थोड़े ही दिनों बाद न्यूयार्क में हैंडल फिर टूट गया । जब मैं इवेक्स दुकान पर गया तो मुझे लगा कि अब इसे ठीक करने के लिए मुझे इसका भुगतान करना पड़ेगा । बहुत सारी कंपनियां ग्राहकों के सामने कई तरह की बाधाएं खड़ी करते हैं- अगर आपके पास रसीद नहीं है तो आप भाग्यशाली नहीं है। अगर आपको पता नहीं है कि पहली बार किसने इसकी मरम्मत की थी तो हम आपकी मदद नहीं कर सकते । अगर आपने इस शहर में इसे नहीं खरीदा है तो आप दुकान से बाहर जा सकते हैं। खैर। इवेक्स इन सबसे अलग है। उन्होंने हैंडल को ठीक कर दिया, क्योंकि वह जानते है कि ग्राहकों के साथ अच्छी तरह

से बतांव नहीं करेंगे तो उनका व्यवसाय नहीं बढ़ेगा । वह यह नहीं भूलते कि कल रात उनकी टेबल पर जो खाना आया था वह किसने दिया था । आप ग्राहक को राजा की तरह मानें और उसके साथ वैसा व्यवहार करें, आप उसकी सिर्फ मदद नहीं कर रहे हैं बल्कि उसे जीत रहे हैं ।

जब मैंने उन्हें बताया कि हैंडल फिर से टूट गया है, काउंटर पर खड़ी युवती ने तुरंत ही बिना किसी झिझक मुझे हुई समस्या के लिए माफी मांगी । फिर उसने कहा- "हम आपसे वादा करते हैं कि तीन दिन के अंदर आपको आपका बैग ठीक करके मिलेगा । और बेशक सर, उसके लिए आपको कोई भुगतान नहीं करना पड़ेगा।" नौकरशाही दिखाते हुए उसने मुझसे पिछली बार के मरम्मत की रसीद भी नहीं मांगी । न कोई बाधा, न कोई मुद्दा, सिर्फ एक बेहतरीन सेवा एक विशाल हंसी के साथ ।

"असली नेतृतव प्रतिष्ठा ताकत और महत्व पाने के लिए जहीं है। यह जिम्मेदारी के बारे में है।"

इस औरत ने सही नेतृत्व दिखाया। उसने व्यक्तिगत जिम्मेदारी स्वीकारते हुए तुरंत फैसला किया और तुरंत ही समस्या का निदान कर दिया । वह मालिक नहीं थी, न ही प्रबंधक, सिर्फ एक नेता बिनी किसी पद की ।

४५

अपने जिम्मेदारी निभाएं

आपके लिए एक बड़ा सवाल- "एक नई और बेहतर दुनिया बनाने के लिए आप क्या मदद कर रहे हैं?" राजनीतिक नेताओं को दोष मत दो । आपके इर्दगिर्द जो हैं उन्हें भी दोष मत दो । अपने माता-पिता या अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि को भी दोष मत दो। ऐसा कहना मतलब आप एक पीड़ित का किरदार निभा रहे हो और दुनिया में कई ऐसे पीड़ित हैं जब वे अपनी प्रतिभा को बांटने में गहरा मतभेद रखते हैं। मदर टेरेसा ने यह बात मुझसे कई गुना ज्यादा अच्छी तरह रखी है- "अगर हम में से हर एक सिर्फ अपने दरवाजे के सामने सफाई करें तो भी पूरा विश्व साफ़ सुथरा हो जाएगा।"

दूसरों पर दोष देने का मतलब खुद की माफी मांगना है। आप अपने आप से यह कह सकते हैं कि आप अकेले एक सेना की तरह हो- यह ऐसा प्रभाव है कि आप अपनी शक्ती से दूर नहीं जा सकते। कुछ समय पहले एक तूफान के आने के बाद जब सब लोग कह रहे थे कि शहर अभेद्य है, कॉलेज के बच्चे खाली स्कूल बसों को लेकर तबाह हुए क्षेत्र में पहुंचे और मदद करने लगे । सिर्फ धोती पहने एक छोटे आदमी ने, जिसका नाम महात्मा गांधी था एक देश को आजादी दिलवाई थी । रोजा पार्क नाम की एक महिला ने बस की पिछली सीट पर बैठने से मना करते हुए नागरिक आंदोलन को एक दिशा दी । साधारण इंसान ही असाधारण काम करके दिखाते हैं । बॉडी शॉप की स्थापना करने वाली अनिता रॉडिक ने एक बार जो कहा था वह मुझे बेहद पसंद है। उसने कहा था- "अगर आप खुद को कुछ भी करने के लिए छोटा मानते हो तो एक मच्छर के साथ बिस्तर पर सोने की कोशिश करो ।"

जिंदगी जेनिफर एनिस्टन के नियम की तरह जिएं। वैनिटी फेयर के एक अंक में एनिस्टन ने कहा है कि एक दिन वह एक चुनौतीपूर्ण घटना की शिकार हुई। उस दिन के बाद वह खुद को शक्तीहीन मानने लगी और खुद के लिए खेद प्रकट करने लगी । वह उठी और उसने वह जिंदगी स्वीकार की जो उसके सामने थी। उसने अपनी मुसीबतों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी स्वीकार कर लीभले ही वह सिर्फ १ फीसदी हो । उसने निजी नेतृत्व में कार्रवाई शुरू की । इसे मैं जेनिफर एनिस्टन का नियम मानता हूं। यह मायने नहीं रखता कि आप कौन है और कहां से आ रहे हैं। मनोरंजन सुपरस्टार ओप्रा विंफ्रे ने कहा

है कि "विजय की क्षमता आप में हमेशा होनी चाहिए ।"

दूसरों पर दोष देने का मतलब खुद की माफी मांगला है। आप अपने आप से यह कह सकते हैं कि आप अकेले एक सेजा की तरह हो- यह ऐसा प्रभाव है कि आप अपनी शक्ती से दूर जहीं जा सकते।

आपको अपने जीवन में या जहां पर आप काम कर रहे हैं वहां पर या फिर उस देश में जहां आप रह रहे हो क्या पसंद नहीं है ? एक सूची बनाइए। उसे लिखिए। जोर से चिल्लाइए। और फिर उसे सुधारने का प्रयास कीजिए। कुछ भी । छोटे काम से शुरुआत करें या बड़े से । बस कुछ करते रहो । अपनी शक्ति को समझने का प्रयास करें । फिर क्या होगा? आपकी शक्ती बढ़ती है और जब आप अपने प्रभाव क्षेत्र की चीजें बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं, तो क्या होता है? आपके प्रभाव क्षेत्र का विस्तार होता है जिसका आप हिस्सा है। इसलिए आज ही अपना काम कीजिए। विश्व के लिए यह बेहतरीन साबित होगा ।

४६

क्या आप खेलते है?

पिछले सप्ताहांत मैं अपने बेटे कोल्बी को उसके दोस्त के घर पर छोड़ने गया था, उस समय उसका दोस्त हमारा स्वागत करने हमारी कार की ओर आया। मैंने उससे पूछा कि आज आप लोग क्या करने वाले हैं? तो उसने एक ही शब्द में जवाब दिया- "खेलने वाले हैं ।" एकदम सही जवाब ।

बच्चे ही हमारे शिक्षक है। मैं अपने घर में गुरु नहीं हूं- मेरे बच्चे गुरु हैं। जब मैं घर की तरफ वापस आ रहा था तब मुझे खेल का महत्व महसूस हुआ। कितनी बार आपने किसी वयस्क से पूछा कि "आप आज क्या कर रहे हो?" और उसका जवाब आया हो "खेलने वाला हूं।" शायद इसीलिए अपनी दुनिया टूट रही हो ।

वयस्क बिगड़े हुए बच्चों से ज्यादा कुछ नहीं है

अगर आपके जीवन में खेल हो तो आपका जीवन कैसे नजर आएगा? आप कोई भी काम क्यों नहीं कर रहे हो, अगर आप काम मजा लेकर कर रहे हो तो आपका अनुभव कैसा होगा? क्या आपके रिश्ते और अधिक सहजता, हँसी-मजाक, उत्सवी और युवा जैसे नजर आते हैं- नहीं। जंगली- लापरवाह? वयस्क होने पर हम बढ़ती जिम्मेदारियों की वजह से खेलना छोड़ देते हैं । वयस्क बिगड़े हुए बच्चों जैसे ही होते है। क्यो? क्योंकि यह रास्ता उस तरह नहीं है। खेलने के लिए समय निकालें। थोड़े लापरवाह और मूर्ख बनने के लिए समय निकालें । काम पर कल्पनाशील बने और अपने पुराने दिनों की जिज्ञासा को वापस लाएं । उस चकित करने वाली भावना के दिनों में वापस जाइए जब आप सभी पर भरोसा करते थे, साइकिल चलाते थे और जीवन के उस पल को पूरी तरह जीते थे। और अगली बार जब कोई आपको आपके ब्रीफकेस के साथ बिजनेस सूट पहने और चेहरे पर गंभीरता लिए देखें- और आपसे पूछे कि "आज क्या करने का इरादा है।" तो मैं आपको आत्मविश्वासपूर्वक यह जवाब देने के लिए आमंत्रित करता हूं कि आप उसे जवाब दें- ‘‘मैं खेलने के लिए बाहर जा रहा हूं ।’

४७

एफ के चार लक्षणों से बचे

प्रशिक्षण और शिक्षा ज्यादा देर तक नहीं रहती । उसमें ज्यादा चिपचिपाहट नहीं है। हम एक संगोष्ठी में हिस्सा लेते हैं और जीवन बदलने का वचन लेते है। हम कहते हैं कि हम अच्छे, माता-पिता, प्रभावी नेता और बुद्धिमान इंसान है । दो दिन बाद हमारा जीवन फिर से सामान्य हो जाता है- नकारात्मकता नजर आती है, पीड़ित और पागल हो जाते है। जो सीखा वह काम नहीं आया क्योंकि हमने खुद को नहीं बदला था ।

कोर्ड असफल नहीं होना चाहता, इसलिए कोई ज्यादातर कोशिश ही जहीं करना चाहता

हमने हजारों, सैकड़ों लोगों की निरंतर परिवर्तन के लिए और उनके व्यापार की दुनिया में जीत के लिए मदद की है। मैंने चार ऐसे लक्षण ढूंढ़ कर निकाले हैं जिसकी वजह से लोग बदलाव को विरोध करते हैं और अकसर अपने कैरिअर और जीवन में तरक्की करने के लिए कदम नहीं उठाते हैं। अगर उन्हें मौका मिले तो भी वह कदम नहीं उठाते । इन चार लक्षणों के प्रति जागरुक होकर- जिन्हें मैं चार एफ लक्षण कहता हूं- आप बेहतर परिणाम ला सकते हैं । और जब आप बेहतर विकल्प बना लेते हैं आप बेहतर परिणाम भी दिखाते हैं। बड़ी सोच : निजी नेतृत्व स्वयं की जागरुकता के साथ शुरू होता है। क्योंकि आप अपनी कमजोरी को जब तक दूर नहीं करते, जब तक आप अपने जीवन की अंधेरी जगह को नहीं जानते । दूसरे शब्दों में कहा जाए तो- जब एक बार खुद को बेहतर तरीके से समझ लें, आप बेहतर काम कर सकते हैं ।

यहां वह ऐसी चार चीजें हैं जो हमें खुद में परिवर्तन करने से रोकती हैं:

भय - लोग अपने ज्ञात सुरक्षित जगह को छोड़ कर अज्ञात जगह पर नहीं जाना चाहते । मनुष्य अंत तक सिर्फ निश्चय ही करते रहता है / हम में से ज्यादातर लोग नए की तलाश नहीं करते- वह

हमें तकलीफ देता हैं / अपने डर को दूर करने की मुख्य कुंजी यह है कि आप वह काम करते रहें जिससे डर लगता हो / डर को नष्ट करने का यह बेहतर तरीका हैं / यह तब तक करते रहे जब तक कि आपका डर नष्ट न हों / आप डर से जितना ज्यादा दूर भागेंगे उतना ही डर आपके पास आएगा / डर को अगर स्वीकार नहीं करेंगे तो वह आपको खा जाएगा / लेकिन हर डर के पीछे एक अनमोल खजाना छुपा रहता है /

असफलता - कोर्ड असफल नहीं होना चाहता, इसलिए हम में से ज्यादातर लोग प्रयास ही नहीं करते । दुख की बात हैं / हम अपने स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए, काम के रिश्तों को गहराई तक ले जाने की या अपने सपने को कार्यान्वित करने की आोर पहला कदम भी नहीं उठाते / मेरे हिसाब से जीवन में असफलता वहीं हें जो कोशिश करने में असफल होते हैं / और मेरा मानना है कि जोखिम न उठाना ही सबसे बड़ी जोखिम है / छोटे कदम उठाएं और तेज कोशिश करें / स्पोटस सुपरस्टार माइकल जार्डन ने एक बार कहा था- "मेरे दिल में कोई डर नहीं है, न ही असफल होने का डर है / अगर में चूक भी जाता हूं तो भी क्या? असफलता ही सफलता साकार करने का अनिवार्य हिस्सा है / विना असफलता के सफलता मिल ही नहीं सकती /"

भूलना - यकीनन हमने कार्यशाला और संगोष्ठी से दुनिया बदलने की प्रेरणा लेकर कमरा छोड़ दिया । लेकिन दूसरे दिन जब हम दफ्तर गए तब वास्तवता सामने आई / मुश्किल साथियों के साथ काम करना, दुखी ग्राहकों को संतुष्ट करना, बॉस को खुश करने की कोशिश, सहकाय न देने वाले आपूर्तिकर्ता, अपने निजी और व्यावसायिक नेतृत्व की प्रतिबद्धताओं के लिए समय नहीं देना, हम कार्यशाला में जो सीखे उसे भूल जाते हैं। सफलता की कुंजी इस प्रकार है: अपनी प्रतिबद्धताओं को सन में शीर्ष पर रखें, उसके इर्दगिर्द जागरुक रहे / बेहतर जागरुकता- बेहतर विकल्प-बेहतर परिणाम / अपने वादों को खुद के केंद्र में और सामने रखे / उन्हें भूलें नहीं/ उन्हें तीन बाइ पांच के कार्ड पेपर पर लिख कर बाथरूस के शीशे पर लगा कर रखे और हर दिन सुबह उसे पढ़ते रहे / मूर्यता लग रही हैं, लेकिन यही कारगर साबित होगी / (आप मेरे बाथरुम का शीशा देखें), उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा बातें करें (आप जेंसी बातें करते हैं वेंसे ही बन जाते हैं), हर दिन सुबह उसे अपनी डायरी में लिखे /

विश्वास - बहुत सारे लोगों का कोई भरोसा नहीं होता । वह सनकी होते हैं । "नेतृत्व प्रशिक्षण और व्यक्तिगत विकास की बातें कारगर साबित नहीं होती / " या वह सोचते हैं कि" मैं बदलने के लिए पुराना हो चुका हूं /" कटुता निराशा से उपजती है / कटु और निराशावादी हमेशा इस तरह नहीं होते / बचपन में वह उम्मीद और संभावनाओं से भरे थे / लेकिन वह प्रयास करते हैं और कभी कभार असफल हो जाते हैं / और खेल में रहने के बजाय वह विफलता में सफलता का राजमार्ग देखते हैं / वह खुद को बंद कर लेते हैं और उदासीन हो जाते हैं / वह चोट से बचने के रास्ते पर ही चलते हैं /

तो आप वहां जाइए, जहां चार एफ हमारे जीवन में परिवर्तन, जीवन के भीतर का वास्तविक नेतृत्व दिखाने का विरोध करते हैं। उन्हें समझे और उन्हें प्रबंधित कर उन पर जीत हासिल करें । क्योंकि वास्तव में जागरूकता ही सफलता के पहले आती है। और आम लोग वास्तव में असाधारण जीवन शिल्प तैयार कर सकते हैं। हर समय मैं ऐसा होते

हुए देखता हूं। आप सच में महानता हासिल कर सकते हैं । मुझ पर विश्वास करो, लेकिन आपको शुरुआत करनी होगी। और जब तक आप कोशिश नहीं करेंगे औप उसे कैसे जानेंगे?

४८

समस्याएं से बुद्धिमत्ता उजागर होती है

समस्याएं नौकर होती हैं। समस्याएं संभावनाएं लेकर आती हैं । वह आपको बढ़ने में मदद करती है और निजी जीवन और संगठन में बेहतर काम करने के लिए आपकी मदद करती हैं। हर समस्या के अंदर कीमती चीजों का खजाना होता है जो आपके जीवन को बेहतर बनाने का अवसर देता है । हर समस्या एक बेहतरीन अवसर के अलावा कुछ नहीं है जो आपको बेहतर चीजें बनाने का मौका देती है । उन्हें प्रतिरोध करना मतलब तरक्की को प्रतिरोध करने जैसा है । उन्हें प्रतिरोध करना मतलब आपकी महानता में गिरावट लाना । आपके सामने की चुनौतियों को गले लगा कर उसमें से अच्छा प्राप्त करे । और यह ध्यान रखिए कि सिर्फ उन्हीं लोगों को समस्याएं नहीं होती जो मृत होते हैं ।

आपसे दुखी ग्राहक आप पर चिल्लाएं तो आप उसे एक समस्या की रूप में देखेंगे, लेकिन जो व्यक्ति एक नेता के रूप में सोचता है उसे उस दृश्य में संगठन की प्रक्रियाओं में सुधार का विशाल अवसर नजर आता है और वह इस तरह की घटनाएं फिर से न हो इसलिए कुछ राय लेकर कंपनी के उत्पाद और सेवा को बढ़ाने में उपयोग करता है । इसलिए समस्या असलियत में कंपनी को बेहतर बनाने में मदद करती है । मुफ्त में बाजार शोध का अवसर है यह।

काम की जगह पारस्परिक संघर्ष एक समस्या की तरह नजर आता हो, लेकिन अगर आप एक नेता की तरह सोचे तो इस हालात का उपयोग समझ बढ़ाने, संचार को बढ़ावा देने और संबंधों को समृद्ध करने के लिए कर सकते हो, असल में यह समस्या आपका बेहतर विकास कर रही है । यह आपके विकास के लिए खाद्य का काम कर रही है । आप अच्छी तरह कार्य करें । उसका आशीर्वाद लें ।

बीमारी, तलाक या किसी प्रियजन का निधन एक समस्या की तरह नजर आता हो । यह बहुत दुखदायक भी होता है (तलाक के मामले में वहां जाना, वह करना), लेकिन मैंने अपने सबसे दुखद प्रसंगों को अलग रूप दे दिया है। इन प्रसंगों ने मुझमें गहराई, करुणा और ज्ञान की प्राप्ति करवाई है। इन प्रसंगों ने मुझमें आत्म जागरूकता निर्माण की है। आज जो मैं इंसान के रूप में नजर आ रहा हूं उसे इन्हीं प्रसंगों ने बनाया है। दुनिया के लिए मैं उनका व्यापार नहीं करना चाहता ।

सिर्फ मरे हुए लोगों को ही समस्याएं नहीं होती

समस्या प्रतिभा को उजागर करती है। विश्वस्तरीय संगठन समस्याओं को सुधार के अवसर के रूप में देखता है । समस्याओं को दोषी न ठहराएउससे सीखीए और उसे गले लगा लीजिए। विश्वस्तरीय नेता अपने घावों को विवेक में बदल देते हैं। वह सफ़लता के करीब पहुंचने के लिए अपनी नाकामी का लाभ उठाते हैं। वह समस्याओं को नहीं देखते, वह संभावनाओं को देखते हैं। और यही वह बात है जो उन्हें श्रेष्ठ बनाती है। याद रखें, गलती आखिर गलती ही है अगर आप उसे दोहराओगे ।

8

अपने क्षोभ से प्यार करें

जो चीज आपको सनकी करती हैं वास्तव में वह आपके लिए एक बड़ा अवसर लेकर आती है। जो लोग आपका बटन दबा कर आपको जागृत करते हैं वह असलियत में आपके सबसे बड़े शिक्षक है। जिस चीज से आपको गुस्सा आता हैं असल में वह आपके लिए सबसे बड़ा उपहार है । उनके प्रति आभारी रहें और उससे प्यार करें ।

लोग या परिस्थिति जो आपकी ताकत से बाहर होते हैं वह असाधारण मूल्य की होती है : आपकी सीमित मान्यता, भय और झूठी मान्यताएं दिखा देते हैं। महान मनोवैज्ञानिक कार्ल जंग ने एक बार कहा था : "दूसरों के बारे में जो भी हमें परेशान करता है असल में वह अपने आप को समझने के लिए प्रेरित करने वाला होता है।" शक्तिशाली मुद्दा । आपकी महान जिंदगी के बीते समय में आपने जो किया उसकी सही जानकारी देने वाले को आप क्या दे सकते हो? जहां आपने पहुंचने का सपना देखा था उस जगह पहुंच न पाने की वजह, अंतरंग और खुफिया जानकारी मिल जाए तो उसकी कीमत क्या होगी? परेशानी, जलन और गुस्सा आपके एक इंसान के रूप में विकास और उन्नयन करने के लिए प्रवेश बिंदू है। वह मील के पत्थर है जो आपको बताते है कि आपको डर का सामना करते हुए काम करने की जरूरत है। यह विकास के लिए उपहार है। आप उन लोगों को दोष दे सकते हैं जो आपको जागृत करते हैं और उनके जैसा बनाते है। या फिर अपने आपमें गहराई से सोच कर इस कारण का पता लगाए कि आप नकारात्मक क्यों सोच रहे हो । चुनौतियों का सामना आत्म विकास की जागरुकता के लिए करें । क्योंकि आप एक ऐसे डर से बाहर आ रहे है जो आपको पता ही नहीं है? और आप असुरक्षा की भावना से बाहर कैसे आ सकते हो जो आपको पता ही नहीं है?

जब आप खुद की कमी को ढूंढ कर उस पर प्रकाश डालते हैं और उसकी असफलता की जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं उसी समय आप उस कमी को पूरा करने की शुरुआत करतें है। प्रकाश में आने वाली छांव प्रकाश के जाने से चली जाती है। जिसके बाद आप ज्यादा ताकतवर, ज्यादा शक्तिशाली बन जाते हैं। आप जो बनने के लिए आए हैं वैसा बनते है। हम विश्व को एक अलग नजरिए से देखने लगते हैं। इन्हीं बातों से लोग महानता की ओर विकसित होते जाते हैं और यह मैं प्रति दिन देख रहा हूं ।

लोग या परिस्थिति जो आपको आपकी ताकत से दूर ले जाती है वह असाधारण मूल्यों की होती है: वह आपकी सीमित मान्यता, भय और झूठी माल्यताएं हैं।

खलिल जिब्रान मेरे पसंदीदा विचारकों में से एक हैं जिन्होंने एक बार लिखा था- "मैंने बातूनी लोगों से चुप रहना सीखा था, असहिष्णु से सहिष्णुता और निर्दयी से दयालुपन, अजीब बात है, फिर भी, मैं मेरे इन गुरुओं का बेहद आभारी हूं ।" इसलिए अगली बार जब आपका सह कर्मचारी आपको नाराज करें या आपका युवा बेटा आपको सहज रूप से ले, या फिर रेस्तरां का बैरा आप को गुस्सा दिलाए, उससे ऊपर उठ जाइए । उन्हें प्यार की झप्पी दीजिए । उन्होंने आपको यह जो उपहार दिया है उसके लिए धन्यवाद दीजिए । क्योंकि, वच में उन्होंने ऐसा किया है ।

५०

एक सुपर स्टार की तरह बात करें

आप जो शब्द इस्तेमाल करते हैं उससे पता चलता है कि आप उन्हें किस तरह निर्धारित करते हैं । वास्तव में जिस भाषा को आप महसूस करते हैं उसी भाषा का आप इस्तेमाल करते हैं, आपका शब्दसंग्रह आपके जीवन को दिशा देता है। इस विचार के बारे में सोचिए । मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ा विचार है ।

जिन सुपरस्टार व्यावसायिकों को मैंने सिखाया हैं वह वाकई में जबरदस्त उत्साही है और इतने उत्साही लोगों से मैं कभी नहीं मिला था । जिस तरह से वह बात करते थे, एक इंसान को आगे बढ़ाने और ऊंचाई पर पहुंचने के लिए जिस निष्ठा से काम करने की जरूरत होती है वह उनकी बातों से साफ झलकता था । वह समस्या को सपने में भी कभी भी गतिरोध नहीं कहते थेवह उसे एक ऐसी संभावना मानते थे जिससे ज्यादा से ज्यादा अच्छा काम किया जा सके। और उसके बाद एक जादू की तरह उनकी सकारात्मक भाषा उनके अंदर सकारात्मक संवेदना फैला देती थी जिसकी मदद से वह बेहद कठिन परिस्थिति में विजेता बनाम पीड़ित का खेल खेल सकते थे। हम में श्रेष्ठ व्यक्ति नाराज ग्राहक को एक बुरी खबर के रूप में नहीं देखते बल्कि उसमें सुधार लाने के लिए एक चुनौती के रूप में देखते हैं । नकारात्मक भाषा का उपयोग करने के बजाय वह जीतने वाले शब्दों का इस्तेमाल कर अपने इर्दगिर्द के लोगों में सकारात्मकता का फैलाव करते हैं ताकि वह अपने लक्षय पर अपना ध्यान केंद्रित करें । आप जो जीवन जी रहे हैं उस पर असर करने वाले शब्दों का चयन अक्लमंदी से करना चाहिए ।

मैं आपको एक छोटा सा अभ्यास देता हूं। अपनी डायरी लीजिए या कोरा कागज और उस पर आप जीवन में जो शब्द ज्यादातर इस्तेमाल करते हैं उसे लीख दीजिए। जितने ज्यादा शब्द आप जानते हैं उतने ही आप उस भाषा में माहिर है। खुद को ज्यादा से ज्यादा विकल्प दे। इन शब्दों को कागज पर उतारने से आपका आत्मबोध अपने आप नाटकीय रूप से बढ़ जाएगा । उसके बाद जब आप उन शब्दों को जान जाएंगे जो आप ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, और एक नई सूची बनाइए। इन दोनों सूचियों को एक कर सकारात्मक शब्दों का एक संग्रह तैयार हो जाएगा जो आपकी मदद के लिए तैयार होगा- जिन शब्दों का आप इस्तेमाल करना चाहते हैं वह आपको आपके क्षेत्र में

सुपरस्टार बना देंगे- उसे अपने प्रति दिन बोलने की आदत में शामिल कीजीए। इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करने से आप खुद को बेहतर महसूस करेंगे । ज्यादा ताकतवर, ज्यादा भावपूर्ण । और जब आप श्रेष्ठ महसूस करेंगे क्या होगा आप जानते है? आप महान काम करेंगे ।

आप जो जीवन जी रहे हैं उस पर असर करने वाले शब्दों का चयज अक्लमंदी से करना चाहिए।

५१

सीखते रहना या खुशहाल होना है

बढ़ती उम्र को रोकने का एक तरीका है, लेकिन कोई उसके बारे में बात नहीं करता । उसे सीखना कहते हैं । मेरे हिसाब से आप प्रति दिन जितना ज्यादा सीखोगे, अपनी निजी सीमाओं को आगे बढ़ाओगे और सोच में सुधार करोगे आप कभी भी बूढ़े नहीं होंगे। इंसान बूढ़ा तभी होता है जब उसकी काम करने की इच्छा खत्म हो जाती है और प्रकृति ने जिज्ञासा का जो तोहफा दिया है उससे मुंह मोड़ लेता है। आधुनिक प्रबंध के पिता पीटर ड्रकर जो ९५ वर्ष तक जिए थे, कहा था- "हर तीन या चार वर्ष में मैं एक नया विषय चुनता हूं, फिर वह जपानी कला हो सकती, अर्थशास्त्र हो सकता है। तीन साल की पढ़ाई का मतलब यह नहीं कि आप उस विषय में माहिर हो जाओगे, लेकिन इतना समय उन विषयों को समझने के लिए काफी है। इसलिए ६० से ज्यादा वर्ष तक मैं एक समय में एक विषय की पढ़ाई करता था " बहुत ही होशियार व्यक्ति ।

पिछले वर्ष मुझे इजराइल के पूर्व प्रधाननंत्री नोबल पुरस्कार विजेता शिमॉन पेरेस से कुछ समय तक बातचीत करने का सुनहरा मौका मिला था । उस वक्त वह लगभग ८२ वर्ष के थे । जब हम किताबें, नए विचार और सीखने की इच्छा पर बातें कर रहे थे तो उनकी आंखें चमक रही थी । मैंने जब पूछा कि "श्री. पेरेस आप कब पढ़ते हैं?" उन्होंने जवाब दिया, "मि. रॉबिन मैं कब नहीं पढ़ता हूं? जब मैं सुबह उठता हूं उस समय पढ़ता हूं दिन में जब भी मौका मिलता है या फिर हर दिन शाम को तो पढ़ता ही हूं। मेरा सप्ताहांत अच्छी किताबें पढ़ने में ही जाता है । किताबें एक सखी की तरह लतागार मेरा साथ देती हैं।" इसके बाद उन्होंने हंसते हुए आगे कहा- "जब आप दिन में तीन बार खाना खाते हैं तो आप भूख मिटाते हैं, लेकिन अगर आप दिन में तीन बार किताबें पढ़े तो आप अकलमंद बन जाते हैं ।"

स्कूली शिक्षा खत्म होने के बाद ज्यादातर लोग किताब हाथ में नहीं लेते । अविश्वसनीय है। ज्यादातर लोग इस दुनिया के महान लोगों के विचारों में झांकने के बजाय टीवी देखने में समय बर्बाद करते हैं। ज्यादातर लोग नई अंतदृष्टी और प्रभावशाली विचारों के बारे में सोचने के लिए अपने दिमाग की खिड़की बंद कर लेते हैं। एक किताब से मिलने वाला एक विचार जीवन के प्रति देखने का आपका नजरिया बदल

सकता है । एक किताब से मिला एक विचार लोगों के साथ बातचीत करने के आपके रवैये को बदल सकता है। एक किताब से मिलने वाला एक विचार आपको लंबे समय तक जीने के लिए मदद कर सकता है या खुश रहने या फिर आपको व्यवसाय में उल्लेखनीय सफलता पाने में भी मदद कर सकता है। इसलिए जब भी घर से बाहर निकले बिना किताब लिए न निकलें ।

बढ़ती उम्र को रोकने का एक तरीका है, लेकिन कोई उसके बारे में बात नहीं करता । उसे शीश्वजा कहते हैं ।

५२

संबंध बेहतर बजाने के आसान तरीके

कोई भी अच्छा मनोवैज्ञानिक आपको बताएगा कि इंसान की गहरी जरूरत है जुड़ने की । जब हम दूसरों से जुड़ते हैं- एक समुदाय का हिस्सा बन जाते हैं तो बहुत खुश हो जाते हैं। व्यवसाय में बेहतर काम कर दिखाने वाले अपने सहकर्मियों और ग्राहकों के साथ अच्छा संबंध बनाने को प्राथमिकता देते हैं । अपने आसपास के लोगों के साथ जुड़ने के लिए समय बिताना उन्हें समय की बर्बादी नहीं लगती । वह इसे अपने समय का बुद्धिमानी से किया गया गहरा उपयोग मानते हैं ।

एक नेतृत्व विकास विशेषज्ञ के रूप में संस्कृति तैयार करने के लिए मैं उन कंपनियों के साथ काम करता हूं जिनका लोगों और उनके साथ रिश्ते बनाने का काम पहला होता है । इससे संचार, सहयोग और व्यापारिक संबंध मजबूत होने में बढ़ावा मिलता है । जब लोगों को लगता है कि आप उनकी सराहना कर रहे हैं तो वह बेहतर प्रदर्शन करते हैं । यहां मैं १० ऐसे सीधे सरल विचार पेश कर रहा हूं जो आपकी कंपनी के नेतृत्व को लोगों से जुड़ कर उच्च प्रदर्शन का एक नया स्तर बनाने में मदद करेंगे ।

१. आप जिस सकारात्मक व्यक्ति को जानते हैं उसके जैसा बनने की कोशिश फरें ।
२. स्पष्टवादी हो और सच्चाई से बात करें ।
३. वक्त पर आएं ।
४. कृपया और धन्यवाद कहें. ।
५. वादा कम और काम ज्यादा करें ।
६. उन लोगों को छोड़ दें जिनसे ज्यादा अच्छे लोग मिल जाएं ।
७. दोस्त की तरह रहें और देखभाल करें ।
८. विश्वस्तरीय श्रोता बनें ।
९. अन्य लोगों में पूरी भावना से दिलचस्पी दिखाएं ।
१०. ज्यादा से ज्यादा हसते रहे ।

इंसाज की गहरी जरूरत हैं संबंध बजाजे की।

और यह लाभांश का मुद्दा : हमेशा लोगों के साथ आदर से पेश आए । मैंने एक शक्तीशाली कानून इजाद किया है जो आपका जीवन और आपी नेतृत्व शैली को बदल सकता है- सम्मान चाहिए तो सम्मान दीजिए । कभी कभी मैं मेरे एक ऐसे ग्राहक की कहानी बताता हूं जो अधिक कारोबार में सलाहकार के रूप में काम करता था और उसने एक बड़ी कंपनी के प्रबंधन टीम में काम करने के वर्षों की बुद्धिमत्ता का राज खोला था । सलाहकार मीटिंग रूम में वह जाता था और वहां मौजूद लोगों की तरफ उत्तेजित रूप से देखता था । फिर वह मार्कर लेकर पीछे की तरफ सफेद बोर्ड पर सिर्फ चार अक्षर लिखता था- "लोगों के साथ आदर से पेश आएं-" वह सदस्यों की तरफ मुस्कुरा कर देखता था और फिर कमरे से बाहर चला जाता था ।

५३

ठवि के रूप में रॉक स्टार

मुझे संगीत से बेहद प्यार हैं । मुझे लगता है संगीत जीवन को बेहतर बनाता है। साधारण अनुभव में थोड़ा संगीत जोड़ने पर वह असाधारण बन जाता है । इस प्रकरण को लिखने के कुछ समय पहले ही मैं अपने बच्चों को स्कूल छोड़ कर आया हूं । जब हम स्कूल की तरह जा रहे थे तब मैंने कार में अवर लेडी पीस की नई सीडी लगाई । मेरी बेटी बियांसा ने मेरी ओर देखा और कहा कि, "पिताजी, संगीत सुनते वक्त मुझे लगता है कि मैं नृत्य कर रही हू ।" यह बात कहते हुए उसकी आंखें चमक रही थी । एकदम सही ।

कल रात एक दिलचस्प दोस्त के साथ मैंने एक विचारशील बातचीत की । वह आर्थिक क्षेत्र में काम करता है, लेकिन उसे डीजे के रूप में काम करने का बहुत शौक है । बहुत ही अलग मिलन । वह संगीत से प्यार करता हैं । उसका जीवन बेहतर भी है । हमने मोरचीबा, थिवेरी कारपोरेशन और यू२ और डेव मैथ्यू बैंड के बारे में बात की । उन बातों ने मुझे सोचने पर मजबूर किया । संगीत हमें जोड़ सकता है, हमें एक साझा भाषा दे सकता हैं, फिर चाहे हम न्यूयार्क में हो या बोगोटा में, तेल अवीव, सान जुआन, बेंगलोर या बीजिंग में । संगीत में ऐसी क्षमता है जो हमारी जिंदगी में तरक्की ला सकता है । समाज को समृद्ध कर सकता है और दुनिया में उत्थान ला सकता हैं।

यहां सच में मैं यह सोच रहा था : संगीतकार कलाकार होते हैं, वह चित्रकार या कवियों से अलग नहीं है । क्योंकि मुझे लगता है कि वह हमारी संस्कृति के दस्तावेज़ हैं । वह हमें उत्तेजित (कभी कभी) करता है और हमें नए विचारों से परिचय करवाता है । मैं गंभीरता से कहता हूं कि जो अच्छे कलाकार हैं वह दार्शनिक हैं । उनके गीतों की सबसे अच्छी बात यह है कि वह अपने गीतों के माध्यम से हमारी अंतर्दृष्टि को जागृत करते हैं और एक प्रेरणा देते हैं कि हम दुनिया को एक नए नजरिए से देखें और एक साधारण जीवन से विशेष जीवन के दायरे में कदम रखें, सिर्फ तीन मिनट के लिए ही सही ।

यू२ के बोनो ने अपने एक साक्षात्कार में कहा था कि, "वह खुद को सेल्समैन के रूप में देखता हैं । वह अपना संदेश बेचने के लिए दुनिया के चारों कोनों में जाता है, वह सकारात्मक मूल्यों का प्रसार करता है, मंच पर करोड़ों लोगों के सामने दिल की बात फैलाता है । बोनो एक कवि है । बस, उसकी कुछ कविताएं पढे । बहुत ही गहरी होती है ।

जब दार्शनिक कविताओं के बारे में मैं सोचता हूं तो मेरे दिमाग में एलानिस मोरिसेट्टे का नाम भी आता है । इसी तरह डेव मैथ्यूज का भी । साथ ही एमिनेम के शब्द- "अपवित्र होने के बावजूद शक्तिशाली है।" कभी उसे सुने । इंसान को एक जिंदगी मिल जाती है।

संगीतकार कलाकार होते हैं, वह चित्रकार या कवियों से अलग नहीं है । क्योंकि मुझे लगता है कि वह हमारी संस्कृति के दस्तावेज़ हैं । वह हमें उतेजित (कभी कभी) करता है और हमें नए विचारों को परिचय करवाता है । मैं शंभीरता से कहता हूं कि जो अच्छे कलाकार हैं वह दार्शनिक हैं ।

तो मुझे आपसे कुछ पूछना हैं : क्या आप अपने पल को संगीत से भर रहे हैं? ऐसा कौन सा गीत है जो आपको सोचने पर मजबूर करता है ?हंसाता है या रुलाता है ? ऐसा कौन सा संगीत है जो आपके दिल को एक नई ऊंचाई पर ले जाता हैं ? और आपको याद दिलाता है कि कितनी खूबसूरती से आप इस ग्रह पर जी रहे हो? ऐसी कौन सी धून है जो आपको ऊंचाई पर जाने के प्रवृत्त करती है, बड़े सपने देखने के लिए बाध्य करती है और उस महानता तक ले जाती है जो आप है? ओह, और मैं अब आपसे एक अंतिम प्रश्न पूछना चाहता हूं. ऐसा कौन सा संगीत है जिसे सुनने के बाद उठ कर नाचने के लिए आपको मजबूर करता हो?

५४

प्र्वर्तक का मंत्र

सच्चें आविष्कार का एक मंत्र है : सबसे अच्छे का शत्रु अच्छा ही होता है । वह लगातार चीजों को बेहतर बनाने का साहस करता है । जो दूसरों को असंभव लगता है उन्हें उसमें संभावना नजर आती हैं । वह अपनी कल्पना शक्ति से बाहर आकर रहते हैं- न की उनकी याद में । आमतौर पर जो स्वीकारा जाता हैं उसे वह चुनौती देते हैं । वह कुछ भी नहीं मानते । वह सीमाएं भी नहीं देखते, उनके लिए सब कुछ संभव है ।

यदि आप एक नेता बनना चाहते हैं, तो मेरे पास आपके लिए एक साधारण सुझाव है : बस नए की खोज करते रहो । काम में नयापन । घर में नयापन । अपने रिश्तों में नयापन । अपने जीवन को चलाने में नयापन । दुनिया को देखने के मामले में नयापन । स्थिर बनने का मतलब मौत जैसा है । विकास, जिंदगी को बनाए रखने के लिए विकास और खोज । शायद आपको यह डरावना लगे, लेकिन क्या आप जीवन में छोटा खेल खेलने के बजाय डरना पसंद नहीं करोगे?

कल जो व्यक्ति था वहीं आज रहे इसमें कोई सुरक्षा नहीं है । यह एक भ्रम है जो जीवन के अंत में आपका दिल तोड़ेगा और यह महसूस कराएगा कि आप निर्भिकता से जीवन नहीं जी पाए । स्थायी रूप में जीवन पूरा करना अज्ञात रहता है । जब मैं छोटा था, मेरे पिताजी मुझसे कहा करते थे: "रॉबिन, यह शरीर जोखिम से भरा है । लेकिन, बेटा- यह वहीं जगह हैं जहां फल लगते हैं । और पतली शाखा पर खेलने के लिए, आपको प्रति दिन नए की जरूरत है । लगातार ।"

जाहिर है, आप नया करने की जितनी ज्यादा कोशिश करेंगे और संतोषी होने की जंजीर तोड़ोगे, उतने ही ज्यादा असफल हो जाओगे । मैंने मेरे पिछले एक प्रकरण में यह बात कही है । आपके द्वारा उठाई गई हर जोखिम और प्रयास आपकी योजनानुसार काम नहीं करेगा । वह सिर्फ जीवन जीने जैसा होगा । असफलता ही सही मायने में सफलता के लिए आवश्यक है, और जितना आप खुद को निचोड़ोगे, उतने ही आप आगे पहुंच जाएंगे । असफलता एक तरह से उपहार ही है । असफलता मेरे लिए काफी उपयोगी साबित हुई है । वह मुझे मेरे सपनों के निकट ले गई, मेरे ज्ञान में बढोतरी हुई और मुझे बेहद सशक्त बनाया ताकि मैं पूरी तरह तैयार हो पाऊं । सफलता और

असफलता हाथ में हाथ डाल कर चलती है । वह व्यावसायिक भागीदार हैं ।

कल जो व्यक्ति था वहीं आज हे इसमें कोई सुरक्षा नहीं है । यह एक भ्रम है जो जीवन के अंत में आपका दिल तोड़ेगा ।

एक दिग्गज दवा कंपनी ग्लैक्सोस्मिथक्लिन मूल्य को लेकर परेशान है । वह इस स्थिति को प्यार भी कर रही है । मोटोरोला के सीईओ एड जेंडर के शब्दों ने मुझे सोचने के लिए बाध्य किया । "सफलता की ऊंचाई पर अपने व्यवसाय को तोड़ दें । जो कंपनियां नवीनता की खोज नहीं करती वह ज्यादा दिन नहीं चलती, इसलिए मुख्य कुंजी है नयापन लाने की । यह पाठ उस समय बेहद जरूरी है जब जीवन सामान्य रूप से चल रहा है । भले ही यह सामान्य बोध हो, लेकिन सफल कंपनियों को प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देने के बजाय वास्तव में नयापन खोजने की जरूरत है । यह एक तरह से बच्चों का खेल पहाड़ी का राजा खेलने जैसा है- सभी बच्चों को लगता है कि वह राजा बनें । जो नेता नवीनता नहीं लाता उनकी जगह जोखिम लेने को तैयार लोगों को लाना चाहिए।" इसलिए प्रति दिन काम पर जाएं और कल जो काम किया उसे करने से इंकार करें- वह केवल इसलिए क्योंकि उसे आपने कल किया है । खुद को ज्यादा से ज्यादा सोचने के लिए हमेशा चुनौतीभरा रखे । हमेशा सोचते रहे । अपनी मयदाओं से लड़े । साधारण बनने का विरोध करें । जो अच्छा है वहां पर खड़े रहे । हमेशा आप जो भी करें उसे महानता से और श्रेष्ठ रूप से करें । और फिर आप जल्द ही वह बन जाएंगे जो आपने सोचा है ।

५५

आनंद बजाम खुशियाँ

आनंद महान है- लेकिन वह ज्यादा देर नहीं रहता । पांच इंद्रियों से हमें आनंद मिलता है । अच्छे भोजन से, वाइन की एक अच्छी ग्लास और एक नई कार से । इन बातों में गलत कुछ भी नहीं है- वह जीवन के अनुभव को बेहतर करने के लिए है, लेकिन वह क्षणभंगुर हैं ।

आनंद बाहर की कुछ चीजों से मिलता हैं तो खुशी भीतर से होती है ।

खुशी, ठीक है, यह एक अलग कहानी है । आनंद का डीएनए खुशी है । मेरा सिर्फ यही कहना है कि : आनंद बाहर की कुछ चीजों से मिलता हैं तो खुशी भीतर से होती है । वह एक स्थिति हैं जो हमने अपनी पसंद से बनाई हैं । यह एक निर्णय है । यह इरादों पर काम करना है ।

लोग उस समय खुश होते हैं जब वह दर्द और प्रतिकूल परिस्थितियों से गुजर कर बाहर आते हैं । उनके बाहरी जीवन में कोई स्पष्ट सुख नहीं है फिर भी वह अंतकरण में संतुष्ट हैं । और, इसके विपरीत, लाखों लोग बाहरी आनंद से घिरे हुए हैं (तेजी से चलने वाली कारें, अच्छे घर, अच्छे कपड़े), लेकिन भीतर से वह खुश नहीं हैं । इसलिए खुशी का चयन करें । बाहरी चीजों से आप जीवन पर नियंत्रण नहीं ला सकते । मुश्किल होगा । लेकिन भीतर क्या हो रहा है उसे आप नियंत्रित कर सकते हैं । और जो वह यह करते हैं वह महान बन जाते हैं ।

५६

६00 डॉलर का सैंडविच

मेरे जीवन में कभी भी नीरस क्षण नहीं आया । अभी अभी मैं दोपहर का खाना खाकर वापस आया हूं । मेरी पसंदीदा जगह सबवे में सैंडविच लाने मैं बाहर गया था । इस जानें : जब मैंने अपने क्रेडिट कार्ड से बिल चुकाया और मेरी रसीद जांची तो पाया कि बिल ५७७.८९ डॉलर का है । वह महंगे सैंडविच बेचते हैं, लेकिन मेरे लिए वह बहुत ही महंगा था ।

छोटी सी शरारत के साथ नेतृत्व को लेकर मैं कुछ पाठ आपके सामने पेश कर रहा हूं-

ओएडी- महान कारोबार असाधारण विस्तृत रूप से विस्तार करता है । स्टीफन जे गोल्ड ने एक बार जो कहा था वह मुझे बेहद पसंद है: "विस्तृतता की सभी बात करते हैं, भगवान इसमें बसता है और जब तक आप ठीक से संघर्ष नहीं करोगे वह नजर नहीं आएगा । हमारी कंपनी में हम आोएडी की बात करते हैं । ओएडी मतलब ऑब्सेसिव अटेंशन टू डिटेल्स मतलब तफसील पर आवेश से ध्यान देना ।" सर्वश्रेष्ठ संगठनों में छोटे से छोटा काम करने में भी मेंने पसीना बहाया हे । वह जानते हैं कि ग्राहक्क छोटी सी बात को भी ध्यान में रखते हैं । काउंटर के पीछे की औरत उस क्षण उपस्थित नहीं थी । हालांकि उसे ५.७७ डॉलर की रसीद बनानी थी । बहुत ही बुरी बात थी । उसकी बगल में उसका बॉस खड़ा था । मैंने दयालुता दिखाते हुए उसे बचाने में मदद की । हर किसी से यह नहीं होता ।

निजी ज़िम्मेदारी लें (और इसे तेजी से स्वीकारें)। जब मैंने रसीद की जांच की तो उसमे जो (अपमानजनक) त्रुटि देखी, मैंने उस महिला को वह दिखाई । उसका जवाब उत्कृष्ट था : बिल चुकता करने के पहले क्या आपने रकम देखी नहीं थी? कोई भी बातों की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहता । हम दूसरों पर दोष मढ़ते रहते हैं । कुछ पल बाद उसे अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने दिल से माफी मांग ली । सुझे पता है कि जब उसने महसूस किया कि उसने कितनी बड़ी गलती की है तो वह डर गई । हस में से ज्यादातर लोग जब डर जाते हैं तब दुख से बचने के लिए अपनी गलती की जिम्मेदारी खुद पर लेने के बजाय दूसरों पर मढ़ देते हैं ।

ध्यान दें- मुझे खुशी हैं कि मैंने बिल की जांच की । जब मैं बेहद खुश होता हूं और दुनिया बदलने का सपना देख रहा होता हूं तो मैं बिल भी नहीं जांचता । लेकिन विश्वस्तरीय नेताओं को ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि उस पल वह वहां जी रहे होते हैं ।

सर्वश्रेष्ठ संगठजों में छोटे से छोटा काम करने के लिए भी मैले पसीजा बहाया है ।

मैं दुबारा उस जगह जाऊंगा । सभी बेहद बुरा महसूस कर रहे थे और मालिक ने मुझे एक सैंडविच भी मुफ्त में दिया था । लेकिन उनकी विश्वसनीयता में गंभीर रूप से कमी आई हैं और उन्हें मेरा भरोसा वापस जीतना होगा । मैं प्रार्थना करता हूं कि वह यह कर पाएं, क्योंकि वह बहुत अच्छा सैंडविच बनाते हैं ।

५७

अच्छा व्यवहार ही व्यापार के लिए अच्छा है

यह एक ऐसा आसान सुझाव है जिस पर अमल करने के बाद आपके संगठन (और आपके कैरिअर पर भी) अच्छा असर होगा : लोग अच्छी कंपनी में काम करना चाहते हैं- अच्छी मतलब सिर्फ अच्छे रूप से चलने वाली नहीं बल्कि समाज में बदलाव लाने में मदद करने वाली । एक अच्छा व्यवसाय ही व्यवसाय के लिए अच्छा होता है । यह सिर्फ एक आकर्षक घोषणा नहीं हैं- मैने इसका उस समय अवलोकन किया जब मैंने विश्वभर की अच्छी कंपनियों में अच्छे लोगों के साथ काम किया । अच्छी कंपनियां अपने कर्मचारी और अपने ग्राहकों के साथ एक उदात्त भावना से पेश आती है, साथ ही अपने सामाजिक दायित्व के लक्षय को निभाने की भी कोशिश करती हैं । मेरे बहुत से ग्राहकों ने प्रतिकूल लोगों की मदद करने या समाज में सुधार लाने के लिए कार्यक्रम तैयार किए हैं, मैं उनकी बेहद सराहना करता हूं जिसकी वह कल्पना भी नहीं कर सकते ।

व्यावसायिक क्षेत्र में गर्व ऐसी चीज है जिस पर कोई बात नहीं करना चाहता बहुत ही बुरी बात है । मैंने यह पाया है कि लोग प्रति दिन गर्व से सीना तान कर काम पर जाना चाहते हैं, वह एक बेहतरीन कंपनी में काम करने का सुख महसूस करना चाहते हैं । वह चाहते हैं कि उनकी कंपनी- और वह जो काम कर रहे हैं वह भी- लोगों का जीवन ऊंचा करें और अन्य कंपनियों से अलग साबित हो । व्यवसाय दार्शनिक पीटर कोएस्टेनबाम ने अपनी श्रेष्ठ किताब लीडरशीप : द इनर साइड ऑफ ग्रेटनेस में इस बात को बखूबी पेश किया है- "निजी और संगठनात्मक उंचाइयां पाने का जरिया है व्यवसाय । यह एक योग्य और महान उपलब्धि है । व्यवसाय यह एक ऐसी संस्था है जो आपको समाज के प्रति अपना योगदान देने का अधिकार देती है ।"

> लोग अच्छी कंपनी में काम करना चाहते हैं- अच्छी मतलब सिर्फ अच्छे रूप से चलने वाली जहीं बल्कि समाज में बदलाव लाले में मदद करने वाली ।

इस किताब में मैं आपको बार-बार यह सुझाव दे रहा हूं कि आप बिना किसी पद के नेतृत्व करें । अपने काम या समाज में- हम सभी संघर्ष कर सकते हैं, हम सभी अच्छा काम कर सकते हैं । इसलिए कार्यकर्ता बनें । संस्थाओं को आर्थिक रूप से मदद करें । कमाई के एक दहाई हिस्से को (दस फीसदी) अच्छे काम के लिए दान देकर शुरुआत करें । और एक संगठन के रूप में समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए (इसके लिए कोई संस्था या महत्वपूर्ण काम की शुरुआत करने में मदद करें) योजनाएं बनाएं । इससे न सिर्फ आप अपने उच्च दर्जे के कर्मचारियों को अपने साथ रख पाएंगे, बल्कि अन्य अच्छे कर्मचारियों को भी अपनी ओर आकर्षित कर पाएंगे, और साथ ग्राहकों के दिलों में भी आपके लिए सम्मान बढ़ेगा । वास्तव में अच्छा व्यवहार ही अच्छे व्यवसाय के लिए बेहतर है । और वास्तव में कुछ देना ही लेने की शुरुआत होती है ।

५८

सफलता का ढांचा बजाए

कल, जब मैं काम पर जा रहा था, रास्ते में मेरे पास से बाजार में नई आई एक मर्सिडीज सेडान गुजरी । कार चलाने वाले ने अपना शीशा थोड़ा खुला रखा था जिसकी वजह से उसकी कार की स्टीरियों में बजने वाला गाना मुझे सुनाई दिया : कीन्स का वुई आर द चैम्पियन्स । इस गाने ने मुझे वर्ष में हमारी ओर से वर्ष में आयोजित किए जाने वाले नेतृत्व बढ़ाने की कार्यशाला में आने वाले एक सीईओ की याद दिलाई और मैं उसके बारे में सोचने लगा । वह अपने संगठन को अपने जीवन के साथ ही सुधारना चाहता था । उसने मुझसे कहा था कि वह जब वह अच्छी खासी बिक्री करने में कामयाब हो जाता था वह एसी डीसी का ब्लैक इज ब्लैक गीत ऊंची आवाज में सुनता था । रोचक बात हैं ।

ऐसा कौन सा अभ्यास है जो आपको अच्छा काम करने के लिए प्रेरित करता है? ऐसी कौन सी धार्मिक विधी है जो आपको बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है? ऐसी कौन सी रणनीति है जो आपको वाकई एक तारे की तरह चमकने के लिए प्रेरित करती है? चोटी पर कायम रहने के लिए हमारे सप्ताह के कार्यक्रम में हमें सबसे ज्यादा जरूरत है सफलता का ढांचा बनाने की । हमें हमारे प्रति दिन के व्यवहार में बेहतर परिणाम, आर्डर और बेहतर नतीजों को सुनिश्चित करने के लिए एक कार्यक्रम स्थापित करना पड़ेगा । श्रेष्ठ कंपनियों के पास अच्छी गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम बनाया जाता है- इसलिए आप भी बनाएं । अगर आप गंभीरता से सफलता की सीढियां चढ़ना चाहते हैं तो गंभीरता से इसके लिए तकनीक भी बनाएं । जो बातें मुझ पर सफल हुई- उन बातों का ज्यादा से ज्यादा पालन करने की कोशिश करें जो मैंने पहले आपको बताई है- जैसे प्रोत्साहित करने वाला संगीत, अच्छी किताबें पढ़ना- सप्ताह में एक बार उन दोस्तों के साथ मीटिंग करना जो प्रोत्साहित करते हैं- फिर वह चाहे फोन पर १५ मिनट की ही क्यों न हो- और उसे अपनी डायरी में लिखें । यह बातें मेरा सप्ताह अच्छा बनाती जैसे किसी अच्छी मीटिंग के बाद होता है (या मेरे बच्चों के साथ समय गुजारने पर)

हमें हमारे प्रति दिज के व्यवहार में बेहतर परिणाम, आर्डर और बेहतर जतीजों को सुनिश्चित करने के लिए एक कार्यक्रम स्थापित करना पड़ेगा ।

सफलता सिर्फ एक घटना नहीं है । यह एक योजना है जिस पर प्रति दिन कार्य करना होता है । आपको उसमें से तैर कर बाहर आना है । आपको उसे घटित करना है (इसे घटित होने के लिए आपको अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देना है) । वैक्लैव हैवेल का अवलोकन है- "सिर्फ दूरदृष्टी काम की नहीं, उसके साथ साहस की जरूरत है । सीढियों की तरफ़ सिर्फ देखते रहने से कुछ नहीं होता, उस पर कदम रखना भी जरूरी है ।" तो आज आप क्या कर रहे हैं, उठिए और शुरू हो जाइए । महान बनने के अपने रास्ते को आगे मत धकेलिए । आपका समय शुरू हो गया है । और अगर आज नहीं, तो कब?

५९

ज्यादा अनुभवी इंसाज ही जीतते रहता है

बड़ी सोच : क्या अनुभवी बनने के लिए बूढ़े बनने की जरूरत है? मैं युवावस्था में ही बूढ़ें व्यक्ति जितना अनुभव प्राप्त करना चाहता हूं । और इसके लिए मैंने रास्ता भी ढूंढ़ कर निकाला है : समय सीमा को तोड़ दो । ज्यादातर लोग जोखिम नहीं उठाते, या ज्यादा बातचीत नहीं करते या फिर नई किताबें नहीं पढ़ते या फिर ज्यादा सफर भी नहीं करते । इन कामों में व्यस्त रहने और अन्य चीजों का अनुभव नहीं लेते जो जीवन को आगे बढ़ाने में कारगर साबित होती है, मैं बता सकता हूं कि जो पाठ या शिक्षा आप ९० वर्ष में ले सकते हैं वह आप इसके एक तिमाही समय में ही पा सकते हैं । समय सीमा तोड़ते हुए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण जो काम है उसे जल्द से जल्द तेजी से पूरा करें । लक्षय पर ध्यान और उसके प्रति समर्पित हो जाओ । प्रतिदिन थोड़ा ज्यादा जीने की कोशिश करें ।

हम सभी को समान समय मिला है । हम सभी को दिन में २४ घंटे ही मिलते हैं । दुख की बात यह है कि हम में से कई लोग गैरजरूरी काम करने में ही ज्यादा से ज्यादा समय गंवा देते हैं । प्रतिक्रियाशील जीवन जीते हैं । कार्यरत रहने के लिए ना कहने की बजाय हां कहे । पानी में गिरे एक लकड़ी के टुकड़े की तरह जो पानी के बहाव में उस दिन कहीं पर भी बहता जाता हैं । क्योंकि वह सोचने में समय नहीं गंवाता । अपनी प्राथमिकताओं के बारे में, अपने सपने और लक्षयों के बारे में भी नहीं । उसके बाद वह तय करते हैं कि जीवन कैसे जीना है । और इसमें वह जीवन के महत्वपूर्ण २० वर्ष गंवा देते है । मैं यह गंभीरतापूर्वक कह रहा हूं ।

एक बार आप तय कर लें कि जीवन में क्या करना है और उसके लिए जो जरूरी है उसकी जानकारी लें और उस पर सजग रहे । ज्यादा सजगता से ही अच्छे पर्याय प्राप्त होते हैं । और अच्छे पर्यायों से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं । स्पष्टता ही सफलता का बीज है ।

इसलिए जीवन के अंत तक अनुभवी बनने के लिए न रुके । समय सीमा तोड़ दें । तय करें कि जीवन जीने के लिए क्या जरूरी है और उस पर अभी से ही काम करना शुरू कर दें । अच्छे लोगों से मिले । नई जगहों पर घूमने जाएं । विचार प्रवर्तक किताबें पढ़े । संभावनाओं को हासिल करें । कभी कभी नाकाम बने- क्योंकि यह आपके स्थान तक पहुंचने के साथ ही जोखिम उठाने के लिए भी आगे बढ़ाता है । आप हारते हैं या जीतते है इसकी कोई फिक्र नही करता, इसलिए जितना हो सके अपनी सूची में अनुभव जोड़ते

रहे । शायद बुरा समय भी आपका जीवन बेहतर बनाएं । बोस्टन फिलाहामॉनिक के संयोजक बेंजामिन जेंडर ने अपनी श्रेष्ठ किताब द आर्ट ऑफ पॉसिबिलिटी में अपने मशहूर वायोलिन वादक शिक्षक गैस्पर केसोडो का एक वक्तव्य लिखा है- "मुझे तुम्हारे लिए बहुत खेद है, तुम बहुत ही आसान जिदगी जी रहे हो । जब तक कोई तुम्हारा दिल नहीं तोड़ता तुम अच्छा संगीत नहीं बजा पाओगे ।"

मैं युवावस्था में ही बूढ़े व्यक्ति जितना अनुभव प्राप्त करना चाहता हूं । और इसके लिए मैंने रास्ता भी ढूंढ कर निकाला है: समयसीमा को तोड़ दी ।

जितना ज्यादा अनुभव, उतना अच्छा जीवन । जिस व्यक्ति को ज्यादा अनुभव होता है वहीं जीतता है ।

६०

डिडी की तरह ब्रांड बने

आज सुबह जब मैं सोकर उठा तो बहुत ही ठंड लग रही थी। मैंने कोलट्रेन सुना, सेड का खुराक लिया और फिर मैं डिडी (एक ऐसा कलाकार जिसका असली नाम पी. डिडी है, लेकिन पफ डैडी के नाम से जाना जाता हैं, उसके सामने मेरा नाम मुझे बहुत ही उबाऊ लगता है) का संगीत सुनने लगा । दिन की शुरुआत मैं उत्साह से करना चाहता था (और बच्चों को भी उठाना चाहता था) । उसका संगीत सुनते हुए डिडी द्वारा बनाए गए साम्राज्य के बारे में मैं सोचने लगा और साथ ही ब्रांड के बारे में भी ।

संगठन को एक ब्रांड के रूप में बाजार में अपना स्थान बनाने के लिए, ग्राहकों के दिलों में स्थान बनाने के साथ ही सम्मान की भावना जगाने के लिए काम करना पड़ेगा । (साच्ची एंड साच्ची के सीईओ केविन रॉबर्टस के बारे में इसके पहले प्रकरणों में मैंने लिखा है । वह ब्रांड शब्द का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह लवमार्क (प्यार का निशान) कहलाना पसंद करते हैं, अच्छी बात है।) और आपके लिए व्यावसायिक श्रेष्ठता पाने के लिए आपको मैं सुझाव देना चाहूंगा कि आप सबसे पहले अपना निजी ब्रांड : जो आपका नाम हैं, उस पर ध्यान दें, उसे संवारे और उसकी रक्षा करें । (अच्छी साख बनाने के लिए ३० वर्ष भी लग सकते हैं, लेकिन एक साधारण गलती से इसे सिर्फ ३० सेकेंड में खो भी सकते हैं) ।

इस समय सभी अपना मार्का बनाने में लगे हैं । कानूनी सलाहकार कंपनी, विधि कंपनियां, खुदरा व्यावसायिक सभी । पैरिस हिल्टन ने हाल ही में कहा- "वह एक ब्रांड है ।"

इससे एक सवाल खड़ा होता है : आज जिस स्थान पर हमारा ब्रांड है उसे और आगे ले जाने के लिए क्या करना होगा, जवाब बहुत सीधा है- डिडी को आदर्श के रूप में देखे ।

मुझे उम्मीद है कि आप यह किताबें अवश्य पढेंगे (बहुत सारी श्रेष्ठ किताबें हैं जैसे सेठ गोडिन की पर्पल काऊ, और अल रेज और उनकी बेटी लॉरा रेस की द २२ इम्म्युटेबल लॉज ऑफ ब्रान्डिंग) । और आपके ब्रांड प्रबंधक को आप विश्वस्तरीय बनाएंगे (हर कंपनी को ब्रांड प्रबंधक की जरूरत है), लेकिन मैं एक आसान सुझाव देकर आपके पैसे बचाना चाहता हूं : आप हिप हॉप कलाकार डिडी और ५० सेंट, जैज (जिसे हाल ही में

फॉरच्यून पत्रिका ने अमरिका का हिप्पेस्ट सीईओ के रूप में घोषित किया है) का अभ्यास करें। अपने ब्रांड को चोटी पर किस तरह पहुंचाया जाए यह आपको सबसे पहले सीखना होगा। यह लोग अद्भुत है। हमेशा कुछ नया करते रहते हैं। हमेशा नया परिवर्तन करने का थक प्रयास करते रहते हैं। वह एक सफल गाना देते हैं और लोगों के दिलों में अपने नाम- अपने ब्रांड की छाप छोड़ देते हैं- क्षमा करेंलोगों की चेतना में छा जाते हैं और इससे आगे बढ़ कर अपने नाम पर कपड़ों करें कि किस तरह उन्होंने अपना समुदाय बनाया है, लोगों के दिमाग पर उन्होंने क्या ऐसा किया है जिसकी वजह से लोग उनसे वफादार हैं, उनका नाम अपने दिल में गुदवा चुके हैं।

जैज के एक मशहूर वक्तव्यू के साथ मैं आपको छोड़ता हूं-मैं एक व्यावसायिक नहीं हू, मैं एक व्यवसाय हूं, भाई।

६१

आशीर्वाद लेकर बड़े बजे

एक पर्शियन कहावत है- "जूते न होना मुझे सता रहा था, लेकिन उस वक्त तक ही जब मैं बिना पैर के व्यक्ति से मिला ।" इस पंक्ति ने मुझे अंदर तक सिहरा दिया । जो भी लिखा है बहुत ही महत्वपूर्ण है । यह बहुत ही आसान है कि जो चीज अपने पास नहीं है उस पर ही ध्यान देते हैं और जो अपने पास है उसके प्रति आभार नहीं जताते । मैं शर्त लगाता हूं कि आपको ज्यादा आशीर्वाद मिलता है, लेकिन उसे आप महसूस नहीं कर पा रहे हैं ।

कल की रात लाखों बच्चे भूखे पेट सोएं । विश्व में कुछ ऐसे लोग है जिन्होंने अपने परिवार के सदस्य को कल खो दिया । आपके समुदाय में कई ऐसे लोग हैं जो कैंसर और एड्स से मर रहे हैं । अभी भी मैंने पढ़ा कि एक ऐसी लड़की पैदा हुई जिसे चेहरा ही नहीं है। सिर्फ दो आंखें और होंठ है । और हम दफ्तर जाते वक्त रास्ते की ट्रैफिक की चिंता करते हैं ।

अभी भी मैंने पढ़ा रिक एक ऐसी लड़की पैदा हुई जिसे चेहरा ही नहीं है सिर्फ दो आंखें और हॉठ और हम दफ्तर जाते वक्त रास्ते में लगने वाले ट्रैफिक की चिंता करते हैं ।

इस शब्द पर गौर करें : परिदृश्य ज्यादा से ज्यादा देशों में सफर करें और विश्व के प्रति देखने का आपका नजरिया बदल जाएगा । जिन लोगों से आपने बात नहीं की उनसे बात करें तो आपको जीवन के प्रति देखने का नया नजरिया मिल जाएगा। और जीवन में जो पाया है उसकी खुशी मनाएं और देखे कि आप कितने खुशनसीब हैं । यह इंसान की फितरत ही है कि जब अपनी कोई चीज हम खो देते हैं उसी वक्त हमें उसका महत्व समझ में आता है । इसका विरोध करें ।

६२

जल्दी उठे, बुद्धपान बजें

कल मैंने सीएआईबीसी बैंक के टेलीफोन बैंकिंग डिवीजन के नेतृत्व टीम के लिए आयोजित सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया। श्रेष्ठ समूह । सीआईबीसी कनाड़ा के प्रमुख बैंकों में से एक हैं और उनके लोग भी ऊर्जा से भरपूर, जुनूनी और समझदार । मैंने उनके साथ उच्च संस्कृति के प्रदर्शन का निर्माण, संबंधों को गहराई से विकसित करने और बिना पद के आगे बढ़ने की ताकत पर अपने विचार बांटे। फिर मैंने निजी नेतृत्व पर कुछ अंतदृष्टी डालीं- जिसकी शुरुआत सुबह जल्दी उठने को लेकर की जिससे एक इंसान के रूप में विश्व स्तर पर पहुंचा जा सकता है । कमरे में शांति छा गई । सोचा कि कहीं मैंने उन्हें खो तो नहीं दिया ।

प्रस्तुतीकरण खत्म होने के बाद मैं व्यक्तिगत रूप से दर्शक सदस्यों से जुड़ कर उनके सवालों के जवाब देकर उन्हें खुश रखना चाहता हूं। चकित करने वाली बात यह थी कि कई लोगों ने मुझे सुबह जल्दी उठने की आदत के बारे में पूछा । एक प्रबंधक ने मुझसे कहा, "मैं जीवन से बहुत कुछ पाना चाहता हूं। मुझे आपकी सुबह की धार्मिक एक घंटे वाली बात बहुत ही अच्छी लगी- वह ६० मिनट जो मेरे दिमाग को खुराक दे, मेरे शरीर की देखभाल करें और मेरे चरित्र का विकास करें।" अन्य एक ने कहा- "जीवन बहुत जल्दी बीत जाता है ।" और एक ने कहा"वाकई मैं सुबह जल्दी उठ कर दिन से अधिक पाना चाहता हूं ।"

हम यह आसानी से भूल जाते हैं कि बाहरी चीजें हमारे भीतर के जीवन को प्रतिबिंबित करती हैं । सुबह जल्दी उठ कर अपने अंदर की इच्छाओं के लिए काम करें, जिससे अपना दिन नाटकीय रूप से बेहतर बन जाएगा । आप में ही अगर ऊर्जा नहीं है तो आप आपके इर्दगिर्द के लोगों पर अपना सकारात्मक प्रभाव कैसे बना पा पाएंगे? अगर आप खुद ही अंदर से श्रेष्ठ नही है तो आप दूसरों को सर्वश्रेष्ठ विकसित कैसे कर पाएंगे? और अगर आप खुद के अंदर के चैंपियन को जान नहीं सकते तो दूसरों को कैसे चैंपियन बना सकते हो? जल्दी उठे और खुद को अंदर से पहचाने, अपनी सोच का विस्तार करने, जीवनदर्शन में पैनापन लाने या फिर अपने लक्षय की समीक्षा करें जो वक्त की बर्बादी नहीं है । वह एक धार्मिक घंटा आपको दिन भर में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे

बढ़ने का एक दृष्टिकोण प्रदान करेगा । वह आपको बदल देगा । आपको एक श्रेष्ठ नेता के रूप में तैयार करेगा । माता-पिता के रूप में विकसित करेगा, एक इंसान के रूप में विकसित करेगा । यहां मैं आपको ऐसे छह व्यावहारिक नुस्खे बताने जा रहा हूं जो आपको जल्दी उठने के लिए प्रेरित करेंगे (सुबह पांच बजे, जो अच्छा है):

७ बजे के बाद खाना नहीं खाएं : आपको सिर्फ गहरी ही नहीं बल्कि अच्छी नींद आएगी । जरूरी और महत्वपूर्ण नींद कितने समय में सो रहे हैं इस पर निर्भर नहीं बल्कि कितनी गुणवत्ता भरी नींद ले रहे हैं यह महत्वपूर्ण हैं ।

घड़ी का अलार्म बजने के बाद भी बिस्तर पर सुस्ताएं नहीं । बिस्तर से उठे ऑर अपना दिन शुरू करें । अलार्म होने के बाद भी अगर आप बिस्तर पर लेटे रहे तो आप मृन ही मन बकवास करते रहेंगे कि, बिस्तर पर ही रहे, ऑर थोड़ा सो लॅ, बिस्तर उष्ण हैं, जिसके आप लायक हो ।

विश्वस्तरीय शारीरिक स्थिति बनाएं- यह बहुत ही बड़ा विचार हैं । यह मैंने उस समय पाया जब मेरा सप्ताह में पांच से छह बार वर्जिश करने ऑर अच्छाखासा भोजन खाने के बाद भी मेरा शरीर अच्छा खासा गठिला हो गया । सुबह ५ बजे या ४ बजे बिस्तर से उठना बहुत ही आसान हैं । सशक्त शरीर एक ऐसा सकारात्मक कदम हैं जो आपके जीवन के हर क्षेत्र में आपको प्रभावित करता हैं ।

बीएचएजीस तय करें: जिम कॉलेन्स ने अपनी किताब बिल्ट टू लास्ट में इस बीएचओजीस शब्द की खोज की हैं । जिसका मतलब हें- रोएंदार साहसी लक्षय (हेअरी ऑडशियस गोल) । लक्षय आपके जीवन की सांस हैं ऑर दिन की ऊर्जा । ज्यादातर लोग सुबह जल्दी नहीं उठते क्योंकि उनके पास कोई वजह नहीं हैं । आपके उत्साह (ऑर जल्दी उठने) की वजह हैं उद्देश्य । लक्षय ही आपको सुबह जल्दी बिस्तर से उठने की प्रेरणा देगा । अपनी डायरी निकाल कर उसमें १०, ५, ३ ऑर १ वर्ष में पूरे करने के लक्षय को जोड़ दें जो आपके जीवन के मूल आयाम हैं और उन पर ध्यान केंद्रित करें जो आपको बेहतर परिणाम दे । यह आपके दिल को जागृत करेगा और आपको उत्साह से भर देगा ।

आपकी अलार्म घड़ी को ३० मिनट आगे कर दें : अपने डर को भगाने और श्रेष्ठ जीवन जीना सीखने के लिए आयोजित कार्यशाला अवेकनिंग बेस्ट सेल्फ वीकेंड जहां विश्वभर के लोग हिस्सा लेते हैं वहां पर मैंने यह बात कही थी । इसमें हिस्सा लेने वाले स्पेन के एक सहभागी का मुझे हाल ही में एक इंमेल आया । इस छोटी सी युक्ति ने उसका पूरा जीवन बदल दिया । वह सोचती हैं कि वह ६.०० बजे उठ रही हैं, हालांकि वह ५.३० बजे ही उठ रही हें । अपने इस समय का उपयोग वह ध्यान में पढ़ने में या वर्जिश करने में लगाती हैं । अब वह अपने अंदरूनी जीवन का खयाल रख रही हैं जिससे उसे अच्छे परिणाम मिल रहे हैं । उसका कारोबार पहले से ज्यादा सफल हो रहा हैं । उसका पारिवारिक जीवन कइ वर्षों बाद अच्छा चल रहा हैं । ऑर वह खुद को अविश्वसनीय रूप से खुश महसूस कर रही हैं । मुझे पता हैं कि यह नीति मूर्खतापूर्ण लग रही हैं- लेकिन यही कारगर साबित हो। रही हैं ।

तो ५ बजे के क्लब में शामिल हो जाइए । बिस्तर के साथ की जंग में जीते । गद्दे के ऊपर ध्यान रखें और जल्दी उठे ।

३० दिनों का समय दें- मेरे पसंदीदा ग्राहकों में से एक हैं नासा । अपने लोगों की नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए वह हमारे ग्रो द लीडर कायशाला का आयोजन करते हैं । इस संगठन के प्रति मुझे बेहद प्यार हैं क्योंकि यह वाकइ विश्वस्तरीय हैं । नासा में मैंने एक बात सीखी ऑर वह यह कि जब अंतरिक्यान विश्व के पूरे सफ़र में जितने इंधन का इस्तेमाल नहीं करता उससे अधिक इंधन का इस्तेमाल उड़ने के पहले करता हैं । क्यों? क्योंकि शुरु में गुरुत्वाकर्षण की जबरदस्त ताकत से लड़त हुए उसे ऊपर उड़ना होता हैं । ऑर जब वह एक बार उड़ जाता हॅ- वह आसानी से आसमान में उड़ता रहता हैं । यह बहुत ही शक्तिशाली सोच हैं जिस पर विचार करना चाहिए। निजी परिवर्तन शुरुआत में बहुत ही सुश्किल होता हैं । यह एक दिन या एक सप्ताह में नहीं होता । अपनी पुरानी आदतों से बाहर आने के लिए समय लगता हैं । लेकिन आज से चार सप्ताह बाद आपका जीवन बहुत ही अच्छा बन जाएगा । अगर आप इस युक्ति का चयन करें । जीवन में नई आदत स्थापित करने के लिए हमेशा ३० दिन का समय दें ।

तो ५ बजे के क्लब में शामिल हो जाए । बिस्तर के साथ की जंग में जीते । गद्दे के ऊपर ध्यान दें और जल्दी उठे । और बेंजामिन फ्रेंकलिन ने एक बार जो बात कही है वह याद रखें : "मौत के बाद सोने के लिए समय ही समय है ।" होशियार इंसान ।

६३

सफलता शब्द को मटमेला किसने बजाया?

बहुत सारे लोगों का मानना है कि सफल होने का लक्षय पाना मतलब कुछ गलत बात है। बहुत सारे लोग उन लोगों के बारे में फुसफुसाते हैं जो अपना लक्षय निर्धारित करने और उसे साकार करने के लिए समर्पित होते हैं । इस समय मैंने बहुत सुना है कि, अगर आप सफलता के प्रति समर्पित है तो आपको सुझाव दिया जाता है कि आप लोगों के साथ संबंध नहीं रखें और अंतर बना कर रहिए । इसका तात्पर्य यह है कि लक्षय के प्रति समर्पित इंसान दयालु, समाज के प्रति जागरुक और अच्छे इंसान का तालमेल नहीं बिठा सकता । कोरी बकवास है ।

महत्व बनाम सफलता पर मेरा मुद्दा कुछ इस प्रकार है : एक असाधारण जीवन में दोनों चीजें शामिल है । जीवन में दोनों का संतुलन बनाना जरूरी है। मुझे लगता है कि सफलता के बिना जीवन खोखला लगने लगता है। हमें मानव बनाने में सबसे बड़ा हिस्सा उस भूख का है जो हमें अहसास कराता है कि हमें जो जीवन का उपहार मिला है उसे अच्छी और पूरी तरह से जीना है । हमें श्रेष्ठ बनने के लिए ही बनाया गया हैं, और उच्च उपलब्धि हासिल करना हमारी रचनात्मकता का केवल प्रतिबिंब है । आप जितना ज्यादा सार्थक काम करेंगे उतने ही ज्यादा अपनी प्राकृतिक रचनात्मकता को उन्मुक्त कर पाएंगे । सफलता एक रचनात्मक कार्य है। साथ ही यह एक बहुत ही पूर्ति के अच्छे रास्तों में से एक है, अगर आप काम और जीवन का बेहतर संतुलन बनाएं । मैंने पाया है कि काम में पूरी तरह सार्थकता पाने पर कुछ चीजें हमें महान होने का अहसास दिलाती है। महत्वपूर्ण काम करने से हमारी खुशी में बढ़ावा होता है । सफलता हममें खुशी जगाती है । और मेरा मानना है कि सार्थकता के बिना, हम इस विश्व में निरर्थक घूम रहे हैं । बेकार में घूम रहे हैं । बिना सार्थक योगदान दिए मिली सफलता दिल को मसोस कर रखती हैं ।

जब आप सफलता का पीछा कर रहे होते हैं, मैं आग्रह करता हूं कि आप जीवज उच्चस्तर पर उठाने के प्रति समर्पित रहे,

उसे छूए और जो आपने पाया है उससे बेहतर जिंदगी जी सकते हैं

इस दुनिया में उल्लेखनीय सफ़लता पाने के लिए एक श्रेष्ठ कलाकार के रूप में आवश्यक कदम उठाना कुछ भी गलत नहीं है । सफलता वास्तव में स्वस्थ स्वयं का प्रतिबिंब है । लेकिन जब आप सफलता का पीछा कर रहे होते है, मैं आग्रह करता हूं कि आप जीवन उच्चस्तर पर उठाने के प्रति समर्पित रहे, उसे छूए और जो आपने पाया है उससे बेहतर जिंदगी जी सकते हैं। यही एक महत्वपूर्ण मुद्दा है । इन दोनों के साथ आप श्रेष्ठ जीवन की खोज कर सकते हैं ।

६४

जीवन में महानता पाएं

जीवन एक कला है । और किसी भी अन्य कला की तरह, एक बार आपको जमीनी नियमों का पता चल जाए और आप नियमित अभ्यास करें, तो आप उसमें बेहतर बन सकते हैं। कई गुना ज्यादा बेहतर । अगर आप वाकई अपने जीवन के प्रति समर्पित है, आप महारत हासिल कर सकते हैं । जो कुछ लोगों ने हासिल की है ।

श्रेष्ठ जीवन पाने का सुझाव देते हुए मैं आपको तीन आसान बातें बता रहा ह :

जीवन के प्रति ध्यान दें- आप जिस स्थान पर खड़े रहना चाहते हैं, इतने वर्षों में आपने जो सीखा हें ऑर जो एक विरासत आप आगे लेकर जा रहे हैं । उस पर समय को प्रतिबिंबित होने दें । जिस तरह रेत हाथ से फिसलती हैं, उसी तरह समय भी अपने हाथ से फिसलता हें ऑर फिर कभी लोंट कर नहीं आता । अपनी प्रतिभा को जानने के लिए समय का इस्तेमाल करे । एरमा बोम्बेक की एक पॉक्त ने मुझे सोचने पर मजबूर किया : "जीवन के अंतिम समय में मैं जब भगवान के सामने खड़ी हो जाऊंगी, मुझे उम्मीद हैं कि मैंने भगवान ने मुझे जो दिया हैं उस प्रतिभा का पूरा इस्तेमाल किया होगा ऑर में उससे कह सकूंगी कि आपने जो मुझे दिया। उस सभी का मैंने उपयोग किया । " इसे प्रति दिन सुबह काम पर जाने के पहले अपनी डायरी में लिखने का प्रयास करें । अपने उन लक्षयों के बारे में सोचे जो आप पूरा करना चाहते हैं ऑर, सफलता पाना चाहते हैं, उसे भी डायरी में लिखें । अपने सबसे करीबी मूल्य के बारे में सोचे । पिछले दिनों से आपने क्या सबक सीखा इस बारे में सोचे । अगर आप इन बातों से कुछ सबक नहीं ले पाए तो इससे बड़ी गलती क्या हो सकती हैं?

जीवन को व्यस्त रखें - एंजलिना जोली ने जब कहा कि जिंदगी जीने का एकमात्र तरीका यह हैं कि इसे पागलों की तरह जिएं, बिलकुल सही हैं । जब में बड़ी हो गई मैंने जीवन से कुछ सीखा : आप जिंदगी को जो देते हैं वहीं आपको वापस मिलता हैं । अपना श्रेष्ठ दान करें । पिछली रात को कुछ दोस्तों के साथ खाना खाते वक्त हमने लक्षय को स्थापित करने पर बातें की । एक मित्र ने कहा, "अगर जिंदगी अनिश्चित हैं तो लक्षय स्थापित करने का क्या मृतलब हैं?" इस पर मेरा जवाब था : "इसलिए क्योंकि जीवन अनिश्चित हैं इसका मतलब यह नहीं कि आप अपनी शक्ति का प्रयोग श्रेष्ठ बनने के

लिए न करें । आप लक्षय स्थापित करें । अपनी योजनाएं बनाए, कार्रवाई करते हुए अपने सपनों का पीछा करें । यही वह पूरी तरह निजी जिम्मेदारी हैं । लेकिन जब आप अपना श्रेष्ठ काम करेंगे- उसी तरह चलने दीजिए ऑर जीवन पर आगे की जिम्मेदारी सौंप दीजिए । "

जीवज के अंत में एक करोड़पति को भी एक कचरा साफ करने वाले की बगल में दफनाया जाता है । जीवन मिट्टी बन जाता है, इसलिए कुछ मजा करें ।

जीवन का आनंद लें - हम जीवन को बेहद गंभीरता से लेते हैं । जीवन को अपना आगे का काम करने दीजिए । जीवन के अंत में एक करोड़पति को भी एक कचरा साफ़ करने वाले की बगल में दफनाया जाता हैं । जीवन मिट्टी बन जाती हैं, इसलिए कुछ मज़ा करें । मिगनॉन मॅकलफिन का कहना हैं- "हम में से कुछ लोग महान कृतियां लिखते हैं जिन पर हम सभी जी सकते हैं ।"

६५

स्टीव जॉब्स के प्रश्न

स्टीव जॉब एक बहुत ही दिलचस्प इंसान है। कितने लोग २० वर्ष की उम्र में ही अपने गैरेज में अरबों डॉलर का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं? कितने लोग तीन अलग-अलग उद्योगों का नेतृत्व कर सकते है? (संगीत- संगीत के क्षेत्र में आइपॉड ने क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिया; फिल्में- पिक्सर विश्व का सर्वश्रेष्ठ एनिमेशन स्टुडियो है और कम्प्युटर- उपयोग में आसान और सुंदर डिजाइन के प्रति समर्पित) । लेकिन मुझे स्टीव जॉब की दार्शनिकता में एक साजिश नजर आती हैं ।

जॉब को जब भी बड़े चुनाव का सामना करना पड़ता है वह खुद से सवाल पूछता है कि अगर आज मेरे जीवन का यह आखरी दिन हैं तो मैं क्या कर सकता हूं? इस सवाल के पीछे एक शक्तिशाली विचार है। वह अपनी पत्नी से इसी तरह मिला ।

कुछ वर्ष पहले वह एक विश्वविद्यालय में भाषण दे रहा था । वह सामने दर्शकों में बैठी थी । उसे देखते ही उसे कुछ हुआ और उसने कार्यक्रम खत्म होने के बाद उससे संपर्क किया । उसने उसे अपना फोन नंबर दे दिया । वह उसी रात उसे रात के खाने के लिए बाहर ले जाना चाहता था, लेकिन किताबों को लेकर उसकी कुछ व्यावसायिक मीटिंग थी । जीवन भी किताबों की तरह ही है। कार की तरफ लौटते हुए उसने खुद से सवाल पूछा जिसे मैं स्टीव जॉब का सवाल कहता हूं- "अगर आज की रात मेरे जीवन की आखरी रात होती तो मैं क्या करता?" आप और मैं उसके जवाब को अच्छी तरह जानते हैं । वह सभागार में वापस गया, उस महिला को ढूंढा और उसे बाहर ले गया । उसके बाद से वह दोनों साथ ही रह रहे हैं ।

अगर आज की रात मेरे जीवन की आखरी रात होती तो मैं क्या करता?

देखिए, मुझे पता है कि जीवन में हम सभी को व्यावहारिक होना चाहिए । मुझे यह

भी पता है कि स्टीव जॉब का सवाल हर स्थिति में खुद से पूछ नहीं सकते । लेकिन जैसा कि मैंने मेरी किताब व्हू विल क्राई व्हेन यू डाइ? लिखा है, अपनी नश्वरता के बारे में सोचना ज्ञान का एक बड़ा स्रोत है, जो याद दिलाता है कि इस भौतिकवादी दुनिया में आप लंबे समय तक नहीं रहने वाले- भले ही आप कितना भी जिएं- यह अपने जुनून को आगे ले जाने का शानदार तरीका है । जोखिम को बढ़ावा देता है जिससे हम जीवन को गहराई से समझ सकते हैं । आपके लिए जो सबसे महत्वपूर्ण है उस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मौत की बात से जुड़ना एक शानदार अभ्यास है। इसके पहले कि इसमें देरी हो ।

६६

आपके धैर्य में कौन सी कमी है?

मैं अपनी बेटी के साथ स्केटबोर्डिंग करने के लिए अभी बाहर ही निकला था । आज मैंने उसके लिए एक नया हेल्मेट, आर्म पैड और बोर्डिंग जूते खरीदे थे । वह किसी नाटक की प्रापर्टी की तरह नजर आ रही थी । अब उसे सिर्फ सवारी करना सीखना था ।

उसे अपना नया सामान बहुत ही पसंद आया था । उसके लिए स्केटबोर्डिंग एक आकर्षक और परिपूर्ण खेल था । इसलिए हम मजा करने के लिए बाहर निकले थे, जब उसने मेरी ओर देखा और कहा कि, "पिताजी मुझे मेरे धैर्य में कुछ कमी नजर आ रही है ।" क्या पंक्ति थी । प्रफुल्लित करने वाली । उसने मुझे सोचने पर मजबूर किया ।

मेरे धैर्य में क्या कमी है? मेरी प्रामाणिकता में क्या कमी है? मेरे सबसे अच्छे जीवन में क्या कमी है? चुनाव के पहले जागरुकता आती हैं और परिणाम के पहले चुनाव । (अब मैं इस पंक्ति को दोहराना बंद करता हूं, वह अविश्वसनीय रूप से महत्वूपर्ण है ही ।) अपने जीवन को सुधारने के लिए जिस चीज की जरूरत है उसके साथ आप बेहतर विकल्प बना सकते हैं । और बेहतर विकल्पों के साथ आप बेहतर परिणाम पा सकते हैं । वास्तव में हम हमारी कमजोरियों को खत्म ही नहीं कर सकते क्योंकि वह हमें पता ही नहीं होती ।

जब हम मृत्युशय्या पर होते हैं उस समय हमें सबसे बड़ा अफसोस चिंतनशील न होने का होता है । गहन चिंतन के साथ सोचने के लिए हमने पर्याप्त समय नहीं दिया । यह आपके साथ न होने दें । सोचने के लिए समय दे । खुद से पूछे कि जीवन को सुधारने के लिए किस चीज की जरूरत है। खुद से पूछे कि कौन सी जरूरतें हैं जो पूरी करनी है । खुद से पूछे कि जीवन जीने के लिए आपको किन मूल्यों की जरूरत है । खुद से पूछे कि आप कितने असाधारण हो । आप भीतर से कितने बंद हो, कितने दिलचस्प (और कितनी दिलचस्पी) आपमें है- आप कितने धैर्यवान है? उसके बाद अपने जीवन को अपना संदेश बनाएं । और अपने जीवन के धैर्य में से किसी भी चीज को खो जाने न दें ।

जब हम मृत्युशय्या पर होते हैं उस समय हमें सबसे बड़ा

अफ़शेषु उस बात का होता है कि हम काफी चिंतनशील नहीं थे
।

६७

बिजा पूछे कुछ जहीं मिलता

इस प्रकरण को लिखते वक्त मैं हवाई जहाज में बैठा था । ३५,००० फीट की ऊंचाई पर मुझे अच्छा लगता है । न कोई ध्यान भंग करने वाला है, और न ही कोई रुकावट । सिर्फ सोचने का समय । सिर्फ एक ही समस्या थी- मैं अपना पानी भूल गया था । इस बार में मैं आपको बताता हूं ।

हवाई यात्रा के दौरान ज्यादा से ज्यादा पानी पीना मेरी अच्छी आदतों में से एक है । हवाई जहाज में मैं ढेर सारा पानी पीता हूं । एक लीटर पानी मैं आराम से पी जाता हूं, इससे निर्जलीकरण रुकता है । यह मुझे सक्रिय रखता है और मन को तरोताजा भी । कई बड़े विचार मैंने हवाई जहाज में ही सोचे । यही वजह है कि हवाई जहाज से उतरने के बाद, मुझे थकावट नहीं आती और मैं घर पर जाकर बच्चों के साथ खेलता हूं । लेकिन इस हवाई जहाज में बैठने के पहले- जुड़ा हुआ दूसरा हवाई जहाज पकड़ने की जल्दबाजी में मैं अपनी पानी लाने की प्रथा भूल गया था। मैं अपना एक्का (पानी का ब्रांड) लेना भूल गया था । तो सोचिए मैंने क्या किया होगा? मैंने पानी मांगा ।

पूछने में बुराई जहाँ

मैं फ्लाइट अटेंडेट के पास गया और उसे बताया कि मैं बहुत पानी पीता हूं और अगर हवाई जहाज में पानी की बड़ी बोतल होगी तो क्या वह मेरी मदद करेगी । मुझे पता था कि वह सिर्फ एक या दो ग्लास पानी देते है, लेकिन मेरा मानना था कि अगर मैं पूछूंगा तो उसमें कोई बुराई नहीं है। मेरे लिए जीवन जीने की कोशिश करने का यह एक आयोजनात्मक सिद्धांत है- और उससे मुझे फायदा भी हुआ है । मैं बहुत ही विनम्र था । मैंने जबरदस्ती नहीं की । मुझे जो चाहिए था वह सिर्फ मैंने मांगा था ।

उसने उत्तर दिया- "खुशी के साथ दे सकती हूं ।" और इसके साथ वह अपनी धातु की ट्रॉली लेकर आई। उसे खोला और उसमें से मुझे डेढ़ लीटर विटेल पानी की बोतल दी । एकदम सही। तो मैं यहां बैठा हूं, अच्छी तरह और बिना निर्जलीकरण हुए। अपने

आईपॉड पर बूजू बेजों की बहुत ही अच्छी सीडी सफर पर लिखी किताब द स्पिरिट टू सर्व पढ़ रहा हूं । इस उड़ान में मुझे जेट लैग महसूस नहीं हुआ । बिलकुल मौका नहीं था, क्योंकि मैंने पूछ लिया था ।

६८

अपनी मेड छोड़ कर काम करें

व्यापार में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मेज के पीछे रह कर नहीं किया जा सकता । वह अच्छी तरह जानते हैं कि व्यापार लोगों के साथ जुड़ कर किया जाता है । जब लोग आपसे प्यार करते हैं, आपको जानते हैं और आप पर भरोसा करते हैं उसी वक्त वह आपकी मदद करेंगे । यह इसी तरह है क्योंकि यह इंसानी फितरत है ।

जो अच्छे प्रबंधक होते हैं वह अपनी मेज से उठ कर अपनी टीम के सदस्यों के साथ सार्थक बातचीत करते हैं । वह अपने उत्साह को संक्रमित करते हैं, और जब तक कोई उनका हाथ आपके हाथ में दे, वह उनके दिल को छू लेते हैं । बेहतरीन विक्रेता वह है जो अपनी मेज से उठ कर अपने ग्राहकों के साथ खाना खाता है। वह संबंधों को बेचने की ताकत को बखूबी जानते हैं । (बड़ी सोच : लोग उत्पाद और सेवा नहीं खरीदते- वह लोग और संबंध खरीदते हैं) बेहतरीन कर्मचारी अपनी मेज से उठ कर अपने साथियों के साथ जुड़ जाता है, उन्हें समर्थन देता हैं और उनमें उत्साह फैलाता है ।

व्यापार में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मेज के पीछे रह कर नहीं किया जा सकता । वह जानते हैं कि व्यापार लोगों से जुड़ कर किया जाता है ।

मैंने अपने निजी जीवन में ज्यादा से ज्यादा समय दफ्तर के बाहर निकलने की कोशिश की है । मुझे अपनी टीम से बेहद प्यार है और वह जानते हैं कि वह क्या कर रहे है । उन्हें अब मेरी जरूरत महसूस नहीं होती । वह बिना पद के पूरी सशक्तता के साथ नेतृत्व कर रहे हैं । मैं उनके रास्ते में सिर्फ उस वक्त आता हूं जब मैं ज्यादा यहां-वहां घूमता रहता हूं । मुझे मेरे सुधी पाठकों से मिलना ज्यादा जरूरी लगता है । मुझे बाहर निकल कर अपने प्यारे ग्राहकों को विश्वस्तरीय संगठन बनाने में मदद करना ज्यादा जरूरी लगता है । मैं नए विचारों को ढूंढने और दिलचस्प अंतदृष्टी से अपनी नई किताब,

नया भाषण, पॉडकास्ट या ब्लाग के लिए नए विचार सीखने के लिए बाहर जाना ज्यादा जरूरी समझता हूं। अपनी मेज के पीछे बैठे रहना मैं मानता हूं मेरी सबसे बुरी जगह है । बिना कागज का दफ्तर? मेरे जीवन में तो यह कभी नहीं हो सकता । बिना मेज का दफ्तर? मुझे सिर्फ एक साल दीजिए ।

६९

जेतृत्व के लायक बजे

आप अच्छी तरह जानते हैं कि मैं एक सकारात्मक संदेश फैलाने वाला इंसान हूं जो आप तक बेहतर बनने के लिए पूरी तरह स्वस्थ और अच्छे स्वरूप में रहने का विचार पहुंचा रहा हूं । सशक्त शरीर बनाना यह जीवन की एक अच्छी चाल है जो आप चल सकते हैं । वर्जिश करने से आप अच्छे दिखते हैं, आपमें असीम उर्जा बनी रहेगी, आप में ताकत आएगी और आप खुश भी रहेंगे ।

पिछला सप्ताह मेरे जीवन में बदलाव का बेहतर समय रहा है । मैं अपने व्यवसाय को नए सिरे से अधिक ध्यान केंद्रित कर, तेजी से चलाने की योजना बना रहा था। मैंने अपने सहयोगियों को इतना अच्छा प्रशिक्षण दिया है कि नए मानक और लक्षयों को वह अच्छी तरह जानते हैं । मैं अपने आप को ज्यादा से ज्यादा कार्यरत कर रहा हूं ताकि बेहतर परिणाम निकले । और मैं अपने सपनों का वजन उठा रहा हूं । बहुत बडे फर्क की मुझे जरूरत महसूस हो रही है । पूरी भावना से मुझे ऐसा लग रहा है । जब मैं इन सबसे गुजर रहा था, एक ऐसा अभ्यास था जो मेरी अच्छी तरह मदद कर रहा था और वह था प्रति दिन वर्जिश करना । जिम मेरे लिए एक दैनिक तीर्थस्थल बना था ।

मुझे याद है एक पेशेवर भाषणकर्ता पीटर उर्स बेंडर ने मुझसे एक बार कहा था- "रॉबिन, कुछ लोग प्रति दिन चर्च में जाते हैं, और मेरे लिए मेरा चर्च मेरा जिम है । और मैं वहां प्रति दिन जाकर आशीर्वाद लेता हूं । साथ ही मुझे यह भी याद है कि हमारी नेतृत्व विकास कार्यशाला में हिस्सा लेने वाले एक शख्स ने कहा था, "वर्जिश करना एक जीवन बीमे की पॉलिसी की तरह है जो मैंने अपने जीवन के लिए निकाली है । और प्रति दिन जिम में जाने का मतलब मैं बीमे की किश्त चुका रहा हूं ।" हाल ही में किताबों पर हस्ताक्षर करते हुए एक व्यक्ति ने मुझसे कहा- "अच्छी सेहत एक सशक्त व्यक्ति के सिर पर ताज जैसी दिखती हैं और जो बीमार है उसे ही वह ताज नजर आता है ।" बहुत ही अच्छी बातें । बुद्धिमान इंसान ।

मैं कितना भी व्यस्त क्यों न हूं, कितना भी दबाव मेरे कंधों पर क्यों न हो अच्छी तरह वर्जिश करने के बाद मुझे आराम मिलता है । ट्रेडमिल से उतर कर आने के बाद खुद को मैं आरामदायक महसूस करता हूं, बेहद खुशी मिलने के साथ मैं मेरे आगे रखे मुद्दों पर

सकारात्मक दृष्टीकोण से देखने लगता हूं । दौड़ते वक्त मुझे कई अच्छे और बेहतर विचार आए हैं और वजन उठाते वक्त मैंने उन विचारों को एक आकार दिया है । सशक्त होने की वजह से मैं खुश और सकारात्मक बना हूं । देखिए, मुझे पता है कि मैं मि. यूनिवर्स नहीं हूं, लेकिन मैं अपने स्वास्थ्य की अच्छी देखभाल करता हूं, जिसकी वजह से मेरी जिंदगी कई गुना अच्छी, अधिक उत्पादक और बेहतर बने । अगर मैं न भी चाहूं तो भी लंबे समय तक जी सकता हूं। और मेरे लिए यही सबसे अच्छी बात है ।

"अच्छी सेहत एक सशक्त व्यक्ति के सिर पर ताज जैसी दिखती हैं और जो बीमार है उसे ही वह ताज जजर आता है ।"

७०

अतिवादी नेतृत्व और बच्चों के कपड़े

इस प्रकरण को लिखने के कुछ समय पहले ही मैं उस दर्जी से मिल कर आया था जो मेरे बच्चों के स्कूल के कपड़े ठीक कर देता हैं । मैं उसे लंबे समय से जानता हूं और वह हमेशा हमारे साथ अच्छी तरह पेश आता है । वह पिछले ४० वर्षों से इस क्षेत्र में हैं । मैंने सोचा कि चलो उसकी आंखों से देखते हैं कि उसने अपने व्यवसाय को सफल और स्थायी कैसे बनाया । मैंने अपने आप से सवाल पूछने शुरू कर दिए ।

रॉबिन, हम हमारी दुकान में चार सरल सिद्धातों का पालन करते हैं । ग्राहकों ने मुझे जीवन भर काम दिया हैं । वास्तव में बचपन में मैंने अपनी मां से यह सीखा है । मेरी मां उन सबसे आश्चर्यजनक लोगों में से एक थी जिन्हें मैं जानता था । यह कह कर वह थोड़ी देर रुका और फिर उसने कहा, मुझे उसकी बहुत याद आती है ।

मुझे लगता है मैंने नेल के चार सिद्धांत बांट दिए हैं । आप अपने मानकों को बढ़ाते हुए काम में ज्यादा तेजी से चमक सकते हैं - और अपने घर पर भी ।

एक बुद्धिमान दर्जी की ओर से नेतृत्व पर चार पाठ :

सुधारना – हमेशा काम लें और बेहतर करें । औसत दर्जे पर कभी समझौता न करें ।

निरीक्षण - आप जिन लोगों का काम कर रहे हो उनसे बातें करो, वास्तव में उनकी सुनें ऑर व्यवसाय पर अच्छी तरह ध्यान दें । क्योंकि अगर आप परीक्षण करोगे तो ही उम्मीद बनी रहेगी ।

जुड़ जाएं - लोगों के साथ अच्छी तरह पेश आएं । अपने ग्राहकों को सम्मान दें । उन्हें महत्व दें । उनकी किसी भी शिकायत को तेजी से दूर करने का प्रयास करें ऑर उनका खयाल रखें ।

स्वीकार करें - स्थिति बदलती हैं, प्रतिस्यधf बढ़ती हैं । अनिश्चितता नङ्घ सामान्य बात हैं । तेज रहे, लचीला रहे, फुर्तीले रहे ।

७१

संपत्ति के सात रूप

मैंने अभी अभी अमेरिकन एक्सप्रेस, इन्फोसिस, गैप और डेल जैसी कंपनियों के प्रबंधकों और अधिकारियों के लिए आयोजित पूरे दिन की संगोष्ठी ली । कमरे में उपस्थित लोगों ने मुझसे कहा कि मेरा एक वह विचार उन्हें अन्य विचारों में सबसे ज्यादा अच्छा लगा जिसमें मैंने संपत्ति के सात रूपों की जानकारी दी थी । यह विचार मैं पिछले एक वर्ष से मेरे कंपनी ग्राहकों के साथ बांटता आया हूं ।

मेरा मानना है कि संपत्ति सिर्फ पैसे कमाने से ही नहीं बनती । खुद को अमीर कहलवाने के पहले आपको वास्तव में उन सात चीजों को विश्वस्तरीय स्तर पर उठाना जरूरी है । यह है उन सात चीजों की पहचान ।

अंदरूनी संपति । इसमें सकारात्मक मानसिकता, उच्च आत्म सम्मान, आंतरिक शांति और एक मजबूत आध्यात्मिक संबंध शामिल हैं ।

शारीरिक संपत्ति । आपका स्वास्थ्य ही आपकी संपति है । उस सफलता क्या अष्ट है जिसे कॅरिअर के रूप में आप उच्च स्तर पर देखना चाहते हैं ऑर उसे पाते हुए आप बीमार हो जाए? सबसे अच्छा व्यावसायिक अस्पताल के वार्ड में क्यों हें? सबसे अमीर व्यक्ति कब्रिस्तान में क्यों?

पारिवारिक और सामाजिक संपत्ति । अगर आपका पारिवारिक जीवन खुश है तो आप काम में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे । परिवार को प्राथमिकता देने कापछतावा जीवन के अंत में किसी को भी नहीं होता । इससे संबंधित अपने मित्रों और निजी समुदाय के सदस्यों के साथ (आकाओं, आदर्श और सलाहकारों सहित) गहरे संबंध बनाना भी अनिवार्य हें ।

कैरिअर संपति । अपने कॅरियर में सर्वश्रेष्ठता तक पहुँचने के लिए अपनी उच्च अंतशक्ति की वास्तवता को पहचानना महत्वपूर्ण है । अपने पेशे में महानता प्राप्त करना एक अच्छा काम करने का संतोष प्रदान करता है । वह आपको आपका स्थान बनाने में मदद करता है । अपने काम में विश्वस्तरीय होना आपके आत्मसम्मान के लिए अच्छी बात है ।

आर्थिक संपत्ति । हां, पैसे महत्वपूर्ण होते है । यह जीवन की सबसे महत्वपूर्ण बात नहीं हैं, लेकिन महत्वपूर्ण है । यह जीवन को आसान और बेहतर बनाता है । पैरों से आप रहने के लिए एक अच्छा घर ले सकते हैं, छुट्टियां अच्छी तरह बीता सकते हैं और वह सब चीजें प्राप्त की जा सकती हैं जो आपको पसंद है । और जैसे कि आउटडोअर गियर कंपनी पेटागोनिया के संस्थापक यूआन चौइ्नार्ड ने कहा था जितना ज्यादा मैं कमाता हूं उतना ही ज्यादा मैं देता ची हूं ।

खुद को अमीर कहलवाने के पहले आपको वास्तव में उन सात चीजों को विश्वस्तरीय स्तर पर उठाजा जरूरी है ।

साहसिक संपति । अपने जीवन की गुत्थियां सुलझाने की हम सबको जरूरत होती हैं । खुशी के लिए चुनौती आवश्यक है । मानव मस्तिष्क में नवीनता की अभिलाषा रहती है । और अगर हम हमेशा खुश रहना चाहते हैं तो हम लगातार रचनात्मकता करते रहें । अत्यधिक साहस (नए लोगों से मिलने को लेकर नङ्ग जगहों पर जाने तक) प्रामाणिक धन का एक अनिवार्य तत्व है ।

प्रभाव संपत्ति । शायद मानव हृदय की गहरी आकांक्षा यह है कि स्वयं से ज्यादा दूसरों के लिए अधिक जीना । खुद को अलग बनाने के लिए हम में से हर एक की यही इच्छा होती है । पता चलता है कि दुनिया किसी न किसी तरह से बेहतर बन रही हैं क्योंकि हम इस ग्रह पर चल रहे हैं । रिचर्ड बाख ने एक बार जो लिखा हैं उस पर गॉर करें : इस ग्रह पर आपका आने का अभियान खत्म हुआ या नहीं इसका परीक्षण इस बात से किया जाता हैं : अगर आप जिंदा हैं तो आपका परीक्षण खत्म नहीं हुआ ।

अगर आप सच्ची संपत्ति पाना चाहते हैं तो इन सात तत्वों पर ध्यान केंद्रित करें । सिर्फ पैसा ही असली संपत्ति का अनुभव नहीं है । दुनिया में कई ऐसे अमीर लोग हैं जो दुखी है और एक इंसान के रूप में असफल । इन सात तत्वों को उच्च स्तर तक ऊपर उठाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने से न आप सिर्फ चमकेंगे बल्कि आपके इर्दगिर्द के लोगों में उभर कर भी आएंगे- और आपको संतोष भी प्राप्त होगा ।

७२

यू२ माजकों को लागू करें

यू२ विश्व का सबसे अच्छा और बेहतर रॉक बैंड है । लेकिन सिर्फ इसी एक वजह से मैं इसे पसंद नहीं करता । हां, बेशक उनका संगीत लाजवाब है, उनके गीत अकसर गहराई भरे होते हैं, उनका प्रदर्शन कमाल का होता है (अगर आपको इस बात में कोई शक है तो उनका डीवीडी गो होम : लाइव फ्रॉम स्लेन कैसल घर ले आए और उसे देखें)। लेकिन सच में मुझे यू२ की जो बात अच्छी लगी वह यह कि चोटी के स्थान पर होते हुए भी वह प्रति दिन बेहतर से बेहतर प्रदर्शन देने की कोशिश करते हैं । उनके लिए पैसा ही सब कुछ नहीं है और न ही प्रसिद्धी । यह भी नहीं कि किसी पत्रिका के मुखपृष्ठ पर आएं । वह अपने मानक के नीचे की कोई भी चीज स्वीकार करने से इनकार करते हैं । जैसा कि बोनो ने अवलोकन किया है : "यही यू२ की खासियत है। बैंड हमेशा यह सोचता है कि, वह पहले से यहां नहीं है बल्कि वह अभी भी आए हैं ।" बहुत ही सुंदर ।

सभी महान नेता, लगातार आविष्कार करने वाले, सफल उद्यमी और रचनात्मक काम करने वाले सुपरस्टार अपने जीवन में कुछ खास काम करने का प्रयास करते हैं और उनकी नएपन के खोज की उत्कंठा आत्मा की गहराई तक पहुंची होती है । इन में से हर एक के दिल में काम करने की आग लगी होती है । आप उसे उनकी अतृप्त भूख भी कह सकते हैं या फिर यह भी कह सकते हैं कि वह अस्वस्थ है और उनमें संतोष की कमी है । और जैसा की मैंने पहले प्रकरणों में कहा कि यह वही लोग है जिन्होंने दुनिया में तरक्की की है । यह वही महिला और पुरुष हैं जिन्होंने व्यवसाय और संगठनों का शानदार निर्माण किया और हमारे जीवन का महत्व बढ़ा दिया है । जिन्होंने अपनी प्रतिभा का आविष्कार करते हुए जो चीजें बनाई हैं वह उन चीजों ने हमारा जीवन आसान बनाया है। वैज्ञानिकों ने बेहतर स्वास्थ्य और लंबा जीवन जीने में हमारी मदद की है । ऐसा भी इंसान हैं जिन्होंने हमें सुंदर कला और बेहतर संगीत की आनंद दिलवाया । श्रेष्ठता वहीं आती है जो अपने काम से कभी भी संतुष्ट नहीं होते फिर भला वह कितना भी अच्छा क्यों न दिखता हो । हां, हर किसी को अपने जीवन में खुशी ढूंढ ही लेनी चाहिए । और हमें सफर का आनंद लेना चाहिए । निश्चित ही । मैं जहां भी जाता हूं इस सकारात्मक संदेश को फैलाने का काम करता हूं । बिना किसी शक के जीवन का संतुलन महत्वपूर्ण है ।

यह मैं इसलिए बता रहा हूं क्योंकि हम में से कुछ लोग अतिवादी हो गए हैं । खुशी, मन की शांति और संतुलन का पीछा करते हुए हम प्राकृतिक प्रवृत्ति को छोड़ कर जीवन के महामार्ग में आने वाला कल शानदार बनाने की कोशिश कल का रास्ता बंद करते हुए करते हैं । इसे करते हुए वह संतुलन खो देते हैं । और जीवन जीने का वह कारण खो देते हैं जो हैं : कुछ नया करें, चमकते रहे और महान बने ।

श्रेष्ठता वहीं आती है जो अपने काम से कभी भी संतुष्ट नहीं होते फिर भला वह कितन्ना भी अच्छा क्यों ज दिखता हो ।

इसलिए यू२ मानक को लागू करें । प्रति दिन- जब तक की आप आखरी सास ले रहे हो । ऐसा सोचे कि आप अभी भी आए हैं- न कि पहले से ही हो । आप जो कर रहे हैं वह उसमें महारत हासिल करने, प्रतिभा और उत्कृष्टता लाने की तडप होनी चाहिए । इसके बाद आप उन दुर्लभ लोगों कीसूची में जुड़ जाएंगे जो जीवन के अंत में कम पछतावा और थोड़ा ही पश्चाताप महसूस कर रहे थे। आपको इस बात की खुशी होगी कि आपने जीवन का सार निचोड़ कर जीवन जिया है । आप उस असली खुशी की भावना को महसूस करेंगे जो हम में से ज्यादा तर महसूस करना चाहते हैं, लेकिन कुछ ही लोग इसे महसूस कर पाते हैं । जब आप स्वर्गलोग के इंतजार के कमरे में खड़े रहोगे- आपको शायद वहां पर बोनो नजर आए ।

७३

अधिक कमाने के लिए अधिक सीखें

आपको अगले स्तर पर ले जाने का एक बहुत ही साधारण विचार : अधिक कमाने के लिए आपको अधिक से अधिक सीखना होगा । आपको आपकी कंपनी के मालिक से जो मुआवजा मिलता है, वह आप कंपनी में अपना जो काम करते हैं उस पर तय होता हैं । आप जितना ज्यादा जानते हो, उतनी ही आपकी कीमत बढ़ जाती है। अधिक कमाने के लिए अधिक सीखे । अपनी स्पर्धा को अधिक से अधिक रूप में पहचानिए । उसका अधिक से अधिक अभ्यास करें । उसमें अधिक से अधिक सुधार करें। उसमें अधिक से अधिक सफल हो ।

मुझे याद है जब मैं वकील था और एक वकील के रूप में मैंने अपना कैरिअर शुरू किया था । मैंने एक बड़े वकील से पूछा था कि मुझे कैरिअर में सफल होने के लिए क्या करना चाहिए । उसने जो जवाब दिया उसे मैं कभी नहीं भूल सकता : "रॉबिन, इतने जानकार, सक्षम और प्रतिभाशाली बनो कि तुम्हारे बिना कंपनी काम ही न कर सके । कंपनी का अपरिहार्य हिस्सा बनो ।" बहुत ही शानदार सलाह । विकल्प के पहले जागरुकता आती है और परिणाम के पहले विकल्प । जब आप बेहतर करने के लिए क्या करने की जरूरत है यह जान लेते हैं तो उसके लिए नई जागरूकता विकसित करे । अच्छी जागरुकता के साथ आप अच्छे विकल्प ढूंढ निकाल सकते हो । और अच्छे विकल्पों के साथ आप बेहतर परिणाम देने की कोशिश करते हो । सीख और विश्व स्तरीय कौशल के लिए निवेश करना जीवन का सबसे श्रेष्ठ निवेश है । आप अपने काम में महारत हासिल करोगे और श्रेष्ठतम मुकाम पर पहुंच जाओगे ।

कृपा कर के मुझसे यह न कहें कि आप इतने व्यस्त रहते हैं कि आपको प्रति दिन सीखने के लिए ६० मिनट भी निकालना मुश्किल है । कुछ ऐसे सफल लोगों को मैं जानता हूं जो किताब पढ़ने, सीडी सुनने या फिर ऑनलाइन प्रशिक्षण लेने में कम से कम एक घंटा बिताते है । ज्यादातर लोग बहुत ही ज्यादा व्यस्त होने में ही व्यस्त रहते है । व्यस्त रहने के बजाय परिणाम लाने की कोशिश करें । रॉबिन शर्मा डॉट कॉम पर आपको जीवनभर प्रशिक्षित रहने के लिए मदद करने के लिए समृद्ध स्रोत मिल जाएगा । जिनमें मेरे ब्लॉग, पॉडकॉस्ट, मेरे पसंदीदा किताबों की सूची और आपको तेजी से श्रेष्ठ

बनाने के लिए अन्य जानकारी और अन्य बातों का खजाना मिल जाएगा ।

सीख और विश्व स्तरीय कौशल के लिए निवेश करना जीवन का सबसे श्रेष्ठ निवेश है ।

इसलिए आज ही पहला कदम उठाए । रात को टीवी देखने के बजाय पढ़ना शुरू करे । यह सीखें कि आपके पेशे के महान लोग शीर्ष पर रहने के लिए क्या करते है । जीवन का अधिक से अधिक कल्याण किस तरह किया जाए यह सीखें । समय को अपना गुरु कैसे बनाएं यह सीखें । और यह भी सीखें कि अपने जीवन को उच्चतम कैसे बनाए ।

७४

समझदारी की आँखों से देखे

यह बहुत ही दुखद तथ्य है कि लोग ज्यादा तर दूसरों की खामियां देखते हैं । वह अपनी क्रोध, भय और संकुचित सीमाओं से भरी आंखों से दूसरों को देखते है । अगर मीटिंग में कोई देरी से आता है तो उस पर नकारात्मक आरोप लगाते हुए वह कहते है- वह बहुत ही कठोर है । अगर कोई अपने व्यय रिपोर्ट में एकाध गलती करता है, तो वह भुनभुनाते है - वह बहुत ही बेईमान इंसान है । अगर कोई सूचना देने पर चूक जाता हैं तो वह कहते हैं- वह झूठी हैं । असली नेता अलग होते हैं । वह लोगों में अच्छाई देखते है । जीई कंपनी के पूर्व सीईओ जैक वेल्च ने बहुत ही अच्छी तरह कहा है : आपका सबसे महत्वपूर्ण काम है आपको लोगों को आगे बढ़ाना । उन्हें सपनों तक पहुंचने का मौका देना चाहिए ।

मैं यहां स्पष्ट करना चाहता हूं । मैं यह सूचित नहीं कर रहा हूं कि नेता वास्तविकता से दूर रहे । जब उन्हें जरूरत होगी वह कठोरता से पेश आए । जैसा कि मैंने पहले भी कहा है कि श्रेष्ठ इस बात की चिंता नहीं करते कि उन्हें पसंद किया जाएगा या नहीं- वह सिर्फ वहीं करते हैं जो उनकी अंतरात्मा कहती है कि सही है । मेरा कहने का मतलब यह है कि श्रेष्ठ नेता दूसरों को समझदारी की आंखों से देखते हैं । जब कोई देरी से आता है तो वह उसका कारण जानना चाहते हैं । हो सकता है उसका बच्चा बीमार हो या फिर उसकेआसपास की समस्या की वजह से वक्त पर आने का समय नहीं निकाल पाया हो । व्यय के खात में आई त्रुटि एकाध मामूली प्रक्रिया का परिणाम हो सकती है या फिर कर्मचारी का अव्यवस्थित होना । सूचना न देने के मामले में हो सकता है कि आप कमजोर हो- इसमें सुधार का अवसर है ।

आज, मैं आपको प्रोत्साहित करना चाहूंगा कि लेगों में बुराई ढूंढने के बजाय उनमें अच्छाई देखें । यकीनन कुछ लोग वाकई अविवेकी, बेईमान और निश्चित होते हैं । लेकिन मेरे अनुभव के मुताबिक- और मैंने पिछले कई वर्षों में कई लोगों के साथ काम किया है- ज्यादातर लोग अच्छे होते हैं । कुछ लोग सुबह उठ कर अपने आप से सवाल पूछते है कि : आज किसी का दिन खराब करने के लिए क्या करूं या अपनी विश्वसनीयता को कम आंकने के लिए क्या करूं या फिर कारोबार की तबाही के लिए क्या करूं? ज्यादातर लोग गलतियां जागरुकता की कमी की वजह से करते हैं । कुछ लोगों को

बेहतर क्या होता है पता ही नहीं होता- इसलिए इसे निजीगत रूप से न लें ।

कुछ लोग सुबह उठ कर अपने आप से सवाल पूछते है कि : आज किसी का दिन खराब करने के लिए क्या करूं या अपजी विश्वसनीयता को कम आंकने के लिए क्या करूं या फिर कारोबार की तबाही के लिए क्या करूं?

और यह है आपके लिए पुरस्कार : जब आप लोगों में अच्छाई देखने लगेंगे, वह लोग न सिर्फ अधिक पूरी तरह अपनी कार्यक्षमता दिखाएंगे बल्कि आप अपने कारोबार की दुनिया में अधिक अच्छा भी देख पाएंगे ।

७५

आपके घर का दिल

हर बड़ा व्यवसाय स्पष्ट रूप से अपने व्यापार का नमूना और रणनीतिक योजना आंकता है । यह सभी व्यापार की रुपरेखा और व्यापार के लक्षय में होता है । लेकिन बहुत कम लोग अपने जीवन की योजना बनाने के लिए समय निकालते हैं । अगर आपको पता ही नहीं है कि आपको कहां जाना है तो आपको कैसे पता चलेगा कि आप वहां पहुंचे या नहीं? और फिर आप उस लक्षय को कैसे पा सकते हो जो आपने देखा ही नहीं?

होटल उद्योग में मेहमान जो चीजें देख नहीं सकते उनके कई नाम होते हैं । वह सब बातें जो लेखांकन में, साफसफाई में, रसोईघर में और लाँड्री मे महत्वपूर्ण होती है, लेकिन लोगों के सामने नहीं आती । इन सभी गतिविधियों को घर का दिल कहा जाता है । जब घर का यह दिल शानदार व्यवस्था और लगभग निर्दोष निष्पादन के साथ संचालन में है, बाहरी मेहमानों के अनुभव को वह अच्छी तरह जकड़ लेता है ।

क्या आपके जीवन का आपले व्यावसायिक जमूना तैयार किया है? क्या आपके सपनों को पूरा करने के लिए आपने कोई रणजीतिक योजना बजाई है ?

यहं आपके लिए एक बड़ी सोच है: जीवन में श्रेष्ठता पाने के लिए यह सुनिश्चित करें कि आपके घर का दिल सुंदर और सुव्यवस्थित है । क्या आपके जीवन का आपने व्यावसायिक नमूना तैयार किया है ? क्या आपके सपनों को पूरा करने के लिए आपने कोई रणनीतिक योजना बनाई है ? क्या आपने कागज पर आपके जीवन के सबसे करीबी मूल्य आर महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं को लिख रखा है, जिसकी हर दिन सुबह आप समीक्षा कर जो महत्वपूर्ण है उसे दिल में बंद करके रखा है ? यह सभी पहलु घर के दिल के है । आपकि आपके आंतिरक संगलन प्रक्रिया आपके बाटरी पारणामें को वपांसत करती है ।

यकीनन आंतरिक रूप से काम करने में वक्त लगेगा । और यह भी सच है कि सभी

जरूरी चीजें आज और अभी करने की आवश्यकता है, लेकिन उस व्यस्तता का कोई मतलब नहीं है जब आप गलत कामों में खुद को व्यस्त रखोंगे ।

७६

प्रेरणादायक इंसान बनें

एक दिन मैं अपने बेटे को उसके स्कूल में छोड़ने गया था और उसने अपने क्लासरूम की तरफ जाते हुए जो किया उसे देख कर मैं खुश हो गया । अपने एक सहपाठी के पास से गुजरते हुए उसने कहा, "ऐसा उदास क्यों है दोस्त ?" उसका दोस्त जो बेहद गंभीर नजर आ रहा था, उसने ऊपर देखा और फिर दोनों खिलखिला कर हंसने लगे । मुझे भी हंसी आई और उसने मुझे सोचने पर भी मजबूर किया ।

कारोबार या जीवन में महानता, एक प्रेरक व्यक्ति बनने से ही मिलती है । हमारे अपने दृष्टीकोन और उपस्थिति से लोगों का उत्थान करने की आवश्यकता है । जब हम किसी को उदास देखते है, संघर्ष से जूझते हुए, अपनी क्षमता पर शक करते हुए या फिर जब किसी को दो अच्छे शब्दों की जरूरत होती है, उस वक्त हमारा फर्ज बनता है कि हम उनकी मदद करें । शायद यह पूछे कि, इतना उदास क्यों है दोस्त?

किसी दूसरे इंसान, जो आपका सहकर्मी हो सकता है, आपका पारिवारिक सदस्य या फिर आपका दोस्त, को श्रेष्ठ बनाने और ऊपर उठाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है उसके व्यवहार को आप द्वारा देखते रहना । खुद को उदाहरण बना कर दूसरों को प्रभावित करना सबसे आसान तरीका है । आप शब्दों के बजाय खुद के जीवन से उपदेश की सीख दे सकते हैं । बोलना बहुत आसान है । असाधारण मनुष्य अपने संदेश पर जीते हैं । वह जो बातें करते हैं वैसा ही बर्ताव भी । और इन सबसे ऊपर वह प्रेरणादायक होते है । क्या आप है ?

मेरी सबसे अच्छी तारीफ उस समय हुई जब मैंने एक विख्यात संगठन कैन-फिट-प्रो के लगभग २००० फिटनेस पेशेवरों के सामने मुख्य भाषण दिया । वह महिला मेरे पास आई और बड़े ही भावनात्मक स्वर में उसने कहा, मुझे आपका प्रस्तुतीकरण बेहद पसंद आया । मैंने पूछा क्यो । तो उसने जवाब दिया, वजह तो मुझे पता नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि आपने मुझे एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित किया है । हम चाहे किसी भी संगठन में हो, या किसी समुदाय के साथ जुड़े हो, हम सभी ने प्रति दिन एक प्रेरणादायक नेता होने का किरदार निभाया- दूसरों को एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रोत्साहित किया? हम अंधेरे को शाप देंगे या फिर एक मोमबत्ती जला पाएंगे । हमारी

दुनिया को और अधिक प्रकाश की जरूरत है । चमकते रहिए । आज से ही ।

कारोबार या जीवज में महाजता, एक प्रेरक व्यक्ति बजले से ही मिलती है ।

७७

ब्रह्मांड में सेंध लगाएं

इस प्रकरण को लिखने के लिए मैं प्रति दिन के मुकाबले जल्दी उठा था । मधुर संगीत सुन रहा था जो आधा भारतीय और आधा पाश्चात्य था । मैंने अपनी डायरी में कुछ लिखा । मैं अपने बचों से कितना प्यार करता हूं यह मैंने लिखा । मैंने लिखा कि इस समय मेरा जीवन कहां तक पहुंचा है । मैंने यह भी लिखा कि मैं उसे कहां तक लेकर जाना चाहता हूं । और मैंने प्रभावशाली बनने की मेरी भूख के बारे में भी लिखा । नेतृत्व - एक इंसान के रूप में- भी प्रभावी होता है । जो आपको अलग बनाता है । जिस रूप में आपको जो मिलता है उसे बेहतर बना कर छोड़िए।

जब मैं शिमोन पेरेस से मिला, तब मैंने उनसे पूछा कि उनकी नजर में जीवन का उद्देश्य क्या है । बिना हिचकिचाहट उन्होंने जवाब दिया : "उस वजह का पता करना जो आपके जीवन से बड़ी है और फिर उसके लिए अपना जीवन समर्पित करना ।" अगर हम में से हर कोई अपने जीवन का उद्देश्य ढूंढ़ ले और पूरी भावना से उसे पूरा करने की कोशिश करें तो दुनिया का चित्र ही बदल जाएगा । इससे कम नफरत, कम युद्ध और ज्यादा प्यार फैलेगा, और हम एक हो जाएंगे। स्कॉटिश राजा कोरेटा ने कहा था : "जब आप किसी महान उद्देश्य के लिए त्याग करने के लिए तैयार हो जाते हैं तब आप अकेले नहीं रहते ।"

एप्पल के सीईओ स्टीव जॉब्स अपने कर्मचारियों को श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहते थे "आपको मौका मिला है कि आप ब्रह्मांड में सेंध लगाए ।" जॉब्स को इसका फायदा होता था । कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए यह वाकई महत्वपूर्ण है । यकीनन आप चाहेंगे कि आपके कारोबार का प्रचालन श्रेष्ठ बने । यकीनन आप चाहेंगे कि आपके उत्पाद और सेवा उच्च्य दर्जे की हो । और साथ ही आपको उत्पाद में सुधार लाने और उसे आगे बढ़ाने की भी जरूरत है । लेकिन आप दुनिया पर आपका प्रभाव तब तक नहीं जमा पाएंगे – जब तक आप अपने ग्राहकों की मदद नहीं करते और सकारात्मक रूप से दूसरों को प्रभावित नहीं कर पाते - कारोबार अंततः है किसलिए ?

लेकिज आप दुनिया पर आपका प्रभाव तब तक जहीं जमा पाएंगे - जब तक आप अपने ग्राहकों की मदद जहीं करते और सकारात्मक रूप से दूसरों को प्रभावित नहीं कर पाते - कारोबार अंततः है किसलिए ?

उस आदमी की ओर से आपके लिए एक आसान सवाल जो आपको श्रेष्ठ बनाना चाहता है : आज आप किस तरह की सेंध करना चाहेंगे? किस वजह से आप राजी होंगे ? आप किस तरह का योगदान करना चाहेंगे – काम पर, घर में- या फिर जीवन में?

७८

सभी नेता एक जैसे नहीं होते

मेरे प्रस्तुतीकरण के बाद कई अधिकारी मेरे पास आते हैं और मुझसे मेरे उस बयान के बारे में पूछते हैं जिसमें मैं यह कहता हूं- "सभी को नेता बनने की जरूरत है ।" मेरी नेतृत्व की कार्यशाला में मैं हमेशा कहता हूं कि कंपनी को श्रेष्ठ बनने के लिए कंपनी के हर कर्मचारी फिर वह पुरुष हो या महिला, को एक नेता के रूप में काम करने की जरूरत है । विश्व की बड़ी कंपनियां नेताओं को तैयार करती है और उनमें नेतृत्व गुण विकसित करती है ताकि कंपनी तरकी करें और प्रतियोगिता में आगे निकल जाएं । चोटी पर पहुंचने के उनके सपने को वह साकार करते हैं । और वह जल्दी सफलता को हासिल करते हैं । यह मैंने पहले भी कहा है, लेकिन अब इसे फिर एक बार दोहराना उचित समझता हूं ।

सभी नेता है, लेकिन सभी एक जैसे जहीं होते

लेकिन मैं यह भी नहीं कहता कि सभी कर्मचारी कंपनी को चलाए । इसमें कोई अर्थ नहीं है । सभी नेता है, लेकिन सभी एक जैसा काम नहीं कर सकते । हां मैं एक रूपक दे रहा हूं जो आपका भी गौरव बढ़ा सकता है । मुझे यू२ बेहद पसंद है । बोनो इस समूह का मुख्य गायक है । लैरी म्यूरन ज्यूनियर ड्रम बजाने वाला है । उस समय अराजकता फैल सकती है जब लैरी मुख्य गायक और बोनो ड्रम बजाने की कोशिश करें । या फिर कल्पना करे दौरे का प्रबंधक सोचे की उस रात वह बोनो है और वह मंच पर जाकर गाना गाने की कोशिश करें और बोनो ड्रेसिंग रूप में बैठ जाए । अच्छा नहीं होगा ।

अपना किरदार पहचाने । सभी को नेता की तरह काम करना है – फिर चाहे वह कोई भी काम कर रहे हो । सभी को नेतृत्व गुण प्रदर्शित करने की जरूरत है- अपने पद की परवाह किए बगैर । इसका मतलब यह है कि हर किसी को बेहतर परिणाम देने के लिए जिम्मेदारी लेने की जरूरत है । हर किसी को काम की संस्कृति को आकार देने के लिए अपना हिस्सा अच्छी तरह निभाने की जरूरत है । हर किसी को सकारात्मक और प्रेरणादायक बनने की जरूरत है । हर किसी को ग्राहक को खुश रखते हुए अपने ब्रांड

की सुरक्षा करने की जरूरत है । हर कोई नेता है, लेकिन हर कोई एक जैसा नहीं है ।

६८

लक्ष्य निर्धारित करने के छह वजहें

मैं जानता हूँ आप क्या सोच रहे हैं : "रॉबिन, मुझे एक ताजा, मूल और चुनौतीपूर्ण विषय दो । आप क्यों लक्षयों के बारे में लिख रहे हो? हम इसके बारे में जानते है । यह ऊबाऊ है!" सफलता की कुछ प्रथाएं उतनी ही सबसे ज्यादा जरूरी है जीतने आप अपने सबसे करीबी आयोजित लक्षयों की दैनिक समीक्षा करते हैं । जीवन में श्रेष्ठ बनने के लिए जरूरी है कुशलता हासिल करने के बाद अपने लक्षयों पर एक सुसंगत तरीके से विचार करना । और इसके अलावा, जानते हैं क्या? ज्यादातर लोग पूरे वर्ष में एक घंटा भी इसके लिए नहीं बिताते । यह सच है : लोग अपने जीवन की योजना बनाने के बजाय गर्मी की छुट्टियों में घूमने जाने की योजना बनाने में समय व्यतीत करते हैं ।

मेरे मुताबिक, अपने लक्षय को निर्धारित करने की छह महत्वपूर्ण वजहें है : ध्यान देना, विकास, सोच समझ कर, नाप कर, पंक्तिबद्धता औ प्रेरणा ।

ध्यान देना । जहाँ आपका ध्यान ऊजा में प्रवाहित हो जाता है । मुझे लगता है कि उद्योग जगत के वास्तविक सुपरस्टार को यह एक आशीर्वाद है । अरबपतियों, सेलिब्रिटी उद्यमी, उद्योगों के कप्तान इन सभी की प्राथमिक महान विशेषता यह हैं कि वह अपना ध्यान केंद्रित करते हैं । वह अपने कुछ मर्मस्थान को जानते है । दूसरे शब्दों में कहा जाए तो वह महानता हासिल करने के अपने लक्ष्य पर महत्वपूर्ण रूप से ध्यान देते है । ऑर फिर वह एक पागलकी तरह उसे पूरा करने की कोशिश करते है । लक्ष्य ध्यान को पोषित करता है । साधारण लेकिन शक्तिशाली विचार ।

वृद्धि । लक्ष्य तय करना व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है । एक लक्ष्य तक पहुँचने पर आपको क्या परिणाम मिलता है यह ज्यादा मूल्यवान नहीं, मूल्यवान यह हैं कि, आप इस सफ़र में एक व्यक्ति के रूप में किस तरह तैयार होते हो ।

सोच समझ कर । नींद में चलते हुए दुर्घटनाग्रस्त होकर जीवन जीना बेहद आसान है । अगर आप जीवन में कार्यरत नहीं होते तो जीवन कर्ड रास्तों से आप पर असर करेगा । अपने लक्ष्य को जान कर प्रति दिन पांच मिनट उसकी समीक्षा करें, आप अपने जीवन पर असर करने का प्रयास करें प्रतिक्रियाशील तरीके से न कि निष्क्रियता से । लक्ष्य निधारित करने पर आप एक रुपरेखा बनाएं या फिर निर्णाय लॉ जिसस आपके सामने बेहतर विकल्प हों । आप कुछ ही सेकेंड में अवगत हो जाएंगे- जब आप योजना तैयार करेंगे । आप कम गलतियां करेंगे और कम से कम

समय में ज्यादा काम करेंगे । उपन्यासकार सेऊल बेलो ने कहा हैं : "एक अच्छी योजना आपको पीड़ादायक निर्णय से दूर करेगी ।"

अपने सर्वश्रेष्ठ जीवन के लिए लक्षयोंको स्थापित करने के लिए साहसिक खेल खेलने जैसा है । लक्षय को निर्धारित करना एक बहादुरी का काम है, क्योंकि आप अपनी उस क्षमता तक पहुंच रहे हैं जो आपके अंदर ठूंस ठूंस कर भरी हुई है

मात्रा । हमारी एक ग्राहक कंपनी है एल अल, जो इजराइल की राष्ट्रीय विमान सेवा कंपनी है । उनकी प्रबंधक टीम के लिए हमने नेतृत्व प्रशिक्षण का आयोजन किया था । जब मैं वहां पर था तब एअरलाइन चलाने वाले सीडआो अमोस शेपिरो ने मुझे तेल अवीव हवाई अड्डे का दौरा करने का आमंत्रण दिया । उनके कर्मचारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक कमरे की एक दीवार पर कागज का टुकड़ा लगाया था, जिस पर लिखा था : "जो नापा जाता है उसे ही सुधारा जाता है ।" बड़ी सोच । लक्ष्य निधारण आपको उपाय देता है । अगर आप भैतिक लक्ष्य तय करते है कि शरीर का मोटापा १० फ़ीसदी कम करना हैं, तो आप एक मानक बनाते हैं कि आयको कितनी फीसदी तरक्की करनी हैं । और जब मात्रा तय करते हैं, आपके पास एक आधार होता है सुधार के लिए । अपने लक्ष्यों की स्पष्ट जानकारी के साथ आप बेहतर विकल्प बना सकते हैं । बेहतर विकल्प के साथ, आप बेहतर परिणाम पाएंगे ।

पंक्तिबद्धता । में अपनी सफलता के सर्वश्रेष्ठ रहस्यों में से एक आप के साथ बंटना चाहता हूं । अपने दैनिक कायों को इस तरह सुनिश्चित करें कि जो आपको गहरे मूल्यों के साथ गठबंधन कर सके । अगर आपकी प्रतिबद्धता आपकी इमानदारी से सामंजस्य नहीं बनाए तो क्या आपको खुशी होगी । क्या यही संपूर्णता है, यह सुनिश्चित करें कि आपका समय आपके मूल्य को दर्शाता है और यह भी बताता है कि आय कहां खड़े हो? महानता हासिल करने का शानदार तरीका यह है कि स्पष्ट रूप से लक्ष्य इस तरह तय करें कि उासका महत्वपूर्ण मूल्यों के साथ उचित गठबंधन हो ।

प्रेरणा । लक्षय आपके जीवन की सास है । कागज के एक टुकड़े पर अपने लक्षय को लिखना एक ऐसा कदम है जो जीवन को एक नए रूप में ढाल सकता है । अपने लक्षय को निर्धारित करना साधारण बनने से इंकार करने जैसा है । अपने सर्वश्रेष्ठ जीवन के लिए लक्षयों को स्थापित करने के लिए साहसिक खेल खेलने जैसा है । लक्षय को निर्धारित करना एक बहादुरी का काम है, क्योंकि आप अपनी उस क्षमता तक पहुंच रहे हैं जो आपके अंदर ढूंस टूस करभरी हुई है। मार्क ट्विन ने कहा है : "अगर हर कोई अपने आप से संतुष्ट हो जाएगा तो कोई नायक नहीं बन पाएगा ।"

८०

बूमरैंग के प्रभाव को याद रखें

बड़ी सोच : आप जीवन में ज्यादा से ज्यादा जिन चीजों को पाना चाहते है? उतनी ही चीजें आपको छोड़ भी देनी पड़ती है ।

आपने जो कुछ किया उसका श्रेय आप पाना चाहते हैं, लेकिन आप दूसरों को श्रेय देने वाला बने । जंगल की आग की तरह फैल कर श्रेय देते रहे । आप जो ज्यादा चाहते है उसे छोड़ दें । आप जिन्हें श्रेय देंगे उनके दिल और दिमाग में आप जगह बना पाएंगे ।

जो आप ज्यादा से ज्यादा पाजा चाहते हैं उसे देते रह ।

अगर आप चाहते है कि सामने वाला समझदारी से काम करें, तो आपको भी पहले समझदारी दिखानी होगी ।

अगर आप दूसरों से वफादारी चाहते हैं, तो पहले आप वफादार बने । फिर देखिए क्या होता है ।

ज्यादा प्यार पाना चाहते हो, ज्यादा प्यार दे ।

मेरा मानना है कि जीवन आपको जीतते हुए देखना चाहता है । ज्यादातर लोग सिर्फ अपने बनाए रास्ते पर ही चलना चाहते हैं और अपनी सफलता के साथ खिलवाड़ करते हैं । श्रेष्ठ बनने से वह डरते है । वह अपनी मयदाओं की शृंखला से जुड़ते रहते है । वह खुद ही अपने सबसे बुरे दुश्मन बन जाते है । अगर आप चाहते है कि आप आपके जीवन में इससे छुटकारा पाए, तो उसे अपनाएं जिसे मैं बूमरेंग प्रभाव कहता हूं : जो आप ज्यादा से ज्यादा पाना चाहते हैं उसे देने का प्रयास करे । आप पाएंगे कि एक सुंदर जीवन आपके सामने मौजूद है । सिर्फ जाए और उसे अपना ले ।

८२

लोगों को अच्छा महसूस करने दें

लोग उन लोगों के साथ ही व्यापार करते हैं जो उन्हें अच्छे लगते है । इंसान भावनाओं से भरा जीव है । हम उन्हीं लोगों के साथ रहना पसंद करते हैं जो हमें खुश रखे और विशेष समझे, अपनी परवाह करें और जिनके साथ हम सुरक्षित महसूस करे ।

यहां ऐसे दो लोग हैं जिनका परिचय मैं आपसे कराना चाहता हूं : एक किसान है स्टीव और दूसरा जैक जो एक दुकान का मालिक है और दोनों किसी कंपनी के सीईओ के मुकाबले बेहतर व्यवसाय कर रहे हैं । स्टीव कद्दू बेचता है । मैं कैनड़ा में रहता हूं और हर शरद ऋतु में मैं बच्चों को लेकर हमारी कार से आधे घंटे का सफर कर इस कभी न बूढ़े होने वाले किसान के फार्म हाऊस पर हैलोविन कद्दू (कनाड़ा में ३१ अक्तूबर को हैलोविन पम्पकिन समारोह मनाया जाता है जिसके लिए कद्दू को डरावनी शक्ल दी जाती है) लेने जाता था । हालांकि कद्दू हम घर के बगल की किराने की दुकान से भी खरीद सकते थे जो सिर्फ पांच मिनट की दूरी पर है । लेकिन फिर हम उस भावना को खो देते जो स्टीव हममें उत्पन्न करता था । उसे हमारे नाम याद थे । वह हमें हंसाता था । वह हमें कहानियां सुनाता था । वह हमें याद दिलाता था कि दुनिया में अच्छा क्या है (इस मामले में किसान अच्छे होते है) और फिर हम बड़ा सा कद्दू और दिल में खुशी लेकर वापस लौटते थे । और हां, स्टीव का कारोबार बेहद ही सफल है ।

अब जैक का जिक्र करता हूं । जैक एक दुकान चलाता है । मैं और मेरे बच्चें जब उसकी दुकान में जाते हैं तो वह हमें नाम से पुकारता है । उसे हमारे जन्मदिन भी पता है (जिसे उसने अपनी एक काली डायरी में लिख रखा है) । जैक खास कर मेरे लिए (बिना अतिरिक्त शुल्क लिए) ड्रेल, अजूरे और बिजनेस २.० पत्रिकाएं मंगवाता है । उसके शिष्टाचार निर्दोष हैं । वह हमेशा हंसता रहता है । वह हमें खुशी से सराबोर कर देता है । हमारे घर के आसपास कम से कम पांच दुकानें हैं, लेकिन जैक रिश्ते बनाने में माहिर है । इसलिए हमारी निष्ठा उसके साथ है । और हां, वह एक करोड़पति है ।

अच्छा रहने में ही बुद्धिमानी है । कारोबार की यही चतुराई है । इसलिए स्टीव जैसे बने, जैक को अपना आदर्श बनाएं । आपके साथ कारोबार करने वाले लोगों को आप खुशी महसूस होने दे । आप आपके क्षेत्र में अग्रसर रहेंगे । आपको यह करते हुए मजा भी

आएगा । और यह सिर्फ सही तरीके से काम करना है ।

अच्छा काम करें और पीछे ऐसी छाप छोड़ दें कि समय भी उसे मिटा नहीं पाए

कुछ महीने पहले एक संगोष्ठी खत्म होने के बाद एक व्यक्ति ने मेरे हाथ में कागज का टुकड़ा दिया । उस टुकड़े पर जो लिखा था उसने मुझे सोचने पर मजबूर किया । कागज पर लिखा था : अच्छा काम करें और पीछे ऐसी छाप छोड़ दें कि समय भी उसे मिटा नहीं पाए । मैंने उससे पूछा कि इसे किसने लिखा है, तो उसका जवाब बहुत ही संक्षिप्त था : "एक ऐसे बुद्धिमान इंसान ने- जो मेरे दादाजी है ।"

८२

प्रथम श्रेणी का काम करे

जब मैं श्रेष्ठ प्रदर्शनकारी और असाधारण नेताओं को सिखाता था उस तनक्त मैंने उनकी एक ऐसी निजी बात पर गौर किया है जो अपने आसपास की बातों का प्रभाव उन्हें श्रेष्ठतम काम करने के लिए निष्ठामग्न करे । वह उंची कारें चलाते है, वह सुदर घरों में रहते है और अच्छे कपड़े पहनते है । उनकी दार्शनिकता साधारणता ऐसी होती है कि, मैं श्रेष्ठतम स्तर पर जीने के लिए पैदा हुआ हूं इसलिए मैं श्रेष्ठतम चीजों की ही खरीदारी करूंगा । अब यहां एक बड़ी सोच : जब वह असफल थे, तब भी वह अपनी इस बात पर कायम थे ।

श्रेष्ठता, इन सबसे परे अपने दिमाग में होती है । खुद की ताकत और गुणवत्ता को दुनिया के सामने अमल में लाने के पहले अच्छी तरह परखने की जरूरत है । असाधारण बनने के पहले खुद को असाधारण महसूस करने की जरूरत है । मैं इसे भावनात्मक योजना (इमोशनल ब्ल्यूप्रिंट) कहता हूं । बाह्य जीवन में अद्भुत यश प्राप्त करने के पहले आप भावनात्मक – अंतड़ियो सेजीवन की अंदरुनी ताकत का अवलोकन कर उसकी योजना बनाए ।

मैंन एक ऐसा रास्ता ढूंढ़ा है जो अपने बाह्य जीवन की बातों को उच्च स्तर का होने जैसा महसूस कराता है । मुझे याद है बहुत वर्ष पहले मैंने अल कोरान नाम के एक जादूगर की एक किताब पढ़ी थी, किताब का नाम था आउट द मैजिक इन योर माइंड । उसके द्वारा सुझाई गई एक कल्पना मेरे दिमाग में घर कर गई । जो थी- सफलता के रास्ते पर चलने के लिए जरूरी है कि आप उस जगह जाकर रहे जहां सफल लोग रहते है । अगर आपके पास सिर्फ १० डॉलर है तो भी आप शहर के अच्छे रेस्तरां में जाकर कॉफी पिएं । उसका मुद्दा : आपके इर्दगिर्द का माहौल आपके विचारों को आकार देता है । और आप उसे किस तरह अमल में लाते है । खुद को विश्वस्तरीय महसूस करें और विश्वस्तरीय बने ।

अच्छी बातों से खुद को पुरस्कृत करने के लिए अपने गहरे और

उच्चतम भाग को संदेश भेजे कि- मैं उसके लायक हूं और उसके लिए पात्र भी हूं

अच्छी बातों में निवेश करे । अगर संभव हो तो खुद के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली चीजें खरीदें । तीन साधारण जूते खरीदने के बजाय एक ही अच्छा और महंगा जूता खरीदे । (महंगा जूता ज्यादा दिन भी चलेगा और पहनने के बाद आप खुद को श्रेष्ठ भी महसूस करेंगे) । मुझे यह पंक्ति बेहद पसंद है : "कीमत भूल जाती है, गुणवत्ता लंबे समय तक याद रहती है ।" बिलकुल सही । जब मैं युवा वकील था और मैंने शुरुआत ही की थी, मैंने अपनी तनख्वाह से एक महंगी घड़ी खरीद ली थी । वह रोलैक्स या कार्टियर नहीं थी, लेकिन अच्छी थी - जो मैं खरीद सकता था । मेरा सोचना था कि यह घड़ी लंबे समय तक चलेगी और जब तक मैं इसे पहलूंगा मैं खुद को सफल महसूस करूंगा और साथ ही यह भी कि इसकी मरम्मत करनी नहीं पड़ेगी और मेरे पैसे भी बच जाएंगे । मेरा एक दोस्त जो हमेशा सस्ती चीजें खरीदना पसंद करता था मुझ पर हंसा था । लेकिन मैंने उसे दरकिनार किया (जैसा कि मैं हमेशा करता हूं) । मेरी घड़ी आज भी ठीकठाक चल रही है । आज तक उसे एक बार भी मरम्मत के लिए नहीं देना पड़ा है । इतने समय में मेरे दोस्त नेछह घड़ियां खरीद ली थी । महंगी घड़ी खरीद कर खुद में सकारात्मकता महसूस करने से उसने इंकार किया और वास्तव में उसने मुझसे ज्यादा पैसे भी खर्च दिए । उसने एक अच्छा मौका गंवाया ।

मैं निर्जीव चीजों की आदत लगाने के लिए आपको प्रोत्साहित नहीं कर रहा हूं । मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि अगर आप गंभीरता से श्रेष्ठतम बनने के बारे में सोच रहे हो (और मुझे पता है आप ऐसा ही सोच रहे हो), तो अपने आसपास के माहौल को बेहतर चीजों से सजाएं । अच्छी बातों से खुद को पुरस्कृत करने के लिए अपने गहरे और उच्चतम भाग को संदेश भेजे कि- मैं उसके लायक हूं और उसके लिए पात्र भी हूं । यह एक ऐसी बात है जो आपको श्रेष्ठस्तर पर पहुंचाने, कठिन परिश्रम करने और बेहतर परिणाम पाने के लिए प्रोत्साहित करेगी । जो भी यह कहता है कि हमारी शारीरिक संपत्ति महंगी वस्तुओं से भी ज्यादा मजबूत है, जो हम क्या महसूस कर रहे हैं इस पर असर नहीं करती, मैं पूरे आदर के साथ सुझाव दूंगा कि इस तरह के वक्तव्य इंसानी स्वभाव की वास्तविकता को नकारते है । आप जीवन में जिन जिन अति आदर्शवादी लोगों से मिले उनमें से ही मैं भी एक हूं। लेकिन मैं एक वास्तववादी भी हूं (भगवान गौतम बुद्ध ने जो अवलोकन किया है, सभी चीजों में संतुलन) हम सभी को अच्छी चीजें पसंद है । वह हमें सुख देती है । खूबसूरत सूर्यास्त या आकर्षक पहाड़ी, जो हमारी चेतनाओं को जागृत करती है । सच है कि भौतिक चीजें ज्यादा समय तक आनंद नहीं देती । और जीवन में कई ऐसी चीजें हैं जो बहुत ही महत्वपूर्ण है । लेकिन यह चीजें भी महत्वपूर्ण है ।

अच्छी चीजों पर ही ध्यान देना अच्छा है । आप शायद मुझे इस मुद्दे की वजह से पसंद न करें लेकिन मैं अपने सच का ऋणी हूं । मेरे एक ग्राहक ने मुझसे जो कहा था वह मुझे याद आ रहा है- "मेरी रुचियां बेहद साधारण है- मैं उन्हें बेहतर बनाना चाहता हूं ।"

८३

अच्छी तरह सफाई करें

जिसे मैं महत्वपूर्ण शीतनिष्क्रियता कहता हूं उसमें मैंने पिछले बारह महीने गंवाए- मेरे जीवन की ‘कार्यरतता में से बहुत कुछ पीछे लेते हुए मैंने मेरी प्राथमिकताओं, मूल्यों और निजी दर्शन की बातों पर पुनर्विचार करना शुरु कर दिया । मैंने सामाजिक निमंत्रण स्वीकार करना कम किया, कई गतिविधियां सीमित कर दी और और ज्यादा तर समय चिंतन करने में गंवाया - बस कुछ इस तरह का चिंतन जैसे की क्या मैं सही पहाड़ पर चढ़ रहा हूं और अपने दिन बीता रहा हूं जैसे मैं बिताना चाहता था । साथ ही इस वर्ष का ज्यादा तर समय मैंने अच्छी सफाई करने में भी बिताया ।

जीवन को सही मार्ग पर ले जाने, सरल बनाने और नए सिरे से बनाने के लिए अच्छी सफाई शानदार तरीका है । हम में से अधिकांश लोग जीवन भर की यात्रा में अव्यवस्था से भरा सामान ढोते हुए चलते है । इसमें कुछ खराब सामान भी शामिल है जैसे अधूरे रिश्ते या ऐसे लोग जिन्हें आज तक माफ नहीं कर पाए (या फिर उनसे क्षमा नहीं मांग पाए) । जीवन के सामान में कई ऐसी चीजें शामिल है जिन्हें कार्यरत नहीं किया गया जैसे कि मृत्युपत्र तैयार करना या फिर जीवन बीमा पॉलिसी का नवीनीकरण करना । अव्यवस्था का संबंध हम भंगार सामान रखने वाले यार्ड या एक ऐसे अतिरिक्त कमरे जहां न खोले गए बक्से जमा करके रखे जाते हैं से जोड़ सकते है । शक्तिशाली विचार इस तरह है : जब आप इन बातों की अच्छी तरह सफाई करें तब उन्हें क्रम के हिसाब से संवारे, जो चीजे जीवन से हटाना जरूरी है उसे हटा दें – इसके बाद आप खुद को हल्का महसूस करेंगे, खुश हो जाएंगे और मन में बेहद शांति काअनुभव प्राप्त करेंगे ।

मेरे सफाई अभियान में मृत्युपत्र बनाना, जीवन में जिन चीजों की जरूरत नहीं है उन्हें हटाना, वितीय योजना बनाना, शारीरिक रूप से खुद को संवारना, उन चीजों को अलविदा कहना जो मेरे उद्देश्य (लक्षय) के लिए बनाई रणनीति, निजी और पेशेवर रूप के साथ गठबंधन नहीं बना पा रही हो, स्थापित व्यवस्था को अधिक कुशल बनाने के साथ ही उस पर कारोबार की योजना को परिष्कृत करने के लिए ज्यादा समय खर्च करना । आपको क्या लगता है? क्या यह कारगर साबित होगा- बहुत ही खूबसूरती से ।

जो चीजे जीवज से हटाजा जरूरी है उसे हटा दें - इसके बाद आप खुद को हल्का महसूस करेंगे, खुश हो जाएंगे और मज में बेहद शांति का अनुभव प्राप्त करेंगे ।

अब मेरे पास सबसे महत्वपूर्ण काम करने के लिए समय रहेगा । मैं अब अधिक आराम से जीवन के प्रवाह में चलूगा । मेरे पास अधिक ऊर्जा होगी (शारीरिक या भावनात्मक ऊर्जा जो आपको खराब करेगी या आपको निष्कासित भी कर देगी) । मैं अधिक रचनात्मक हुआ हूं । और मैं ज्यादा मजे ले रहा हूं । इसलिए अपने जीवन में भी अधिक और अच्छी सफाई करें । जल्द से इसकी शुरुआत करें । इसका परिणाम आपको चकित कर देगा ।

८४

मिलियन डॉलर बेबी के नियम पर चले

मिलियन डॉलर बेबी फिल्म मुझे बहुत ही पसंद आई । दिल गहराई तक पहुंची । न भुलाने जैसी । और यह फिल्म जीवन को शिक्षित करने वाले कई पाठों से भरी है, जिनमें से एक है खुद को बचा कर चले, जिसके बारे में मैं आज भी सोच रहा हूं ।

मुझे लगता है कि मैं विश्वस्तरीय आशावादी हूं । मैं हमेशा अविश्वसनीय रूप तक सकारात्मक रहने की कोशिश करता हूं, और मुझे मिलने वाले हर इंसान में अच्छाई देखता हूं । और मैं चाहता हूं कि वह जीवन में हमेशा अच्छा करें । बावजूद इसके मैं सबसे बुरी स्थिति से भी निपटने के लिए तैयार रहता हूं । यह मेरी सिर्फ एक अनुभूति है । जीवन परी कथा की तरह नहीं है । मैं यह ठोस रूप से कहना चाहूंगा कि बुरी तरह काम करते हुए बेहतर परिणाम की अपेक्षा रखना उचित संतुलन नहीं है । लेकिन मैं सोचता हूं अच्छा और उचित दिशा में काम करने के लिए यह बेहद जरूरी है क्योंकि इससे ही हम जीवन में श्रेष्ठतम प्रदर्शन कर खुद का एक अलग स्थान बना पाएंगे ।

इसलिए लोगों से बेहद प्यार करें और उनके साथ दयालु बने रहे । निश्चित रूप से खुद को समर्पित करें और अपने आसपास के लोगों की जितनी हो सके उतनी मदद करें । बेशक । आप एक ऐसे विशेष इंसान बने जो लोगों का जीवनस्तर उठाने में मदद करते है । लेकिन मैं आपसे यह भी कहना चाहता हूं कि आप शहीद न बने । शहीद का मतलब वह जो अपनी सारी चीजें गंवा देता है । दयालु और मुलाहिजा का संतुलन बनाना जरूरी है । लोगों के साथ दयालुता के साथ पेश आए और खुद का मुलाहिजा भी रखें । अपनी ऊर्जा का संतुलन बनाए, दूसरों को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी ऊर्जा खर्च करने के साथ ही खुद को प्रोत्साहित करने के लिए भी ऊर्जा बचा कर रखें । लोगों से प्यार करने और खुद से प्यार करने में भी संतुलन बनाएं ।

शहीद का मतलब वह जो अपजी सारी चीजें शंवा देता है ।

सीमाएं तय करें । अपनी मर्यादाओं को जाने । चरम पर न जाएं । खुद को बचा कर चले ।

८५

पृथ्वी छोटी है

मेरे ज्यादातर ग्राहक थॉमस फ्रेडमैन की किताब द अर्थ इज फ्लॉट के बारे में बातें करते रहते है । जो वैश्वीकरण और बढ़ते अर्थशास्त्र के दायरे के बारे में जानकारी देने वाली किताब है । श्रेष्ठ किताब । किताब के शीर्षक ने मुझे एक अलग मुद्दे पर सोचने के लिए बाध्य किया : परिदृश्य की कीमत ।

विश्व सपाट नहीं है, विश्व छोटा है । यह वह मुद्दा है जो मैं आपके सामने रखना चाहता हूं : अजस्त्र ब्रम्हांड के एक छोटे से ग्रह पर हम रह रहे हैं । मशहूर भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग ने कहा है कि हम एक ऐसे छोटे से ग्रह पर रह रहे हैं जो ब्रम्हांड की करोड़ों आकाशगंगाओं में से एक छोटा सा तारा है । और आप और मैं उन लाखों लोगों में से एक हैं जो इस पृथ्वी पर रहते हैं । प्रति दिन हमें जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है क्या वह बहुत बड़ी होती है? एक छोटा सा परिदृश्य जो जीवन को आसान बना देता है ।

जब मैं किसी समस्या से जूझ रहा होता हूं, मैं अपने आप से एक सवाल पूछता हू : क्या यह मामला एक वर्ष बाद भी रहेगा? अगर नहीं- तो मुझे तेजी से चलना चाहिए। और एक महान प्रश्न के प्रति मैं आपकी टीम के सदस्य और घर के सदस्यों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं : क्या यहां कोई मर गया है? अगर नहीं, तो चीजें सामान्य हो जाएगी और शांत दिमाग प्रबल होकर काम करेगा ।

परिदृश्य रखें । जो समस्याएं हमें बहुत बड़ी लगती है अगर हम उन्हें दरकिनार करें तो वह अपने आप खत्म हो जाती है । मैंने अपने जीवन में कई ऐसी समस्याओं का सामना किया है जो शुरुआती दौर में काफी दर्दनाक थी । ऐसे लगता था कि जैसे पृथ्वी का विनाश होने वाला है । लेकिन जैसे समय बीतता गया समस्याएं खत्म हो गई और मेरा जीवन बेहतर, खुशियों से भरा और पुरस्कृत हो गया । और मेरा अनुमान है कि यह बात आप पर भी सच साबित होगी ।

जीवन अल्प है और पृथ्वी भी शेटी है, लेकिन वह वाकई में बहुत फैली हुई है

इसलिए आज ही अपने परिदृश्य पर दिल से काम करे । अच्छी बात पर ध्यान दें । मुस्कुराएं और ज्यादा से ज्यादा हंसते रहे । जीवन अल्प है और पृथ्वी भी छोटी है,

लेकिन वह वाकई में बहुत फैली हुई है ।

८६

मेहमान भगवान होते है

टैक्सी चलाने वाले से मैंने जीवन का सबसे श्रेष्ठ पाठ पढ़ा है । अब तक की सबसे अच्छी बुद्धिमानी की बात जानना चाहेंगे? टैक्सी में बैठे । अपना ब्लैकबेरी या सेलफोन बाजू में रखे और टैक्सी में आपके आगे जो बैठा है उसे जानने की कोशिश करें । वह दिन में सैकड़ों लोगों से बात करता है । ज्यादातर, वह इतना अक्लमंद होता है कि आप सोच भी नहीं सकते । पिछली रात मुझे यह बात याद आई ।

इस प्रकरण को मैं मुंबई में लिख रहा हूं । मैं यहां पर दिन भर की नेतृत्व संगोष्ठी और रात को यंग प्रेसीडेंटस आर्गनाइजेशन के सामने प्रस्तुतीकरण करने वाला हूं । यह जगह मुझे बेहद पसंद है । यहां का खाना । यहां की ऊर्जा । यहां के लोग । उस टैक्सी ड्राइवर का नाम रमेश शर्मा था । उसने मेरा नाम टैक्सी आरक्षण की पर्चो पर देखा था । हमने लंबी बातचीत शुरू की"रॉबिन शर्मा, आपके पिताजी कहां के है ।" (मुंबई की ट्रैफिक पागल कर देती है- लेकिन हमें बातचीत करने के लिए बेहद समय मिल गया था) हम दोनों तुरंत ही बातचीत में लग गए । वह बच्चे की तरह हंस रहा था- विश्व में मैंने कई लोग देखे हैं, लेकिन भारतीय लोगों जैसे खुशमिजाज लोग कहीं नहीं देखे । उसने मुझे उसके परिवार के बारे में, किताबें पढ़ने के उसके शौक के बारे में, उसकी दार्शनिकता के बारे में बताया और उसके बाद उसने जो कहा वह मैं कभी नही भूल सकता ।

उसने गर्व से कहा, मैं जिस उत्तर भारत से यहां आया हूं वहां परमेहमान को भगवान मानते है । जब कोई हमारे घर पर आता है तो हम पूरे आदर और प्यार के साथ उसका सम्मान करते है । अगर हमें खाना नहीं मिला तो भी चलेगा, लेकिन हम उन्हें खाना खिलाते हैं । यही हमारी संस्कृति है, जो हमें आनंद देती है । प्रतिभाशाली ।

आपके जीवन में या फिर आपके कारोबार में क्या आप मेहमान को भगवान मानते है? क्या यह संकल्पना आपके जीवन और कारोबार का हिस्सा है? और मुझे आपसे यह भी पूछने दीजिए : जो भी कोई आपसे मिलने आएगा या फिर दिन के सफर के दौरान आपसे टकराएगा क्या आप उसे भगवान की तरह सम्मान देंगे (फिर वह आपका पारिवारिक सदस्य हो या रास्ते का अनजान आदमी) आपका निजी जीवन किस तरह नजर आएगा? आपका कारोबारी जीवन किस तरह नजर आएगा जब आप अपने ग्राहकों के साथ आदर

और उत्कृष्टता से पेश आएंगे? आप विश्वस्तरीय बन जाएंगे । आप बेहद सफल बन जाएंगे । आप खुश रहेंगे और आप महान बनेंगे ।

आपके जीवन में या फिर आपके कारोबार में क्या आप मेहमाज को भगवाज मानते है ?

तो आज ३० मिनट पहले दफ्तर से निकलिए । टैक्सी में बैठे और सफर शुरू करें । साथ में अखबार या सेलफोन लेकर न जाएं । दिमाग खुला रखे (साथ ही पेन भी ।) और टैक्सी में आपके सामने बैठे इंसान को समझने की कोशिश करें । शायद आप जो सुनेंगे उसे पसंद करेंगे ।

८७

खूबसूरत है वक्त

वक्त बहुत ही खूबसूरत चीज है । जीवन के कलपुर्जे का हिस्सा है । जब वह कई रास्तों से जीवन को आकार देता है तो आपको जीवन कैसा नजर आता है? और हां, हम में से ज्यादा तर लोग ज्यादा से ज्यादा वक्त की मांग करते हैं, जबकि हम हमारे पास जो समय होता है उसे ऐसे ही गंवाते है ।

मैं गुरु नहीं हूं और यह बात आप भी जानते हैं । लेकिन मैं अपने समय का सही इस्तेमाल करना अच्छी तरह जानता हूं । वक्त जाया करना मतलब वक्त गंवाना है और बड़ी सोच यह है कि एक बार आप जो वक्त गंवाते है वह फिर नहीं आता ।

बड़ी सोच यह है कि एक बार आप जो वक्त गंवाते है वह फिर नहीं आता ।

मैंने हाल ही में पढ़ा कि मशहूर फायनांसर जॉन टेम्पलटन अपनी ब्रीफकेस में बिना बुक लिए कहीं पर भी नहीं जाते । इससे जब वह किसी लंबी कतार में खड़े होते है तो वक्त का सदुपयोग करते हुए वह किताब निकाल कर पढ़ना, सीखना और बढ़ना शुरू कर देते है । मैंने भी रोलिंग स्टोन में पढ़ा कि मैडोना को भी समय गंवाने पर नफरत है । वह जब नाइटक्लब में जाती हैं तब वह साथ में किताब लेकर जाती हैं और जब वह डांस नहीं कर रही होती हैवह किताब खोल कर पढ़ने लग जाती है । मुझे सीखाने वाले मेरे ग्राहक ऐसे ही है और वह वक्त का सही इस्तेमाल करने पर ध्यान देते हुए बड़ा जीवन जीते हैं ।

मैं यहां यह स्पष्ट करना चाहता हूं : मैं आपको यह सुझाना नहीं चाहता कि आपको जरूरत है कि आप आपके दिन, सप्ताह, महीने के प्रति सेकेंड की योजना बनाएं । स्वाभाविक रहे । हंसते-खेलते रहे । मुक्त रहे । मैं दिल से आजाद पंछी की तरह हूं । मैंने हाल ही में पाया कि जो लोग ज्यादातर समय हंसी खुशी से बिताते हैं वह वक्त का योजना के साथ इस्तेमाल करना अच्छी तरह जानते है । मेरे अनुभव के मुताबिक जो

लोग बेहद तनाव में रहते हैं और जीवन को दमकल के फायर अलार्म की तरह अलार्म जैसा जीते हैं वह अपने जीवन की डोर तकदीर पर छोड़ते हैं, योजना बनाने के लिए वक्त नहीं निकालते, न ही वे अपना लक्षय निर्धारित करते है, विचार-विमर्श कर योजना भी नहीं बनाते । चिंतक डेविड केकिच का अवलोकन है : "चिंता को नियंत्रण की कमी, प्रबंधन की कमी, तैयारी की कमी और कृति की कमी जन्म देती है ।" शक्तिशाली विचार ।

८८

पहाड़ी पर और बदलले में उस्ताद

हाल ही में मेरी किताबों पर हस्ताक्षर करते वक्त मेरा एक पाठक मुझसे मिला । मेरी एक किताब पढ़ने के बावजूद वह दोषदर्शी था । चिंता की बात नहीं- क्योंकि हर कोई मेरे शब्द स्वीकार नहीं कर सकता । और मुझे जरूरत भी नहीं कि मैं उसे सही समझू । अभी अभी मैंने मेरा एक दार्शनिक तत्व लोगों के साथ बांटा जो मुझे सही लगता था । अगर कोई उसी से सहमत नहीं हैतो ठीक है। न ही हर किसी को कॉफी अच्छी लगती है। विचारों में मतभिन्नता होने की वजह से जीवन बहुत ही रुचिप्रद बनाता है । यह पाठक भी उसी तरह का था । उसने कहा कि उसे किताब पसंद आई, लेकिन उसे विश्वास नहीं है कि यह विचार उसे मददगार साबित होगा । हं ।

विश्वास और भरोसा पहाड़ बनाते है । और अगर आपको भरोसा नहीं है कि यह विचार कारगर साबित होगा, तो फिर वहां पर कोई मौका नहीं है कि आप उस पर काम करेंगे (और अगर आप काम करना शुरू नहीं करेंगे, तो परिणाम कैसे पाएंगे ?) विचार कार्य की मां है और आपका भरोसा वास्तव में आप द्वारा की गई भविष्यवाणी पूरा कर देगा ।

किताब पर हस्ताक्षर करने के बाद मैंने पाठक के विचार पर कॉफी देर तक विचार किया । अगर मुझे उस पाठक से और एक बार मिलने का मौका मिलेगा तो मैं उसे पहाड़ी पर चढ़ने का रुपक समझाऊंगा ताकि उसे यह समझने में मदद हो कि लोगों में वाकई बदलाव आता है और लंबे समय तक रहता है । मेरे विचार इस मुद्दे पर मैं आपके सामने पेश कर रहा हूं । मेरे पास तीन विचार है जो मेरी इस किताब महान बनने के मार्गदर्शक में प्रस्तुत किए विचारों को समझने में मददगार साबित होंगे । और आप उसे आपके जीवन में शामिल कर वास्तव और लंबे समय तक मिलने वाले परिणाम देख पाएंगे ।

तय करें कि पहाड़ी की चोटी कैसी दिखती हो : मैं सुझाव देता हूं कि आप किस तरह की सफलता चाहते हैं उसे लिख कर रखें । यह भी लिख रखें कि जबरदस्त सफलता हासिल करने के लिए जीवन में क्या बदलाव लाना चाहिए। ऑर यह भी कि अगर आप सुधार नहीं कर पाए तो क्या घटित होगा । उसके बाद आपके जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं के लक्ष्य लिख दें । आज से पांच वर्ष बाद आप खुद को कहां पाते हैं यह भी लिख रखें । वह मूल्य लिख कर रखें जिसके साथ आप जीना चाहते हैं । सफलता के पहले स्पष्टता आती है- ऑर बदलाव के पहले

जागरूकता आती ।
चढ़ाई शु रू करें : शुरुआत करने में बहुत ताकत होती हैं (मैं उसे शुरुआत की ताकत मानता हूं) एक ही काम- अभी पूरा करें- ताकत के साथ काम पर लगे । वह संवेग पेंदा करेगा । काय शुरू करते ही आप सकारातत्मक परिणाम का अनुभव लॅगे । उससे सकारात्मक पाश की पुष्टी की शुरुआत होगी : ज्यादा काय, ज्यादा सफलता । ऑर उसके बदले में आपका भरोसा बढ़ेगा ।

एवरेस्ट की चोटी पर आप छलांग लगा कर पट्टने सकते । चोटी पर पहुंचने के लिए आपको आहिस्ता पहाड़ी चढ़जी होगी। सीढ़ी दर सीढ़ी चलते हुए आप लक्षय को हासिल कर पाएंगे ।

छो़टे कदम उठाए । एवरेस्ट की चोटी पर आप छलांग लगा कर नहीं पहुंच सकते । चोटी पर पहुंचने के लिए आपको आहिस्ता आहिस्ता पहाड़ी चढ़नी होगी । सीढ़ी दर सीढ़ी चलते हुए आप लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे । हर कदम आपको सपने तक ले जाएगा । जीवन भी इसी तरह हें । ग्रति दिन छोटे कदम आपको महानता तक समय पर पहुंचाएंगे । क्यों? क्योंकि दिन सप्ताह में और सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल जाते है । किसी भी हालत में आप जीवन के अंत में उसे पा लोों –क्यों न हम असाधारण इंसान की जगह हासिल करें?

८९

“कृपया” शब्द के साथ क्या हो सकता है?

मैं अभी अभी स्टारबक्स में सोय लेट्टे कॉफी (ब्राउन शक्कर के साथ मुझे यह पसंद है) पीने के लिए पहुंचा था । मेरे आगे वाली महिला ने अपना कॉफी का कप काउंटर से उठाया और मुझसे कहा, "क्या मुझे ट्रे मिलेगा?" उसने गुस्ताखी से यह बात नहीं कही थी- और वह भद्र भी नहीं थी । उसने मुझे सोच में डूबो दिया । कृपया शब्द के साथ क्या हुआ है ?

मेरे हिसाब से "कृपया" का मतलब, मैं आपका आदर करता हूं । धन्यवाद का मतलब मैं आपकी प्रशंसा करता हूं । अपने आसपास के लोग जिनसे आप बेहद प्यार करते हैं, उनके लिए अच्छे रीति रिवाज पेश करना बहुत ही शक्तिशाली होता है । फ्रैंकी ब्रायन की यह पंक्ति मुझे बहुत ही पसंद है - "आदर, साधारण कपड़ों के प्रति प्यार जताने जैसा है ।" कितनी बार आपने दुकान में कुछ खरीदते वक्त या रेस्तरां में अच्छा व्यवहारी बोल सुने है ?

वास्तविक सफलता जटिल नहीं है । लगातार जो सफलता हासिल करते हैं वह इसी मौलिकता का इस्तेमाल करते है- टुकड़ों टुकड़ों में, दिन प्रति दिन- लगातार कई महीनों और वर्षों तक । यह ज्यादा कठिन नहीं है । यह सिर्फ एक छोटा कदम है जो एक नियम के रूप में आप प्रति दिन के जीवन में महत्वपूर्ण चीजों के लिए उठा सकते हैं । लेकिन जब आप इसे ज्यादा समय तक इस्तेमाल करते हैं- इसका परिणाम कई गुना बेहतर नजर आता है । हम में से जो श्रेष्ठ है वह यह बातें करते हैं जो हम जानते हैं कि इसके इस्तेमाल से हम असाधारण और अच्छा जीवन जी सकते है । और वह उसे लगातार करते रहते हैं । एक महत्वपूर्ण चीज वह हैं जो बार बार इस्तेमाल की जाती है और वह "कृपया ।"

अच्छा व्यवहार एक असाधारण इंसान बनने की ओर पहला कदम है – फिर वह एक मां हो, एक पिता हो, एक विक्रेता हो या फिर सीईओ । वह वास्तव में यह कर दिखाते है ताकि आप उनका आदर करने लगो । हां, अच्छे व्यवहार एक सामान्य बोध है, लेकिन जैसा की फरेंच दार्शनिक ने एक बार कहा है : "सामान्य बोध सामान्य छोड़ कर कुछ भी हो सकता है ।" और अगर यह सभी बातें प्रत्यक्ष रूप है, नहीं तो ज्यादा तर लोग इसका

इस्तेमाल कैसे कर सकते थे ?

अच्छा व्यवहार एक असाधारण इंसाज ववते की ओर पहला कदम हैं

१०

बॉन जोवी और लक्ष्य के प्रति केंद्रित होने की ताकत

कुछ समय पहले मुझे किसी ने बताया कि जॉन बॉन जोवी मेरी किताब द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज फेरारी का कायल है । बेहद रोचक । मैं हमेशा इस इंसान के उत्साह और संगीत का आदर करता हूं । आज सुबह मैंने उसका एक गाना सुना जिसके बोल थे- "जब विश्व मेरा चेहरा देखेगा, मैं कहूंगा आपका दिन शुभ रहे ।" इस गीत ने मुझे बॉन जोवी के बारे में सोचने पर बाध्य किया, कि इतने लंबे कैरिअर में पिछले कई वर्षों से वह क्यों और ज्यादा सफल हुआ है ।

आप जो पाना चाहते हैं अगर उस पर ध्यान केंद्रित करे तो उसमें ज्यादा ताकत होती है । यह एक प्रकट वक्तव्य है, जिसे हम में से ज्यादातर लोग भूल जाते हैं । सपने सच हो सकते है । आप अपने कैरिअर में असाधारण कहे जाने वाले स्तर पर भी पहुंच सकते है । आप वह गहरा प्यार भी पा सकते हैं जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते । आप खुद में विश्वस्तरीय जीवनशक्ति को महसूस करेंगे और अंत तक उसे पाएंगे । लेकिन आपको ध्यान केंद्रित करना होगा । जो इंसान हर तरह का काम करना चाहता है वह एक भी काम पूरा नहीं कर पाता । ज्यादातर व्यक्ति सभी पर सभी तरह की चीजों का इस्तेमाल करना चाहते हैं और वह किसी पर भी अपनी छाप नहीं छोड़ पाते है । भ्रम पैदा करने वाला मुद्दा स्पष्ट करता हूं : "जो व्यक्ति दो खरगोशों को एक साथ पकड़ने की कोशिश करता है वह सफल नहीं होता " बड़ी सोच ।

"आप जिस पर ध्यान केंद्रित करते है वह बढ़ता जाता है । आप जिस पर केंद्रित होते है उसे आप जीवन में ज्यादा मात्रा में पाएंगे ।" इस पंक्ति पर सोचे । आर्थिक रूप से स्थिर होने के बारे में सोचे और देखिए आपका आर्थिक जीवन किस तरह सुधरता है । ज्यादा से ज्यादा प्यार देने पर ध्यान केंद्रित करें और फिर देखिए आपके रिश्ते किस तरह सुधर जाते है । सशक्त शरीर और वर्जिश पर ध्यान दें, अच्छा खुराक लें और फिर देखिए आपका स्वास्थ्य कैसे सुधरता है । केंद्रित हो, केंद्रित हो, केंद्रित हो । बेहतर पाने के लिए बेहतर काम करना पड़ेगा । जो करना है उसके इर्दगिर्द सुरंग बनाए । वह अपनी प्रतिभा को अच्छी तरह बुन कर रखते हैं, न कि उसे बिखेरने देते है । कुछ महीने पहले मैं अपने एक करोड़पति ग्राहक के साथ खाना खा रहा था । मैंने उससे पूछा कि आर्थिक

रूप से सक्षम होने के लिए आपने कौन सी एक चीज पर ध्यान दिया । उसने तुरंत ही जवाब दिया "मैंने सिर्फ यही इकलौता लक्षय तय करके रखा था ।'

जो इंसान हर तरह का काम करना चाहता है वह एक भी काम पूरा नहीं कर पाता

जॉन बॉन जोवी पर फिर से लौटते है । मैं आपसे यही कहना चाहता हूं कि वह आज भी हमारे में हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहा है क्योंकि उसने तय किया है कि उसका संगीत कैसा होगा और वह उसे कहां तक ले जाना चाहता है । वह सिर्फ उसी पर ध्यान केंद्रित कर रहा है । मैंने सुना है कि उसे कठिन स्थिति से भी गुजरना पड़ा (वह एक क्लब से जुड़ गया था), लेकिन उसने हार नहीं मानी । उसने खुद को पीड़ित बनने नहीं दिया, वह अपने स्थान पर अटल रहा और वह पूरी सच्चाई के साथ अपने प्रशंसक और खुद के साथ डटा रहा ।

११

मरले के घहले किए जाले वाले 909 कामों की सूचि बजाएं

यह बहुत ही शक्तिशाली सोच है । यह विचार मुझे एओएल के उपाध्यक्ष टेड लिओन्सिस के एक लेख को पढ़ते हुए आया । कुछ वर्ष पहले जब वह हवाई जहाज से जा रहा था उस वक्त वह हवाई जहाज लगभग ध्वस्त होने वाला था, लेकिन नहीं हुआ । मौत को इतने नजदीक से देखने के बाद जीवन के प्रति देखने का उसका नजरिया पूरी तरह बदल गया - जो कायम रहा । जैसे ही हवाई जहाज से वह उतरा उसने उत्साह, उद्देश्य और अत्यावश्यकता की उच्च अनुभूति के साथ जीवन जीना तय किया । फिर उसने कागज का एक टुकड़ा लिया और उस पर मरने के पहले निश्चित तौर पर करने के १०१ कामों की सूची बना दी । उससे यह विचार उधार लेकर मैंने भी यही किया । और वह कमाल का कारगर साबित हुआ ।

इस बात ने मुझे कभी बेहद चकित किया कि कागज पर अपने लक्षय लिखना कितनी शक्तिशाली बात ह । जो इसे लगातार करता आ रहा हो उससे इस बारे में पूछ लीजिए । लिओन्सिस, जिसकी सूची में सबकुछ मतलब, परिवार बनाने से लेकर खुद की व्यावसायिक खेलों के क्षेत्र में विशेषाधिकार करने वाली कंपनी स्थापन करने तक की बातें थी, जिसमें से दो तिहाई काम उसने पूरे कर लिए थे । स्पष्टता साफ रूप से सफलता के पहले जरूरी है । और बुद्धिमानी से चयन करने के बाद ही जो महत्वपूर्ण है इसकी उच्च जागरुकता आती है ।

अब मेरे बारे में । मैं अपने सपनों को पूरा करने की आज भी कोशिश कर रहा हूं । मेरे लक्षयों में से कुछ लक्षय मैंन हासिल कर लिए है जिसमें अपंग बच्चों में नेतृत्व क्षमता निर्माण करने वाली संस्था की स्थापना करना और ग्रीक टापू सेंटोरिनी से सूर्यास्त देखना, बच्चों को माइकल एंजेलो का बूत डेविड दिखाना शामिल है। और मैंने अभी अभी शुरुआत की है, आप भी करें ।

उसने एक कागज का एक टुकड़ा लिया और उस पर मरने के

पहले निश्चित तौर पर करने के 909 कामों की सूची बना दी ।

१२

बच्चों के साथ समय बिताएं

जीवन के अंत में हम में से बहुत सारे लोगों को अफसोस होता है कि वह ज्यादा पैसा नहीं कमा पाए । ऐसा नहीं होता । वह स्थल हम देखना चाहते थे जो हम नहीं देख पाए इस बात का हमें अफसोस होना चाहिए, वह दोस्ती जो हम नहीं निभा पाए, वह खतरा जो हमें उठाना चाहिए था या फिर वह काम जो हम उनके साथ नहीं कर पाए जिनसे हम प्यार करते है इसका अफसोस होना चाहिए । इससे एक बात मेरे सामने उभर कर आई जो मैं आपके सामने उत्साह से रखना जरूरी समझता हूं : "बच्चों के साथ समय व्यतीत करें ।"

मैं जो भी करता हूं उससे बेहद प्यार करता हूं । विश्व में कई सारे हवाई जहाज है (हवाई जहाज उड़ते वक्त मैं आज भी बच्चों जैसा महसूस करता हूं)। कई अच्छी जगहों पर बड़े कार्यक्रम होते है । जीवन के सफर में विभिन्न पलों में मिलने वाले लोगों में से कुछ रुचिपरक लोगों के साथ श्रेष्ठ बातें होती है । जिन्हें जरूरत है उन तक मेरे संदेश फैलाने के बढिया मौके मुझे मिलते है । लेकिन नहीं- वाकई में मैं ऐसा नहीं करता – क्योंकि मेरे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है एक श्रेष्ठ पिता बनना। मैंने कुछ ऐसे अधिकारियों के साथ काम किया है जो कैरिअर में श्रेष्ठ स्थान पर है लेकिन उन्हें महसूस हो रहा है कि इसके लिए उन्होंने अपने निजी जीवन की महत्वपूर्ण बातें गंवाई है ।

यह इंसानी फितरत है कि जो हमसे ज्यादा प्यार करते हैं, हम उन्हें साधारण रूप में लेते हैं । मैं यह नहीं कहूंगा कि यह अच्छी बात है- मैं सिर्फ यही कहना चाहूंगा कि हम कम्प्युटर के जैसे हो गए है । हमें हमारी इस प्रवृत्तिको रोकते हुए अपने परिवार के प्रति कृतज्ञता की उच्च अनुभूति को जागरुक करना पड़ेगा। उन इंसानों की तरह न बनें जिन्होंने बहुत कुछ खोया है (तलाक या प्रियजन की मौत से), उसके पहले जाग जाए और जीवन का जो आशीर्वाद मिला है उसे स्वीकार करें । दुनिया भर के लोगों के साथ मैंने ऐसा होते हुए देखा है । हमेशा ।

अगर आप मौत की कगार पर है और आपके पास सिर्फ ३० मिनट है तो तुरंत ही फोन के पास पहुंच कर अपने नजदीकी लोगों को बताए कि आप उनसे कितना प्यार करते है । फिर आप अपना दिल हाथ में लेकर घर की तरफ दौड़े और सच्चाई के साथ उस प्यार के

बारे में बात करें जो आप महसूस कर रहे हो । ९-99 की दुर्घटना के बारे में जरा सोचिए । मुझे आज भी याद है उस दुर्घटना में मलबे में फंसे लोगों के फोन कॉल्स । हृदयविदारक ।

अगर आप मौत की कगार पर है और आपके पास सिर्फ ३० मिनट है तो तुरंत ही फोज के पास पहुंच कर अपने नजदीकी लोगों को बताए कि आप उजसे कितजा प्यार करते है ।

मुझे पता है आप बेहद व्यस्त है । कई काम करने है । कई स्थानों पर जाना है, कई लोगों को मिलना है । लेकिन एक मिनट रुके और एक फोन करें । बच्चों को बताएं कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं । अपनी पत्नी, पति, मां, बाप, भाई, बहन या दोस्त को बताएं कि आप उनके बारे में क्या सोचते है । आप को कभी अफसोस नहीं होगा । मुझ पर यकीन करें।

१३

शूकी की तरह काम करें

बिना मजा लिए काम करने का क्या मतलब है? क्या आप इस बात से सहमत नहीं है कि जीवन हर समय दुखद नहीं रहता । श्रेष्ठ संगठन एक मनोरंजक स्थल भी है, यह सच है कि वह उच्च दर्जे का प्रदर्शन, लगातार नवीनता और श्रेष्ठ कायान्वयन प्रदान करने की मांग करते है, लेकिन वह मनोरंजन भी प्रदान करते है । काम- खुश रह कर- हंसते हुए - करने पर सहयोग, रचनात्मक, प्रतिबद्धता को बढ़ावा मिलता है । जो कंपनी एक साथ खेलती है वह एक साथ रहते है । महत्वपूर्ण बात यही है कि अंत में मजा महत्वपूर्ण है क्योंकि लोग उन्हीं के साथ कारोबार करना पसंद करते हैं जो कारोबार को पसंद करते है ।

जीवज हर समय दुखद नहीं रहता

अब आपके निजी जीवन के बारे में बात करते है । क्या आप मजा करते है? में मेरे २० और ३० वर्ष की उम्र में बेहद गंभीर था । मि. सीरियस । "जीवन का उद्देश्य ही उद्देश्यभरा जीवन है" पर मुझे पूरा भरोसा था । मैं दुनिया बदलना चाहता था और लोगों में नेतृत्व तैयार करने का काम करना चाहता था । मैंने बेहद परिश्रम किया, लेकिन पाया कम । अभी हाल ही में मैंने जीवन के सफर के दौरान मजा उठाया और उसका महत्व जाना । अब मैं पूरी तरह बदल गया हूं । मेरी आंखें अब भी पहाड़ी की चोटी पर है और मैं पहाड़ चढ़ने का मजा लेने पर भी ज्यादा ध्यान दे रहा हूं । मैं अपने बच्चों के साथ हमेशा गूफी (एक ऐसा कार्टून किरदार जो काफी हंसाता है) को लेकर चलता हूं । मैं दोस्तों के साथ स्कीइंग करता हूं । व्यावसायिक यात्रा के दौरान मैं एक दो दिन ज्यादा रखता हूं और आर्ट गैलरी घूमने जाता हूं, जैसा कि कुछ सप्ताह पहले ही जब मैं लंदन यात्रा में गया था तब ऐसा ही किया था । क्योंकि अच्छा समय बिताना जीवन बेहतर तरीके से बिताने जैसा है । और उसमें बहुत मजा है ।

१४

बेहतर डिजाइन का आदर करें

फ्रैंकफर्ट हवाई अड़े से लौट कर मैं यह प्रकरण लिख रहा हूं। जर्मनी में रहते हुए मैं यह नोटिस किए बिना नहीं रह सका कि यहां डिजाइन ज्यादा मायने रखती हैं। बाथरूम में रखा हाथ के टॉवेल का बक्सा दोषमुक्त था और बेहतर रूप से कार्य कर रहा था। लाउंज में रखी लैटे (कॉफी की) मशीन ने मेरा दिल जीत लिया । सामान ढोने वाली गाड़िया न सिर्फ अच्छी तरह चल रही थीं बल्कि खूबसूरत भी थीं। डिजाइन मायने रखती है ।

फोर्ड जो कारें बेचने वाली कंपनी है ने खुद को एक डिजाइन फर्म के रूप में पुन:स्थापित किया था। उससे प्यार करे। आज की दुनिया में उपभोक्तओं के सामने पहले से कई ज्यादा विकल्प है, ऐसे में आपके सामने सर्वोत्तम डिजाइन ही इकलौता रास्ता है, आपके उत्पाद और आपका संगठन भीड़ में उभर कर आना चाहिए और लोगों के आकर्षण का केंद्र बनना चाहिए । एप्पल आईपॉड की तरफ देखिए। एक ऐसा जबरदस्त उत्पाद जिसे आप आंखों के सामने से ओझल नहीं होने देंगे (मैं उसके बिना सफर के बारे में सोच भी नहीं सकता ।) वाकई। १०,००० गीत आपकी पिछली जेब में एक अनोखी बात, लेकिन डिजाइन ऐसा कि हर कोई उससे प्यार करने लगे । एप्पल के आईबुक की तरफ देखें । असलियत में, कंपनी द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए किसी भी उत्पाद को देखिए आप पाएंगे कि उसका डिजाइन विश्वस्तरीय बनाया गया है ।

डिजाइन में माहिर फिलीप स्टार्क के बारे में गुगल सर्च पर सर्च कीजिए। देखिए एक दशक पहले उसने अपने सहयोगी इयान स्क्रेजर के साथ मिल कर बूटिक (खूबसूरत) श्रेणी में होटल का डिजाइन किया था जिसमें प्रवेश करते ही ग्राहकों की आंखें खुली की खुली रह जाती थी (लंदन का सेंट मार्टिन्स लेन और न्यूयार्क का हडसन आज भी मेरी पसंदीदा सोने की जगह है) इसे कहते हैं अच्छा डिजाइन । या फिर बोडम फ्रेंच प्रेस कॉफी मेकर में निवेश करें जो बेहतरीन जावा कॉफी बनाती है । मेरे रसोईघर में अच्छी दिख रही है । उसके अनोखे और बेहतर डिजाइन की वजह से उसके बारे में हर किसी को जानकारी देने के लिए मैं प्रेरित हो गया हूं। महान डिजाइन उत्पाद का सकारात्मक प्रचार करता है। टोरंटो के रॉटमैन मैनेजमेंट स्कूल के डीन रॉर मार्टिन की टिप्पणी है : "कारोबारियों को डिजाइनरों को समझने की जरूरत नहीं होती, उन्हें डिजाइनर की

जरूरत होती है।"

कारोबारी लोगों को डिजाइनर को समझने की जरूरत बहीं होती, उन्हें डिंजाइजर की जरूरत होती हैं ।

यहां आपके लिए एक सशक्त विचार जो आप साथ ले जा सकते हैं : "इंसान की जरूरत जीवन में खुश रहने की होती है । अगर जीवन साधारण है, तो हम खुशी महसूस नहीं करते ।" अच्छा डिजाइन उस रहस्य को और गहरा करता है । वह जीवन रोचक बनाता है, वह हम में से हर एक के अंदर बसे कलाकार से जुड़ता है । हमें चकित करता है । और कारोबार का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को चकित कर उनके जीवन को असाधारण रूप से निर्माण करना है ।

१५

एवियन पानी और आप एक बहुत बड़ा स्वपना देखने वाले

अगर सप्ताह में एक बार भी आप और आपकी योजनाओं पर लोग हंसे नहीं तो इसका सीधा मतलब है कि आप अपना काम ठीक तरह से नहीं कर रहे है ।

मैं जो कह रहा हूं वह जरूरी है । मैं ऊबाऊ कारोबार और जिन रास्तों पर ज्यादा लोग चले नहीं उस रास्ते पर चलने के लिए डरने वाले लोगों से थक चुका हूं । ज्यादातर चीजें हम में डर बिठा देती है कि यह नहीं हो सकता, तो क्यों उन्हें हम हमें छोटा करने का मौका दे?

धार पर चलते है । और महान कंपनियां अन्य कंपनियों के सामने अपना स्थान बनाने पर समय व्यतीत करने के बजाय ग्राहकों को उचित मूल्य प्रदान करने के नए रास्ते खोजती रहती हैं । क्यों ? क्योंकि दुनिया को बेहतर नकल की जरूरत नहीं है । हमें नकल करने वाले ज्यादा लोगों की जरूरत नहीं है । दुनिया को ऐसे लोग और संगठनों की जरूरत है जो उन्हें चकित कर दें । जो हमारी दुनिया में कमाल कर दें । ग्राहकों को समृद्ध और समुदाय को आगे बढ़ा कर इस धरती को एक अलग मुकाम पर ले जाने के लिए ऐसी विशाल योजनाएं बनाने वालों की जरूरत है जिन योजनाओं के बारे में किसी ने सोचा भी न होगा । विश्व को ज्यादा से ज्यादा दूर की सोचने वाले, सपने देखने वाले और जबरदस्त परिवर्तन लाने वालों की जरूरत है। टॉम्स ऑफ मेन के संस्थापक टॉम चैपल ने जो कहा वह मुझे बहुत ही पसंद है । उसने कहा : "सफलता का मतलब प्रतिस्पर्धा की वजह से खुद की परिभाषा तय करना नहीं है । उसके बजाय अपने दृष्टीकोन पर आधारित परिभाषा तय करना है ।" बहुत ही खूबसूरत ।

मेरे एक ग्राहक ने हाल ही में मुझसे कहा कि वह सोचता है कि हमारी नए सिरे से बनाई वेबसाइट पर मेरा आंखें बंद कर हाथ में कबूतर पकड़े हुए फोटो देकर मैंने और मेरी टीम ने, बहुत ही ढाढस का काम किया है । "माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, नाईके और फेडेक्स जैसे आपके व्यावसायिक ग्राहक इस बारे में क्या सोचते है?" मैंने जवाब दिया, "मुझे लगता है कि मेरे इस निर्भीक कदम को उन्होंने सराहा होगा ।" एक बार जब मैं मेरा प्रस्तुतीकरण कर रहा था उस वक्त नए मल्टीमीडिया शो के डिजाइनर ने मुझसे कहा कि मैंने जो रंग चुना है वह बेहद ही जोखिमभरा है क्योंकि वह कारोबारी रंगों के मानकों

के मुताबिक नहीं है । मैंने मजाकिया स्वर में कहा, "प्रशंसा करने के लिए लए छयावाद ।" कारोबार मतलब ज्यादा ढाढ़स । कारोबार को ज्यादा से ज्यादा ऐसे लोगों की जरूरत है जो छोटे कहे जाने वाले और अलग कामों के लिए भी जोखिम उठा कर काम कर सके । कारोबार को रिचर्ड ब्रॉन्सन जैसे लोगों की ज्यादा से ज्यादा जरूरत है जो अपनी कंपनी वर्जिन गैलैक्टिक के माध्यम से लोगों को अंतरिक्ष की सैर कराने के लिए समर्पित हुआ है । इस तरह के लोग मुझे बेहद पसंद है । वह मुझे प्रेरणा देते हैं ।

कारोबार मतलब ज्यादा ढाढ़स । कारोबार को ज्यादा से ज्यादा ऐसे लोगों की जरूरत है जो छोटे कहे जाने वाले और अलग कामों के लिए भी जोखिम उठा कर काम कर सके ।

नई खोज पर शुरुआत में सभी हंसते है । ऐसा आम तौर पर होता है । वह कोलंबस पर भी हंसे थे जब उसने कहा था कि पृथ्वी गोल है । वह राइट बंधुओं पर भी हंसे थे जिन्होंने कहा था कि इंसान भी हवा में उड़ सकता है । वह रिम के लोगों पर भी हंसे थे जिन्होंने ब्लैकबेरी की खोज की थी । वह इवियन की स्थापना करने वाले पर भी हंसे थे, जिसने सोचा था कि लोग पानी खरीद कर पी सकते है । आज कौन हंस रहा है? मेरा अनुमान है कि ब्रह्मांड जोखिम उठाने वालों के साथ होता है ।

लोग असली चीजों के लिए पैसे खर्च करते है (बड़ा विचार है यह) । आप अपने व्यावसायिक क्षेत्र का नेतृत्व करना चाहते है? तो अलग बनने की कोशिश कीजिए । लोगों को हंसने दीजिए । भले ही वह आपको पागल कहे । उन्हें आपके बारे में धीमे स्वर में बातें करने दीजिए । अपने लक्षय के प्रति सच्चे रहे । बड़े सपने देखे । साधारण न बने। मैं आपसे यहीं कहूंगा कि मौत को गले लगाने की कोशिश करें ।

१६

गार्थ जैसा बने

इस पूरे किताब में मैंने एक ही बात पर ज्यादा जोर दिया है और वह है बिना पद की चिंता किए नेतृत्व करें । पूरी क्षमता से काम करें और खुद को दूसरों से अलग बनाने की कोशिश करें । वहां एका ऐसा इंसान है जो मेरे द्वारा फैलाई जा रही है दार्शनिकता से जीवन जी रहा है । उसका नाम गार्थ टेलर । हाल ही में उसकी मृत्यु हो गई । मैं उसका सम्मान करना चाहता हूं ।

डॉ. गार्थ आलफ्रेड टेलर का जन्म १९४४ में जमैका के मोंटेगो बे में हुआ । ऊपर वाले ने उन्हें जैसे आंखों का सर्जन बनने के लिए ही भेजा थाएक पारिवारिक इंसान और इससे भी बड़ी बात यह कि वह एक मानवतावादी थे । उनका एक मशहूर वाक्य है : "मैं इस दुनिया में कुछ भी लेकर नहीं आया था, और जाते वक्त मैं सिर्फ मैं मेरा अंत:करण लेकर जाऊंगा ।" मेरा मानना है कि उन्होंने यही किया ।

डॉ. टेलर से मेरी मुलाकात मेरे भाई संजय की वजह से हुई जो खुद भी एक बेहद अच्छा आंखों का सर्जन है । गार्थ संजय का सहयोगी था और मेरी किताबों का प्रशंसक । इसलिए एक दिन सुबह मैंने अपनी किताबों पर हस्ताक्षर कर उसे किताबें भेज दी । मैंने सुना कि वह इस उपहार को पाकर बेहद खुश हो गए ।

डॉ. गार्थ का बेहद प्रभाव होने की मुख्य वजह यह है कि उन्होंने सिर्फ डॉक्टरी पेशा निभाया नहीं बल्कि वह उसके लिए ही जिए। २० वर्ष से ज्यादा समय तक वह विश्व के विकसनशील देशों में घूमे और वहां के लोगों की आंखें बचाने में मदद की । उनके शब्दों में, "मैंने मेरा निर्वाण २३ वर्ष पहले ही पा लिया था जब मैंने अंधापन दूर करने का इलाज शुरू किया।" लोगों को सिर्फ उनकी आंखें वापस नहीं मिली बल्कि उनका आत्मसम्मान भी लौटा । वह लोगों की चिंता करते थे और काम करने का साहस दिखाते थे- उन्होंने हजारों लोगों का जीवन संवारा । संजय डॉ. गार्थ के अंतिम संस्कार में उपस्थित था । चर्च लोगों से खचाखच भरा हुआ था और कई लोग तो रास्ते पर भी खडे थे ।

मैं इस दुनिया में कुछ भी लेकर नहीं आया था, और जाते वक्त

मैं सिर्फ मेरा अंत:करण लेकर जाऊंगा

महान बनने का मार्गदर्शक किताब अब आप लगभग पढ़ कर पूरा करते आए हैं और हमने जो समय एक साथ बिताया वह भी खत्म होने आ रहा है । मैंने आपके साथ आदर पूर्वक जो विचार बांटे हैं उसकी सच्चाई पर सोचने के लिए आमंत्रित करता हूं । अब आप सोचे कि आपको किस तरफ खड़ा रहना है और आपका प्रभाव क्या होना चाहिए । और फिर डॉ. गार्थ के इन शब्दों पर चिंतन करें : "जब तक मेरी सांस में सांस है तब तक मैं यह काम करते रहूंगा क्योंकि मुझे लगता है कि मुझे इसीके लिए चुना गया है, पैसे कमाने के लिए नहीं और न ही किसी कमी को पूरा करने के लिए, सिर्फ मेरे साथी इंसानों का जीवनस्तर सुधारने के लिए "

१७

आसानी से छोड़ न दें

मैं यहाँ अपने अध्ययन कक्ष में कॉफी पीते हुए लिखने के लिए बैठा हूं और सोच भी रहा हूं । दिन में सपने नहीं देख रहा हूं और न ही समय बर्बाद कर रहा हूं । न कोई चिंता कर रहा हूं । सिर्फ सोच रहा हूं । यह मेरी अच्छी आदतों में से एक है । ज्यादातर मैं अपने लक्ष्य की भावना का महत्व और सच्चाई से उसके साथ जुड़े रहने के बारे में सोच रहा था । यह आसान नहीं फिर भी ।

मैंने पाया है कि अगर मैं बड़ा सपना देखता हूं तो उसके लिए ज्यादा बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है । जीवन में मेरा लक्ष्य बिलकुल सीधा है : "मैं लोगों की असाधारण बनने के लिए मदद करना चाहता हूं और संगठनों को विश्वस्तर पर पहुंचाना चाहता हूं ।" इस सपने को पूरा करने का जुनून मुझ पर सवार है और मैं इस विश्व को बेहतर बनाने में मेरा किरदार निभा रहा हूं । यह मेरे लिए सिर्फ एक व्यवसाय नहीं है- इसके लिए मुझे बुलाया गया है । लेकिन मैं जितनी ऊंचाई पर पहुंचता हूं उतना ही मेरा ज्यादा परीक्षण होता है । परिचित सा लग रहा है ?

लेकिन चुनौतियां अच्छी होती है । उनके माध्यम से हम बढ़ते हैं । हम सबसे ज्यादा खतरों के बीच जीवित रहते है । ऊंचाई पर बांधी तार पर चलने वाले महान पापा वेलेंडा ने इसे बहुत ही खूबसूरती से बयान किया है : "तार पर जीवन चलता रहता है और आगे का बचा हुआ हमारा इंतजार करता रहता है ।" हम में से जानकार लोग - असली नेता - दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में भी उनके चेहरे पर हंसी रहती है । वह जानते हैं कि जीवन बड़े सपने देखने वालों कीआवेशपूर्ण क्रांतिकारियों की परीक्षा ले रहा है । यह लगभग निराई की प्रक्रिया है- सिर्फ मजबूत (और श्रेष्ठ) ही दिल मजबूत कर है उसे जीते हैं । एमेझॉन डॉट कॉम के संस्थापक जेफ बेजोस ने एक बार जो कहा था वह मुझे बहुत ही पसंद है । उसने कहा था : "मैं जानता था कि अगर मैं असफल हो भी जाऊं तो भी मुझे अफसोस नहीं होगा, लेकिन मैं यह भी जानता था कि अगर मैं प्रयत्न न करूं तो मुझे ज्यादा अफसोस होगा ।"

तो मैं किसी भी प्रतिरोध का सामना करने के लिए तैयार हो गया । मैंने मेरे सपनों पर आंखें गड़ाई। मैं अपने संदेश और लक्ष्य पर मजबूत रूप से खड़ा रहूंगा । क्योंकि यह

विश्व हम जैसे सपने देखने वालों पर निर्भर है- आप और मैं । और अंत में हम जीते या हारे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन हम एक अलग विश्व तो बना ही देंगे । और मेरे लिए यही काफी है ।

जीवन बड़े सपने देखने वाले और आवेशपूर्ण क्रांतिकारियों की परीक्षा लेता है

१८

बड़े पैमाने पर खुद की देखभाल करें

नेतृत्व अपने अंदर से शुरू होता है । संगठनात्मक नेतृत्व, व्यक्तिगत नेतृत्व के साथ शुरू होता है । आप जब तक खुद को महान महसूस नहीं करोगे तब तक आप महान काम नहीं कर पाओगे । जब तक आप खुद के बारे में अच्छा महसूस नहीं करते तब तक दूसरों को आप वैसा नहीं बना सकते । अगर आप में ऊर्जा नहीं है तो आप किसी के ऊर्जा के स्रोत नहीं बन सकते । सफलता का झूला बाहर की तरफ झूलता है- अंदर की तरफ नहीं ।

संगठनात्मक नेतृत्व व्यक्तिगत नेतृत्व के साथ शुरू होता है । आप जब तक खुद को महान महसूस नहीं करोगे तब तक आप महान काम नहीं कर पाओगे ।

आपकी अगली उड़ान के समय फ्लाइट अटेंडट की बात सुने- "किसी दूसरे को मदद करने के पहले आप अपने मुँह पर ऑक्सीजन मास्क लगाएं ।" तर्क स्पष्ट है : "अगर आप सांस नहीं ले सकते तो दूसरों के लिए आप बेकार है ।" निजी नेतृत्व विकास के लिए अच्छा रूपक है । खुद की देखभाल करने के लिए समय निकालें । अच्छे रूप में आएं । अच्छी व्यावसायिक किताबें और प्रेरणादायक जीवनियां पढ़े । अपनी योजना और कौशल में सुधार लाएं । गुरु के साथ काम करें । अपने प्रियजनों के साथ अच्छी तरह समय बिताएं । प्रकृति के साथ जुड़े । सफलता का पीछा करते हुए जीवन का आनंद ले ।

खुद की देखभाल करें ताकि आप दूसरों को ज्यादा दे पाएं । यह सुनिश्चित करें कि आप अपने क्षेत्र में माहिर हो, आपके नेतृत्व का प्रभाव गारंटी के साथ होगा । और जीवन का आनंद लेने में अगर आप समय बिताते है तो आप जिन लोगों के इर्दगिर्द रहोगे उनका जीवन भी सुखद हो जाएगा ।

११

सोचिए, मुझे कौन प्रेरित करता होगा?

एक दिन मैं अपनी किताबों पर हस्ताक्षर कर पाठकों को दे रहा था उस समय एक व्यक्ति उठ खड़ा हुआ और उसने मुझसे पूछा, "रॉबिन, कौन सी चीज आपको कार्यरत रखती है? आपकी ऊर्जा का स्रोत क्या है? आपको कौन प्रेरित करता है?" मेरे जवाब ने सबको हंसा दिया । मैंने कहा- "आप ।"

आप पढ़ना जारी रखेंगे तो मैं वचन देता हूं कि मैं लिखना और बोलजा जारी रखूणा ।

जो भी अच्छी चीजें मैं करता हूं आपके लिए करता हूं क्योंकि मैं आपसे बेहद प्यार करता हूं, मेरी किताबों के पाठक या मेरे ग्राहकों के लिए काम करना मैं मेरा सौभाग्य मानता हूं । जब मैं सुनता हूं कि मेरे विचारों की मदद से आप व्यक्तिगत और संगठनात्मक स्तर पर सफल हो चुके हैं तो मुझे गहरी खुशी मिलती है । हस्ताक्षर करते वक्त मेरी एक महिला पाठक ने मुझसे कहा कि कैसे उसके पति को जो कैंसर की वजह से मृत्युशय्या पर थे और आखरी सांसे गिन रहे थे तब मेरी किताब द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज फेरारी पढ़ कर खुशी मिली । या फिर एक व्यावसायिक जिसने मेरी किताब लीडरशिप विसडस फ्रॉम द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज फेरारी पढ़ी जिससे न सिर्फ उसकी कंपनी का मुनाफा बढ़ाया, बल्कि उसकी संस्कृति को भी आकार दिया जिससे एक इंसान के रूप में उसे सम्मान प्राप्त हुआ । या फिर १८ वर्षीय एक युवती ने मुझे बताया कि किस तरह वह मेरी किताब व्हू विल क्राय व्हेन यू डार्ड ? से इतनी प्रेरित हो गई कि उसने अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर दिया और आज वह अपना सपना पूरा कर चुकी है ।

मैं खुद को अविश्वसनीय रूप से धन्य मानता हूं । क्यों? क्योंकि मैंने मेरा जीवन आपकी सेवा में बिताया है । बहुत धन्यवाद । आप कल्पना भी नहीं कर सकते इतना मैं आपका आभारी हूं । अगर आप पढ़ना जारी रखेंगे तो मैं वचन देता हूं कि मैं लिखना और

बोलना जारी रखूंगा ।

१००

हमेशा के लिए कैसे जिएं

आपका अनुसरन करने वाली पिढी दर पिढ़ी के दिलों पर राज करना मौत को धोखा देने जैसा है । अपने नेतृत्व के बल पर आप जो अलग काम करते हैं वहीं आपको अमरत्व दिला देता है । लोगों के दिलों पर लंबे समय तक असर करनेकाम में चैम्पियन बनने या घर पर महान माता-पिता बनने या अपने समुदाय का महान नेता बनने का मतलब-हमेशा के लिए जीना है ।

> आपका अनुसरज करने वाली पिढ़ी दर पिढ़ी के दिलों पर राज करना मौत को धोखा देजे जैसा हैं ।

इन दिनों "प्रभाव" मेरे पसंदीदा शब्दों में से एकया योगदान देंग ्है । इसी तरह "परंपरा" शब्द भी । महानता ऐसी चीज से आती हैं जो आपने शुरु की है, पर वह आपके साथ समाप्त नहीं होती । तो मौत के बारे में चिंता करना छोड़ दें । जीवन की ज्यादा देखभाल करें । आज आप क्या निर्माण करेंगे । आज आप क्या योगदान देंगे । किस तरह की दयालुता आज आप दिखाएंगे । समाज की बीमारी को दूर करने के लिए आज आप कौनसा उपाय करेंगे । कौन सी गलत बात आज आप सही करेंगे । आर्चबिशप डैसमंड टूटू के यह शब्द मुझे बेहद पसंद है : "यहां ऐसी कोई स्थिति नहीं होती जो बदली नहीं जा सकती । यहां कोई ऐसा इंसान नहीं है जो निराशाजनक है। यहां ऐसा भी कोई स्थिति नहीं है जो इंसान अपनी गहरे प्यार की प्राकृतिक शक्ति से बदल नहीं सकता ।"

ब्रेवहार्ट फिल्म (मुझे हमेशा पसंद आने वाली फिल्मों में से एक) में मेल गिब्सन के किरदार की संक्षिप्त रूप से व्याख्या करते हुए : "हम सभी को मरना तो ही है। लेकिन हम में से कुछ ही लोग असली जीवन जीते हैं ।"

बिलकुल सही ।

१०१

महानता के हिस्से पर दावा करना

दोष या दावा- हम में से हर एक को प्रति दिन इन दोनों में से एक का चुनाव करना पड़ता है । जो काम ठीक तरह से नहीं हो रहा है उसे दोष दे या फिर नकारात्मक स्थिति में दिखने वाली चीजों को उपहार के रूप में स्वीकार करें । विश्व को ज्यादा नायकों की जरूरत है । और नायक अपना समय अच्छी बातें ढूंढ़ने में बिताते है । वह दूसरों में अच्छाई देखते हैं । वह खुद अच्छा काम निकालने के लिए खुद को खंगालते है । वह अपनी महानता पर दावा करते है । और ऐसा करते हुए वह अपना सर्वश्रेष्ठ जीवन पाते है ।

जो बनने का सपना आपने देखा है उसे बनने में ज्यादा देर नहीं लगती ।

एक असाधारण जीवन सिर्फ उन चुनिंदा लोगों के लिए नहीं है- जो अमीर है और शाही परिवार से जुड़े है । मेरी और आपकी किस्मत में महान बनना लिखा है । हम अभूतपूर्व जीवन जीने के लिए ही बने है। हमारे डीएनए में वह शामिल है। लेकिन इसे घटित होने के लिए हमें हमारा हिस्सा निभाने की जरूरत है । चुनाव दर चुनाव । सिढ़ी दर सिढ़ी । छोटे लाभ अंततः बड़े परिणामों में बदल जाते है । जीवन वाकई चाहता है कि हम जीते । हमें सिर्फ अपना किरदार निभाने की जरूरत है ।

तो आप महानता पर दावा करें । इस धरती पर आप ऐसा काम करके दिखाए जिससे सूर्य की रोशनी के नीचे आपका स्थान बना रहे । अतीत में कैद होना बंद कर दें और भविष्य का निर्माण करें । और याद रखिए, जो बनने का सपना आपने देखा है उसे बनने में ज्यादा देर नहीं लगती ।

निजी महानता के लिए संसाधन

शर्मा लीडरशिप इंटरनेशनल कोचिंग, सेवाएं और सीखने की एक पूरी श्रृंखला पेश करता है जिसकी मदद से आप अपनी उच्च क्षमता का अहसास कर असाधारण जीवन जी सकते है । आपको निजी और कैरिअर के रूप में विश्वस्तरीय बनाना हमारा मिशन है ।

रॉबिन शमर्ग डॉट कॉम

जिंदगी की तरक्की, बदलें आपकी दुनिया

यह बेहद लोकप्रिय वेबसाइट है जिस पर आप रॉबिन्स ब्लॉग, अच्छा काम करने के लिए आपको प्रेरित करने के लिए मुफ्त में पॉडकास्ट, रॉबिन शर्मा रिपोर्ट (मुफ्त मासिक ईन्यूजलेटर), दैनिक प्रेरणादायक उद्धरण, तुरंत डाउनलोड किए जा सके ऐसे ऑडियो लर्निंग प्रोग्राम, मांग पर ईकोर्सेस, डीवीडीज, प्रेरणादायक टी शर्ट और रॉबिन शर्मा की अन्य किताबें उपलब्ध होगी। साथ ही इस **robinsharma.com** वेबसाइट पर दुनिया भर के लोगों के लिए चर्चा मंच हैं जहां पर आप अपने विचारों को उन लोगों के साथ बांट सकते हैं जो महानता के प्रति समर्पित है । साथ ही रॉबिन के आनेवाले दिनों के कार्यक्रमों की पूरी सूची ।

TheMONTHLYCOACH®

कल्पना कीजिए कि रॉबिन आपको व्यक्तिगत रूप से - हर ३० दिन में- इस गलाकाट स्पर्धा के युग में आपको सही राह पर चलना सीखा रहा है, जीवन में महानता पाने के लिए आपको क्या ज्यादा महत्वपूर्ण है उस पर ध्यान केंद्रित करने और आपको प्रेरित करना भी सिखाएगा । **द मंथली कोच** ® हमारी सबसे ज्यादा बिकने वाली सेवा है । हर महीने आपको रॉबिन की ओर से एक विचारों से संपन्न ऑनलाइन आडियो प्रस्तुति प्राप्त होगी । आप इस कोचिंग को अपने आईपॉड या कम्प्युटर पर सुन सकते हैं - या फिर सीडी पर उसे रिकार्ड कर सकते है और अपनी कार में सुन सकते हैं । पिछले सत्रों में शामिल है विश्वस्तरीय जीवन कैसे बनाएं, ऊर्जा का धमाका, डर को भगाने के लिए चिकित्सा, काम के लिए ६ साधारण कदम- जो जीवन संतुलन और अपने समय पर नियंत्रण रखना सिखाते है, जीवन का स्वामी बनना । यह क्रांतिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आपको प्रति महीने सिर्फ १९.९५ डालर में उपलब्ध है । इसकी सदस्यता के लिए अभी भेंट दें **robinsharma.com** को ।

वर्ष में एक बार, पूरी दुनिया भर से लोग एक ऐसे शक्तिशाली और उल्लेखनीय व्यक्तिगत विकास कार्यशाला में हिस्सा लेंगे जिसमें उन्होंने कभी हिस्सा नहीं लिया होगा **The Awakening Best Self Weekend ™ (ABS)** एक परिवर्तनति अनुभव है जो कि आपको अपने डर पर विजय पाने में मदद करेगा, आपकी सबसे ज्यादा क्षमता के साथ आपको जोड़ेगा, आप जीवन में किस जगह पहुंचना चाहते है उसमें स्पष्टता लाने के साथ ही आपसे श्रेष्ठ काम करवाने के लिए आपके जीवन में बदलाव भी खोज देता है । **ABS** काम करता है मजे से (सीखने का एक ऐसा बेहतर अनुभव जो आपने कभी न पाया होगा) । अधिक जानकारी और **ABS** के अगले सप्ताहांत के कार्यक्रम में अपना नाम दर्ज करने के लिए **robinsharma.com** को आज ही भेंट दें । यह कार्यक्रम संगठनात्मक महानता कक्षा नेताओं के लिए सामग्री के साथ संपन्न है जो आकर्षक प्रशिक्षण पुस्तिकाएं, संसाधन संगठन के प्रत्येक कर्मचारी के लिए प्रदान करता है ।

महान बनने का मार्गदर्शक के पाठकों के लिए मुफ्त आडियो डाउनलोड

रॉबिन आपको एक उपहार दे रहा है । ताकि आप जल्द से महानता प्राप्त करे, अब आप असाधारण नेतृत्व को मुफ्त में सुन सकते हैं- जो रॉबिन के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रमों में से एक है । (इसकी कीमत २४.९५ अमरिकी डालर है) । इस सोच उत्तेजक, शक्तिशाली और व्यावहारिक प्रस्तुति से आप अपने जीवन और कैरिअर में विश्व स्तर का स्थान पाने के लिए अद्वितीय विचार सीख सकते है । सिर्फ **robinsharma.com** पर जाएं और अपनी मुफ्त प्रति डाउनलोड करें । हम आपको सिर्फ एक ही बात पूछेगे और वह यह है कि क्या आप इसे हमारे साथ अन्य लोगों के साथ बांटेंगे, ताकि हम कई लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव बना सकें ।

संगठनात्मक महानता के लिए संसाधन

चमकदार परिवर्तन, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और जबरदस्त अनिश्चितता के इस माहौल में वहीं संगठन अपने क्षेत्र का नेतृत्व कर सकता है जो आगे बढ़ रहा है और जिसके कर्मचारियों में से प्रत्येक में नेतृत्व की क्षमता से प्रतिस्पर्धीयों से अधिक तेजी से विकास होगी - रॉबिन शर्मा ।

Grow The Leader ™ एक क्रांतिकारी और ध्यान आकर्षित करने वाला शक्तिशाली प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो कर्मचारियों को बिना पद के काम कर संगठन को विश्वस्तर का बनाने में मदद करता है । विश्व की कई कंपनियां **Grow The Leader ™** कार्यक्रम का इस्तेमाल कर नेतृत्व संस्कृती का विकास, कर्मचारियों की सबसे अधिक प्रदर्शन की क्षमता का एहसास, नवीनता दिलाने और बाजार में जीत हासिल करने के लिए एक असाधारण टीम बनाती है ।

विश्व के बड़े नेताओं के ८ उत्तम आचरण पर आधारित **Grow The Leader ™** आपके लोगों की मदद करेगा ।

- सोचे, महसूस करें और विश्वस्तरीय नेताओं की तरह व्यवहार करें ।
- गतिविधियों और उनकी कार्रवाई पर ध्यान देने से शानदार परिणाम प्राप्त होता है ।
- व्यक्तिगत जिम्मेदारी, नया जोश और स्थायी जुड़ाव दिखाएं ।
- टीम के शानदार खिलाड़ी के रूप में संगठन को सफल बनाने में मदद और सहयोग करें ।
- आज को बदलने वाले अवसर को जकड़ कर रखें ।
- प्राकृतिक रचनात्मकता को जगाएं और नवाचार करने के लिए प्रतिभा में निरंतर सुधार का अभियान चलाएं ।
- कारोबार में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन क्या हो सकता है । इसकी खोज करें और काम और जीवन में संतुलन प्राप्त कर व्यक्तिगत नेतृत्व दिखाए ।

मूलत, **Grow The Leader ™** शिक्षक को शिक्षित करने का कार्यक्रम है । आप आपके संगठन के ऐसे लोगों को ढूंढ निकालिए जिन्हें आप इस प्रक्रिया में प्रशिक्षित करना

चाहते है । हमारे एक प्रमाणित **GTL Master coaches ™** द्वारा आपको इस कदर प्रशिक्षित किया जाएगा कि आप आपके संगठन में जाकर **Grow The Leader ™** कार्यशाला आयोजित कर संगठन में नेताओं को तैयार कर सकते हैं। साथ ही आप पाएंगे रॉबिन शर्मा द्वारा सिखाए जाने वाले कार्यक्रम विश्व के बड़े नेताओं के ८ उत्तम आचरण पर आधारित **Grow The Leader ™** की डीवीडी, उच्च सामग्री के साथ आकर्षक प्रशिक्षण पुस्तिकाएं भी आपके हर कर्मचारी के लिए प्रदान की जाएगी ।

अपने संगठन को विश्वस्तर पर ले जाने के लिए हमारे **Grow The Leader ™** और अन्य संसाधनों की जानकारी के लिए robinsharma.com को भेंट दें या आज ही हमें (९०५) ८८९-७९०० पर फोन करें ।

रॉबिन शर्मा के साथ प्रस्तुतियाँ

मुख्य भाषण और नेतृत्व कार्यशालाएं
रॉबिन शर्मा आज विश्व के उन वक्ताओं में से हैं जिनकी भाषण देने और नेतृत्व कार्यशाला के लिए अधिकांश मांग है । उनके नेतृत्व विचारों ने कई संगठनों को विश्वस्तर का बनने में मदद मिली है और ४० से अधिक देशों के कर्मचारियों को बिना पद नेतृत्व कर अपना सर्वश्रेष्ठ देने का अहसास करवाया । उनका प्रस्तुतीकरण प्रेरणादायक होता, विचारों से समृद्ध, वास्तविक दुनिया की नीतियां जिसे आपके कर्मचारी तुरंत ही स्वीकार करते हैं आपके संगठन को महानता हासिल करने में सफल बनाते है। रॉबिन शर्मा प्रस्तुतीकरण की अधिक जानकारी के लिए robinsharma.com पर भेंट दें या फोन करें (९०५) ८८९-७९०० ।।

The ELITE PERFORMERS SERIES WORKSHOP™

The Elite Performers series workshop™ नेतृत्व विकास कार्यशाला का इस तरह आयोजन किया गया है जिससे आपके लोगों में नेतृत्व की आदत डालने और कारोबार में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करें। यह अनूठा, उच्च और मजे से सीखने वाला कार्यक्रम बनाया गया है। ज्यादातर यह कारगर साबित हुआ है। विश्व भर The Elite Performers series workshop™ चुके हैं । The Elite Performers Series workshop™ अनुभव लेने के The Elite Performers series Advanced™ हैं जो रॉबिन शर्मा द्वारा सिखाया जाने वाला पूरे एक वर्ष का कोर्स है या फिर उनके certified Master Coaches द्वारा सीखने के लिए भेज सकते हैं । अधिक जानकारी के लिए robinsharma.com पर भेंट दें या आज ही फोन करें (९०५) ८८९-७९०० ।।

JAICO PUBLISHING HOUSE

Elevate Your Life. Transform Your World.

जयको पब्लिशिंग हाउस ने विभिन्न विषयों पर २००० से ज्यादा किताबें प्रकाशित की है जिनमें 'वयस्क और बच्चों के लिए साहित्य, इतिहास, हास्य, खेल, धर्म, दर्शन, स्वास्थ्य, मनोविज्ञान और आत्म सुधार की किताबें शामिल है। हमारे प्रख्यात लेखकों में शामिल है श्री श्री परमहंस योगानंद (आटोबायोग्राफी ऑफ अ योगी), खुशवंत सिंह, मुल्क राज आनंद, कमला मार्कंडेय, एकनाथ ईश्वरन, निराद चौधरी, एम. वी. कामत, सर्वपल्ली राधाकृष्णन, ओशो, श्री श्री रवि शंकर और रॉबिन शर्मा।

पिछले दो दशकों में, जयको ने अपने क्षितिज का विस्तार शैक्षणिक और व्यावसायिक पुस्तकों, प्रबंधन, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की किताबों के व्यापार में अग्रणी प्रकाशक के रूप में किया है। हमारे महाविद्यालय स्तर के पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ शीर्षक देशभर के छात्रों की मदद कर रहे हैं। हमारे शैक्षणिक और व्यावसायिक किताबों की सफलता काफी हद तक हमारे शैक्षणिक और कॉर्पोरेट बिक्री प्रभागों के प्रयासों के कारण है।

श्री. जमन शाह, हमारे पूर्व संस्थापक, ने १९४६ में एक पुस्तक वितरण कंपनी के रूप में जयको की स्थापना की थी। स्वतंत्रता आंदोलन चल रहा था इसलिए उन्होंने अपनी कंपनी को जयको (हिंदी में जय का मतलब जीत) नाम दिया। विकसनशील देशों में किताबों की उल्लेखनीय मांग को देखते हुए श्री. शाह ने खुद ही किताबें प्रकाशित करने का फैसला किया। जयको देश की पहली प्रकाशन कंपनी है जिसने अंग्रेजी भाषा की पेपरबैक पुस्तकें प्रकाशित की।

अपनी किताबों के प्रकाशक और वितरक होते हुए जयको ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों की पुस्तके वितरित करने का काम शुरू किया। इसमें मैकग्रा हिल, पियर्सन, थॉमसन और एल्सवेयर सायंस शामिल है। मुंबई में मुख्यालय के साथ, जयको ने दिल्ली, कोलकाता, बैंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद और भोपाल में भी बिक्री कार्यालय शुरू किए हैं। चालीस अधिकारियों से अधिक की बिक्री टीम, डाइरेक्ट मेल आर्डर डिवीजन, और वेबसाइट सुनिश्चित करता है कि हमारी किताबें प्रभावी ढंग से देश के सभी शहरी और ग्रामीण इलाकों तक पहुँचे।

SINCE 1946